THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 123 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रवण कृ.5 2081 गुरुवार, 25 जुलाई-2024

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ✻ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

भूटान के पीएम ने गुजरात दौरे को बताया यादगार

अहमदाबाद, 24 जुलाई (एजेंसियां)। भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोग्बे और भूटान के राजा जिग्मे खेसर नमग्याल वांगचुग की तीन दिवसीय गुजरात यात्रा संपन्न हो गई है। अपनी यात्रा के आखिरी दिन भूटान के दोनों नेताओं ने कहा कि इस दौरे से भूटान और भारत के बीच दोस्ती का बंधन और भी अधिक मजबूत होगा। अपनी यात्रा के आखिरी दिन भूटान के पीएम और राजा ने गांधीनगर के पास गिफ्ट सिटी का दौरा किया। आपको बता दें कि गिफ्ट सिटी गुजरात का पहली साइबर सिटी है। इसकी साथ यह शहर आने वाले समय में वैश्विक स्तर का आर्थिक और सूचना प्रौद्योगिकी का कैंद्र होने जा रहा है। गांधीनगर से नेपाल जाने से पहले भूटान के पीएम तोग्बे ने अपनी यात्रा का अनभव साझा किया।

'फोर लाइन' सड़कों से जुडेंगे सभी जिले

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पिछली बीआरएस सरकार पर आदिवासी टांडाओं की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि राज्य में टांडाओं के व्यापक विकास के लिए जल्द ही एक व्यापक योजना तैयार की जाएगी।

प्रश्नोत्तरी सत्र के दौरान कांग्रेस सदस्यों द्वारा ठंडाओं को ग्राम पंचायत में अपग्रेड करने को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकार ने ठंडों को ग्राम पंचायत में अपग्रेड कर दिया था, लेकिन इनके विकास के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही प्रत्येक टांडा को जिला मुख्यालय से जोड़ने वाली बीटी सड़कें और प्रत्येक जिला मुख्यालय को हैदराबाद से जोड़ने वाली चार-लेन सड़क बनाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी टांडाओं में पेयजल सुविधाएं, बिजली कनेक्शन और स्कूल स्थापित किए जाएंगे और आदिवासी टांडाओं में कनेक्टिविटी में सुधार के लिए कदम उठाए जाएंगे। ख़राब सड़कों के कारण लोग अपने गाँव नहीं जा पा रहे हैं। खराब सड़कों के कारण कई दुर्घटनाएं हो रही हैं। सरकार ने राज्य की सभी सड़कों को बेहतर बनाने का निर्णय लिया है। बीआरएस पर कड़ा प्रहार करते हुए मुख्यमंत्री ने पिछली सरकार पर ठंडाओं की उपेक्षा करने और आदिवासियों को न्यूनतम सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराने का आरोप लगाया। बीआरएस ने हाल ही में थांडास को जीपी में अपग्रेड किया है। नव स्थापित ग्राम पंचायतों में सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई गई हैं। बड़ी संख्या में ठंडों में सड़क, पीने का पानी, बिजली या स्कूल नहीं हैं। हम ये सभी सुविधाएं मुहैया कराएंगे।' कांग्रेस सदस्य जे.रणचंदर नाइक ने चिंता व्यक्त की कि टांडा को ग्राम पंचायत के रूप में अपग्रेड करने के बावजूद, सरकार ने अभी तक उन्हें राजस्व पंचायत के रूप में मान्यता नहीं दी है, जिसके कारण उन्हें सुविधाएं और लाभ नहीं मिल रहे हैं।

'छोटे गांवों में बुनियादी नागरिक सुविधाएं सुनिश्चित करेगी सरकार'

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार राज्य के सभी 'थांडा' (छोटे गांव, दूरदराज के स्थान) में सड़क संपर्क, पेयजल और बिजली आपूर्ति सहित नागरिक सुविधाएं सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने सभी थानों से संबंधित मंडल मुख्यालयों तक 'बीटी (बिटुमिनस टार) सड़क' बिछाने का निर्णय लिया है, चाहे वह गांव पहले से ही ग्राम पंचायत हो या उसे हाल ही में यह दर्जा मिला हो। उनका यह जवाब विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान 'थानों' को ग्राम पंचायतों में स्तरोन्नत करने से संबंधित प्रश्न पर आया। उन्होंने कहा कि सरकार को प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछली बीआरएस सरकार ने सात लाख बस्तियों को पानी की सुविधा उपलब्ध नहीं कराई थी। उन्होंने कहा कि सरकार का मानना है कि 'ठंडा' में बुनियादी नागरिक सुविधाओं का प्रावधान राज्य के विकास के लिए अनिवार्य है।

नेपाल में प्लेन क्रैश, 18 लोगों की मौत

मरम्मत के बाद टेस्टिंग के लिए उड़ान भरी; अचानक झुका-पलटा और आग लग गई

काठमांडू, 24 जुलाई (एजेंसियां)। नेपाल की राजधानी काठमांडू में बुधवार सुबह एक विमान क्रैश हो गया है। प्लेन में सवार 19 लोगों में से 18 की मौत हो गई है। वहीं घायल पायलट कैप्टन एम. शाक्य को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया है।

प्लेन काठमांडू से पोखरा जा रहा था। प्लेन ने सुबह करीब 11 बजे त्रिभुवन एयरपोर्ट से उड़ान भरी। इसके कुछ ही देर के अंदर यह क्रैश हो गया। 9N-AME प्लेन सौर्य एयरलाइन्स का था। हादसे में मारे गए लोगों में से 17 सौर्य एयरलाइंस के ही स्टाफ थे, जबकि बाकी 2 क्रू मेंबर्स थे।

दरअसल 21 साल पुराने इस प्लेन को मरम्मत कर टेस्टिंग के लिए ले जाया जा रहा था। प्लेन में मौजूद लोग कंपनी का टेस्टिंग स्टाफ था। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, हादसे के तुरंत बाद पुलिस और फायर फाइटर्स की टीम घटनास्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए पहुंची। एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि क्रैश के बाद विमान में आग लग गई थी। इसे तुरंत बुझा दिया गया। घटनास्थल से सामने आई तस्वीरों में धुएं का गुबार उठता दिख रहा है।

हालांकि, हादसा किस वजह से हुआ इसकी जानकारी अब तक सामने नहीं आई है। घटनास्थल पर मौजूद चश्मदीदों ने काठमांडू पोस्ट से बात करते हुए कहा, 'प्लेन रनवे के दक्षिणी छोर से टेकऑफ कर रहा था। अचानक से इसमें झटका लगा और आग लग गई।

इसके बाद यह रनवे के पूर्वी हिस्से में बुद्धा एयर हैंगर और रडार स्टेशन के बीच एक गड्ढे में गिर गया।' सौर्य एयरलाइंस की वेबसाइट के मुताबिक, कंपनी नेपाल में 5 जगहों के लिए विमान संचालित करती है। इनके पास 3 बॉम्बार्डियर सीआरजे-200 जेट्स मौजूद हैं।

रेल लाइन प्रोजेक्ट में सहयोग नहीं कर रही केरल सरकार

रेल मंत्री वैष्णव का आरोप

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। संसद के प्रश्नकाल में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि 1997-96 में स्वीकृत अंगमाली-सबरीमाला रेल लाइन प्रोजेक्ट में केरल सहयोग नहीं कर रही है। अगर सरकार भूमि अधिग्रहण में सहयोग करे तो केरल में रेलवे प्रोजेक्ट रफ्तार पकड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह एक जटिल परियोजना है और इसे पूरा करने के लिए राज्य सरकार के सहयोग की खासी जरूरत है। रेलवे लाइन बिछाने के लिए नए सिरे से प्रस्ताव बनाया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रस्तावित रेलवे लाइन करीब 111 किमी लंबी है और इससे मंदिर की दूरी 35 किमी है। लोगों ने चेंगन्नूर से पंबा तक एक नई लाइन बिछाने की मांग की थी, जो कि मौजूदा परियोजना से 75 किमी छोटी है। इससे सबरीमाला मंदिर करीब चार किमी है। उन्होंने कहा कि सांसदों को राज्य सरकार से चर्चा करनी चाहिए कि नए प्रस्ताव को लागू किया जाए या पुराने प्रस्ताव पर आगे बढ़ा जाए।

बिहार में पेपर लीक पर 10 साल की सजा

✻ 1 करोड़ का जुर्माना ✻ विधानसभा से विधेयक पास ✻ सदन से विपक्ष का वॉकआउट

पटना, 24 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा से एंटी पेपर लीक विधेयक पास हो गया है। राज्यपाल के हस्ताक्षर के बाद यह बिल राज्य में लागू हो जाएगा। इस बिल के मुताबिक, अब पेपर लीक को सीरियस क्राइम माना जाएगा। विधानसभा से कानून पास होने के बाद पेपर लीक मामले के आरोपियों पर नॉन बेलेबल धाराएं लगाई जाएंगी। नए कानून में 3 से 10 साल की सजा और 10 लाख से 1 करोड़ तक जुर्माना लगाने का प्रावधान है। ये नियम राज्य सरकार की तरफ से आयोजित होने वाली सभी परीक्षाओं में लागू होंगे। इसके अलावा जो भी संस्था पेपर लीक में शामिल होगी उसे 4 साल के लिए ब्लैक लिस्टेड किया जाएगा। विपक्ष के हंगामा को देखते हुए सदन गुरुवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। इस बिल को मानसून सत्र के दूसरे दिन ही पेश होना था, लेकिन विपक्ष के हंगामे के कारण सरकार इसे पेश नहीं कर पाई। सदन में एंटी पेपर लीक विधेयक पर चर्चा के दौरान विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया। नए नियम के मुताबिक अब पेपर लीक मामले की जांच भी डीएसपी रैंक के अधिकारी से कराई जाएगी। इसके साथ ही नए कानून में इस बात का भी प्रावधान किया गया है कि मामले की जांच सरकार किसी भी जांच एजेंसी से करवा सकती है। विपक्ष के विधायक सदन में आरक्षण के समर्थन में बेल में तख्तियां लहराने लगे। स्पीकर नंदकिशोर यादव ने सभी से वेल से जाने की अपील की, लेकिन विपक्ष के नेता मुख्यमंत्री के खिलाफ नारे लगाने लगे।

'विपक्ष गलत धारणा फैलाने की कोशिश कर रही'

> *वित्त मंत्री ने बजट को भेदभावपूर्ण बताने पर दिया जवाब*

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को बजट को 'भेदभावपूर्ण' बताने के विपक्ष के दावे पर करारा जवाब दिया। वित्त मंत्री ने कहा कि यह एक'अपमानजनक आरोप' है। उन्होंने कहा कि ऐसे आरोप विपक्षी दलों की ओर से जानबूझकर लगाए जा रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि कांग्रेस की अगुवाई में ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि लोगों के बीच यह गलत धारणा फैलाई जा सके कि उनके राज्यों को धन या योजनाएं आवंटित नहीं की गईं।

वित्त मंत्री ने विपक्ष के आरोपों पर राज्यसभा में दिया जवाब

वित्त मंत्री ने यह प्रतिक्रिया विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के उस दावे के बाद दी है जिसमें उन्होंने कहा था कि मंगलवार को पेश किया गया बजट देश के राज्यों के प्रति भेदभावपूर्ण है। राज्य सभा में बोलते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि विपक्ष, खासकर एक वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने बजट पर ऐसी बात कही है इसलिए मैं इसका जवाब दे रही हूं। वित्त मंत्री ने कहा, उन्होंने (खरगे ने) सवाल खड़ा किया कि मैंने कई राज्यों का बजट में नाम नहीं लिया और केवल दो राज्यों का नाम लिया। मैं यहां कुछ बातें कहना चाहूंगी कि भाषण में क्या होता है? कांग्रेस पार्टी इस देश में बहुत लंबे समय तक सत्ता में रही है और उन्होंने इतने सारे बजट पेश किए हैं कि उन्हें स्पष्ट रूप से पता होगा कि हर बजट में आपको इस देश के हर राज्य का नाम लेने का मौका नहीं मिलता है।

उन्होंने कहा, 'इस साल एक फरवरी में पेश किए गए लेखानुदान और कल पेश किए गए पूर्ण बजट के बीच मैंने बहुत सारे राज्यों का नाम नहीं लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मंत्रिमंडल ने महाराष्ट्र के वाधवन में बंदरगाह बनाने का फैसला किया है, लेकिन कल बजट में महाराष्ट्र का नाम शामिल नहीं किया गया। क्या इसका मतलब यह है कि महाराष्ट्र को खुद को उपेक्षित महसूस करना चाहिए?' वित्त मंत्री ने कहा कि उस परियोजना के लिए महाराष्ट्र के लिए 76 हजार करोड़ रुपये की घोषणा की गई है। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र का नाम लेखानुदान में नहीं लिया गया। राज्य के नाम का उल्लेख कल भी नहीं किया गया था; क्या इसका मतलब यह है कि राज्य की अनदेखी की गई?

भारत सरकार की योजनाएं सभी राज्यों तक पहुंचतीं हैं

आगे उन्होंने कहा, 'और मैं इतने सारे अलग-अलग राज्यों का नाम ले सकती हूं जिनके पास कई प्रमुख परियोजनाएं हैं। अगर भाषण में किसी राज्य का नाम नहीं है तो क्या इसका मतलब यह है कि भारत सरकार की योजनाएं और कार्यक्रम, विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक, एआईबी आदि से मिलने वाली बाहरी सहायता इन राज्यों में नहीं जाती है?'

जम्मू-कश्मीर में एनकाउंटर, 24 घंटे में दूसरा जवान शहीद

कुपवाड़ा, 24 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा के कोवुत इलाके में बुधवार सुबह सेना-आतंकियों के बीच गोलीबारी में एक और जवान शहीद हो गया है। नॉन कमीशंड ऑफिसर दिलावर सिंह अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। एनकाउंटर में सेना ने एक आतंकी को मार गिराया है। इससे पहले मंगलवार को पुंछ में एनकाउंटर हुआ था, जिसमें लांस नायक सुभाष कुमार शहीद हुए थे। सेना ने बताया कि उन्हें कोवुत में मंगलवार को 2-3 आतंकियों के मूवमेंट की सूचना मिली थी। सर्च ऑपरेशन के दौरान आतंकियों ने फायरिंग की, जिसके बाद एनकाउंटर शुरू हुआ। देर रात दिलावर सिंह को गोली लगी थी। एनकाउंटर में आज सुबह जवानों ने एक आतंकी को मार गिराया। जुलाई 2024 में अब तक जम्मू-कश्मीर में 8 बड़े आतंकी हमले हुए हैं।

संसद में राहुल ने किसानों से मुलाकात की

> हमने एमएसपी की कानूनी गारंटी देने की बात कही थी

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज संसद में किसान नेताओं से मुलाकात की। किसान नेताओं का 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल संसद में राहुल के ऑफिस पहुंचा और लोकसभा प्रतिपक्ष नेता से मुलाकात की। किसान नेताओं से मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने कहा-कांग्रेस ने अपने मेनिफेस्टो में एमएसपी की कानूनी गारंटी देने की बात कही थी। हमने आकलन किया है, ये बिल्कुल किया जा सकता है। इस बारे में हमने किसान नेताओं के साथ बैठक की। हमने तय किया है कि इंडिया गठबंधन के नेताओं से चर्चा कर, हम सरकार पर एमएसपी की कानूनी गारंटी के लिए दबाव बनाएंगे।

मुलाकात से कुछ देर पहले राहुल ने किसानों को संसद के अंदर नहीं आने देने का आरोप लगाया था। राहुल ने कहा था कि, हमने उन्हें (किसान नेताओं को) यहां मिलने के लिए आमंत्रित किया था। लेकिन वे उन्हें यहां (संसद में) नहीं आने दे रहे हैं। क्योंकि वे किसान हैं, शायद यही कारण है कि वे उन्हें अंदर नहीं आने दे रहे हैं। इसके बाद किसानों को अंदर जाने की इजाजत मिली।

प्रदर्शनकारी किसान 15 अगस्त को देश भर में ट्रैक्टर रैली निकालेंगे

22 जुलाई को संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा ने कहा था कि वे देशभर में मोदी सरकार के पुतले जलाएंगे। एमएसपी गारंटी को कानूनी बनाने की अपनी कानून की गारंटी, ऋण माफी, फसल बीमा, किसानों और खेतिहर मजदूरों की पेंशन, बिजली के निजीकरण को वापस लेने समेत अन्य मांगों को पूरा करने के लिए नए सिरे से विरोध प्रदर्शन शुरू करेंगे। इसके अलावा विपक्ष द्वारा निजी विधेयकों का समर्थन करने के लिए मार्च भी निकालेंगे। प्रदर्शनकारी किसान 15 अगस्त को देश भर में ट्रैक्टर रैली निकालेंगे और नए क्रिमिनल बिल की कॉपियां भी जलाएंगे। किसान संगठनों ने कहा था कि किसानों का 'दिल्ली चलो' मार्च 31 अगस्त को 200 दिन पूरा करेगा।

ओडिशा में मिसाइल टेस्टिंग 10 हजार लोग शिफ्ट किए गए

बालासोर के 10 गांव खाली कराए गए-300 रुपए मुआवजा मिला, ग्रामीण नाराज

भुवनेश्वर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के बालासोर में बुधवार को एक मिसाइल की टेस्टिंग होनी है, जिसके लिए 10 गांवों के 10 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट किया गया है। मिसाइल की टेस्टिंग बालासोर के चांदीपुर के इंटीग्रेटेड टेस्टिंग रेंज (आईटीआर) के लॉन्च पैड-3 से होगी। इसके अलावा मिसाइल से जुड़ी कोई भी जानकारी डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ) ने फिलहाल शेयर नहीं की है। हालांकि, रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने कहा है कि मिसाइल टेस्टिंग से पहले अलग-अलग फेज में तैयारी की जाती है। इसमें तय किया जाता है कि जमीन पर कितनी दूरी तक मिसाइल का प्रभाव पड़ेगा। इसी प्रोसेस के तहत डीआरडीओ ने ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। इसके अलावा उन्हें मुआवजे के लिए 300 रुपए भी दिए गए हैं। हालांकि ग्रामीणों ने इस पर नाराजगी जताई है। गांववालों ने कहा है कि मुआवजा काफी कम मिल रहा है। जिला प्रशासन ने अस्थायी रूप से विस्थापित लोगों के लिए तय की गई मुआवजे की राशि में लंबे समय से कोई बदलाव नहीं किया गया है। साथ ही कहा कि लॉन्चिंग रेंज में एक तालाब भी आता है, जहां काम करने वाले मछुआरों और खेतिहर मजदूरों को अभी मुआवजा नहीं दिया जाता है।

हिंसा पर ममता बनर्जी के बयान से बांग्लादेश को ऐतराज

विदेश मंत्री बोले-इसमें भ्रम की गुंजाइश

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के बयान पर बांग्लादेश सरकार ने मंगलवार (23 जुलाई) की देर रात आपत्ति जताई। ममता ने 21 जुलाई को टीएमसी की शहीद दिवस रैली में कहा था कि वे पड़ोसी देश में संकट में फंसे लोगों के लिए अपने राज्य के दरवाजे खुले रखेंगी और उन्हें शरण देंगी। ममता ने अपने इसके लिए संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव का हवाला दिया था। ममता के बयान पर बांग्लादेश के विदेश मंत्री हसन महमूद ने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के प्रति पूरा सम्मान रखते हुए, जिनके साथ हमारे बहुत करीबी संबध हैं। हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि उनकी टिप्पणियों में भ्रम की काफी गुंजाइश है। इसलिए हमने भारत सरकार को एक नोट दिया है। बांग्लादेश में नौकरियों में आरक्षण को हिंसक प्रदर्शनों में मरने वाले लोगों की संख्या 180 के पार हो गई है।

'बजट में विपक्ष शासित राज्यों के साथ हुआ भेदभाव'

> इंडिया ब्लॉक के सांसदों का विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। बजट को विपक्ष ने भेदभावपूर्ण बताया है और बुधवार को संसद भवन परिसर में बजट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी किया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत इंडी ब्लॉक के सांसदों ने केंद्रीय बजट में विपक्ष शासित राज्यों के साथ कथित भेदभाव को लेकर बुधवार को संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया।

अखिलेश यादव का तंज

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, 'समर्थन मूल्य किसान को ना देकर गठबंधन के साथियों को दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश को बड़े सपने दिखाए थे, क्या मिला उत्तर प्रदेश को? डबल इंजन की सरकार है तो डबल लाभ मिलना चाहिए था, दिल्ली का लाभ लखनऊ का लाभ लेकिन लगता है कि दिल्ली अब लखनऊ की ओर नहीं देख रही है या लखनऊ वालों ने दिल्ली वालों को नाराज कर दिया और इसका परिणाम बजट में दिखाई दे रहा है। विकास बिहार जा रहा है तो उत्तर प्रदेश को क्यों छोड़ रहे हैं? बाढ़ अगर बिहार की रोकनी है तो नेपाल और उत्तर प्रदेश की बाढ़ रोके बिना आप बिहार की बाढ़ कैसे रोकेंगे? आप पहले उत्तर प्रदेश और नेपाल की बाढ़ रोके तो बिहार की बाढ़ अपने आप रुक जाएगी।'

खरगे ने बजट को बताया अन्याय

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, 'यह अन्याय है। हम इसका विरोध करेंगे।' कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, 'यह अन्याय है। हम इसका विरोध करेंगे।' वहीं कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा, 'यह बजट भारत सरकार के बजट जैसा नहीं लगता। इस बजट में संघीय ढांचे को तोड़ा गया है। विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्य बजट से गायब हैं। यह सरकारी बजट नहीं बल्कि 'सरकार बचाओ बजट' है। यह सिर्फ सबको खुश करने के लिए है।' बजट के मुद्दे पर विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा से वॉकआउट किया। वहीं लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान केंद्रीय बजट के खिलाफ विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी की।

'ये पार्टियों के आत्म-मंथन करने का समय'

राज्यसभा से विपक्ष के वॉकआउट पर बिफरे सभापति धनखड़

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। बजट के विरोध में विपक्ष ने आज राज्यसभा से वॉकआउट किया। इस पर राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ ने कड़ी नाराजगी जाहिर की। सभापति ने कहा अगर ऐसा चलता रहा तो इससे लोकतंत्र गंभीर खतरे में पड़ जाएगा। सभापति ने ये भी कहा कि राजनीतिक पार्टियों के लिए अब आत्म मंथन का समय आ गया है। सभापति ने कहा कि 'बजट पर आज चर्चा सूचीबद्ध थी और मुझे उम्मीद थी कि नियमों का पालन होगा और माननीय सदस्य बजट पर चर्चा करेंगे, लेकिन अब मुझे ऐसा लगता है कि रणनीति के तहत ये किया गया। मैं सदस्यों से अपील करता हूं कि अगर इसी तरह से सदन में हंगामा होता रहा और इसे राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया गया तो इससे लोकतंत्र गंभीर खतरे में पड़ जाएगा'

राज्यसभा में चर्चा के दौरान मल्लिकार्जुन खरगे ने निर्मला सीतारमण को लेकर कहा कि माताजी बोलने में एक्सपर्ट हैं। इस पर राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ बोले-वो माताजी नहीं, आपकी बेटी की उम्र के बराबर हैं। इस दौरान नेता मुस्कुराते नजर आए। बजट में 2 राज्यों को छोड़ कर किसी राज्य को कुछ नहीं दिया गया। यह बजट किसी को खुश करने के लिए और कुर्सी को बचाने के लिए पेश किया गया है। इसलिए इंडिया गठबंधन पूरे देश में इस बात का विरोध करेगी।

शंभू बॉर्डर पर एसजी तुषार मेहता चिंतित, दी ऐसी दलील

एससी ने पूछ दिया तीखा सवाल

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। शंभू बॉर्डर खुलेगा या नहीं? सुप्रीम कोर्ट में आज यानी बुधवार को सुनवाई हुई। हरियाणा सरकार ने शंभू बॉर्डर को खुलवाने के पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने एक सप्ताह में नेशनल हाईवे-1 पर शंभू बॉर्डर को खुलवाने का आदेश जारी किया था। इस आदेश की मियाद आज यानी 24 जून को पूरी हो गई है। कानून-व्यवस्था का हवाला देकर हरियाणा सरकार ने इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। शंभू बॉर्डर खोलने के पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर हरियाणा सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में हरियाणा सरकार की तरफ से एसजी तुषार मेहता पेश हुए। हरियाणा सरकार की ओर से एसजी तुषार मेहता ने कहा कि हमें लोगों की असुविधा का ध्यान है लेकिन बॉर्डर की दूसरी तरफ 500 ट्रैक्टर ट्राली बख्तरबंद के रूप में मौजूद हैं। हरियाणा सरकार की तरफ से एसजी तुषार मेहता ने आगे कहा कि जनता की परेशानियों को लेकर हम भी चिंतित हैं लेकिन ट्रैक्टर ट्रॉली हैं, जो पंजाब से दिल्ली की तरफ जाना चाहती हैं।

सुप्रीम कोर्ट का तीखा सवाल

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर वो बिना ट्रैक्टर के दिल्ली आते हैं तो? आपने क्या उनसे बात करने की कोशिश की? क्या आपने उनके भरोसा जीतने की कोशिश की? अगर आप मंत्री भेजते हैं, बात करने को तो वो समझेंगे कि वो सरकार का पक्ष रख रहे हैं। किसी दूसरे को भेजने की क्यों नहीं सोच रहे हैं? सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा कि कोई कृषि एक्सपर्ट पंजाब या हरियाणा का भेज सकते हैं?

तुषार मेहता की दलील और एससी का जवाब

इस पर एसजी तुषार मेहता ने कहा कि इसके बारे में अदालत को सूचित करेंगे। जेसीबी और ट्रैक्टर को वार ट्रैंक के रूप में बनाया गया है। हम इस सुझाव को सरकार के सामने रखेंगे। इस पर अदालत ने कहा कि आपको एक ऐसा व्यक्ति भेजना होगा जो दोनो तरफ में हो। आप नेशनल हाईवे को कब तक बंद कर के रख सकते हैं। इस पर तुषार मेहता ने कहा कि लेकिन नेशनल हाई वे पर जेसीबी और ट्रैक्टर ट्रॉली की इजाजत नहीं दे सकते।

तुषार मेहता क्यों हुए चिंतित

तुषार मेहता ने कहा कि हम उनके रेजिडेंट पार्ट पर चिंतित नहीं हैं कि उन्होंने एसी लगा रखा है गाड़ियों में। हम उस बात से चिंतित हैं कि टैंक के रूप में उन्होंने जो गाड़ियों को बनाया है, वो चिंता का विषय है। पंजाब सरकार की तरफ से कहा गया कि बोर्ड सील करने से पंजाब को आर्थिक नुकसान हो रहा है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम एक कमिटी का गठन क्यों न कर दे जो प्रदर्शनकारी किसानों से बात करें। हम यहां पंजाब और हरियाणा के बीच विवाद को नहीं सुनना चाहते।

कमेटी बनाने का आदेश

इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में कहा कि एक स्वतंत्र कमिटी बने, जिसमें राज्य सरकार के लोग और कृषि एक्सपर्ट हो। पंजाब और हरियाणा कोर्ट को नाम सुझाए जो इस कमिटी के सदस्य हो सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने एक हफ्ते में दोनों सरकार से नाम मांगे। सुप्रीम कोर्ट ने शंभू बॉर्डर पर फिलहाल यथास्थिति बरकरार रखने को कहा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एक हफ्ते के बाद मामले की सुनवाई करेंगे। पंजाब सरकार ने कहा कि हरियाणा सरकार बोर्ड को खोलने पर विचार करें ताकि लोगों के असुविधा न हो।

कपिल सिब्बल का तंज

कहा- यह डगमगाती एनडीए सरकार का डगमगाता बजट है

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने मंगलवार को पेश किये गए केंद्रीय बजट (2024) में बिहार और आंध्र प्रदेश के लिए वित्तीय पैकेज को लेकर केंद्र पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जनता दल (यूनाइटेड) (जेडीयू) और तेलुगु देशम पार्टी की बैसाखी पर खड़ी सरकार दोनों राज्यों को फायदा पहुंचाने के लिए मजबूर है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए केंद्रीय बजट की कहानी यह है कि यह डगमगाती सरकार का डगमगाता बजट है। सिब्बल ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, "याद रखें कि राजनीतिक रूप से यह सरकार बिहार और आंध्र प्रदेश के दो नेताओं की बैसाखियों पर खड़ी है। इसलिए इसे एहसास है कि वह इन बैसाखियों के बिना बरकरार नहीं रह सकती। इसलिए इसे आंध्र प्रदेश और बिहार दोनों को लाभान्वित करने की जरूरत पड़ी।"पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार डगमगा रही है और तेदेपा के एन। चंद्रबाबू नायडू और जनता दल (यूनाइटेड) के नीतीश कुमार उसकी मदद कर रहे हैं, इसलिए बजट का लाभ दोनों राज्यों को मिला है। उन्होंने कहा, "हम इसके खिलाफ नहीं हैं क्योंकि हमारा मानना है कि मदद करने वालों को सहायता दी जानी चाहिए।" सिब्बल ने यह भी दावा किया कि भाजपा ने बजट में, उन राज्यों को "दंडित" किया है जहां उसने लोकसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था।

बरी होने के बाद फैसला सार्वजनिक मंच से हटाने संबंधी याचिका पर एससी करेगा सुनवाई

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट आपराधिक मामलों में एक व्यक्ति के बरी होने के बाद मामले से जुड़ी सभी जानकारी सार्वजनिक मंचों से हटाने के उसके अधिकार से संबंधित याचिका पर सुनवाई के लिए बुधवार को सहमत हो गया। यह मुद्दा आरोपी के उस अधिकार से संबंधित है, जिसमें सार्वजनिक मंचों से उसके नाम वाले फैसलों को हटाने का अनुरोध किया गया है। न्यायालय ने कहा कि फैसला हटाने के खतरनाक असर हो सकते हैं।

मद्रास हाईकोर्ट पर लगाई रोक

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ की पीठ ने मद्रास हाईकोर्ट के उस फैसले पर भी रोक लगा दी, जिसमें उसने एक विधि पोर्टल को अपनी वेबसाइट से उस फैसले को हटाने के लिए कहा था कि दुष्कर्म के एक मामले में आरोपी बरी हो गया है। सीजेआई ने कहा, 'फैसले सार्वजनिक रिकॉर्ड का हिस्सा होते हैं और अदालतों की ओर से उन्हें हटाने के आदेश का गंभीर असर पड़ेगा।' पीठ ने कहा कि यह मानते हुए कि कोई व्यक्ति बरी हो गया है, हाईकोर्ट उसे (विधि पोर्टल को) फैसला वापस लेने का निर्देश कैसे दे सकता है? एक बार फैसला सुनाए जाने के बाद, यह सार्वजनिक रिकॉर्ड का हिस्सा बन जाता है। सुप्रीम कोर्ट मद्रास हाईकोर्ट के खिलाफ 'इंडिया कानून' पोर्टल द्वारा दायर एक अपील पर सुनवाई कर रहा है। मद्रास हाईकोर्ट ने इस पोर्टल को अपनी वेबसाइट से फैसला हटाने के लिए कहा था। अदालत ने कार्तिक थ्योडोर नामक व्यक्ति की याचिका पर यह फैसला दिया था।

2000 रुपए का जुर्माना भी नहीं भर पा रहे उद्धव ठाकरे और संजय राउत

अदालत से मांगा टाइम, क्या है मामला

मुंबई, 24 जुलाई (एजेंसियां)। शिवसेना-यूबीटी के चीफ उद्दव ठाकरे और उनकी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय राउत को मानहानि के मामले में कोर्ट की कार्रवाई को लेकर 2 हजार रुपए का जुर्माना भरना था, लेकिन वो भर नहीं पाए हैं। जिसके बाद उन्होंने 2 दिन का और समय कोर्ट से मांगा है। उनकी तरफ से कहा गया है कि कोर्ट के अधिकारियों ने कैश एक्सेप्ट ही नहीं किया, इसलिए वो जुर्माने की राशि जमा नहीं कर पाए। सामना में 29 दिसंबर 2022 को हिंदी और मराठी दोनों संस्करणों में छपे एक लेख में दावा किया गया था कि शिवसेना के पूर्व सांसद राहुल शेवाले के पास दुबई और कराची में रियल एस्टेट निवेश है। जिसके बाद शेवाले की वकील, चित्रा सालुंखे ने 3 जनवरी, 2023 को सामना को एक नोटिस भेजा और इन आरोपों की बारे में स्पष्टीकरण मांगा। जवाब में 'सामना' संपादकीय टीम ने तर्क दिया कि उनका लेख ऑनलाइन मिली जानकारी से प्रेरित था, जिसमें एक महिला कथित तौर पर इन मामलों पर चर्चा कर रही थी। इसके बाद

सालुंखे ने मजिस्ट्रेट कोर्ट में आपराधिक मानहानि की शिकायत दर्ज कराई और साथ ही बॉम्बे हाई कोर्ट में 100 करोड़ रुपये का मानहानि का मुकदमा भी दायर किया। इस मामले में राउत और ठाकरे ने खुद को निर्दोष बताते हुए मजिस्ट्रेट अदालत में आरोपमुक्त करने की अर्जी दायर की थी, जिसे पिछले साल अक्टूबर में खारिज कर दिया गया था। नियमों के अनुसार, दोनों को मजिस्ट्रेट अदालत के आदेश को तुरंत चुनौती देनी चाहिए थी, जो उन्होंने नहीं किया। पुनरीक्षण दायर करने के लिए नियमों के तहत निर्धारित बाहरी समय सीमा से 84 दिनों की देरी हुई। इस प्रकार, देरी को माफ करते हुए, सत्र न्यायालय ने 13 जून को उन पर 2,000 रुपये का जुर्माना लगाया था।

कोर्ट को ठाकरे ने क्या बताया

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, उद्धव ठाकरे और संजय राउत ने कहा कि उन्हें 14 जून को आदेश मिला और अदालत का कैश काउंटर, जहाँ पैसे जमा किए जाने थे, अगले दो दिनों के लिए बंद कर दिया गया। उन्होंने कहा कि उन्होंने अगले कुछ दिनों में अपनी तरफ से पूरी कोशिश की लेकिन प्रक्रिया पूरी करने की औपचारिकताएँ पूरी नहीं हो सकीं और 10 दिन की अवधि बीत जाने के बाद कैश काउंटर पर मौजूद अधिकारियों ने पैसे लेने से इनकार कर दिया। हालाँकि, शेवाले की ओर से पेश अधिवक्ता चित्रा सालुंखे ने दो दिन का समय माँगने वाले इस नए आवेदन का विरोध करते हुए कहा कि उनके उदासीन रवैये के कारण ही नकद जमा प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई।

हल्द्वानी में रेलवे की जमीन कब्जाने वालों को बड़ी राहत, एससी बोला- हम क्रूर नहीं हो सकते

हल्द्वानी, 24 जुलाई (एजेंसियां)। हल्द्वानी में रेलवे की जमीन पर अतिक्रमण के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने प्रभावित लोगों के पुनर्वास का सुझाव देते हुए अहम टिप्पणी की है। देश की सबसे बड़ी अदालत ने उत्तराखंड के मुख्य सचिव से कहा है कि प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए केंद्र सरकार और रेलवे के साथ बैठक करके हल निकालें। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि कोर्ट को बैलेंस बनाने की जरूरत है और राज्य को कुछ करना होगा।

हल्द्वानी में रेलवे की जमीन पर कब्जा करके सघन बस्ती बसाई गई है, जिसमें करीब 50 हजार लोग रहते हैं। सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार की ओर से दायर उस याचिका पर सुनवाई चल रही थी जिसमें सबसे बड़ी अदालत की ओर से पिछले साल 5 जनवरी को दिए गए आदेश को वापस लेने की मांग की गई थी। तब कोर्ट ने उत्तराखंड हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी थी। हाई कोर्ट ने 29 एकड़ जमीन को खाली कराने का आदेश दिया था जिस पर रेलवे अपना मालिकाना हक बताता है।

जस्टिस सूर्य कांत की अगुआई वाली तीन जजों की बेंच ने कहा कि राज्य सरकार को योजना देनी होगी कि कैसे और कहां इन लोगों को बसाया जाए। बेंच ने कहा, 'सबसे बड़ी बात है कि ये परिवार दशकों से इस जमीन पर रह रहे हैं। वे मानव हैं और कोर्ट क्रूर नहीं हो सकता है। कोर्ट को एक बैलेंस बनाने की आवश्यकता होती है और राज्य को कुछ करने की जरूरत है।'

नरेला में बड़ा हादसा, फैक्ट्री से निकल रहीं आग की लपटें; मौके पर दमकल की 25 गाड़ियां,

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली के नरेला इलाके में एक बड़ा हादसा हो गया है। एक फैक्ट्री में भीषण आग लग गई है। धू-धूकर पूरी फैक्ट्री जल रही है। मौके पर दमकल की 25 गाड़ियां भेजी गईं हैं। जानकारी के मुताबिक, सुबह करीब साढ़े छह बजे पुलिस को आग लगने की सूचना मिली। यह फैक्ट्री नरेला इंडस्ट्रियल एरिया में मौजूद है। अभी तक किसी के घायल होने या हताहत होने की सूचना नहीं है। खबर लिखने तक आग पर काबू नहीं पाया जा सका है। दिल्ली फायर सर्विस की 25 दमकल की गाड़ियां मौके पर भेजी गईं हैं। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। फैक्ट्री से काले रंग के धुएं की गुबार निकल रही है। आसमान में आग की लपटें दिख रहीं हैं। फैक्ट्री के ऊपर का पूरा आसमान काला हो गया है। वहीं दमकल की गाड़ियां आग बुझाने में जुटी हैं। आसपास का इलाका खाली करा दिया गया है। यह हादसा कैसे हुआ इस बारे में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। किसी के घायल होने या हताहत होने की खबर नहीं है।

80-90 सीटों की मांग पर अड़े अजित पवार

दिल्ली में अमित शाह से की मुलाकात

मुंबई, 24 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही सियासी उठापटक काफी तेज हो गई है। प्रदेश के डिप्टी सीएम और एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजित पवार ने बुधवार सुबह दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। अजित कल रात दिल्ली पहुंचे, रात 1 बजे से सुबह 8 बजे तक 7 घंटे के अपने दौरे में उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री से मुलाकात की। अमित शाह और अजित पवार की मुलाकात के बाद बीजेपी के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस सुबह-सुबह दिल्ली पहुंचे। सूत्रों के मुताबिक, यह मुलाकात आगामी विधानसभा चुनावों के लिए एनडीए के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन के सीट बंटवारे पर चर्चा के लिए हुई।

जल्द से जल्द सीट बंटवारे पर जोर

मीटिंग के दौरान अजित पवार ने जल्द से जल्द सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप देने पर जोर दिया और लोकसभा चुनावों की तरह आखिरी समय तक सीटों के बंटवारे को टालने की बात कही। इस बात को ध्यान में रखते हुए ही अजित पवार ने अमित शाह से मुलाकात के लिए समय मांगा था।

'पुरानी 54 सीटें रहें बरकरार'

सूत्रों के मुताबिक अजित ने महायुति गठबंधन में शामिल होते समय किए गए वादे के मुताबिक करीब 80 से 90 सीटों पर दावा किया है। अजित पवार गुट ने 2019 के विधानसभा चुनावों में एनसीपी की जीती गई 54 सीटों को बरकरार रखने की मांग की है। इसके अलावा, पवार पश्चिमी महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और उत्तरी महाराष्ट्र (खानदेश) क्षेत्र से कांग्रेस के खिलाफ 20 सीटों पर चुनाव लड़ने पर विचार कर रहे हैं।

मुंबई की 4-5 सीटों पर भी नजर

अजित पवार ने मुंबई में कांग्रेस के खिलाफ 4 से 5 सीटों पर अपनी नजरें गड़ा दी हैं। इन सीटों पर अल्पसंख्यक वोट बैंक का दबदबा है। अजित पवार को भी भरोसा है कि उनकी पार्टी से 3 निर्दलीय और 3 कांग्रेस विधायक चुनाव लड़ेंगे।

बीजेपी ने रखा है 160-170 सीटों का लक्ष्य

इस बीच, सीएम एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने भी 100 सीटों पर लड़ने का मन बना लिया है। वहीं, राज्य की भाजपा कोर कमेटी की बैठक में 160 से 170 सीटों का लक्ष्य रखा गया है। अब देखना यह है कि महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों में महायुति गठबंधन के तीन प्रमुख घटक दल एक-दूसरे के साथ कैसे तालमेल बिठा पाते हैं।

पठानकोट में घुसे 7 संदिग्ध महिला से मांगा पानी, फिर जंगल की ओर गए, तलाश में जुटे पुलिस-सेना के जवान

पठानकोट, 24 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब के पठानकोट में फंगतोली गांव में एक साथ सात संदिग्ध लोगों के दिखाई देने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई है। वहीं पुलिस ने भी गांव में पहुंचकर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। पठानकोट के गांव फंगतोली में उस समय दहशत का माहौल बन गया जब गांव के एक घर में मौजूद महिला से बीती रात 7 संदिग्ध लोगों ने पानी मांगा। जिसके बाद वो जंगल की ओर चले गए। महिला ने पहले इसकी सूचना ग्रामवासियों को दी, जिसके बाद मामले को लेकर पुलिस को भी सूचित किया गया। जिसके बाद गांव में पहुंचे पुलिस और सेना के जवान इलाके में सर्च ऑपरेशन चला रहे है। ग्रामीण महिला ने बताया कि 7 लोग थे जिन्होंने उससे पानी मांगा और फिर जंगल की ओर चले गए। वहीं मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने कहा कि महिला द्वारा बताई गई जानकारी के तहत सेना व पुलिस द्वारा इलाके में सर्च की जा रही है। हर एक एंगल से चेक किया जा रहा है ताकि अगर कोई शरारती है तो वह किसी वारदात को अंजाम न दे सके।

दिग्विजय सिंह ने सरपंच से लेकर एमएलए पर लगाए ये गंभीर आरोप, बीजेपी ने दिया जवाब

भोपाल, 24 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने सरपंच से लेकर विधायक तक पर रिश्वत लेकर विकास कार्य कराने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार का राज है। दिग्विजय सिंह का आरोप है कि मध्य प्रदेश में हर काम कराने के लिए रिश्वत का प्रतिशत तय कर दिया गया है। दूसरी तरफ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह के इन आरोपों को भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने चुनाव में लगातार सियासी बौखलाहट करार दिया है। एमपी के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि पूरे प्रदेश में हर काम कराने के लिए रुपये देने पड़ते हैं। इसलिए, मध्य प्रदेश के सरपंच भी मजबूर हैं। उनका आरोप है कि जब कार्य को स्वीकृत कराना होता है, तब 25 प्रतिशत देना पड़ता है। इसके बाद जब एस्टीमेट और कार्य पूरा होने का प्रमाण पत्र बनवाना होता है तब 20 प्रतिशत देना पड़ता है। उन्होंने ये आरोप भी लगाए कि विधायकों के 20 प्रतिशत अलग से निकालने होते हैं। इस प्रकार पूरा हिसाब किताब बताते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि आखिर में विकास के कार्यों के लिए 35 से 40 प्रतिशत ही स्वीकृत राशि का बचता है। उसमें सरपंच को अपने चुनाव की उधारी और अन्य खर्च निकालना होते हैं। वहीं, बीजेपी का कहना है कि पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह अपने ही गृह नगर के लोगों से कहा था कि लोकसभा चुनाव 2024 उनका आखिरी चुनाव होगा,

लेकिन उन्हें पूरी तरह हार का सामना करना पड़ा। इसके अलावा, मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव भी भारतीय जनता पार्टी ने भारी बहुमत के साथ जीता है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह लगातार हार का सामने करने के बाद से बौखला गए हैं। वे बौखलाहट के चलते कांग्रेस समर्थित सरपंचों और विधायकों को भी नहीं छोड़ रहे हैं। उन्होंने जिस प्रकार का आरोप लगाया है, वह उनकी राजनीतिक मानसिकता को दर्शाता है। उनकी सोच में ही खोट हो गया है।

संजय सिंह ने दुर्लभ एसएमए बीमारी और बुजुर्गों को लेकर राज्यसभा को दिया नोटिस, चेयरमैन से मांगी ये इजाजत

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। आम आमदी पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने अलग-अलग विषयों पर दो नोटिस थमाया है। उन्होंने राज्यसभा महासचिव को लिखे पत्र में सदन के सभापति से दुर्लभ बीमारी एसएमए और देश में बुजुर्गों की उपेक्षा और कदाचार को रोकने के लिए अपनी बात सदन में रखने की इजाजत मांगी है। उन्होंने कहा है कि दोनों विषयों पर सरकार जरूरी गाइडलाइंस लाने की दिशा में जरूरी कदम उठाए। ताकि इन समस्याओं से पीड़ित लोगों को राहत मिल सके। संजय सिंह ने दुर्लभ एसएमए बीमारी और बुजुर्गों को लेकर राज्यसभा को दिया नोटिस, चेयरमैन से मांगी ये इजाजत संजय सिंह ने राज्यसभा सचिवालय को जारी पत्र में कहा है कि एसएमए (स्पानइल मस्कुलर एट्रोफी) एक गंभीर गंभीर है। इस बीमारी से सैकड़ों बच्चे देशभर में पीड़ित हैं। इस बीमारी का इलाज पर करोड़ों रुपये का खर्च आता है। यह बीमारी इतनी खतरनाक है कि इसके कारण दुनियाभर में सबसे ज्यादा शिशुओं की मौत हो जाती है। इस बीमारी के लिए इस्तेमाल होने वाला इंजेक्शन 17 करोड़ में रुपये में आता है, जो विदेश से इंपोर्ट किया जाता है। इस पर सरकार द्वारा जीएसटी लगाया गया है। देश में उपचार की कमी, दवाओं की अनुपलब्धता, भारी टैक्स दर और अत्यधिक महंगे दवाइयों के चलते सैकड़ों बच्चे अपनी जान गवां रहे हैं। सरकार को चाहिए कि एसएमए बीमारी से पीड़ित बच्चों के हित में सस्ती दरों पर मेडिसिन मुहैया कराने के लिए जरूरी गाइडलाइंस और टैक्स दर में कमी करे। संजय सिंह ने राज्यसभा महासचिव को एक और नोटिस देकर देश में बुजुर्गों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार के संबंध में राज्यसभा में दिया स्पेशल नोटिस दिया है। इस मामले पर उन्होंने कहा है कि बजुर्गों को अकेला छोड़ देने की वजह से वह वृद्ध आश्रम में रहने को मजबूर हैं। देश का हर चौथा बुजुर्ग अकेला रहने को मजबूर है। देश के बुजुर्गों की हो रही उपेक्षा को रोकना हम सबकी जिम्मेदारी है। स्पानइल मस्कुलर एट्रोफी यानी एसएमए एक दुर्लभ बीमारी है। यह बीमारी कई हजार लोगों में किसी एक को होता है। एसएमए ऐसी बीमारी है जिसमें मसल्स इतने कमजोर हो जाते हैं कि मरीज के लिए खुद से कुछ भी काम करना संभव नहीं हो पाता है। यह बीमारी मां के गर्भ में ही शिशु को हो जाती है,0 लेकिन जन्म के बाद यह धीरे-धीरे विकसित होती है। यह बीमारी इतनी घातक है कि यदि समय पर इसका इलाज न किया जाए तो अधिकांश मामलों में पीड़ित की मौत तय होता है।

'लंगड़ी सरकार जिनके सहारे खड़ी है, उनको संतुष्ट करने के लिए ये बजट पेश हुआ है बोलीं हरसिमरत कौर बादल

चंडीगढ़, 24 जुलाई (एजेंसियां)। बजट को लेकर केंद्र की बीजेपी सरकार लगातार विपक्ष के निशाने पर है। इसी कड़ी में शिरोमणि अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने मैंने मंगलवार को भी कहा था कि यह 'सरकार बचाओ बजट' है। यहां आंध्र प्रदेश और बिहार, लंगड़ी सरकार जिनके सहारे खड़ी है, उनको संतुष्ट करने के लिए ये बजट पेश हुआ है बाकि तो ऐसा लगता है जैसे कोई है ही नहीं। हरसिमरत कौर बादल ने आगे कहा कि वे बाढ़ के बारे में बात करते हैं, लेकिन उन्होंने पंजाब में बाढ़ के लिए कुछ नहीं किया, जबकि वहां एक साल में 2-2 बार बाढ़ आई है। किसानों से किए गए वादों के बावजूद उनके लिए कुछ नहीं किया गया। किसान इतनी तकलीफ में है, फिर भी उनके बारे में कुछ नहीं किया गया, न युवा के लिए न ही मजदूरों के लिए कुछ किया गया।

एमपी के मंत्री तुलसीराम सिलावट का एक्सीडेंट, कार ने मारी जोरदार टक्कर, कहा- 'भगवान ने बचाया'

भोपाल, 24 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश सरकार के जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट का एक्सीडेंट हो गया है। दरअसल, मंत्री सिलावट मंत्रालय में आयोजित बैठक में शामिल होने के लिए लग्जरी फॉर्चुनर कार से जा रहे थे, तभी एक अन्य कार चालक ने तेजी से उनकी कार में टक्कर मार दी। इस हादसे में कोई घायल नहीं हुआ है। मंत्री तुलसीराम सिलावट की ओर से एफआईआर लिखवा दी गई है। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट की कार का भोपाल के तुलसीनगर के करीब एक्सीडेंट हो गया। दोपहर 12 बजे जब मंत्री तुलसी सिलावट मंत्रालय में आयोजित बैठक में शामिल होने के लिए जा रहे थे, तभी पांच नंबर की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने मंत्री सिलावट की मार में ड्राइवर साइड से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मंत्री सिलावट की कार एक तरफ से ऊचक गई। साथ ही ड्राइवर साइड का गेट भी क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर मारने वाली कार का भी बोनट खुल गया। हालांकि अच्छी बात यह रही कि इस हादसे में किसी को भी चोट नहीं लगी है। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा, "भगवान ने बचा लिया। टक्कर इतनी जोर से मारी गई थी कि फॉर्चुनर दो पहियों पर खड़ी हो गई। बच गए, रिपोर्ट लिखवा दी है।" इस हादसे के बाद मंत्री तुलसीराम सिलावट की दुर्घटनाग्रस्त कार को फॉरेस्ट गेस्ट हाउस के नजदीक पार्क कराया गया, जिसके बाद मंत्री सिलावट अन्य कार से बैठक में शामिल होने के लिए मंत्रालय रवाना हुए। तुलसीराम सिलावट मध्य प्रदेश के सांवेर विधानसभा सीट से तीन बार चुने गए हैं। उन्होंने 2008, 2018 और 2020 के विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज की है।

टीकमगढ़ कांग्रेस विधायक बुंदेला के आवास पर ईडी का छापा, सुबह पांच बजे पहुंची टीम, कार्रवाई जारी

टीकमगढ़, 24 जुलाई (एजेंसियां)। टीकमगढ़ विधानसभा से कांग्रेस के विधायक यादवेंद्र सिंह बुंदेला के निवास पर बुधवार सुबह ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने छापामार। ईडी की टीम लगातार कार्रवाई कर रही है। सूत्रों से के अनुसार, यह कार्रवाई विधायक और पूर्व मंत्री यादवेंद्र सिंह बुंदेला के निवास लाल दरवाजा पर तड़के 5 बजे शुरू हुई। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि यह कार्रवाई किस सिलसिले में की जा रही है। टीकमगढ़ के पुलिस अधीक्षक रोहित से दूरभाष पर बात की गई तो उन्होंने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसी जांच कर रही हैं। मकान के बाहर सीआरपीएफ और मध्य प्रदेश सशस्त्र पुलिस बल के जवान तैनात किए गए हैं, जो किसी को अंदर या बाहर नहीं जाने दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि कार्रवाई के बाद मामले की जानकारी दी जाएगी। विधायक यादवेंद्र सिंह बुंदेला के पुत्र शाश्वत सिंह बुंदेला पर असम में 420 के तहत मामला दर्ज किया गया था,

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

सुविचार

भीड़ में सभी लोग अच्छे नहीं होते... और अच्छे लोगों की भीड़ नहीं होती

'सफेद राशन कार्ड' वितरण के लिए आएगी नई नीति

कल्याणकारी योजनाओं के लिए कार्ड की अनिवार्यता समाप्त करने की तैयारी

तेलंगाना में 90 लाख परिवारों के पास सफेद राशन कार्ड

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सरकार सफेद राशन कार्ड के वितरण के लिए एक नई नीति पेश करने की तैयारी में है, जिससे कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए इन कार्डों की अनिवार्यता समाप्त हो जाएगी।

इससे पहले, परिवारों को अपने बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए फीस प्रतिपूर्ति प्राप्त करने, आवास स्थलों तक पहुंच प्राप्त करने और स्वरोजगार योजनाओं से लाभ प्राप्त करने के लिए श्वेत राशन कार्ड जमा करने की आवश्यकता होती थी। सरकार अब इस प्रावधान को पूरी तरह से समाप्त करने पर विचार कर रही है। अधिकारियों ने कहा कि नई नीति केवल कैबिनेट उप-समिति की सिफारिशों के बाद ही लागू की जाएगी।

राज्य नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने पुष्टि की कि सरकार नए राशन कार्ड जारी करने के लिए तैयार है जो केवल सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) केंद्रों (उचित मूल्य की दुकानों) पर सब्सिडी वाले चावल प्राप्त करने के लिए मान्य होंगे। कैबिनेट उप-समिति नए राशन कार्ड के लिए दिशा-निर्देश और पात्रता मानदंड तैयार करेगी। अतीत में, पूर्ववर्ती संयुक्त आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में बीआरएस सरकार ने कई योजनाओं का लाभ उठाने के लिए सफेद राशन कार्ड रखना अनिवार्य कर दिया था। हालांकि, नवनिर्वाचित कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने घोषणा की है कि कृषि ऋण माफी और जल्द ही जारी होने वाली राजीव आरोग्यश्री योजना कार्ड का लाभ उठाने के लिए अब सफेद राशन कार्ड की आवश्यकता नहीं है।

वर्तमान में तेलंगाना में 90 लाख परिवारों के पास सफेद राशन कार्ड हैं। नई नीति के तहत, उप-समिति की सिफारिशों के आधार पर पात्र परिवारों की पहचान की जाएगी और उन्हें नए राशन कार्ड जारी किए जाएंगे। नई नीति लागू होने से पहले इन सिफारिशों को कैबिनेट की मंजूरी की आवश्यकता होगी।

जल्द ही जारी होगा नौकरी कैलेंडर : सीताक्का

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज मंत्री सीताक्का ने दोहराया है कि राज्य सरकार जल्द ही रिक्तियों के विवरण के साथ नौकरी कैलेंडर जारी करेगी।

बुधवार को विधानसभा लॉबी में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए सीताक्का ने आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस सरकार ने सत्ता में रहते हुए नौकरी भर्ती पर ध्यान नहीं दिया और पिछले दस वर्षों में उसने बेरोजगार युवाओं की उपेक्षा की है। सीताक्का ने कहा, "तेलंगाना में सत्ता में आने के बाद कांग्रेस सरकार ने 30,000 नौकरियों की भर्ती की है और अन्य नौकरी रिक्तियों के लिए अधिसूचनाएं जारी की हैं। यह बहुत हास्यास्पद है कि बीआरएस नेता सत्ता खोने के बाद बेरोजगार युवाओं के बारे में बोल रहे हैं।" उन्होंने कहा, "पिछली बीआरएस सरकार विधानसभा में जाकर तख्तियां दिखाने वाले विधायकों को निलंबित कर देती थी, लेकिन कांग्रेस सरकार ने कभी भी पिछली सरकार की तरह व्यवहार नहीं किया।

केंद्र के भेदभाव के खिलाफ तेलंगाना विधानसभा में प्रस्ताव पारित

नीति आयोग की बैठक का तेलंगाना करेगा बहिष्कार : सीएम

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र से धन प्राप्त करने को लेकर सत्तारूढ और विपक्षी सदस्यों के बीच करीब पांच घंटे तक चली तीखी बजस के बाद राज्य विधानसभा ने बुधवार को एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें केंद्र से बजट प्रस्तावों में संशोधन करके तेलंगाना को न्या देने की अपील की गई। साथही मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने घोषणा की कि राज्य सरकार ने 27 जुलाई को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में होने वाली नीति आयोग की बैठक में शामिल नहीं होने का फैसला किया है। बीआरएस ने मुख्यमंत्री द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव का समर्थन किया तो भाजपा ने प्रस्ताव वापस लेने की मांग की।

राज्य विधानसभा ने बुधवार को एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार से अपील की कि वह चल रही बजट बहस में बजट प्रस्तावों में संशोधन करके तेलंगाना को न्याय प्रदान करे।

इस अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने राज्य सरकार की दलीलों की पूरी तरह से अनदेखी की है और तेलंगाना को बजट आवंटन में भेदभाव दिखाया है।

रेवंत रेड्डी ने कहा, "राज्य विधानसभा ने तेलंगाना के प्रति केंद्र की उपेक्षा पर कड़ा विरोध दर्ज किया और नाखुशी जताई।" उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट में तेलंगाना राज्य के साथ अन्याय हुआ है और केंद्र ने राज्य के गठन के दिन से ही तेलंगाना के प्रति उदासीनता अपनाई है।

केंद्र की भाजपा सरकार एपी पुनर्गठन अधिनियम में किए गए वादों को पूरा करने में विफल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधूरे वादों का तेलंगाना राज्य के विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

रेवंत रेड्डी ने घोषणा की, "तेलंगाना राज्य के साथ किए गए अन्याय का विरोध करने के लिए हमने नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार करने का फैसला किया है।"

भाजपा सदस्यों ने यह कहते हुए वाकआउट किया कि, केंद्र द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के तहत धन आवंटित किए जाने के बावजूद राज्य सरकार लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रही है।

बीआरएस सदस्यों द्वारा तेलंगाना के प्रति केंद्र के भेदभाव के खिलाफ जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन हडताल करने की राज्य सरकार से मांग करने के बाद गुस्सा बढ गया। इस पर सीएम ने कहा कि विपक्ष के नेता केसीबार को भी इस हडताल में शामिल होना चाहिए।

इंदिराम्मा योजना के तहत आंशिक रूप से तैयार घरों का निर्माण करेंगे : पोंगुलेटी

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य आवास मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने आज कांग्रेस सरकार द्वारा लागू की जाने वाली इंदिराम्मा आवास योजना पर महत्वपूर्ण टिप्पणी की।

बीआरएस पार्टी के एमएलसी टाटा मधु द्वारा चल रही परिषद की बैठकों के दौरान प्रश्नकाल के दौरान उठाए गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए, पोंगुलेटी ने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार के चुनावों से दो महीने पहले, घरों के निर्माण के लिए 3 लाख रुपये की मंजूरी देते हुए जीओ संख्या 25 जारी की गई थी और कहा कि 496 घरों के निर्माण के लिए नींव रखी गई थी।

यह कहते हुए कि जीओ अब रद्द कर दिया गया है, उन्होंने कहा कि वे इंदिराम्मा आवास योजना के तहत 3 लाख के बजाय 5 लाख घर बनाने के लिए देंगे। इस पर तथा मधु ने एक पूरक प्रश्न उठाया और कहा कि मंत्री द्वारा उद्धृत संख्या वास्तविकता से बहुत दूर है।

इसका पोंगुलेटी ने प्रतिवाद किया। उन्होंने कहा कि जब 2006 से 2014 तक संयुक्त आंध्र प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी, तब तेलंगाना में 19 लाख से ज़्यादा इंदिराम्मा घर बनकर तैयार हुए थे। उन्होंने कहा, "लेकिन पिछली सरकार ने 10 साल में सिर्फ़ 1,36,116 घर ही पूरे किए थे।

उन्होंने यह भी कहा कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार के तहत जो घर आंशिक रूप से पूरे हुए थे, अब उनकी सरकार उन्हें पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार तेलंगाना के सबसे ग़रीब लोगों को घर मुहैया कराने के उद्देश्य से आगे बढ़ रही है।

सीएम रेवंत ने की आरटीसी मुद्दे पर हरीश राव की आलोचना

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आज विधानसभा में आरटीसी के मुद्दे पर तीखी बहस हुई। पूर्व मंत्री हरीश राव ने श्रमिक संघों की बहाली, पीआरसी बकाया और आरटीसी में रिक्तियों के बारे में सवाल किया। हालांकि, जब सीपीआई विधायक कूनानेनी संबाशिवराव बोल रहे थे, तब बीआरएस नेताओं ने आपत्ति जताई। इस मौके पर हस्तक्षेप करते हुए सीएम रेवंत रेड्डी ने हरीश राव से पूछा कि अगर सीपीआई विधायक इस मुद्दे पर बोलते हैं तो इसमें क्या गलत है? उन्होंने कहा कि कम्युनिस्ट पार्टी के नेता हमेशा आरटीसी कर्मचारियों की समस्याओं के लिए लड़ते रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार आरटीसी को हर तरह से समर्थन देने के लिए तैयार है। उन्होंने मजाक उड़ाया कि जब आरटीसी कर्मचारी 50 दिनों तक हड़ताल पर रहे, तब बीआरएस सरकार ने कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि पिछले साल विधानसभा चुनाव से पहले बीआरएस सरकार ने बेतरतीब तरीके से आरटीसी को राज्य सरकार में मिला दिया था। उन्होंने कहा कि हरीश राव 2014 से राज्य मंत्री के रूप में काम कर रहे हैं, लेकिन सीपीआई विधायक को समय देने के लिए विधानसभा अध्यक्ष को दोषी ठहराना उचित नहीं है।

21 लाख मूल्य के खोए या चोरी हुए फोन बरामद

जीआरपी की कार्रवाई से खिले कई पीड़ितों के चेहरे * 210 मोबाइल फोन का चला पता

फोन मालिकों को सौंपी गई उनकी अमानत

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (CEIR) पोर्टल का उपयोग करते हुए राजकीय रेलवे पुलिस की विशेष टीमों ने रेल उपयोगकर्ताओं और नागरिकों के 21 लाख रुपये मूल्य के कुल 210 मोबाइल फोन का पता लगाया है, जो या तो खो गए थे या चोरी हो गए थे। बरामद किए गए फोन उनके मालिकों को सौंप दिए गए। जीआरपी द्वारा सीईआईआर पोर्टल एप्लीकेशन का उपयोग अप्रैल 2024 में किया गया और पिछले दो महीनों में 210 मोबाइल फोन बरामद किए गए।

पुलिस अधीक्षक (जीआरपी सिकंदराबाद) चंदना दीप्ति ने कहा कि जिन मोबाइल फोन का पता लगाया गया है, उनमें सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से रिपोर्ट किए गए मामले और मीसेवा एप्लीकेशन शामिल हैं। तेलंगाना के अलावा, विशेष टीमों ने केरल, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, बिहार, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश से मोबाइल बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि ये फोन या तो फुटबोर्ड पर या खिड़की के पास बैठे यात्रियों से चुराए गए थे या फिर उन्होंने फोन कहीं खो दिया था।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-निविदा सूचना सं.444/डीआरएम/डब्ल्यू/जीएनटी दि.24.07.2024

PUB/0712

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु दि.19.08.2024 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1. टेंडर आयडी: 2%18, एसआर.डीइएन/ डीइएन: उत्तर, कार्य विवरण: मचेर्ला स्टेशन पर पुराने ओएच टैन्क के स्थान पर नयी आरसीसी ओएच टैन्क तथा पाइप लाईनों का प्रावधान। अनुमानित मूल्य: रु.89,84,727/-, बोली सुरक्षा राशि: रु.1,79,700/-

क्रम सं.2. टेंडर आयडी: 2719, एसआर.डीइएन/ डीइएन: पश्चिम, कार्य विवरण: गुंटूर स्टेशन पर पुराने ओएच टैन्क के स्थान पर नयी आरसीसी ओएच टैन्क तथा पाइप लाईनों का प्रावधान। अनुमानित मूल्य: रु.1,68,19,623/-, बोली सुरक्षा राशि: रु.2,34,100/-

क्रम सं.3. टेंडर आयडी: 2720, एसआर.डीइएन/ डीइएन: पश्चिम, कार्य विवरण: कुरीचेडु-डोनकोण्डा स्टेशनों के बीच 108/7-8 किमी.पर ब्रिज नं.413ए के लिए, 25टी एक्सल लोडिन्ग स्टैन्डर्ड पीएससी स्लैब्स के साथ मौजूदा 5X9.15 एम गिर्डर्स का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेन्ट करना। अनुमानित मूल्य: रु.98,35,771/-, बोली सुरक्षा राशि: रु.1,96,700/-

ई-बिड्स या बोलियों की आनलाईन प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समय 19.08.2024 के 15.30 बजे तक है। विस्तृत विवरण हेतु कृपया वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर लागआन करें।

अधिक संचार/शुद्धिपत्र को ई-पोर्टल: www.ireps.gov.in द्वारा सूचित किया जायेगा।

विभागीय रेल प्रबंधक, (कार्य), गुंटूर

ई-निविदा सूचना सं.- इएलएस-बीजेडए-इटीएन-09-2024-25 दि.23-07-2024

PUB/0713

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.14-08-2024 के 15.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित है।

क्रम सं.1. निविदा सं. - बी/इ.221/टीआरएस/आरसी/510, ई-टेन्डर नं.-ईएलएस-बीजेडए-ईटीएन-09-2024-25, दि.23/07/2024, कार्य विवरण: कार्य का नाम: 2 वर्षों की अवधि के लिए, इलएलजीआय मेक टीआऱसी-1000एमएन प्रकार तथा युजी प्रकार के कम्प्रेस्सर्स की मरम्मत/पुनर्वास या रेहाबिलिटेशन/ओवरहालिन्ग कार्य सहित इलेक्ट्रिक लोको शेड, विजयवाडा के बी.जी. इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव्ज का नियमित रखरखाव या रुटिन मेनटेनेन्स। मात्रा: 183 नग(130 नग एमएन प्रकार तथा 53 नग एमएन युजी कम्प्रेस्सर्स)। पूरा करने की अवधि: 24 महिने(2 वर्ष), निविदा मूल्य: रु.1,71,36,428.68(187 जीएसटी सहित), पूधरा: रु.2,35,700/-, निविदा दस्तावेज मूल्य:रु. शून्य, निविदा बंद तिथि एवं समय: 14/08/2024 के 15.00 बजे

भावी निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि, तत्संबंधित किसी भी निविदा के परिवर्तनों/शुद्धिपत्रों को नोट करने के लिए, इस निविदा बंद तिथि के पहले, वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर जाएं।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियन्ता /टीआरएस/इएलएस/विजयवाडा

A0906

निविदा शर्तों/ विस्तृत विवरण तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिन्ग हेतु कृपया हमारा वेबसाइट: https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrail-ways.gov.in देखें।

विधायक ने निभाया डॉक्टर का फर्ज

बाढ़ में फंसी गर्भवती महिलाओं की आपातकालीन सर्जरी

दो नवजातों का हुआ जन्म

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भद्राचलम के विधायक तेलम वेंकट राव, जो एक योग्य सर्जन भी हैं, ने क्षेत्र में बाढ़ संकट के बीच भद्राचलम सरकारी अस्पताल में दो गर्भवती महिलाओं की आपातकालीन सर्जरी की। भारी बारिश और बाढ़ के कारण सामान्य जीवन ठप हो गया था और अधिकारियों ने महिलाओं को अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, अस्पताल में स्टाफ की कमी थी, 5 में से 4 सर्जनों का हाल ही में तबादला हुआ था और एक कोर्ट ड्यूटी पर था। जब दोनों महिलाओं को पेट में दर्द हुआ, तो अस्पताल के अधिकारियों ने तय किया कि बाढ़ के कारण उन्हें दूसरे अस्पतालों में ले जाना असंभव होगा। उन्होंने सहायता के लिए विधायक वेंकट राव को बुलाया, जो अपनी शल्य चिकित्सा विशेषज्ञता के लिए जाने जाते हैं और वे आ गए।

भद्राचलम विधायक का सी-सेक्शन किया गया

बीआरएस छोड़कर सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए विधायक बाढ़ राहत कार्यों की निगरानी के लिए अपने निर्वाचन क्षेत्र में मौजूद थे, उन्होंने अस्पताल का तत्काल नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया और दो महिलाओं का सिजेरियन सेक्शन किया। बी स्वप्ना और पी पुष्पलीला ने अपनी दूसरी गर्भावस्था के दौरान क्रमशः एक लड़के और एक लड़की को जन्म दिया। वेंकट राव, जो एक प्रशिक्षित सर्जन हैं और पहले इसी अस्पताल में काम कर चुके हैं, ने स्थानीय समुदाय की सेवा जारी रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने एनेस्थिसियोलॉजिस्ट डॉ. मल्लेश, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रीनिधि और नर्सिंग स्टाफ सदस्यों कल्याणी, विजयलक्ष्मी, मीना, सीता और भवानी के योगदान की भी सराहना की, जिनके संयुक्त प्रयासों से सर्जरी सफल हुई।

ब्रिक्स युवा शिखर सम्मेलन के लिए चुनी गई शेख आयशा

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के रसायन विज्ञान संकाय से पीएचडी विद्वान शेख आयशा, जो प्रो. श्रीनिवास राव यारागोरला के अधीन काम कर रहे हैं, को ब्रिक्स युवा शिखर सम्मेलन 2024 और ब्रिक्स युवा मंत्रियों की बैठक के लिए प्रतिनिधियों में से एक के रूप में चुना गया है, जो 22 जुलाई से 26 जुलाई तक रूस के उल्यानोवस्क में युवा मामले और खेल मंत्रालय (युवा मामले विभाग) के तहत आयोजित किया जा रहा है।

इसका मुख्य एजेंडा युवाओं में जागरूकता लाना है, ताकि अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की प्रणाली की दक्षता बढ़ाई जा सके और ब्रिक्स के माध्यम से इसके और अधिक लोकतांत्रीकरण को सुनिश्चित किया जा सके। इसके लिए दुनिया भर के युवा नेताओं को विभिन्न पैनल सत्रों, चर्चा सत्रों में शामिल किया जा सके। इनमें ब्रिक्स युवा जागरूकता, ब्रिक्स के बारे में और ब्रिक्स के लिए और भविष्य को प्रभावित करने के लिए एक उपकरण के रूप में युवा अनुसंधान और अन्य विषय होंगे। यह ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, ईरान, यूएई, सऊदी अरब, इथियोपिया के युवा नेताओं को एक साथ लाएगा, जो 2024 में रूस की ब्रिक्स अध्यक्षता के एजेंडे पर एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम होगा।

"भाजपा ने तेलंगाना को क्या दिया: गधे का अंडा"

बजट में तेलंगाना को नज़रअंदाज़ करने पर कांग्रेस ने साधा निशाना

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस पार्टी ने केंद्रीय बजट में तेलंगाना के साथ भेदभाव के लिए भाजपा पर निशाना साधते हुए तेलंगाना ने भाजपा को आठ एमपी सीटें दीं, लेकिन बदले में, केंद्र की भाजपा सरकार ने 2024 के बजट में केवल "गधे का अंडा" दिया है। पूरे हैदराबाद में, कई जगहों पर कांग्रेस ने फ़्लेक्स लगाए, जिससे लोगों का ध्यान आकर्षित हुआ। फ़्लेक्स पर लिखा है: "भाजपा ने तेलंगाना को क्या दिया: गधे का अंडा।"

लोकसभा चुनावों में, तेलंगाना के लोगों ने भाजपा को आठ एमपी सीटें दीं, लेकिन बजट आवंटन में तेलंगाना को शून्य मिला। राज्य के साथ भेदभाव को लेकर तेलंगाना के लोगों के बीच काफ़ी चर्चा चल रही है। पूरे राज्य में इस मुद्दे पर व्यापक रूप से चर्चा हो रही है। तेलंगाना के लोग अपने राज्य के साथ इस तरह के व्यवहार के लिए भाजपा का कड़ा विरोध कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव से पहले तेलंगाना कांग्रेस द्वारा "गाडीदा गुड्डू" अभियान चलाया गया था।

तुम्मिडीहट्टी बैराज का निर्माण जल्द शुरू होगा: उत्तम

एनडीएसए की सिफारिशों के आधार पर शुरू होंगे काम

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि तकनीकी विशेषज्ञों के साथ परामर्श के बाद तुम्मिडीहट्टी बैराज पर काम तीन से चार महीने में शुरू हो जाएगा। मेडिगड्डा में मरम्मत कार्यों के संबंध में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) द्वारा की गई सिफारिशों के आधार पर कार्य शुरू किए जाएंगे। सुंडिला बैराज में रिसाव अभी भी सक्रिय है। उन्होंने कहा कि एनडीएसए विशेषज्ञों की टीम कलेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना का निरीक्षण करने वाली है। अगर अन्नाराम और सुंडिला को चालू किया जा सकता है, तो हम उपलब्ध पानी के भंडारण पर भी विचार करेंगे। बुधवार को विधान परिषद में प्रश्नकाल के दौरान एमएलसी टी जीवन रेड्डी ने सरकार से तुम्मिडीहट्टी परियोजना में तेजी लाने का आग्रह किया और इसके निर्माण के लिए बजट में 5,000 करोड़ रुपये आवंटित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि अगर परियोजना को समय पर पूरा किया जाए तो यह पर्याप्त जल संसाधन उपलब्ध कराने की क्षमता रखती है। गंधमल्ला जलाशय के निर्माण पर एमएलसी चिंतापंडु नवीन उर्फ टीनमार मल्लन्ना के अनुरोध के जवाब में सिंचाई मंत्री ने कहा कि सरकार परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया का अध्ययन कर रही है। उन्होंने खुलासा किया कि काम तभी शुरू होगा जब स्थानीय लोग भूमि अधिग्रहण में सहयोग करेंगे।

हथकरघा को जीएसटी से छूट न मिलने से बुनकर निराश

लंबे समय से छूट की मांग कर रहे थे बुनकर

राजन्ना-सिरसिला, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिरसिला के बुनकर, जो लंबे समय से हथकरघा उत्पादों और कच्चे माल के लिए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था से छूट की मांग कर रहे हैं, अब नाखुश हैं, क्योंकि केंद्रीय बजट में उनकी मांग का कोई उल्लेख नहीं किया गया। राज्य सरकार से ऑर्डर न मिलने के कारण पहले से ही संकट में फंसे बुनकरों को इस बजट में जीएसटी से छूट मिलने की उम्मीद थी। कॉटन उत्पाद और कच्चे माल पर जहां 5 फीसदी जीएसटी लगाया जा रहा है, वहीं पॉलिएस्टर पर उन्हें 12 फीसदी जीएसटी देना पड़ रहा है। पॉलिएस्टर उत्पादों की बिक्री पर भी 5 फीसदी टैक्स लगाया जा रहा है। सिरसिला और जिले के अन्य इलाकों में कॉटन और पॉलिएस्टर ही मुख्य उत्पाद हैं। सरकारी ऑर्डर को छोड़ दें तो पॉलिएस्टर सिरसिला का प्रमुख उत्पाद है, जिसके कारण स्थानीय बुनकर लंबे समय से जीएसटी से छूट की मांग कर रहे थे।

सांसदों और विधायकों को कई ज्ञापन देने के अलावा उन्होंने केंद्र से हथकरघा को जीएसटी से छूट देने की मांग को लेकर भूख हड़ताल भी की थी। स्थानीय विधायक और पूर्व मंत्री केटी रामा राव ने भी केंद्र से हथकरघा को कर से छूट देने की अपील की थी और अभियान भी चलाया था। पिछली बीआरएस सरकार और मौजूदा सरकार ने भी केंद्र से अनुरोध किया था, लेकिन जाहिर तौर पर उनकी अपील अनसुनी कर दी गई। एक मास्टर बुनकर और म्यूचुअली एडेड कोऑपरेटिव सोसाइटीज (एमएसीएस) के महासचिव पोलू शंकर ने कहा कि उन्हें जीएसटी छूट की उम्मीद थी। हालाँकि, केंद्रीय बजट ने उनकी उम्मीदों को तोड़ दिया है। हथकरघा उत्पादों पर जीएसटी लगाना उचित नहीं था, जिनकी बाज़ार में कोई मांग नहीं है। सामग्री की लागत में असामान्य वृद्धि के मद्देनजर, बुनकरों को इकाइयों को संचालित करके कपड़ा बनाना मुश्किल हो रहा है। वे जीएसटी का भुगतान कैसे कर सकते हैं?

'रैतु भरोसा' के लिए अभी करना होगा इंतजार

कृषि ऋण माफी योजना के कार्यान्वयन के बाद ही आएगा नंबर

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के किसानों को रैतु भरोसा कृषि निवेश सहायता पाने के लिए अभी कुछ और समय तक इंतजार करना पड़ सकता है। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने बुधवार को संकेत दिया कि अगस्त के अंत तक कृषि ऋण माफी योजना के कार्यान्वयन के बाद ही योजना की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जाएगा।

बुधवार को विधान परिषद में प्रश्नकाल के दौरान बोलते हुए नागेश्वर राव ने कहा कि राज्य सरकार रैतु भरोसा के तहत प्रति एकड़ 15,000 रुपये प्रति वर्ष देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस योजना के क्रियान्वयन के लिए नए दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए कैबिनेट उप-समिति वर्तमान में किसानों, विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों के साथ परामर्श कर रही है।

उन्होंने कहा कि सरकार अगस्त के अंत तक कृषि ऋण माफी पूरी कर लेगी। हम दोनों विधानमंडलों में चर्चा भी करेंगे और रायथु भरोसा के लिए पात्रता मानदंड सहित नए दिशा-निर्देशों को अंतिम रूप देने से पहले सभी सदस्यों से सुझाव मांगेंगे।'

बीआरएस एमएलसी थाथा मधु ने देरी की आलोचना करते हुए तर्क दिया कि पिछली बीआरएस सरकार द्वारा शुरू की गई रैतु बंधु निवेश सहायता, किसानों को उच्च ब्याज वाले ऋण लेने से रोकने और उनके वित्तीय बोझ को कम करने के लिए डिज़ाइन की गई थी। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार रैतु भरोसा रूपरेखा पूरी होने तक रायथु बंधु के तहत धन जारी करे।

केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सर्वे नं. 9, बापूजी नगर, बोयनपल्ली, सिकंदराबाद, तेलंगाना-500011

'शिक्षाशास्त्र' विषय के अध्यापक (अनुबंध) के एक पद के लिए

01	वेतन : रु. 35,000/-
02	शैक्षिक योग्यताएँ : एम.एड्.+एम.ए. (हिंदी)+पीएच.डी. (शिक्षाशास्त्र)
03	आवदेन पत्र कार्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि : 10.08.2024

क्षेत्रीय निदेशक

मो. नं. : 9456010035

भागलपुर में हवाई अड्डा निर्माण का रास्ता साफ

जमीन अधिग्रहण के बाद सरकार जारी करेगी राशि

भागलपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। भागलपुर में नया हवाई अड्डा बनने का रास्ता साफ हो गया है। केंद्र सरकार ने इसे बजट में शामिल कर लिया है। जमीन अधिग्रहण होने के बाद केंद्र सरकार राशि जारी करेगी। बिहार सरकार ने भागलपुर व राजगीर में एयरपोर्ट के निर्माण का प्रस्ताव रखा था। हवाई अड्डा के निर्माण को लेकर जमीन चिह्नित करते हुए समाहर्ता डॉ। नवल किशोर चौधरी ने दो तरह का प्रस्ताव मंत्रीमंडल सचिवालय विभाग, बिहार सिविल विमानन निदेशालय निदेशक संचालन को जून में भेजा था। भेजे गए प्रस्ताव में किसी एक प्रस्ताव को स्वीकृत करने का आग्रह किया गया है। इस पर निदेशालय के साथ-साथ सरकार के स्तर से मंथन शुरू हो गया है। आने वाले समय में जमीन अधिग्रहण को लेकर प्रस्ताव कैविनेट में लाया जाएगा। इसके बाद राशि जारी की जाएगी। उम्मीद की जा रही है कि इस साल जमीन अधिग्रहण का कार्य शुरू हो जाएगा। जिले में नव हवाई अड्डा निर्माण के लिए 475 एकड़ भूमि उपलब्ध कराने का निर्देश प्राप्त हुआ है। उक्त निर्देश के आलोक में जिले में नव हवाई अड्डा निर्माण के लिए गोराडीह अंचल अधिकारी द्वारा भूमि को चिह्नित करते हुए दो प्रस्ताव उपलब्ध कराया है। जो जमीन हवाई अड्डा के लिए चिह्नित किया गया है, वह शहर के नजदीक है और बगल से फोरलेन गुजर रहा है। बिहार सिविल विमानन निदेशालय द्वारा प्रस्ताव स्वीकृत कर लिया जाता है तो विभाग से राशि की मांग की जाएगी और इसके बाद जमीन अधिग्रहण का कार्य होगा।

184 एकड़ भूमि पर बनेगा टर्मिनल

एयरस्ट्रिप के अतिरिक्त 184 एकड़ जमीन टर्मिनल व अन्य कार्यों के लिए उपयोग में लाया जा सकता है। वर्तमान में हवाई अड्डा तक पहुंचने के लिए गोराडीह-भागलपुर मुख्य सड़क है। नवनिर्मित हवाई टर्मिनल व वर्तमान चार लेन एनएच को जोड़ने के लिए लगभग आठ किलोमीटर सड़क का निर्माण कराया जा सकता है।

सिविल विमानन निदेशालय ने मांगी थी 475 एकड़ जमीन

निदेशालय ने जिलाधिकारी को लिखा था पत्र इससे पूर्व, हवाई अड्डा से संबंधित जमीन को लेकर मंत्रीमंडल सचिवालय विभाग, बिहार सिविल विमानन निदेशालय निदेशक संचालन का जिलाधिकारी को पत्र आया था। निदेशालय ने पांच फरवरी 2024 को पत्र द्वारा भागलपुर जिला में हवाई अड्डा के विकास के लिए 475 एकड़ भूमि चिह्नित करने का अनुरोध किया था। भूमि उपलब्धता प्रतिवेदन उपलब्ध कराए जाने के उपरांत भागलपुर में नए हवाई अड्डा के निर्माण के लिए विचार किया जाएगा। इसके बाद से जिलाधिकारी ने हवाई अड्डा की जमीन की खोज के लिए पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया। अपर समाहर्ता (राजस्व) की अध्यक्षता में गठित कमेटी में सदर अनुमंडल पदाधिकारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, भूमि सुधार उपसमाहर्ता के साथ-साथ जगदीशपुर व गोराडीह के अंचलाधिकारी को रखा गया है। कमेटी ने गोराडीह में जमीन की खोज की है। अपर समाहर्ता द्वारा जमीन से संबंधित पूरी जानकारी तैयार करने के बाद सिविल विमानन निदेशालय पटना को प्रस्ताव भेजा गया है।

दो सगी बहनों समेत पांच लड़कियों की डूबने से मौत

संतकबीरनगर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। संतकबीरनगर जिले के बखिरा और दुधारा क्षेत्र में मंगलवार को पांच लड़कियों की पोखरे और झील में डूबने से मौत हो गई। बखिरा झील में नहाने गईं बड़गों गांव की चार लड़कियों में तीन की मौत हो गई जबकि एक को मेंहदावल सीएचसी में भर्ती कराया गया है। वहीं, धान की रोपाई करने गईं दुधारा थानाक्षेत्र के खटियावां गांव की दो सगी बहनें पैर फिसल जाने से पोखरे में डूब गईं जिससे उनकी मौत हो गई। बखिरा थानाक्षेत्र के बड़गो गांव की रहने वाली पायल (12) पुत्री दिलीप, मीनाक्षी (15) पुत्री मकसूदन निषाद, अर्चना (17) पुत्री रामनेवास और काजल (14) पुत्री रमेश मंगलवार की शाम करीब चार बजे बखिरा झील में नहाने गईं थीं। गहरे पानी में चले जाने से चारों डूबने लगीं। लड़कियों के चिल्लाने की आवाज सुनकर थोड़ी दूरी पर स्थित मंदिर पर मौजूद ग्रामीण भागकर झील की तरफ पहुंचे। ग्रामीणों के पहुंचने तक एक लड़की बचाने की गुहार लगा रही थी। चारों को झील से निकालकर सीएचसी मेंहदावल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने मीनाक्षी, पायल और अर्चना को मृत घोषित कर दिया जबकि काजल को भर्ती कराया गया है।

लालू यादव की तबीयत को लेकर सामने आया बड़ा अपडेट, बीती रात दिल्ली एम्स में हुए थे एडमिट

पटना, 24 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व सीएम लालू यादव की तबीयत को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। दरअसल लालू यादव को तबीयत बिगड़ने पर बीती रात दिल्ली एम्स में एडमिट करवाया गया था। लेकिन आज उनकी हालत स्थिर है और उन्हें दिल्ली एम्स से डिस्चार्ज कर दिया गया है। लालू यादव की अचानक तबीयत खराब हो गई थी, जिसके बाद उन्हें दिल्ली एम्स में बीती रात भर्ती कराया गया था। एम्स में डॉक्टरों की कड़ी निगरानी में लालू यादव का इलाज चल रहा था। उनकी हालत रात में भी स्थिर बताई जा रही थी और लालू के साथ उनके परिवार के लोग अस्पताल में मौजूद थे। जानकारी के मुताबिक, सोमवार को ही लालू पटना से दिल्ली आए थे। डॉक्टरों ने बताया था कि लालू प्रसाद यादव का बीपी लेवल बढ़ा हुआ था। फिलहाल दिल्ली एम्स के सीनियर डॉक्टर राकेश यादव ने कहा था कि लालू प्रसाद यादव की हालत स्थिर है और वह ठीक हैं।

लालू का हुआ था किडनी ट्रांसप्लांट

लालू का साल 2022 में बड़ा ऑपरेशन हुआ था और सिंगापुर में उनकी किडनी का ट्रांसप्लांट किया गया था। गौरतलब है कि लालू लंबे समय से कई बीमारियों से पीड़ित हैं। वे लंबे समय से डायबिटीज़ और हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों से पीड़ित हैं। साल 2022 में लालू यादव को सिंगापुर के डॉक्टरों ने किडनी ट्रांसप्लांट की सलाह दी थी। जिसके बाद उनकी किडनी ट्रांसप्लांट की गई थी और उसके बाद से उनके स्वास्थ्य में सुधार हुआ था। लालू ठीक होने के बाद राजनीति में फिर से सक्रिय हो गए थे और चुनाव के दौरान मंच से भाषण भी दिया था। लालू यादव को चारा घोटाला मामले में सजा सुनाई गई थी जिसके बाद वे रांची के रिम्स अस्पताल में भर्ती रहे जहां उनका इलाज चलता रहा। उसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई थी तो उन्हें दिल्ली एम्स एयरलिफ्ट कर लाया गया था।

अखिलेश का ऐलान, बगावत करने वालों को किया जाएगा बाहर

लखनऊ, 24 जुलाई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी से बग़ावत करने वाले और धोखा देने वाले नेताओं के लेकर पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव का सख्त बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी को छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में जाने वालों की वापसी नहीं होगी। उन्होंने कहा अगर कोई उन्हें (बागियों) वापस पार्टी में शामिल कराने के लिए उनके पास आया तो वो उसे भी पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा देंगे। अखिलेश यादव ने इस दौरान बजट को लेकर भी निशाना साधा है उन्होंने कहा कि समर्थन मूल्य किसान को ना देकर गठबंधन के साथियों को दे रहे हैं।

उत्तर प्रदेश को बड़े सपने दिखाए थे, क्या मिला उत्तर प्रदेश को? डबल इंजन की सरकार है तो डबल लाभ मिलना चाहिए था, दिल्ली का लाभ लखनऊ का लाभ लेकिन लगता है कि दिल्ली अब लखनऊ की ओर नहीं देख रही है या लखनऊ वालों ने दिल्ली वालों को नाराज कर दिया उसका परिणाम बजट में दिखाई दे रहा है। विकास बिहार जा रहा है तो उत्तर प्रदेश को क्यों छोड़ रहे हैं? बाढ़ अगर बिहार की रोकनी है तो नेपाल और उत्तर प्रदेश की बाढ़ रोके बिना आप बिहार की बाढ़ कैसे रोकेंगे? आप पहले उत्तर प्रदेश और नेपाल की बाढ़ रोके तो बिहार की बाढ़ अपने आप रुक जाएगी।

मिली राहत: 57 दिन बाद जमानत पर छूटे सपा विधायक रफीक अंसारी, इस मामले में गए थे जेल

मेरठ, 24 जुलाई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी से शहर विधायक रफीक अंसारी मंगलवार रात को 57 दिन बाद जमानत पर जेल से बाहर आ गए। उनकी जमानत हाईकोर्ट से 18 जुलाई को मिली गई थी लेकिन विवादित टिप्पणी में चार्ज बनने के कारण रिहाई रुकी हुई थी। पुलिस अन्य मुकदमों का रिकॉर्ड नहीं दे पाई। 1992 में हापुड़ रोड पर मीट की दुकानों को लेकर अंसारी और कुरैशी बिरादरी के लोग आमने-सामने आ गए थे। भीड़ ने तोड़फोड़ करते हुए आगजनी कर दी थी। इस मामले में लिसाड़ी गेट और नौचंदी थाने में आईपीसी की धारा 147, 427 और 436 के अंतर्गत दो मुकदमे दर्ज किए गए थे।

फैसले से फिर सवालों में घिरी केंद्र सरकार

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जारी किया नोटिस

प्रयागराज, 24 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' घोषित करने की 13 जुलाई की अधिसूचना को चुनौती देने वाली एक जनहित याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। देश में 25 जून 1975 को तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार ने आपातकाल लागू किया था। झांसी के अधिवक्ता संतोष सिंह दोहरे द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति विकास बुधवार की खंडपीठ ने केंद्र से जवाब मांगते हुए इस मामले की अगली सुनवाई 31 जुलाई तय की है। सोमवार को जैसे ही इस मामले पर सुनवाई शुरू हुई, केंद्र सरकार के अधिवक्ता ने इस मामले में जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा जिस पर अदालत ने उनका अनुरोध स्वीकार कर लिया।

क्या दी गई है दलील

इस जनहित याचिका में 13 जुलाई की भारत के राजपत्र में प्रकाशित इस अधिसूचना को रद्द करने की मांग की गई है। इस अधिसूचना में कहा गया है कि 25 जून 1975 को आपातकाल लागू कर तत्कालीन सरकार ने लोगों के अधिकारों का जबरदस्त हनन किया। याचिका में दलील दी गई है कि केंद्र सरकार द्वारा जारी अधिसूचना सीधे तौर पर भारत के संविधान के प्रावधानों का उल्लंघन करती है और साथ ही राष्ट्रीय सम्मान का अपमान रोकने वाले 1971 के अधिनियम के प्रावधानों का भी उल्लंघन करती है। याचिका में कहा गया है कि इस अधिसूचना में प्रयुक्त भाषा भारत के संविधान का अपमान करती है क्योंकि 1971 के अधिनियम के अनुच्छेद दो के मुताबिक, संसद ने यह घोषणा की है कि बोलकर या लिखकर शब्दों से संविधान के प्रति अपमान प्रदर्शित करना एक अपराध है। इसमें कहा गया कि 1975 में संविधान के प्रावधानों के तहत आपातकाल लागू किया गया था इसलिए प्रतिवादियों द्वारा 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' घोषित करना गलत है क्योंकि संविधान एक जीवंत दस्तावेज है जो कभी मर नहीं सकता और न ही किसी को इसे नष्ट करने की अनुमति दी जा सकती है।

इस फैसले पर खड़े हुए सवाल

याचिका में गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव जी। पार्थसारथी द्वारा यह अधिसूचना जारी करने के पीछे के औचित्य पर भी सवाल खड़ा किया गया है जिसमें कहा गया है कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी के तौर पर पार्थसारथी भारत के संविधान के निर्देशों का पालन करने के लिए बाध्य हैं। हालांकि, उन्होंने केंद्र सरकार में नेताओं का पक्ष लेकर प्रशासन में महत्वपूर्ण पद हासिल करने के लिए यह अधिसूचना जारी की। याचिका में अंततः यह दलील दी गई, ''प्रतिवादी (केंद्र) की सभी कार्रवाई भारत के संविधान के अनुच्छेद 77 के मुताबिक भारत के राष्ट्रपति के नाम पर होनी आवश्यक है। हालांकि, उक्त अधिसूचना अनुच्छेद 77 का अनुपालन नहीं करती। इस प्रकार से यह अनुच्छेद 77 का उल्लंघन है।''

उमस भरी गर्मी से लखनऊ वाले बेहाल

इन 18 जिलों में भारी बारिश की चेतवानी

लखनऊ, 24 जुलाई (एजेंसियां)। जहां एक ओर मॉनसून की बेरुखी से लखनऊ वाले चिपचिपी और उमस भरी गर्मी से बेहाल हैं तो वहीं, मौसम विभाग ने प्रदेश के 18 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अगले चार दिन यानी 27 जुलाई तक एक बार फिर मॉनसून एक्टिव होगा। इस दौरान पूर्वांचल से लेकर पश्चिम यूपी तक भारी बारिश देखने को मिल सकती है। लखनऊ स्थित आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक बुधवार से 27 जुलाई तक यूपी के वाराणसी, प्रयागराज, मीरजापुर, सोनभद्र, जौनपुर, चंदौली, गाजीपुर, लखनऊ और कानपुर समेत 18 शहरों में भारी बारिश का पूर्वानुमान है। मौसम विभाग का कहना है कि इस दौरान तेज हवा के साथ कहीं-कहीं गरज चमक के साथ बारिश भी हो सकती है।

इन जिलों में भी भारी बारिश की चेतावनी

मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अगले 24 घंटों में पश्चिमी यूपी के मुजफ्फनगर, मेरठ, एटा, हापुड़, टुंडला, आगरा, नगीना, ललितपुर, बिजनौर, फतेहाबाद, बुलंदशहर, बांदा और फर्रुखाबाद में गरज-चमक के साथ भारी बारिश होने की संभावना है। इतना ही नहीं बरेली और झांसी में रेड अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही मौसम विभाग ने कई जगहों पर वज्रपात की भी आशंका जताई है और लोगों से सतर्क रहने को कहा गया है।

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी कैंपस में फायरिंग 2 कर्मचारी घायल, 2 हमलावर अरेस्ट

अलीगढ़, 24 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी कैंपस में बुधवार को गोलीबारी की घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि दो कर्मचारियों के ऊपर फायरिंग की गई। कैंपस में तैनात सुरक्षाकर्मियों ने दो हमलावरों को पकड़ लिया है। घायल दोनों कर्मचारियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है। गौरतलब है कि एएमयू समय-समय पर विवादों में बना रहता है। इस साल होली के मौके पर मार्च में यहां बवाल हुआ था। होली कार्यक्रम मना रहे छात्रों पर दूसरे गुट ने हमला कर दिया। कैंपस में होली खेल रहे छात्रों से मारपीट की गई। इसके बाद बड़ी संख्या में छात्र सिविल लाइन थाना पहुंचे और पुलिसकर्मियों का घेराव किया था। बीते मई में एएमयू के एसएस हॉल परिसर में छात्रों के दो गुटों में मारपीट हो गई थी। इस घटना में बीटेक फर्स्ट इयर का एक छात्र बुरी तरह घायल हो गया था। दहशत फैलाने के लिए एक गुट ने हवाई फायरिंग भी की। कैंपस में तैनात जवानों ने दो आरोपी छात्रों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था। घायल बीटेक छात्र को तत्काल मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया।

राहुल गांधी के खटाखट वाले बयान से परेशान सपा के बागी विधायक मनोज पांडेय, कहा- 'रोजाना आ रही हैं महिलाएं'

रायबरेली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी के खटाखट वाला बयान काफी सुर्खियों में रहा था। लेकिन, अब ये पार्टी की मुसीबत बन चुका है। समाजवादी पार्टी से बीजेपी में शामिल हुए रायबरेली की ऊंचाहार सीट से विधायक मनोज पांडे ने इस गरीबों का मजाक बताया है। उन्होंने कहा कि आज भी रोजाना सौ से ज्यादा महिलाएं उनके घर पैसा मांगने के लिए पहुंच रही है। मनोज पांडे ने एबीपी न्यूज से बात करते हुए कहा कि कि चुनाव के समय राहुल गांधी ने मंच से महिलाओं को वादा किया था कि एक जुलाई से उनके खाते में खटाखट पैसे आने शुरू हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने ये नहीं कहा था कि वो चुनाव जीतेगी तो ही पैसे आएंगे। लेकिन, अब जब महिलाओं को पैसे नहीं मिल पा रहे हैं तो वो रोजाना उनके घर चक्कर लगा रही है। मनोज पांडे ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा- झूठ की दुकान बार-बार नहीं चलती है। आज पूरा देश और विधायक होने के नाते मैं बहुत चिंतित और परेशान हूं। रोजाना 100-150 महिलाएं हमारे पास आती है और कहती है विधायक जी वो पैसा दिला दीजिए जो राहुल गांधी ने कहा था कि ठकाठक। ठकाठक। रोज इसी रायबरेली में लोग मेरे घर आते हैं। क्योंकि उन्होंने (राहुल गांधी) गारंटी दी थी कि एक जुलाई से पैसा आएगा। बीजेपी नेता ने कहा कि मुझे लगता है कि इस तरह का बयान देकर गरीबों का मजाक उड़ाया गया है। महिलाएं कहती है कि हमें मंच से कहा गया था एक जुलाई से खटाखट पैसा आएगा। उन्होंने दावा किया कि ये महिलाएं सिर्फ उनके आवास पर ही नहीं बल्कि कांग्रेस दफ्तर में भी जा रही है। ये लोकतंत्र में जनता के साथ धोखा है।

आरओ- एआरओ भर्ती परीक्षा लीक मामले में 23 के खिलाफ एफआईआर दर्ज, पुलिस इनकी संपत्तियों को करेगी कुर्क

लखनऊ, 24 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित आरओ- एआरओ भर्ती परीक्षा का पेपर लीक होने के मामले में यूपी की योगी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। योगी सरकार ने पेपर लीक करने वाले गिरोह पर शिकंजा कसते हुए मास्टरमाइंड राजीव नयन मिश्र समेत 23 आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर का केस दर्ज किया है।गैंगस्टर की कार्रवाई होने के बाद पेपर लीक के आरोपी अब आसानी से जेल से बाहर नहीं आ सकेंगे।इसके अलावा इन आरोपियों द्वारा अपराध के जरिए अर्जित की गई संपत्तियों को पुलिस अब कुर्क भी कर सकेगी। पेपर लीक करने वाले गिरोह के 23 सदस्यों के खिलाफ यूपी के कौशांबी जिले के मंझनपुर पुलिस स्टेशन में गैंगस्टर का केस दर्ज किया गया है। आरओ- एआरओ यानी समीक्षा अधिकारी और सहायक समीक्षा अधिकारी की भर्ती परीक्षा इसी साल 11 फरवरी को यूपी के कई शहरों में आयोजित की गई थी। मास्टरमाइंड राजीव नयन मिश्र और गिरोह के अन्य सदस्यों ने परीक्षा से पहले ही पेपर लीक करा कर उसे लाखों रुपए में बेचा था।

टीईटी पेपर भी कराया गया आउट

करीब 20 दिनों तक हुए हंगामे के बाद योगी सरकार ने परीक्षा को रद्द कर दिया था और इसे दोबारा कराए जाने का आदेश दिया था।आरओ एआरओ की भर्ती परीक्षा के पेपर लीक के मामले में अब तक 19 सदस्यों की गिरफ्तारी हो चुकी है। यह सभी यूपी की अलग-अलग जेल में बंद है। इनके खिलाफ कुछ दिन पहले ही कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की गई है। आरोप है कि इसी गिरोह ने साल 2021 में शिक्षक पात्रता परीक्षा यानी टीईटी का पेपर भी आउट कराया था। गिरोह के सदस्यों पर कई आरोप है।

अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

पेपर लीक गिरोह का मास्टरमाइंड राजीव नयन मिश्रा इन दिनों मेरठ जेल में बंद है। राजीव नयन मिश्रा की गिरफ्तारी यूपी एसटीएफ ने की थी। आरओ एआरओ भर्ती परीक्षा पेपर लीक के चार आरोपी अभी फरार हैं।उनकी तलाश में पुलिस की टीमें कई जगहों पर छापेमारी कर चुकी हैं।फरवरी महीने में रद्द हुई परीक्षा अब दिसंबर महीने में होने की उम्मीद है।इस भर्ती परीक्षा के पेपर लीक होने का मामला लोकसभा चुनाव में भी मुद्दा बना था।

गुदड़ी बाजार तिहरा हत्याकांड: मेरठ की सबसे खौफनाक थी ये वारदात, 16 साल चला मुकदमा, आज फैसला टला

मेरठ, 24 जुलाई (एजेंसियां)। मेरठ कोतवाली गुदड़ी बाजार तिहरे हत्याकांड में 16 साल बाद 24 जुलाई को फैसला इस मुकदमे में बहस पूरी हो गई है। अदालत ने सारे दस्तावेज सुरक्षित कर लिए हैं। आज निर्णय सुनाया जाएगा। वहीं हाईकोर्ट ने इस मामले में निचली अदालत से मुकदमे का स्टेटस मांगा है और फैसले को टाल दिया है। हाई कोर्ट ने 30 जुलाई तक रिपोर्ट मांगी है। अब 30 जुलाई के बाद की तारीख लगेगी। 23 मई 2008 को मेरठ कॉलेज के छात्र सुनील ढाका (27) निवासी जागृति विहार, पुनीत गिरि (22) निवासी परीक्षितगढ़ रोड और सुधीर उज्जवल (23) निवासी गांव सिरसली, बागपत के शव बागपत के बलैनी में नदी किनारे पड़े मिले। तीनों को गोलियां मारने के बाद गला काटकर मारा गया था। पुलिस की जांच में सामने आया कि 22 मई की रात तीनों का गुदड़ी बाजार में हाजी इजलाल कुरैशी के साथ झगड़ा हुआ था।

ऋतिक हत्याकांड में दो दारोगा और एक सिपाही सस्पेंड, इंस्पेक्टर की होगी जांच; गांव में पीएसी तैनात

लखनऊ, 24 जुलाई (एजेंसियां)। बंथरा गांव में हुए हत्याकांड में लापरवाही बरतने वाले बीट के दो दारोगा सुभाष यादव, सुशील यादव और सिपाही यत्येंद्र सिंह को निलंबित कर दिया गया है। वहीं, इंस्पेक्टर की भूमिका की जांच एसीपी कृष्णानगर कर रहे हैं। डीसीपी दक्षिणी तेज स्वरूप सिंह ने बताया कि एसीपी की जो भी रिपोर्ट होगी उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। आरोपितों की तलाश में कई स्थानों पर दबिश दी गई है। डीसीपी ने बताया कि बीट इंचार्ज दारोगा सुभाष यादव, दारोगा सुशील यादव और सिपाही यत्येंद्र सिंह को निलंबित किया गया है।

जांच में सामने आया कि विवाद की सूचना मिलने के बाद भी बीट इंचार्ज मौके पर नहीं पहुंचे थे। न ही उनके साथ मौजूद दारोगा सुशील और सिपाही यत्येंद्र गए थे। यही नहीं घटना की जानकारी होने के बाद भी दूसरे दिन जीडी में इंट्री कर बीट इंचार्ज सुभाष यादव गुमशुदा महिला की तलाश में दूसरे जनपद रवाना हो गए। ऐसे में सभी को निलंबित कर एसीपी मोहनलालगंज को जांच दी गई है। एसीपी कृष्णानगर विनय द्विवेदी ने बताया कि आरोपियों की तलाश के लिए दबिश दी जा रही है। गांव के कई लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं।

गांव में तैनात की गई पीएसी

हत्याकांड के बाद से दोनों गांव में तनाव का माहौल है। पुलिस के साथ-साथ पीएसी को भी तैनात किया गया है। यही नहीं ऋतिक के शव गांव से निकला तो दोनों गांव में सन्नाटा पसर गया था। शुक्लागंज गंगाघाट में ऋतिक का अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान पुलिस भी साथ में मौजूद रही।

यह था मामला

बंथरा गांव में रविवार रात बिजली बनाने को लेकर प्रत्यूष सिंह चौहान और ऋतिक पांडेय के बीच विवाद हो गया था। प्रत्यूश ने साथियों के साथ ऋतिक के घर में घुसकर सभी की पिटाई कर दी थी। घटना में ऋतिक की मौत हो गई। ऋतिक के पिता पूर्व सभासद प्रत्याशी इंद्र कुमार पांडेय ने प्रत्यूष, अवनीश, शनि सिंह, ऋषू सिंह सहित पांच नामजद और दस अज्ञात के खिलाफ असलहा आदि लेकर घर में घुसकर मारपीट कर बेटे की हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था।

गुजरात में बारिश से इमारत गिरी, 3 की मौत

छत्तीसगढ़ में एनएमडीसी का डैम टूटा, शहर में पानी घुसा; 100 मकान ढहे, गाड़ियां बहीं

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात में पिछले दो दिन से लगातार बारिश हो रही है। द्वारका के खंभालिया में एक तीन मंजिला इमारत गिरने से एक बुजुर्ग महिला और दो बच्चियों की मौत हो गई। सूरत में 24 घंटे में 228 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई है। यहां सड़कों पर नदियों जैसा पानी बह रहा है। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में भारी बारिश की वजह से दंतेवाड़ा जिले के किरंदुल में स्थित एनएमडीसी का चेक डैम टूट गया। इससे डैम का पानी किरंदुल शहर में घुस गया। इस दौरान करीब 100 से ज्यादा मकान-दुकान ढह गए। पानी का फ्लो इतना तेज था कि सड़क पर खड़े छोटे-बड़े वाहन बहने लग गए। मुख्य सड़क से लेकर बस्तियों की सड़कें और गलियां तक उखड़ गईं। इसके अलावा मध्य प्रदेश में भी बारिश के कारण कई नदियां, बांध और तालाबों में पानी का लेवल बढ़ गया है।

24 घंटे में इंदिरा सागर, तिघरा, तवा, बरगी जैसे बड़े डैम में 3 से 6 फीट तक पानी बढ़ा है। बैतूल के सतपुड़ा, मंडला में नैनपुर के थावर और श्योपुर के डैम के गेट खोलना पड़े हैं। आज एमपी-महाराष्ट्र समेत 9 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। उधर, नेपाल से सटे इलाकों में तेज बारिश के कारण उत्तर प्रदेश के लखीमपुर, गोरखपुर, महाराजगंज, गोंडा, बहराइच समेत 10 जिलों में बाढ़ से प्रभावित हैं। गोरखपुर में राप्ती नदी उफान पर है। नदी के किनारे बसे गांवों में बाढ़ का पानी भरा हुआ है।

करीब 40 हजार लोग प्रभावित हैं। गुजरात के सूरत में तीन दिनों से भारी बारिश हो रही है। मंगलवार को भी तेज बारिश जा रही। पिछले चौबीस घंटों में यहां 6 इंच बारिश हुई। इस तरह पिछले 48 घंटों में 13 इंच बारिश हो चुकी है। पिछले 48 घंटों की बारिश ने शहर की सूरत ही बदल कर रख दी है। मंगलवार को दिनभर बारिश होती रही। 84 मिमी यानी साढ़े 3 इंच बारिश से शहर के वेसू, वीआईपी रोड, अलथान, चौक बाजार, अडाजन, लिंबायत, पर्वत पाटिया सहित अन्य इलाकों में जल जमाव देखने को मिला।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत

संसद में दिए बयान को लेकर एफआईआर दर्ज करने की मांग

मुंबई, 24 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी के खिलाफ मुंबई के वीपी रोड पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है। यह शिकायत एक जुलाई को संसद में दिए गए उनके बयान को लेकर एक वकील ने दर्ज कराई है। अखंड हिन्दू राष्ट्र समिति के वकील कुषाण सोलंकी की तरफ से दी गई शिकायत में यह मांग की गई है कि राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाए।

राहुल के बयान पर संसद में हुआ था हंगामा

राहुल गांधी ने एक जुलाई को ससंद में दिए भाषण में हिंदुओं को लेकर टिप्पणी की थी। इसी बयान को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। दरअसल, राहुल गांधी के बयान पर संसद में खूब हंगामा हुआ था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी राहुल गांधी के इस बयान की निंदा की थी।

पीएम मोदी ने राहुल की टिप्पणी को बहुत गंभीर बताया था

राहुल गांधी ने हिंदुओं को हिंसा से जोड़कर कुछ ऐसी टिप्पणी की जिस पर संसद में हंगामा खड़ा हो गया था। हालांकि बाद में राहुल गांधी के बयान को सदन की कार्यवाही से हटा दिया गया। राहुल के बयान पर हंगामे के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी सीट से उठे और उन्होंने कहा कि पूरे हिंदू समाज को हिंसक कहना बहुत गंभीर विषय है।

अचानक रेलवे ट्रैक पर उतरे लोग, पैदल तय करने लगे सफर, मुंबई में ऐसा क्या हुआ

मुंबई, 24 जुलाई (एजेंसियां)। लोकल को मायानगरी मुंबई की लाइफलाइन माना जाता है. रोजाना लाखों लोग मुंबई लोकल का इस्तेमाल कर अपने घर से दफ्तर और फिर दफ्तर से घर पहुंचते हैं लेकिन बुधवार सुबह कुछ ऐसा हुआ, जिसके बाद लोग खुद ट्रैक पर उतर गए और पैदल ही अपने दफ्तरों के लिए निकल पड़े. दरअसल, बांस का एक पूरा ढांचा रेलवे ट्रैक पर बुधवार सुबह गिर गया, जिसके चलते रेल सेवा बुरी तरह से प्रभावित हो गई. लोग रेलवे स्टेशनों तक तो पहुंच गए लेकिन उन्हें ट्रेन नहीं मिली. सुबह दफ्तर पहुंचने में हो रही देरी को देखते हुए बड़ी संख्या में लोग ट्रैक पर उतर आए और पैदल ही ट्रैक के जरिए अपने ऑफिस जाने के लिए निकल पड़े. सेंट्रल रेलवे के अधिकारियों के अनुसार, सायन और माटुंगा स्टेशनों के बीच ओवरहेड वायर पर बांस का ढांचा गिरने के बाद मुंबई उपनगरीय नेटवर्क की मुख्य लाइन पर लोकल ट्रेन सेवाएं बाधित हो गईं. नतीजतन, इन दोनों स्टेशनों के बीच लगभग एक घंटे तक फास्ट लोकल ट्रेन सेवाएं रुकी रहीं, जिससे ऑफिस जाने वालों और अन्य लोगों को परेशानी हुई.

आईएएस पूजा ने माता-पिता की शादी पर भी कर दिया है झोल? केंद्र ने पुणे पुलिस से मांगी जानकारी

पुणे, 24 जुलाई (एजेंसियां)। कई विवादों में घिरी ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। अब केंद्र सरकार ने उनके माता-पिता के वैवाहिक जीवन को लेकर पुणे पुलिस से जानकारी मांगी है। पुणे पुलिस के वरिष्ठ सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, केंद्र सरकार ने पुणे पुलिस को पूजा खेडकर के माता-पिता के वैवाहिक स्थिति के बारे में जानकारी प्रदान करने का निर्देश दिया है। ऐसे आरोप सामने आए हैं कि पूजा ने अपने माता-पिता मनोरमा और पिता दिलीप के अलग होने का झूठा दावा कर यूपीएससी परीक्षा में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) गैर-क्रीमी लेयर कोटा का लाभ प्राप्त किया। नियमों के मुताबिक, ओबीसी नॉन-क्रीमी लेयर की श्रेणी में केवल वे लोग आते हैं जिनके माता-पिता की आय 8 लाख सालाना से कम है। पूजा ने दावा किया था कि उसके माता-पिता अलग हो गए थे और वह अपनी मां के साथ रह रही थी, जबकि उसके पिता एक सरकारी नौकरी में क्लास वन के अधिकारी थे। यही वजह है कि केंद्र सरकार की ओर से पुणे पुलिस को यह निर्देश दिया गया है कि पूजा खेडकर के माता-पिता के वैवाहिक जीवन और उसकी स्थिति को लेकर रिपोर्ट सौंपी जाए। वहीं, पूजा खेडकर को कथित जाली विकलांगता प्रमाणपत्र दिलाने में मदद करने वाले डॉक्टरों और सहायकों के खिलाफ जांच के आदेश दिए गए हैं।

आयुक्त, विकलांग कल्याण विभाग ने पूजा की मदद करने वाले सभी लोगों, जिसमें वाईसीएम अस्पताल के डॉक्टर भी शामिल थे, की जांच के आदेश दिए हैं। पिंपरी नगर निगम के चिकित्सा विभाग को पूजा खेडकर को प्रमाण पत्र देने वाली समिति के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए जांच के आदेश जारी किए गए हैं। वाईसीएम अस्पताल ने पूजा खेडकर को विकलांगता प्रमाणपत्र जारी किया था, जिसमें कहा गया है कि पूजा के बाएं घुटने में 7% स्थायी विकलांगता है। यदि जांच में दोषी पाया जाते हैं, तो विकलांगता प्रमाणपत्र जारी करने वाले डॉक्टर और सभी व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा। जांच की पूरी रिपोर्ट कलेक्टर ऑफिस को सौंपी जाएगी।

कुएं की सफाई के दौरान मिले 49 जिंदा कारतूस

पाकिस्तान बॉर्डर के पास होने से मचा हड़कंप

सांबा, 24 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के सांबा में शाम एक कुएं में 49 जिंदा कारतूस मिलने के बाद हड़कंप मच गया। यह इलाका भारत-पाकिस्तान की सीमा से सटा हुआ है इसलिए यह इन गोलियों का मिलना एक बड़ी खबर है। बता दें कि ये सारे कारतूस कुएं की सफाई के दौरान बरामद किए गए। जैसे ही लोगों को ये गोलियां मिलीं, उन्होंने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। जम्मू एवं कश्मीर के अलग-अलग इलाकों में हाल ही में हुई कई आतंकी वारदातों के बीच बरामद ये सारी गोलियां राइफल की बताई जा रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सांबा के सीमावर्ती गांव गलाड के कुछ लोग एक कुएं में सफाई के लिए उतरे थे। इस दौरान उन्हें 49 गोलियां मिली जिससे गांव में हड़कंप मच गया। गलाड भारत-पाकिस्तान सीमा से सटा हुआ है, इसलिए मामले की संवेदनशीलता देखते हुए स्थानीय लोगों ने गोलियों के मिलने की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची जम्मू कश्मीर पुलिस और बीएसएफ ने गोलियों को जब्त कर लिया और घटना की जांच शुरू कर दी। ये सारे कारतूस .303 राइफल के बताए जा रहे हैं। इस बीच 24 जुलाई को भी जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में बुधवार सुबह सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है, जिसमें एक आतंकवादी मारा गया। आतंकियों और सुरक्षाबलों को बीच जारी गोलीबारी में एक जवान के भी घायल होने की खबर है। सेना ने अपने एक्स हैंडल पर इसको लेकर अपडेट देते हुए कहा कि सुरक्षाबलों ने मंगलवार की शाम को कुपवाड़ा जिले के कोवुत क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष जानकारी के आधार पर संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया था। सेना ने कहा कि तलाशी अभियान के दौरान छुपे हुए आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग कर दी। इसके बाद जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई शुरू की। गौरतलब है कि इन दिनों कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ सेना, पुलिस और विभिन्न सुरक्षाबलों ने संयुक्त अभियान चला रखा है। आतंकी सघन जंगलों में छिपकर हमला कर रहे हैं तो सुरक्षाबल उनका मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं।

'हरियाणा में बीजेपी के पास पास पिछले 10 सालों से दिखाने के लिए कुछ नहीं है बजट को लेकर कुमारी सैलजा ने मोदी सरकार को घेरा

चंडीगढ़, 24 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के सिरसा से कांग्रेस की सांसद कुमारी सैलजा की बजट को लेकर प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि आज संसद में कांग्रेस पार्टी की ओर से बजट पर चर्चा की शुरुआत करते हुए बीजेपी की विफल नीतियों को उजागर करूंगी। इस बजट में जनता के हितों को अनदेखा किया गया है और सिर्फ खोखले वादों का सहारा लिया गया है। देश को असली विकास की जरूरत है, न कि सिर्फ आंकड़ों के खेल की। कुमारी सैलजा ने एक और पोस्ट में लिखा कि देश में बेरोजगारी अपने चरम पर है। मौजूदा सरकार ने बजट में भी हमारे युवाओं, बेरोजगारों, किसानों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए कुछ नहीं किया। हरियाणा में बीजेपी के पास पिछले 10 सालों से दिखाने के लिए कुछ नहीं है और न ही भविष्य के लिए उनके पास कोई योजना है। इस बजट में हरियाणा को पूरी तरह से अनदेखा किया गया है। वहीं रोहतक से कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने बजट को पूरी तरह से निराशाजनक बताया है। बेरोजगारी और महंगाई को कम करने के लिए कोई कदम नहीं उठाये गए। बजट में किसान और गरीबों को राहत पहुंचाने के लिए कोई कदम नहीं उठाये गए। केवल आंध्रप्रदेश और बिहार बार-बार उन्हीं की चर्चा होती रही। कई प्रदेशों का तो नाम भी नहीं लिया गया। दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि हरियाणा को बजट में कुछ नहीं मिला यहां तक की बजट के दौरान एक बार फिर हरियाणा का नाम लेना वित्त मंत्री ने ठीक नहीं समझा। बजट में हरियाणा का नाम ही नहीं आया। क्या हरियाणा देश का हिस्सा है कि नहीं।

यूट्यूबर ध्रुव राठी को कोर्ट ने भेजा समन? क्या है मामला

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली की एक अदालत ने भारतीय जनता पार्टी के नेता सुरेश नखुआ द्वारा दायर मानहानि के एक मामले में चर्चित यूट्यूबर ध्रुव राठी को समन जारी किया है। बीजेपी मुंबई इकाई के प्रवक्ता सुरेश नखुआ ने याचिका में दावा किया है कि राठी ने अपने यू-ट्यूब चैनल पर अपलोड किए गए एक वीडियो में उन्हें हिंसक और अपमानजनक ट्रोल कहा था। इस मसले पर सुनवाई के बाद यू-ट्यूबर ध्रुव राठी को तलब करने का आदेश साकेत कोर्ट के जिला जज गुंजन गुप्ता ने 19 जुलाई 2024 को जारी किया था। साकेत कोर्ट ने अंतरिम राहत के मामले में भी नखुआ की याचिका पर ध्रुव राठी को नोटिस जारी किया है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 6 अगस्त को होगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी नेता सुरेश नखुआ ने आरोप लगाया है कि ध्रुव राठी ने एक वीडियो में "साहसिक और निराधार दावे किए" हैं। ये आरोप आधारहीन हैं, लेकिन यह उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने वाले हैं। इसके जरिए राठी ने समाज में कड़ी मेहनत से अर्जित प्रतिष्ठा को धूमिल करने की कोशिश की है। उसने लोगों के बीच संदेह और अविश्वास के बीज बोए हैं, जिसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। इस तरह के झूठे आरोपों के नतीजे कई गुना हैं, जो वीडियो के दायरे से कहीं आगे बढ़कर निजी और पेशेवर दोनों क्षेत्रों को प्रभावित करता है। दरअसल, यू-ट्यूबर ध्रुव राठी ने अपने यूट्यूब चैनी पर एक वीडियो 7 जुलाई, 2024 को अपलोड किया था। वीडियो में उन्होंने बीजेपी नेता को 'हिंसक और अपमानजनक' ट्रोल कहा था।

बीजेपी नेता सुरेश नखुआ ने इस वीडियो को खुद की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वाला करार देते हुए दिल्ली के साकेत कोर्ट में याचिका दायर कर आधारहीन बताया है। अब इसी मामले में दिल्ली की कोर्ट ने ध्रुव राठी को नोटिस जारी किया है।

नीतीश कुमार ने विधानसभा में खोया आपा आरजेडी की महिला विधायक पर भड़के

पटना, 24 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर एक बार अपने विवादित बयान को लेकर विपक्ष के निशाने पर हैं। नीतीश कुमार विधानसभा के मॉनसून सत्र में चर्चा के दौरान आरजेडी की महिला विधायक रेखा देवी पर काफी भड़क गए। मुख्यमंत्री ने रेखा देवी को फटकार लगाते हुए आरजेडी की महिला विधायक से कहा, "तुम क्यों बोल रही हो, अरे महिला हो कुछ जानती नहीं हो।"सीएम के बयान पर सदन में जमकर हंगामा होने लगा जिसके बाद उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि "इन लोगों ने किसी महिला को आगे बढ़ाया था? 2005 के बाद हमने महिलाओं को आगे बढ़ाया है। बोल रही हो, फालतू बात।

इसलिए कह रहे हैं, चुपचाप सुनो। नीतीश कुमार यहीं नहीं रुके बल्कि हंगामे के बीच वो अपनी बात कहते रहे। नीतीश ने आरजेडी नेताओं पर तंज कसते हुए कहा कि "क्या हुआ सुनोगे नहीं...हम तो सुनाएंगे और अगर नहीं सुनिएगा तो आपकी गलती है।"सीएम के बयान को लेकर आरजेडी हमलावर है और उन पर महिला विरोधी होने का आरोप लगा रही है। इससे पहले भी नीतीश कुमार के कई बयानों को लेकर सियासी बवाल हो चुका है। उधर आरजेडी के विधायक भाई वीरेंद्र सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की आलोचना करते हुए आपत्तिजनक टिप्पणी कर डाली। दरअसल सदन के अंदर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्ष के हंगामे के बीच अपनी बात कह रहे थे जातीय जनगणना को लेकर इस बीच उन्होंने कहा कि बिहार में महिलाओं का आरक्षण सबसे अधिक हमारी ही सरकार ने दी है और महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए सरकार काम करती है।

चाकू से किए 17 वार: टोपी पहने आया शख्स, किशोर को बेरहमी से काट डाला

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के भजनपुरा में एक किशोर की चाकू से ताबड़तोड़ हत्या कर दी गई। किशोर पर एक के बाद एक 17 बार चाकू से वार किए गए। खौफनाक वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मृतक का नाम सुमित बताया जा रहा है। सीसीटीवी फुटेज में एक लड़का बैठा हुआ दिख रहा है और एक लड़का खड़ा हुआ दिखाई दे रहा है। खड़ा हुआ शख्स सुमित है, थोड़ी देर में एक टोपी पहने लड़का आता है और चाकू से ताबातोड़ सुमित पर अटैक करना शुरू कर देता है।

जिसके बाद सुमित घायल होकर नाली में गिर जाता है। सीसीटीवी 11 जुलाई का बताया जा रहा है कि। भजनपुरा के गामरी एक्सटेंशन में सुमित का शव मिला था। सुमित के चेहरे पर, गर्दन पर और पेट पर 17 बार हमला किया गया था। हमले के बाद आरोपी वहां से फरार हो गया। सुमित की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में आरोपी को गिरफ़्तार कर लिया है।

अमरवाड़ा की लाडली बहनों ने किया शिवराज 'मामा' को याद, वीडियो जारी कर की ये अपील

भोपाल, 24 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में भारी बारिश का सिलसिला लगातार जारी है। पिछले 24 घंटे के दौरान अमरवाड़ा में लगभग 4 इंच बारिश हुई, इससे यहां पर निचले इलाकों में रहने वाले लोगों की मुसीबत बढ़ गई है। अमरवाड़ा के राजगुरु पिपरिया में दादाजी धूनी वाले मंदिर और आसपास के घरों में बारिश का पानी भर गया। भारी बारिश की वजह से यहां पर बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। इससे यहां के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पानी भरने की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

इस तरह यहां के विश्वकर्मा परिवार ने मंदिर और घर में बारिश का पानी भरने का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर की। इस वीडियो में पानी भरने से उन्हें हो रही परेशानियों का भी जिक्र किया। पीड़ित परिवार की महिलाओं का कहना है कि हर बारिश में घर और मंदिर में पानी भर जाता है। एसडीएम से कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन समस्या का निराकरण नहीं हुआ है। महिलाओं का कहना है कि नजदीक के नाले में अतिक्रमण की वजह से बारिश का पानी भर जाता है और फिर यह गंदा पानी मंदिर और घर में भर जाता है। इस बार भी बारिश का पानी भरने से अनाज सहित अन्य सामग्री का नुकसान हुआ है, लेकिन अभी तक किसी ने सुध नहीं ली है। यहां की लाडली बहनों ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से वीडियो जारी कर अपील की है, जिसमें कहा है कि यहां पर सभी के पक्के मकान बन चुके हैं, लेकिन राजगुरु पिपरिया में अभी तक पक्के मकान नहीं बन पाए है। इसलिए शिवराज जी यहां भी जल्दी से पक्के मकान बनवा दीजिए।

'राधा रानी लागे भजन पर झूम रहे थे लोग, कथावाचक को आया हार्ट अटैक, व्यास गद्दी पर ही हुआ निधन

राजगढ़, 24 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में स्थित पचोर में श्रीमद्भागवत कथा के दौरान एक कथावाचक की हार्ट अटैक से मौत हो गई। वीडियो में नजर आ रहा है कि जहां एक तरफ कुछ लोग भजन पर झूम रहे हैं वहीं दूसरी तरफ कथावाचक अपनी जिंदगी के लिए जूझ रहे हैं। जब तक कोई कुछ समझ पाता, तब तक बहुत देर हो गई थी। उन्हें आनन-फानन में अस्पताल भी ले जाया गया, लेकिन उनकी मौत पहले ही हो चुकी थी। उज्जैन के प्रसिद्ध कथावाचक भागवताचार्य पंडित गोपाल कृष्ण महाराज का हार्ट अटैक की वजह से व्यास गद्दी पर ही निधन हो गया। पंडित गोपाल कृष्ण महाराज गुरु पूर्णिमा के अवसर पर पचोर क्षेत्र के ग्राम पडलिया अंजना में सद्गुरु सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में व्यास पीठ भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं का वर्णन करते हुए 'राधा रानी लागे।' भजन गा रहे थे और श्रद्धालु नृत्य कर रहे थे। वीडियो में नजर आ रहा है कि एकाएक पंडित गोपाल कृष्ण कुछ असहज महसूस करते हुए व्यास गद्दी पर लुढ़कने लगे। कथावाचक को यूं गिरते देखकर श्रद्धालु और सेवा समिति के लोग उनके पास आए, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी।

बाढ़ में फंसी महिला चीख रही थी, डॉक्टर से दाई ने फोन पर निर्देश लिए और कराई डिलीवरी

सिवनी, 24 जुलाई (एजेंसियां)। यह कहानी थोड़ी-सी फिल्मी है। घनघोर बारिश हो रही थी। चारों तरफ बाढ़ ही बाढ़ थी। नाले ने रास्ता रोक रहा था। इस दौरान एक महिला को प्रसव पीड़ा उठी। दाई को बुला लिया गया। लेकिन वह भी असहाय... महिला के पेट में जुड़वां बच्चे थे। प्रसव आसान नहीं था। तब कोई और रास्ता नहीं बचा तो दाई ने जिला अस्पताल की डॉक्टर से फोन पर निर्देश लिए और सुरक्षित प्रसव कराया। बाढ़ का पानी उतरने के बाद महिला को जुड़वां बच्चों के साथ जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला मध्य प्रदेश के सिवनी जिले का है। डॉ. मनीषा सिरसाम ने यहां थ्री इडियट्स फिल्म की डॉक्टर प्रिया का किरदार निभाया। फिल्म में डॉक्टर प्रिया (करीना कपूर) फोन पर ही निर्देश देकर रैंचो (आमिर खान) को निर्देश देती है और प्रसव सफल होता है। यहां डॉ. मनीषा सिरसाम ने दाई रेशना बंसकार को फोन पर निर्देश दिए और सुरक्षित प्रसव कराया। दरअसल, सिवनी जिले में मूसलाधार बारिश से कई गांवों में मंगलवार को बाढ़ आई हुई थी। गांवों का शहर से संपर्क टूट गया था। सिवनी तहसील में जोराबाड़ी गांव है, जहां मंगलवार को तेज बारिश के बीच बंशीलाल उइके की पत्नी रवीना को प्रसव पीड़ा उठी। वह दर्द से चीख रही थी। गांव में रहने वाली दाई रेशना बंसकार को सूचना दी गई। वह बंशीलाल के घर पहुंचीं। दरअसल, पहले की जांच से पता था कि रवीना के गर्भ में जुड़वां बच्चे पल रहे हैं। ऐसे में प्रसव आसान नहीं था।

उसे सिवनी जिला अस्पताल लेकर जाना जरूरी हो गया था। तेज बारिश की वजह से गांव का संपर्क टूट गया था। रास्ते बंद थे। तब गांव की आशा कार्यकर्ता से संपर्क किया गया। वह भी जिला अस्पताल किसी दूसरी महिला के प्रसव के लिए गई थी।

क्या केस है? जिसमें उमर खालिद की जमानत याचिका पर एचसी ने पुलिस को जारी किया है नोटिस

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली दंगों की साजिश मामले के आरोपी उमर खालिद की जमानत याचिका पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी की है और इस मामले पर जवाब मांगा है। कोर्ट अब इस केस को अगली सुनवाई के लिए 29 अगस्त को लिस्ट किया गया है। आइए जानते हैं क्या है ये दिल्ली दंगे से जुड़ा यूएपीए मामला? बता दें जिस उमर खालिद की जमानत याचिका पर दिल्ली पुलिस को कोर्ट ने नोटिस जारी किया है। वो उमर खालिद 2220 में हुए दिल्ली दंगे की बड़ी साजिश में आरोपी हैं।

जिस पर गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज है। दिल्ली हाईकोर्ट ने यूएपीए के तहत जेल में बंद दिल्ली दंगे के कथित आरोपी उमर खालिद की जमानत याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति गिरीश कठपालिया की खंडपीठ ने दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा है। कोर्ट अब इस मामले के सह-आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई 29 अगस्त को करेगी। बता दें दिल्ली में ये दंगा फरवरी 2020 में हुआ था। दिल्ली दंगे के दौरान भड़की सांप्रदायिक हिंसा से जुड़ी बड़ी साजिश रचने का उमर खालिद कथित तौर पर आरोपी है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल मामले की जांच कर रही है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि खालिद ने 2020 में 23 जगहों पर विरोध प्रदर्शन किए थे, जिसके परिणामस्वरूप दंगे हुए। उमर खालिद पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की धारा 13, 16, 17 और 18, शस्त्र अधिनियम की धारा 25 और 27 तथा सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान की रोकथाम अधिनियम की धारा 3 और 4 के तहत आरोप हैं। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल का दावा है कि खालिद ने 2020 में विभिन्न स्थानों पर पहले से ही विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई थी। इन विरोध प्रदर्शनों के कारण कथित तौर पर दंगे हुए, जो उसके खिलाफ उनकी जांच का आधार बना। अदालत ने कहा कि पुलिस ने आरोप तय करने और मुकदमा शुरू करने में कोई देरी नहीं की। 28 मई को कोर्ट ने पाया कि दिल्ली पुलिस की ओर से आरोप तय करने और मुकदमा शुरू करने में कोई देरी नहीं हुई। कोर्ट ने बताया कि खालिद ने अलग-अलग आवेदन दायर करके अभियोजन पक्ष से यह पुष्टि करने को कहा था कि आरोप तय करने से पहले उनकी जांच पूरी हो गई है या नहीं।

2020 से जेल में बंद है खादिल उमर

खालिद सितंबर 2020 से जेल में बंद है और खालिद की दूसरी जमानत याचिका 28 मई को ट्रायल कोर्ट ने खारिज कर दी थी, जिसके बाद उसने हाईकोर्ट में अपील की है। दिल्ली हाईकोर्ट के अक्टूबर 2022 के फैसले को चुनौती देने के बाद सुप्रीम कोर्ट से अपनी याचिका वापस ले ली थी, जिसमें उसे जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। इसके बाद खालिद ने सीआरपीसी की धारा 437 और यूएपीए की धारा 43डी (5) के तहत एक नई अर्जी दाखिल की। खालिद के साथ आरोपियों में शरजील इमाम, मीरान हैदर, खालिद सैफी, गुलफिशा फातिमा, मोहम्मद सलीम खान, शिफा उर रहमान, शादाब अहमद और अतहर खान शामिल हैं। इस समूह में इशरत जहां को दी गई जमानत के खिलाफ दिल्ली पुलिस द्वारा चुनौती दी गई याचिका भी शामिल है। इस मामले में आरोपित अन्य उल्लेखनीय नामों में पिंजरा तोड़ की सदस्य देवांगना कलिता और नताशा नरवाल, जामिया मिलिया इस्लामिया के छात्र आसिफ इकबाल तन्हा और छात्र कार्यकर्ता गुलफिशा फातिमा शामिल हैं। चल रही कानूनी लड़ाई में फरवरी 2020 में दिल्ली में हुए दंगों से जुड़े विभिन्न आरोपियों से जुड़ी न्यायिक जांच के कई स्तर उजागर हुए हैं। 29 अगस्त को होने वाली आगामी सुनवाई खालिद और उसके सह-आरोपियों के लिए महत्वपूर्ण होगी क्योंकि वे कड़े कानूनों के तहत गंभीर आरोपों के बीच जमानत चाहते हैं।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 25 जुलाई- 2024

चुनाव बाद 'चुनावी बजट'!

एनडीए सरकार के शपथ लेने के बाद लगभग डेढ़ महीने बाद आए पहले बजट का उद्देश्य बीजेपी को चुनावी रूप से उबरने का मौका देता दिखाई दे रहा है। बजट बता रहा है कि लोकसभा चुनाव के नतीजों से निकले संदेशों को मोदी सरकार ने पढ़ने में कोई गलती नहीं की है। लोकसभा चुनाव से पहले आत्मविश्वास से लबरेज बीजेपी आम आदमी के लिए कुछ भी अतिरिक्त न करके अंतरिम बजट पेश करने में खुश थी, तो अब बजट रियायतें और वित्तीय प्रोत्साहन से भरपूर है। चुनाव नतीजों ने दिखाया कि सरकार की गारंटी का वादा वोटरों को प्रभावित करने के लिए पर्याप्त नहीं था। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद बड़ा राजनीतिक बदलाव यह है कि बीजेपी को अब महत्वपूर्ण सहयोगियों की मांगों को सुनने और समायोजित करने की जरूरत है। बजट में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर जोर दिखाई दे रहा है। बिहार और आंध्र प्रदेश पर मेहरबानियां जम कर बरसी हैं। ये एनडीए सरकार के बुनियादी ढांचे में निवेश की नीति के हिसाब से ही है। फिर भी लोकसभा में बीजेपी के सहयोगी दलों को सबसे ज्यादा सांसद भेजने वाले दो राज्यों की ओर थोड़ा झुका हुआ है। बिहार को अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक गलियारे के हिस्से के रूप में गया में एक इंडसट्रियल नोड मिली है। इसके अलावा कई सड़क संपर्क परियोजनाएं, एयरपोर्ट्स, मेडिकल कॉलेज और बेहतर पर्यटन बुनियादी ढांचा भी मिला है। आंध्र प्रदेश को अमरावती में अपनी नई राजधानी के लिए 15,000 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता, पोलावरम सिंचाई परियोजना के लिए अतिरिक्त फंड, विजाग-चेन्नई औद्योगिक गलियारे पर कोप्पार्थी नोड और पिछड़े क्षेत्रों के लिए अनुदान देने का वादा किया गया है। बजट युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी की समस्या को दूर करने पर केंद्रित है। एनडीए के अधिकांश बजटों में रोजगार सृजन को बढ़ावा देने की कोशिशें की गई हैं, लेकिन यह बजट इस दिशा में पूरी तरह से आगे बढ़ रहा है। एक बड़ी पहल ईपीएफओ के साथ पंजीकृत पहली बार काम करने वाले कर्मचारियों के लिए एक महीने का वेतन (15,000 रुपये तक) देने की पेशकश है- जिससे 2.1 करोड़ युवाओं को फायदा पहुंचने की उम्मीद है। मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में अतिरिक्त रोजगार को प्रोत्साहित करने की स्कीम है जो कर्मचारियों और नियोक्ताओं दोनों को प्रोत्साहित करने वाली है। 500 बड़ी कंपनियों में अप्रेंटिसशिप को प्रोत्साहित करने की योजना से 5 साल में एक करोड़ युवाओं को कौशल विकास के अवसर मिलने की उम्मीद है। इसमें सरकार इंटर्नशिप भत्ते के रूप में 5,000 रुपये प्रति महीने देगी। बजट का अहम मामला एमएसएमई से जुड़ा है, और दूसरा शहरी विकास से। दोनों ही रोजगार सृजन में अच्छा योगदान देते हैं। नोटबंदी और जीएसटी के दबाव से बुरी तरह प्रभावित रहे एमएसएमई सेक्टर को विशेष सहायता दी जा रही है। मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में एमएसएमई के लिए एक क्रेडिट गारंटी स्कीम और मुश्किल वक्त में बेहतर क्रेडिट सपोर्ट से जुड़ी योजना है। स्टार्ट-अप सेक्टर को बूस्ट करने के लिए एंजल टैक्स को खत्म कर दिया गया है। मुद्रा लोन की सीमा बढ़ाकर 20 लाख कर दी गई है। साथ ही, शहरी निवेश पर फिर से जोर दिया गया है। शहरों को विकास केन्द्रों के रूप में विकसित किया जाएगा। समय-समय पर नीतिगत फैसलों के जरिए शहरों के पुनर्विकास को प्रोत्साहित किया जाएगा।

नाम में क्या रखा है?

सुरेश मिश्रा

गाँव के चौराहे पर पान की दुकान पर पंडित ज्वालाप्रसाद बैठे हुए थे, जिनका ज्ञानवर्धन केवल पान के पत्तों और तम्बाकू के जले हुए अवशेषों से ही हुआ था। पंडित जी को स्वयं को महान विद्वान मानने का बड़ा शौक था। तभी, उनके पास आया हरिया, जिसने अपना नाम बदलकर 'हृदयेश्वरानंद' रख लिया था। पंडित जी ने हरिया को देखते ही तंज कसते हुए कहा, अरे हरिया, ये नया नाम कहाँ से लाए हो? कहीं 'नाम बदलो, किस्मत बदलो' वाली दुकानदार से खरीदा क्या?

हरिया ने गर्व से उत्तर दिया, पंडित जी, अब नया नाम रख लिया है, तो किस्मत भी बदल जाएगी। नाम में सब कुछ है।

पंडित जी ने एक हँसी के झोंके के साथ कहा, अरे, 'नाम में क्या रखा है' – शेक्सपियर ने तो यह कह दिया है। गुलाब का नाम चाहे जो हो, उसकी खुशबू वही रहती है। हरिया ने उदासीनता से कहा, पंडित जी, आपने मेरी नई पहचान का मजाक उड़ा दिया। मैंने सुना है बड़े-बड़े लोग नाम बदलकर सफलता की ऊँचाइयों पर पहुँच जाते हैं।

पंडित जी ने मुस्कुराते हुए कहा, हरिया, तुम्हारी समस्या नाम बदलने की नहीं, सोच बदलने की है। देखो हमारे गाँव में कितने लोग हैं जो बिना नाम बदले ही सफल हो गए। जैसे हमारे सरपंच रामलाल, जिनका असली नाम 'रामखिलावन' है, पर उन्होंने नाम नहीं बदला, बस अपनी सोच और काम में बदलाव किया।

हरिया ने कहा, लेकिन पंडित जी, जब लोग मुझे 'हरिया' कहकर मजाक उड़ाते थे, तो अब 'हृदयेश्वरानंद' कहेंगे तो इज्जत मिलेगी। पंडित जी ने ठहाका लगाते हुए कहा, अरे भाई, नाम बदलने से इज्जत नहीं मिलती। अगर ऐसा होता, तो हमारे 'पप्पू' भाई साहब के प्रधानमंत्री बनने में कोई दिक्कत नहीं होती। और 'सपना', जो अब 'सपना वाधवा' हो गई है, वो सचमुच कोई मिस वर्ल्ड बन गई क्या? हरिया को झेंपते हुए कहा, पंडित जी, आप सही कह रहे हैं। लेकिन अगर आप मेरी जगह होते तो क्या करते?

पंडित जी ने गहरी सांस लेते हुए कहा, मैं तुम्हारी जगह होता, तो मेहनत करता, सोच को बदलता और अपने काम से पहचान बनाता। नाम बदलने से केवल पहचान बदलती है, काम करने से नाम बनता है।

इतने में गाँव के प्रधान, जगदीश प्रसाद भी आ गए। उन्होंने भी हरिया के नए नाम पर हँसी रोक नहीं पाए। बोले, अरे हृदयेश्वरानंद, तुम अब बड़े महात्मा हो गए। अब हमें भी आशीर्वाद दो!

हरिया ने समझ लिया कि नाम बदलने से केवल मजाक ही बनता है। उसने सोचा, ₹क्यों न मैं अपने पुराने नाम 'हरिया' के साथ मेहनत करूँ और अपने काम से पहचान बनाऊँ?

वह पंडित जी से विदा लेकर चला गया। गाँव वाले उसकी नई पहचान पर हँसते रहे, लेकिन पंडित जी की बातें उसके दिल में घर कर गईं। उसने निर्णय लिया कि नाम बदलने की बजाय अपने कर्म बदलकर दिखाएगा। कुछ महीनों बाद, गाँव में एक बड़ा बदलाव दिखा। हरिया ने अपने खेतों में नई तकनीक अपनाई, मेहनत की और फसल बढ़िया हो गई। अब लोग उसकी तारीफ करने लगे, पर नाम वही पुराना - 'हरिया'। लोग कहते, देखो, हरिया ने क्या कर दिखाया!

पंडित ज्वालाप्रसाद ने उसे देखकर गर्व से कहा, हरिया, तुमने साबित कर दिया कि नाम में कुछ नहीं रखा। असली पहचान तो हमारे कर्मों से बनती है। हरिया ने मुस्कुराते हुए कहा, पंडित जी, आपने सही कहा था। नाम बदलने से कुछ नहीं होता, सोच और कर्म बदलने से सब कुछ बदल जाता है।

क्यों सरदार पटेल की सीख से पूजा खेडकर दूर रही

आर.के. सिन्हा

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने 21 अप्रैल, 1947 को राजधानी के मेटकॉफ हाउस में आजाद होने जा रहे भारत के पहले बैच के आई सी एस जो 1948 से आई पी जो 1948 से आई पी एस कहलाये ऐसे सभी अफसरों को संबोधित करते हुए कहा था कि "उन्हें स्वतंत्र भारत में जनता के सवालों को लेकर गंभीरता और सहानुभूति का भाव रखना होगा। उन्हें अपने दायित्वों का निर्वाह ईमानदारी से करना होगा।" सरदार पटेल ने उन्हें स्वराज और सुराज का अंतर भी समझाया था। जाहिर है, उनका ईमानदारी से आशय यही रहा होगा कि वे अपने जीवन के हर क्षेत्र में शुचिता और तटस्थता का पालन करेंगे। पर हाल में आईएएस प्रोबेशनर, पूजा खेडकर मामले को गहराई से देखने से समझ आ रहा है कि कुछ शातिर तत्व आईएएस या अन्य सरकारी नौकरियों को पाने के लिए फर्जी प्रमाणपत्र भी सौंपते हैं। उनके लिए ईमानदारी का कोई मतलब नहीं है। उन्हें सरदार पटले की सीख से भी कोई लेना-देना नहीं।

पूजा खेडकर मसूरी के लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में प्रशिक्षण ले रही थीं। उन्हें महाराष्ट्र, शायद उनके अपने राज्य कैडर, में जिला प्रशिक्षण के लिए भेजा गया था। उन्हें एहसास नहीं था कि आईएएस अफसर बनने का मतलब जन सेवा होता है। इसके बजाय, उसने इस पद को हासिल करने के बाद अपनी झूठी शान दिखानी शुरू कर दी। उसने कार, सुसज्जित कार्यालय और कर्मचारियों जैसी कई सुविधाओं की मांग की। चूँकि प्रोबेशनर्स इन लाभों के हकदार नहीं होते हैं, इसलिए उन्हें कोई भी लाभ नहीं दिया गया। इसलिए, उसने अपनी दैनिक ज़रूरतों के लिए एक लग्जरी कार ₹किराए पर₹ ली। इससे भी बुरा यह है कि उन्होंने कार की छत पर नीली बीकन लाइट भी लगाई। बीकन लाइट के इस्तेमाल को लेकर नियम हैं कि हर कोई ऐसी लाइट नहीं लगा सकता, जिसके कार्यात्मक उद्देश्य आवश्यक नहीं हैं। एम्बुलेंस वाहन पर ऐसी लाइट वाहन की तेज गति को सुविधाजनक बनाने के लिए है।

पूजा का चयन दो विशेष श्रेणियों के तहत किया गया था। एक, वह ओबीसी के गैर-क्रीमी वर्ग से संबंधित हैं। यह स्वयं ही संदिग्ध है, यह देखते हुए कि उनके पिता एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी थे। फिर वह गैर-क्रीमी लेयर में कैसे चुनी गई। वह निश्चित रूप से गरीब व्यक्ति नहीं थी। उनके परिवार के पास पर्याप्त जमीन है जो निश्चित रूप से उन्हें एक अलग आर्थिक श्रेणी में रखेगी। पूजा ने यह भी दावा किया था कि उसकी एक अलग तरह की शारीरिक स्थिति है, जो उसे विकलांग कोटे के तहत आरक्षित सीट केलिये हकदार बनाती है। यूपीएससी और कार्मिक विभाग द्वारा विकलांगता के संबंध में कुछ तय दिशानिर्देशों का पालन करते हैं। एक व्यक्ति जिसे एक आंख में दृष्टि नहीं होती है, उसे विकलांग नहीं माना जाता है, यदि दूसरी आंख हर तरह से ठीक है।

मैंने इसके बारे में तब जाना जब मेरे एक मित्र के पुत्र ने सिविल सेवा परीक्षा दी।। बचपन में, उसके एक भाई ने उसकी दाहिनी आंख में कंपास डाल दिया था, जिससे वह आंशिक रूप से अंधा हो गया था। वह विकलांग कोटे के तहत आरक्षण के लिए योग्य नहीं होता, अगर उसकी दूसरी आंख सही होती। उसकी ₹सामान्य₹ आंख में आंशिक अंधापन था। इस तरह वह रेलवे सेवा के लिए चुना गया, जहाँ वह अब एक जिम्मेदार पद पर है।

पूजा खेडकर के मामले में, वह लोकोमोटर डिफिशिएंसी का दावा करती है, जो उसकी बाहों और पैरों के चलने में बाधा उत्पन्न करती है। डॉक्टर और तकनीशियन आसानी से कमी का आकलन कर सकते हैं। उसे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के मेडिकल बोर्ड के सामने खुद को प्रस्तुत करना चाहिए था, जो यह प्रमाणित करता था कि वह विकलांग श्रेणी में शामिल करने के लिए योग्य है या नहीं।

किसी न किसी बहाने से, वह बोर्ड के सामने पेश नहीं हुई, एक बार नहीं बल्कि पांच बार। वह उन अस्पतालों से विकलांगता का उचित प्रमाण पत्र भी प्राप्त नहीं कर सकी थी जिनसे उसने कथित तौर पर संपर्क किया था। यह भी रिकॉर्ड पर है कि उसने 2007 में एक मेडिकल कॉलेज में शामिल होने के दौरान पूर्ण फिटनेस प्रमाण पत्र जमा किया था। उल्लेखनीय बात यह है कि कार्मिक विभाग ने उसे मसूरी में आवश्यक प्रशिक्षण प्राप्त करने और मेडिकल चेक-अप पास किए बिना आईएएस में शामिल होने की अनुमति दी। यहाँ कोई गंभीर गलती हुई है, जो भ्रष्टाचार की श्रेणी में आयेगा और सही और निष्पक्ष जांच के बाद इसके लिये दोषी अधिकारी या अधिकारीयों को दण्डित तो करना ही होगा। केंद्र सरकार ने एक मेडिकल परीक्षा का आदेश दिया है जिसके लिए उसने एक व्यक्तिगत समिति नियुक्त की है, जो यह साबित करेगी कि क्या वह किसी भी विकलांगता से पीड़ित है। अगर उसने नखरे नहीं दिखाए होते, तो वह सेवा में बनी रहती। इससे कांड के बाद यूपीएससी की कार्यप्रणाली भी अच्छी रोशनी में नहीं दिखता है।

इससे भी गंभीर बात यह है कि पूजा अपने जिला मजिस्ट्रेट जिससे अधीन वह प्रशिक्षण प्राप्त ककर रही थी उनके आदेशों की अनदेखी करती थी। यह सरकारी सेवा में एक गंभीर आरोप है। इस बीच, तेलंगाना में एक आईएएस अधिकारी के बारे में भी रिपोर्ट आई हैं, जो कुछ विकलांगताओं के आधार पर सेवा में शामिल हुए। उदाहरण के लिए, उन्हें कथित तौर पर पोलियो का हमला हुआ है। लेकिन घोड़े की सवारी और साइकिल चलाते हुए उनके वीडियो यह तो नहीं बताते कि वे कभी पोलियो के शिकार थे?। इससे यह सवाल उठता है कि क्या सिविल सेवाओं में विकलांग श्रेणियों के तहत रिक्तियों को भरने में मानदंडों का सख्ती से पालन किया जाता है। लगता तो यही है कि इस मामले में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है और पिछले दस-पंद्रह साल में विकलांगता के आधार पर चुने गये ऐसे सभी मामलों को जांच के दायरे में लाने की आवश्यकता है।

आईएएस, जिसे अक्सर ₹भारत के इस्पात फ्रेम₹ के रूप में जाना जाता है, यह उपाधि सरदार वल्लभभाई पटेल, ₹भारत के लौह पुरुष₹ से प्राप्त करता है। उन्होंने नव स्वतंत्र भारत की एकता और स्थिरता बनाए रखने में सिविल सेवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देने के लिए इस शब्द का इस्तेमाल किया था। आईएएस राष्ट्र के प्रभावी शासन के लिए आवश्यक, सबसे प्रतिष्ठित सेवाओं में से एक है। इस सेवा में भर्ती में कोई भी समझौता देश के हितों को गंभीर रूप से कमजोर कर सकता है। यदि देश की जनता के दिल में आईएएस पदाधिकारियों के प्रति स्वाभाविक रूप से सम्मान और आदर का भाव नहीं रह जायेगा, तो कोई भी आईएएस प्रशासन कर ही नहीं पायेगा।

आईएएस अधिकारियों से अपनी भूमिकाओं में निष्पक्षता और अखंडता का प्रदर्शन करने की अपेक्षा की जाती है। उनके फैसले लाखों लोगों के जीवन और देश की समग्र स्थिरता को प्रभावित करते हैं। निष्पक्षता बनाए रखकर और कानून के शासन का पालन करके, आईएएस अधिकारी यह सुनिश्चित करने में मदद करते हैं कि सरकार की नीतियां और कार्यक्रम निष्पक्ष रूप से और प्रभावी ढंग से लागू किए जा रहे हैं। भर्ती प्रक्रिया से समझौता पक्षपात ला सकता है और कानून के शासन को कमजोर कर सकता है, जिससे अस्थिरता और जनता का विश्वास कम हो सकता है।

गठबंधन धर्म निभाने का बजट

कमलेश पांडेय

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जब 23 जुलाई मंगलवार को वित्तीय वर्ष 2024-25 का बजट पेश किया तो किसी को अमृतकाल और विकसित भारत की आहट मिली तो किसी को वही रटी रटाई बातें जो पिछले 10 सालों से होती आई है और अगले 15 सालों तक रहने वाली है, यदि इस बीच गठबंधन की गांठ नहीं खुली तो। भले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बजट को अमृतकाल का महत्वपूर्ण बजट बताया और कहा कि यह अगले पांच साल के लिए हमारी दिशा तय करने के साथ ही 2047 तक विकसित भारत की आधारशिला रखेगा लेकिन उनकी बातों में, बजट अभिभाषण में, और बजट प्रस्तावों में मीन मेख निकालने वाले नेताओं की कमी नहीं दिखी।

बावजूद इसके केंद्रीय बजट 2024 एक संतुलित बजट है क्योंकि इसमें महिलाओं, युवाओं, गरीबों, किसानों के हित को सामने रखकर विभिन्न आवश्यक व लोकहितकारी घोषणाएं की गई हैं। देखा जाए तो प्रधानमंत्री मोदी के अमृत काल वाले विकसित भारत के संकल्प की प्रतिबद्धता को दोहराता हुआ बजट है जिससे पूरी उम्मीद है कि यह बजट प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के मिशन को पूरा करेगा। वहीं, इस केंद्रीय बजट में क्षेत्रीय असंतुलन को संतुलन में लाने की कोशिश की गई है, जो आगे भी जारी रखी जायेगी, ऐसे संकेत मिले हैं क्योंकि देश के कुछ पिछड़े क्षेत्र हैं जिन्हें पिछली सरकारों ने नजरअंदाज किया है, इसलिए विकास की गंगा वहां तक पहुंचाना समावेशी विकास की सबसे बड़ी जरूरत है। शायद इसी नजरिए से बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पूर्वोत्तर के राज्यों के लिए की गई विभिन्न घोषणाओं से पूर्वी भारत की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। इस लिहाज से बजट में 11 लाख करोड़ रुपये से अधिक का पूंजीगत व्यय आवंटित किया गया है।

केंद्रीय बजट में एक तरफ आंध्र प्रदेश को 15 हजार करोड़ रुपए और आगामी वर्षों में अतिरिक्त धनराशि की व्यवस्था की घोषणा की गई, जो अच्छी बात है तो दूसरी तरफ बिहार को 26 हजार करोड़ रुपये देने का एलान किया गया है। ऐसा करके वित्त मंत्री ने अपने दोनों गठबंधन साथियों टीडीपी और जदयू को साधने की पहल की है जो समझदारी भरा कदम है। इन दोनों राज्यों के आर्थिक हितों का ख्याल रखने से एनडीए सरकार पांच सालों तक चलती रहेगी और आगे के भी चुनावों में उम्दा प्रदर्शन करती रहेगी। इस आम बजट को युवाओं और महिलाओं के सपनों का बजट भी करार दिया गया है क्योंकि इनके दृष्टिगत कौशल विकास और रोजगार सृजन की जो घोषणाएं हुई हैं, वह ऐतिहासिक हैं। इस प्रकार इस बजट में पीएम मोदी का विकसित भारत का सपना पूरी तरह से झलकता है। वहीं, अगर विपक्ष ने इस बजट की आलोचना की है तो इसका मतलब यह भी लगाया जा रहा है कि बजट अच्छा है, क्योंकि आलोचना करना तो उनका विपक्ष धर्म है जिसका निर्वहन करने के लिए भी यह सरकार पूरे मौके देती है।

इस बारे में एक तरफ सत्ताधारी टीडीपी कहती है कि वाईएसआर कांग्रेस के नेता व पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी दिल्ली जाकर राज्य की छवि को खराब करने की कोशिश कर रहे थे लेकिन मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू राज्य के विकास और कल्याण को लेकर वित्तीय सहायता के लिए दो बार दिल्ली गए और आंध्र प्रदेश के विकास के लिए 15000 करोड़ का विशेष पैकेज लेकर आए। वहीं दूसरी तरफ विपक्षी इंडिया गठबंधन की राजद सांसद और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी कहती हैं कि राज्य में हत्या और चोरी हो रही है। मजदूरों को उनकी मजदूरी नहीं मिल रही है। युवाओं को नौकरियां नहीं मिल रही और किसानों की समस्या अभी भी जस की तस बरकरार है। ऐसे में बिहार को 26 हजार करोड़ रुपये आवंटित करना बिहार को झुनझुना देने के बराबर है। सच कहूं तो पंजाब से लेकर महाराष्ट्र तक केंद्रीय बजट 2024 की आलोचना हो रही है जहां पंजाब के संसद सदस्यों ने केंद्रीय बजट में धन आवंटन के मामले में उनके राज्य को अनदेखा करने का आरोप लगाया और विरोध प्रदर्शन तक किया। वहीं, महाराष्ट्र के महाविकास अघाड़ी के नेताओं ने भी ताजा बजट में उनके राज्य की उपेक्षा करने का आरोप मढ़ते हुए संसद के बाहर प्रदर्शन तक किया जबकि महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई को देश की आर्थिक राजधानी कहलाने का गौरव प्राप्त है। बजट में महाराष्ट्र को नजरअंदाज करना भाजपा को आगामी विधानसभा चुनाव में भारी पड़ सकता है। विपक्ष की इस राय में दम है कि पिछले दस वर्षों से मोदी सरकार से कोई उम्मीद नहीं है क्योंकि हम सिर्फ नारे सुनते रहते हैं। आज के बजट में भी जुमले ही अधिक रहे। लिहाजा, इस सरकार से कोई उम्मीद नहीं है। न तो उन्हें सरकार चलाने आता है और न ही उन्हें लोगों के दर्द से कोई मतलब है। मौजूदा केंद्रीय बजट पर उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश और पश्चिम बंगाल के नेताओं ने जिस तरह से नाखुशी दिखाई है, उस तरह से वैकल्पिक सुझाव नहीं दिए कि इसके बदले क्या किया जाना चाहिए। यूपी की समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने ठीक ही कहा कि सरकार बचानी है तो अच्छी बात है कि बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष योजनाओं से जोड़ा गया है लेकिन टीम मोदी ने जो पिछले 10 वर्षों में बेरोजगारी बढ़ा दी है, उसके दृष्टिगत किये गए कोई ठोस उपाय नजर रही आते।

इस बजट में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी मोटा आवंटन होना चाहिए था लेकिन बजट में कुछ भी नहीं किया गया है। किचन का ध्यान तक नहीं रखा गया है क्योंकि सरकार मंहगाई के बारे में कोई कदम नहीं उठाना चाह रही है। यही वजह है कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने दो टूक कहा कि अगर मुख्य बातें सामने आ गईं तो सरकार की पोल खुल जाएगी क्योंकि सरकार गलत है और दिखावा कर रही है। इस बजट में कुछ भी नहीं है और यह केवल गुमराह करने वाला है।

सीधा सवाल है कि उनको मुख्य बातें सामने लाने से रोक कौन रहा है। यदि कुछ होगा, तब तो लाएंगे। उनके लाने का इंतजार रहेगा, ताकि सरकार की पोल पट्टी खुले, यदि कुछ अंदरखाने चल रहा हो तो। मोदी सरकार का पुराना इतिहास बताता है कि ये 2 करोड़ रोज़गार के वादे के साथ सत्ता में आई थी लेकिन अब 10 साल बीत जाने के बाद चार करोड़ रोजगार पैदा करने की बात करती दिखाई पड़ी, जिसे लोग दोगुना झूठ समझते हैं। उनका तंज है, डबल इंजन की नरेंद्र मोदी की सरकार यानी डबल झूठ। इसका आशय स्पष्ट है कि यह कुर्सी बचाओ बजट है। जब पिछले दस वर्षों में बेरोजगारी दूर नहीं हुई तो अब कोई नई उम्मीद कैसे बांधी जा सकती है। हमलोग इस बारे में सिर्फ नारे सुनते रहे और आज भी बजट के जुमले ही ज्यादा मिले। लिहाजा, इस सरकार से किसी को कोई उम्मीद नहीं है क्योंकि न तो उन्हें सरकार चलाने आता है और न ही उन्हें लोगों के दुःख-दर्द से कोई मतलब है। वे बहुत कुछ बोलती हैं, लेकिन किसानों के लिए उन्होंने क्या किया? किसानों के लिए तीन कानून लाए गए, जिसे पूर्णतया वापस लेना चाहिए। इसका स्वरूप बदलकर कभी भी उसपर अमल नहीं किया जाना चाहिए।

इस बजट को जबरदस्त चालाकी भरा बजट भी करार दिया जा सकता है क्योंकि इसमें आम आदमी के सामने आने वाले मुद्दों के बारे में कुछ खास नहीं कहा गया। खासकर मनरेगा का कोई जिक्र नहीं किया गया।

आरएसएस समर्थक सरकारी कर्मचारियों पर रोक क्यों थी ?

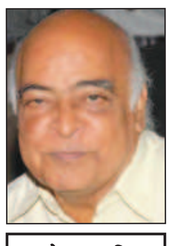

अशोक भाटिया

मोदी सरकार ने एक फैसले के तहत राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) पर लगी उस पाबंदी को हटा लिया गया है जिसके कारण सरकारी कर्मचारियों को संघ के कार्यक्रम में जाने पर मनाही थी। 58 साल पहले ये फैसला इंदिरा गांधी की सरकार ने लिया था जिसे केंद्र की मोदी सरकार ने पलट दिया है। भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने एक आदेश जारी करते हुए सरकारी कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की गतिविधियों में शामिल होने पर लगा प्रतिबंध हटाया है।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने इस आदेश का स्वागत किया है। केंद्र सरकार ने 1966, 1970 और 1980 में तत्कालीन सरकारों द्वारा जारी उन आदेशों में संशोधन किया गया है जिनमें सरकारी कर्मचारियों के आरएसएस की शाखाओं और उसकी अन्य गतिविधियों में शामिल होने पर रोक लगाया गया था।आरोप है कि पूर्व की कांग्रेस सरकारों ने सरकारी कर्मचारियों के संघ के कार्यक्रमों में शामिल होने पर रोक लगा दी थी। आरएसएस की गतिविधियों में शामिल होने पर कर्मचारियों को कड़ी सजा देने तक का प्रावधान लागू किया गया था। रिटायर होने के बाद पेंशन लाभ इत्यादि को ध्यान में रखते हुए सरकारी कर्मचारी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों में शामिल होने से बचते थे।

सरकारी कर्मचारियों के संघ के कार्यक्रम में जाने पर प्रतिबंध लगाने के फैसले को सही बताते हुए सरकार ने तब दलील दी थी कि आरएसएस की वजह से कर्मचारियों की तटस्थता प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा, यह भी बताया गया था कि इसे धर्मनिरपेक्ष समाज के लिए उचित नहीं माना जाएगा यानी अगर सरकारी कर्मचारी आरएसएस की शाखा में गए, तो धर्मनिरपेक्षता के लिए ये ठीक नहीं होगा और इसीलिए सिविल सेवा (आचरण) नियम 1964 का हवाला देते हुए सरकारी कर्मचारियों के आरएसएस कार्यक्रम में जाने पर बैन लगा दिया गया था।

अब जब राष्ट्रीय स्वयंसवेक संघ की गतिविधियों में सरकारी कर्मचारियों के भाग लेने पर लगा प्रतिबंध केंद्र सरकार ने हटा दिया है, तब इसको लेकर विवाद उफान पर है। विपक्ष लगातार सरकार पर हमलावर है। वहीं इस मामले में सरकार ने अपने पक्ष में करीब पांच दशक पहले के दो कोर्ट के आदेश की चर्चा की है। इसमें एक केस पंजाब और हरियाणा राज्य के हाई कोर्ट का है तो वहीं दूसरा मैसूर हाई कोर्ट का।

साल 1965 में रामफल नाम के व्यक्ति को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की गतिविधियों में भाग लेने के कारण सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। हालांकि इस मामले में उन्होंने अपनी भागीदारी स्वीकार की थी लेकिन इसके साथ ही उन्होंने इस बात पर विरोध जताया था कि आरएसएस कोई राजनीतिक दल नहीं है और इसलिए यह किसी नियम का उल्लंघन नहीं है लेकिन पंजाब सरकार ने ये विचार किया कि आरएसएस एक राजनीतिक दल है और इसलिए उनकी भागीदारी आचरण नियमों के विरुद्ध थी।इसी कारण उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। इस बर्खास्तगी के आदेश के खिलाफ रामफल ने हाई कोर्ट में रिट याचिका की। इस याचिका को अदालत ने इस लिए स्वीकार कर लिया क्योंकि सरकार के पास ऐसा कोई तथ्य नहीं था जिससे यह माना जा सके कि आरएसएस एक राजनीतिक दल है। इसके बाद साल 1967 में इस अदालत ने रामफल की बर्खास्तगी के आदेश को रद्द कर दिया।

सरकार मौजूदा समय में अपना पक्ष रखने के लिए एक मैसूर उच्च न्यायालय के फैसले को भी बता रही है। इसमें एक सरकारी अधिकारी का प्रमोशन सिर्फ इसलिए नहीं किया जा रहा था क्योंकि वे आरएसएस के सक्रिय सदस्य थे। इसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। यहां कोर्ट ने कहा कि प्रथम दृष्टया आरएसएस एक गैर-राजनीतिक और सांस्कृतिक संगठन है। इसमें गैर-हिंदुओं के प्रति कोई घृणा या दुर्भावना नहीं है। साल 1966 में कोर्ट ने आदेश दिया कि आरएसएस के सदस्य प्रमोशन के लिए अयोग्य नहीं ठहराए जाएंगे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक पिछले कई वर्षों से समय-समय पर राष्ट्रीय आपदा की परिस्थितियों में मदद के लिए आगे रहता है लेकिन 1958 में सरकारी कर्मचारियों को संघ गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रतिबंधित किया गया था हालांकि लोगों ने संघ को राजनैतिक दल नहीं बल्कि एक सामाजिक संगठन माना है। साल 2000 में संघ के तत्कालीन सरसंघचालक प्रोफेसर राजेन्द्र सिंह ने सरकारी कर्मचारियों के द्वारा संघ की गतिविधियों मे भाग लेने पर प्रतिबंध लगाने अथवा हटाने की कार्यवाही में हस्तक्षेप न करते हुए इसके निर्णय का अधिकार सरकारों पर छोड़ दिया था। बता दें, ब्रिटेन में न्यायपालिका तथा पुलिस विभाग में काम कर रहे कर्मचारियों को छोड़कर बाकी के सभी शासकीय कर्मचारियों को सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों, यहां तक की राजनैतिक पार्टी की गतिविधियों में भाग लेने का अधिकार है।ज्ञात हो कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर कांग्रेस के कार्यकाल में तीन बार प्रतिबंध लगाया गया था लेकिन इसके बावजूद आरएसएस की कार्यशैली में कोई बदलाव नहीं आया और निरंतर आरएसएस का कारवां आगे बढ़ रहा है।गौरतलब है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर कांग्रेस की सरकार में जो तीन बार प्रतिबंध लगाया जा चुका है उसमें सबसे पहले आजादी के तुरंत बाद प्रतिबंध लगा था। 30 जनवरी, 1948 को महात्मा गांधी की हत्या के बाद आरएसएस पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

राजनीति कथा

डॉ टी महादेव राव

मंत्री जी के पालतू पशु थे कुत्ता और गधा। मंत्री जी चुनाव के समय निर्दलीय प्रत्याशी थे और उनका चुनाव चिन्ह गधा था। संयोग से विजयी हुए और सत्ता पार्टी में शामिल हो गए। उनका अपने क्षेत्र में प्रभाव को देखकर उन्हें मंत्री पद दे दिया गया।

गधे को अपना विजयी चुनाव चिन्ह मानकर उसके देखभाल में मंत्री जी कोई कसर नहीं छोड़ते। कुत्ते को अनुपयोगी मानकर उसकी उपेक्षा करने लगे जिसकी वजह से कुत्ता मंत्री जी से नाराज था और आलसी हो गया था। एक बार हाईकमान से आदेश मिला कि क्षेत्रीय विपक्षी विधायक को खरीदना है। मंत्री जी बड़े गुप्त ढंग से उस विधायक को घर ले आए और उससे सौदा करने लगे। विपक्ष के कुछ नेता इस सौदेबाजी के चित्र खींच रहे थे गुप्त रूप से। कुत्ते ने अनदेखा कर दिया। गधे ने कुत्ते से कहा लेकिन कुत्ता करवट बदल कर सोया रहा। स्वामी भक्ति का उदाहरण देने गधा रेंका। सौदेबाजी में बाधा डालते देख मंत्री जी ने नाराजगी में अपने नौकरों से चुनाव चिन्ह गधे को बुरी तरह पिटवाया। विधायक बिक गया लेकिन दूसरे दिन विपक्षी अखबारों में यह सौदेबाजी चर्चा का विषय बनी रही। मंत्री जी सन्न रह गए।

समाचार कुछ विस्मृत होने लगा तो मंत्री जी एक महिला को उच्च पद पर आसीन करने के प्रयास में सुरासुंदरी संगम का आनंद उठा रहे थे। पद की लालच में उक्त महिला अपना सर्वस्व मंत्री जी को समर्पित करने पहुंची। किसी तरह विपक्ष के सदस्यों ने सूंघा और वीडियो कैमरा और सेल फोन के साथ आ पहुंचे। मंत्री की सुरा और सुंदरी का आनंद ले रहे थे तो नौकर चाकरों को छुट्टी दे दी गई थी। गधे ने फिर स्वामी भक्ति दर्शाने कि संभालो खतरा है, जोरदार ढंग से रेंका। मंत्री जी उस नाजुक समय में गधे की आवाज बर्दाश्त न कर सके। बाहर आए और अपने चुनाव चिन्ह गधे को गोली मार दी। गधे की मूर्खता पर कुत्ता हंसता रहा।

दूसरे दिन मंत्री जी की रासलीला के चित्र अखबारों में और वीडियो चैनलों पर थे। मंत्री जी कुख्यात हो गए। सत्ता पक्ष के हाईकमान ने अपनी पार्टी से और मुख्यमंत्री ने अपने मंत्रिमंडल से मंत्री जी को निकाल बाहर किया। मंत्री जी गधे की मौत का मातम मनाते हुए सोच रहे हैं कि अगली बार निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में उनका चुनाव चिन्ह क्या होगा। उनकी नजर कुत्ते पर पड़ी।

भगवान शिव के इस मंदिर में नहीं विराजित है नंदी बाबा

भारत देश में बहुत ही धार्मिक स्थल स्थापित है। इनमें से कई मंदिरों के पीछे कई रहस्य और कथा भी छिपी हुई है। वैसे तो आपने बहुत से शिव मंदिर देखें होंगे, जिसमें शिव जी की मूर्ति के साथ उनके गणों में प्रिय नंदी बाबा भी विराजित होते है। नंदी भगवान शिव के प्रिय होने के साथ उनके वाहन भी है। इसलिए उन्हें गणराज माना जाता है। मगर क्या आपने कभी सुना है कि किसी शिव मंदिर में भगवान शिव की मूर्ति के साथ नंदी की प्रतिमा न हो लेकिन असम में एक ऐसा मंदिर है जहां शिव जी अपने प्रिय गण के बिना विराजित है।

कहां है मंदिर?

भगवान शिव का यह मंदिर नासिक में गोदावरी नदी के किनारे पर स्थित है। यह कपालेश्वर महादेव मंदिर के नाम मशहूर है। पुराणों के अनुसार भगवान शिवजी ने यहां आकर निवास किया था। माना जाता है कि पूरे देश में यह इकलौता मंदिर है जहां भगवान शिवजी अपनी प्रिय गण नंदी के बिना विराजमान है।

क्या है कथा?

पौराणिक कथा के अनुसार, भगवान ब्रह्म के पांच मुख थे। जिनमें से चार मुख भगवान की पूजा और एक बुराई करता था। इस कारण से एक दिन शिव जी को गुस्सा आ गया तो उन्होंने क्रोध में आकर ब्रह्म जी का बुराईकरने वाला मुख काट कर शरीर से अलग कर दिया। ऐसा करने से भगवान शिव को ब्रह्म हत्या का दोष लग गया। अपेन इस पाप से मुक्ति पाने के लिए शिवजी ने पूरे ब्रह्मांड के चक्कर लगाए। मरगर उन्हें इससे मुक्ति दिलाने वाला कोई नहीं मिला। फिर वे ऐसे ही लगातार घूमते-घूमते सोमेश्वर पहुंचे। वहां पर उन्हें एक बछड़ा मिला। उसने शिवजी पर चढ़े ब्रह्महत्या के पाप से मुक्ति दिलाने का उपाया सुझाया। वह महादेव को उस जगह पर लेकर गया जहां पर उन्हें इस ब्रह्महत्या के पाप से मुक्ति मिल सकती थी।

कौन सा था स्थान?

वह बछड़ा भगवान शिव को जिस स्थान पर लेकर गया उस जगह का नाम रामकुंड था। यह स्थान गोदावरी नदी के पास स्थित था। वहां पहुंच कर बछड़े ने भगवान शिव को नदी में स्न्नान करने को कहा। कहा जाता है कि उस पवित्र नदी में स्न्नान करते है कि भगवान शिव पाप मुक्त हो गए थे।

कौन था बछड़ा?

असल में, जिसने शिवजी को इस पाप से मुक्ति दिलाने का उपाय वह कोई और नहीं बल्कि भगवान शिव का प्रिय गण नंदी था। वहीं बछड़े का रूप लेकर उनकी सहायता करने पहुंचा था।

क्यों नहीं मंदिर में नंदी बाबा की मूर्ति?

ब्रह्महत्या के पाप से मुक्ति मिलने के बाद शिव जी पता चला कि उनकी सहायता करने वाला उनका अतिप्रिय गण नंदी था। ऐसे में उन्होंने नंदी बाबा को अपना गुरू मान लिया। अब नंदी बाबा शिव जी के गुरु बन गए थे। इसीलिए भगवान शिव ने अपने इस मंदिर में उनको स्वयं के सामने बैठने से मना कर दिया। इसी कारण इस मंदिर में महादेव तो विराजमान है मगर उनके प्रिय नंदी नहीं है।

किस नाम से जाना जाता है मंदिर?

यह कपालेश्वर महादेव मंदिर के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर के नीचे पवित्र गोदावरी नदी बहती बहुत सुंदर लगती है। इसी में एक प्रसिद्ध रामकुंड बना है। जहां शिव जी ब्रह्महत्या से पाप मुक्त हुए थे। माना जाता है कि राजा राम ने अपने पिता राजा दशरथ का श्राद्ध इसी कुंड में किया था। इस मंदिर के ठीक सामने गोदावरी नदी को पार करने पर एक प्राचीन व सुंदर भगवान विष्णु जी का नारायण मंदिर भी स्थापित है।

हर साल लगता है मेला

यहां हर साल महाशिवरात्रि और सावन के हर सोमवार को भारी मेला लगता है। भारी मात्रा में लोग भगवान शिव के दर्शन करने आते है। साथ ही हर साल यहां पर हरियल महोत्सव किया जाता है। इस दिन भगवान शिव और नारायण जी के मुखौटे गोदावरी नदी पर लाकर दोनों को एक-दूसरे से मलिाया जाता है। दूर-दूर से लोग आकर भगवान शिव की पूजा कर अपने सुखी जीवन की कामना करते है।

पहाड़ों के बीच गिरता प्राचीन कुंड झरना

यहीं बना है केदारेश्वर महादेव मंदिर

मध्य प्रदेश के रतलाम जिले से 27 किलोमीटर दूर केदारेश्वर नाम से भगवान शिव का सुंदर स्थान है। भगवान शिव का यह मंदिर अद्भुत और चमत्कारी माना जाता है। सावन माह में यहां भक्तों की भारी भीड़ रहती है। केदारेश्वर भगवान मंदिर में पहाड़ों के बीच प्राचीन कुंड में गिरता झरना भी श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है।

इस मंदिर की खास बात यह है कि इस मंदिर में शिवलिंग के सामने मां पार्वती की प्रतिमा भी है। इसके अलावा दायें बायें गणेश और हनुमान जी की प्रतिमा भी पहाड़ों के बीच तराशी गयी है।

पहाड़ों के बीच स्थित है केदारेश्वर मंदिर

केदारेश्वर भगवान का मंदिर रतलाम पहाड़ो के बीच प्राचीन कुंड में गिरते झरने के पास विराजित है। इस मंदिर में भगवान शिव का प्राचीन शिवलिंग पहाड़ों के बीच कई फीट नीचे गहराई में एक प्राचीन कुंड के पास है। पहले यहां नीचे जाने का रास्ता कच्चा था। लेकिन अब श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने के बाद अब यहां पहाड़ो के बीच नीचे वाहनों के आने जाने के लिए पक्का रास्ता बनाया गया है।

मंदिर के पास से गिरता है झरना

लेकिन नीचे जाने के बाद आगे सीढ़ियों के रास्ते पैदल नीचे कुंड और भगवान शिव के दर्शन के लिए जाना पड़ता है। नीचे जाते ही चारो और ऊंचे पहाड़ों पर हरियाली के बीच घिरा यह स्थान श्रद्धालुओं का मन मोह लेता है और इस हरियाली के बीच ऊपर पहाड़ से पूरे सावन माह में प्राचीन कुंड में झरना गिरता रहता है, जो श्रद्धालुओ को आकर्षित भी करता है।

सावन के माह में बड़ी संख्या में आते है भक्त

प्राचीन कुंड के पास पहाड़ों के अंदर बने मंदिर में विराजित है भगवान केदारेश्वर शिवलिंग। श्रद्धालु इस प्राचीन कुंड के जल से भगवान शिव का जलाभिषेक करते है और भगवान शिव का आशीर्वाद लेते है। इस मंदिर की खास बात यह है कि इस मंदिर में शिवलिंग के सामने मां पार्वती की प्रतिमा भी है। इसके अलावा दायें बायें गणेश व हनुमान जी की प्रतिमा भी पहाड़ों के बीच तराशी गयी है। शिवलिंग के सामने मां पार्वती की प्रतिमा के साथ गणेश व हनुमान के एक साथ दर्शन भी बड़े दुर्लभ है।

मंदिर का इतिहास

इस स्थान की कहानी भी रोचक है। यह स्थान कितना पुराना है इसका कोई इतिहास तो मौजूद नही है, क्योंकि यहां के पीढ़ियों से पूजा करते आ रहे पुजारी परिवार बताते हैं कि 350 वर्ष पूर्व सैलाना के राजा दुले सिंह घूमते हुए यहां पहुंचे थे और यह शिवलिंग उन्हें दिखा, जिसके बाद इस पहाड़ के अंदर साफ-सफाई और खुदाई करवाकर अन्य प्राचीन प्रतिमाओं को देख यहां मंदिर भवन बनवाया, ताकि अन्य श्रद्धालु भी यहां आ सके और भगवान शिव पूजा की जाए।

इतना ही नहीं इस जलाधारी शिवलिंग के अंतिम छोर पर दुले सिंह महाराज ने अपनी प्रतिमा बनवाई, जिससे भगवान शिव पर चढ़ा हुआ जल जलाधारी से होता हुआ उनके ऊपर गिरे और हमेशा उनको भगवान शिव का आशीर्वाद मिलता है। आज भी इस जलाधारी के अंतिम छोर पर एक हाथ जोड़कर प्रतिमा है, जिसे यहां के पुश्तैनी पुजारी परिवार सैलाना के महाराज दुले सिंह की प्रतिमा बताते हैं।

आस-पास के जिलों से भी आते हैं लोग

यहां वैसे तो अब पूरे वर्ष श्रद्धालु आते हैं, लेकिन सावन माह में यहां श्रधालुओ का तांता लगता हैं। यहां न सिर्फ रतलाम जिले से बल्कि झाबुआ, मंदसौर, नीमच, उज्जैन सहित आस पास के कई जिलों के शिवभक्तों को जैसे-जैसे जानकारी लगती है। वह यहां एक बार आकर दर्शन जरूर करते हैं और भगवान शिव के इस पहाड़ों के बीच पवित्र स्थान को देख भाव विभोर होते हैं।

आज तक नहीं माप पाया कोई इस शिवलिंग की गहराई

कहां है पुरा महादेव का मंदिर?

हम बात कर रहे हैं पुरा महादेव मंदिर की जो अपने आप में ही अलग खासियत रखता है। ये मंदिर मेरठ शहर के पास बागपत जिले से 4.5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित बालौनी कस्बे के पुरा गांव में है। ये बहुत ही प्राचीन मंदिर है जिसे सिद्धपीठ भी माना जाता है। वैसे तो हमेशा ही यहां भक्तों का तांता लगा रहता है, लेकिन सावन के महीने में यहां कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की इतनी भीड़ होती है कि यहां पैर तक रखना मुश्किल हो जाता है।

पुरा महादेव से जुड़ी कहानी

पुरा गांव के श्री परशुरामेश्वर महादेव मंदिर की ख्याति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर है। इस मंदिर से जुड़ा एक इतिहास भी है। कथा के मुताबिक परशुरामेश्वर महादेव मंदिर उस कजरी वन में स्थित है, जहां पर जमदग्नि ऋषि अपनी पत्नी रेणुका के साथ रहा करते थे। आश्रम में ऋषि की पत्नी रेणुका प्रतिदिन कच्चा घड़ा बनाकर हिंडन नदी से जल भरकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया करती थी। यहां एक बार राजा सहस्त्रबाहु शिकार खेलते हुए पहुंचे। इस दौरान ऋषि की कुटिया में सिर्फ रेणुका थी।

ऋषि की पत्नी रेणुका को उठा ले गया राजा

कथा के मुताबिक राजा कुटिया पर रेणुका के रूप को देखकर मोहित होकर उसे जबरन अपने साथ हस्तिनापुर ले गए। एक दिन बाद रेणुका बंधनमुक्त होकर दोबारा कजरी वन पहुंची तो ऋषि ने यह कहते हुए उन्हें अपनाने से इंकार कर दिया कि वह परपुरुष के साथ रहकर आईं हैं। ऋषि की इस बात को रेणुका नहीं मानी। तब ऋषि ने अपने चारों बेटों को बुलाया और अपनी मां का सिर धड़ से अलग करने का आदेश सुना दिया।

परशुराम ने काट दिया मां का सिर लेकिन....

ऋषि की इस बात को सुनकर तीन बेटे पीछे हट गए, लेकिन चौथे बेटे परशुराम ने मां का सिर धड़ से अलग कर दिया। लेकिन जमीन पर पड़े मां के सिर को देख परशुराम विचलित हो गया। वहीं पर बैठकर शिव की तपस्या शुरू कर दी। शिव प्रसन्न होकर प्रकट हुए। परशुराम ने अपनी मां को दोबारा जिंदा कराने का वचन मांगा। कहा जाता है कि भगवान शिव ने परशुराम को फरसा दिया। इसी फरसे से परशुराम ने राजा सहस्त्रबाहु का वध किया। ये वहीं परशुराम हैं जो अपने क्रोध के लिए जाने जाते हैं।

क्या है पुरा महादेव मंदिर की खासियत?

धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक पुरा महादेव मंदिर में स्थित शिवलिंग की स्थापना परशुराम ने ही की थी, लेकिन ये शिवलिंग अपने आप में ही एक अजूबा है। दरअसल, ये धरती में कितनी गहराई तक समाया हुआ है आज तक किसी को इसका ज्ञान नहीं हो पाया है। हालांकि, इस शिवलिंग की गहराई को मापने के लिए कई बार कोशिशें की गई, लेकिन हर बार लोग नाकामयाब रहें।

हर गुरुवार को शुरू होगा आईआरसीटीसी का टूर पैकेज

तिरुपति बालाजी के दर्शन करेंगे यात्री

आईआरसीटीसी ने टूरिस्टों के लिए बालाजी दर्शन टूर पैकेज पेश किया है। इस टूर पैकेज में आप सिर्फ 18 हजार रुपये में तिरुपति बालाजी के दर्शन कर सकते हैं।इस टूर पैकेज का नाम श्रद्धालु लॉर्ड बालाजी दर्शन-कंफर्म टिकट है.टूर पैकेज में टूरिस्ट ट्रेन के जरिए यात्रा करेंगे।यह टूर पैकेज हर गुरुवार को शुरू होगा और टूरिस्टों को चैन्नई की सैर कराएगा और तिरुपति बालाजी मंदिर में दर्शन करायेगा।आईआरसीटीसी ने इस टूर पैकेज को देखो अपना देश के तहत पेश किया है।टूर पैकेज की बुकिंग टूरिस्ट आईआरसीटीसी की आधिकारिक वेबसाइट के जरिए कर सकते हैं।टूरिस्ट 8595904074 नंबर पर कॉल के जरिए भी इस टूर पैकेज की बुकिंग कर सकते हैं।आईआरसीटीसी का यह टूर पैकेज 5 रात और 6 दिन का है।टूर पैकेज में यात्रियों के रहने और खाने की व्यवस्था फ्री में होगी।टूरिस्टों को टूर पैकेज में ब्रेकफास्ट और डिनर मिलेगा।

गौरतलब है कि आईआरसीटीसी टूरिस्टों के लिए देश और विदेश के विभिन्न टूर पैकेज पेश करता रहता है।इन टूर पैकेजों में टूरिस्ट सस्ते में और सुविधा के साथ यात्रा करते हैं।आईआरसीटीसी के टूर पैकेजों की खासियत होती है कि इनमें टूरिस्टों को फ्री में खाना मिलता है और फ्री में होटल में ठहरते हैं।इस टूर पैकेज में अगर आप अकेले यात्रा करते हैं तो आपको प्रति व्यक्ति किराया 35200 रुपये देना होगा।वहीं, दो लोगों के साथ यात्रा पर आपको प्रति व्यक्ति किराया 21950 रुपये देना होगा।तीन लोगों के साथ टूर पैकेज की यात्रा का किराया 18450 रुपये देना होगा।बेड के साथ 5 से 11 साल के बच्चों का किराया टूरिस्टों को 10700 रुपये देना होगा।वहीं, 1 से 5 साल के बच्चों का किराया 4000 रुपये देना होगा।

औरंगजेब काल से खंडित महाकाल उप शिवलिंग की होती है पूजा

सतना गैवीनाथ धाम

आपने देश भर के कई शिवालयों में शिवलिंग को देखा होगा, जहां पर भगवान भोलेनाथ पूजा अर्चना की जाती है, लेकिन एमपी के सतना जिले के बिरसिंहपुर में खंडित शिवलिंग की पूजा की जाती है। ये स्थान सतना जिला मुख्यालय से 35 किलोमीटर दूर बिरसिंहपुर कस्बे में है।यहां की शिवलिंग को उज्जैन महाकाल के दूसरे उपलिंग के रूप में माना जाता है।यहां सावन माह, महा शिवरात्रि के अलावा हर 3 वर्ष में आने वाले पुरुषोत्तम माह के महीने में लाखों की तादाद में श्रद्धालु आते हैं।

यहां के बिना अधूरी मानी जाती है चारों धाम की यात्रा

लोगों की मान्यता है कि यहां पर भगवान भोलेनाथ स्वयंभू स्थापित हैं, यानि ये मूर्ति की स्थापना किसी व्यक्ति के द्वारा नहीं की गई है बल्कि ये शिवलिंग खुद जमीन से निकली है।यहां भक्त अपनी-अपनी मनोकामनाएं लेकर आते हैं और भोले बाबा उन सभी की मनोकामनाओं को पूरी करते हैं।इस मंदिर का वर्णन पद्म पुराण के पाताल खंड में भी मिलता है।सावन के सोमवार को यहां हर साल लाखों भक्त भगवान भोलेनाथ के दर्शन कर जल चढ़ाते हैं।पौराणिक मान्यताओं के अनुसार जितना चारों धाम का दर्शन लाभ का पुण्य मिलता है उससे कहीं ज्यादा गैवीनाथ में जल चढ़ाने से मिलता है। पूर्वज बताते हैं कि चारों धाम का जल अगर यहां नहीं चढ़ा तो चारों धाम की यात्रा अधूरी मानी जाती है।

औरंगजेब ने किया था शिवलिंग को खंडित

पुजारी नंदकिशोर गोस्वामी ने बताया कि "यहां की खंडित शिवलिंग के बारे में लोगों का मानना है कि इस शिवलिंग को मुगल शासक औरंगजेब ने खंडित किया था।कहते हैं कि मुगल शासक औरंगजेब हिंदू धर्म के देवी-देवताओं की मूर्तियों को खंडित करता था।ऐसे में एक बार औरंगजेब बिरसिंहपुर कस्बे में पहुंचा और अपनी सेना के साथ मंदिर के अंदर शिवलिंग को खंडित कर उसे नष्ट करने का प्रयास करने लगा।औरंगजेब ने यहां पर इस शिवलिंग में 5 टाकियां (लोहे का औजार) लगाईं थी, जिसमें पहली टाकी में शिवलिंग से दूध निकला था।दूसरी टाकी मारने से खून, तीसरी में मवाद, चौथी टाकी में फूल बेलपत्र और पांचवी टाकी में जीव जंतु और मधुमक्खियां निकली।इसके बाद औरंगजेब

को वहां से भागना पड़ा।इसके बाद औरंगजेब ने भगवान भोलेनाथ से क्षमा मांगकर प्रण किया था कि अब देवी-देवताओं की प्रतिमाओं को खंडित नहीं करूंगा।तब से यहां पर खंडित शिवलिंग की पूजा की जाती है."

देवपुर के नाम से प्रसिद्ध था बिरसिंहपुर

भगवान भोलेनाथ के इस मंदिर को गैवीनाथ धाम के नाम से जाना जाता है।गैवीनाथ धाम के पंडा विवेक ने बताया कि, "इस क्षेत्र का नाम पहले देवपुर हुआ करता था और यहां के राजा का नाम वीर सिंह था। राजा वीर सिंह उज्जैन महाकाल बाबा को जल चढ़ाने के लिए रोज जाया करते थे, लेकिन जैसे-जैसे उनकी उम्र बढ़ती गई और वृद्धावस्था में उन्हें जल चढ़ाने में दिक्कत आने लगी। ऐसे में राजा वीर सिंह ने भगवान महाकाल से अपने गृह ग्राम में दर्शन देने के लिए आग्रह किया ताकि वह जल चढ़ाकर रोज उनकी पूजा अर्चना कर सके।

महिला कॉप यूनिवर्स को लेकर रोहित शेट्टी का खुलासा 'सिंघम अगेन' में दीपिका पादुकोण वर्दी पहने हुए दिखाई देंगी

बॉलीवुड फिल्मों में अपने धमाकेदार एक्शन के साथ ही बेहतरीन निर्देशन के लिए प्रसिद्ध रोहित शेट्टी अपने कॉप यूनिवर्स के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू के दौरान रोहित ने अपनी फिल्म 'सिंघम अगेन' को लेकर बातचीत की और साथ ही उन्होंने महिला कॉप यूनिवर्स को लाने की बात कही है।

रोहित शेट्टी ने 'सिंघम', 'सिम्बा', 'सूर्यवंशी' और 'इंडियन पुलिस फोर्स' जैसी सुपरहिट फिल्म और वेब सीरीज के जरिए फिल्म इंडस्ट्री में पुलिस की एक अलग ही दुनिया स्थापित की है। शिल्पा शेट्टी ने सिद्धार्थ मल्होत्रा संग वेब सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' में पुलिस अवतार में कदम रखा। तो वहीं टेलीविजन अभिनेत्री श्वेता

तिवारी भी इस वेब सीरीज का हिस्सा थीं।

रोहित की आगामी फिल्म 'सिंघम अगेन' में दीपिका पादुकोण भी रोहित की इस पुलिस की दुनिया में शामिल हो गई हैं और आगामी फिल्म 'सिंघम अगेन' में वर्दी पहने हुए दिखाई देंगी। 'सिंघम अगेन' में दीपिका पादुकोण के अलावा अर्जुन कपूर, टाइगर श्रॉफ, अजय देवगन और रणवीर सिंह नजर आएंगे।

रोहित के बेहतरीन निर्देशन की वजह से ही प्रशंसक उनकी फिल्मों की रिलीज का बेसब्री से इंतजार करते हैं। बॉलीवुड का हर एक कलाकार रोहित के साथ काम करने की ख्वाहिश रखता होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जब एक इंटरव्यू के दौरान रोहित शेट्टी से पूछा गया कि क्या वह महिला प्रधान पुलिस यूनिवर्स फिल्म बनाने की योजना बना रहे हैं तो इस पर रोहित ने जवाब देते हुए कहा, "एक महिला प्रधान फिल्म पाइपलाइन में है और यह बहुत जल्द बनेगी।"

रोहित शेट्टी अपने बहुचर्चित रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' के 14वें सीजन के साथ टेलीविजन पर वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। स्टंट आधारित इस शो में गश्मीर महाजनी, नियति फतनानी, असीम रियाज, अभिषेक कुमार, शालीन भनोट, सुमोना चक्रवर्ती, शिल्पा शिंदे और कृष्णा श्रॉफ जैसे सेलेब्रिटीज कंटेस्टेंट के तौर पर नजर आएंगे। शो की शूटिंग पिछले कुछ महीनों में रोमानिया में हुई है। इसका प्रीमियर 27 जुलाई को कलर्स टीवी पर होगा।

लगातार फ्लॉप हो रही फिल्मों पर अक्षय कुमार का टूटा दिल!

इमोशनल होकर बोले- अब कंटेंट पर और ज्यादा ध्यान दूंगा

एक वक्त ऐसा था कि अक्षय कुमार का बॉक्स ऑफिस पर दबदबा रहता था। साल में तीन-चार फिल्में करते और सभी हिट हो जातीं। मगर बीते 4-5 सालों से एक्टर को शायद नजर लग गई। उनकी बढ़िया फिल्म भी फ्लॉप हो रही है। हालिया रिलीज 'सरफिरा' भी कुछ कमाल नहीं कर सकी। ये मूवी सूर्या की तमिल फिल्म 'सोरारई पोटरु' का हिंदी रीमेक है, जिसके लिए एक्टर को तो नेशनल अवॉर्ड भी मिला था। मगर अक्षय कुमार तो 100 करोड़ के बजट में बनी इस मूवी से 12 दिन में 30 करोड़ नहीं कमा सके। इन सब पर अक्षय ने अब रिएक्ट किया है।

अक्षय कुमार ने एक इंटरव्यू में कहा है, 'हर फिल्म के पीछे बहुत सारा खून, पसीना और जुनून होता है। किसी भी फिल्म को असफल होते देखना, दिल तोड़ने वाला होता है। लेकिन आपको सकारात्मक पहलू देखना सीखना होगा। हर असफलता आपको सफलता के मायने सिखाती है और इसके लिए आपकी भूख को और भी बढ़ाती है। सौभाग्य से, मैंने अपने करियर में पहले ही इससे निपटना सीख लिया था। बेशक, यह आपको दुख पहुंचाता है और अफेक्ट करता है, लेकिन इससे फिल्म की किस्मत नहीं बदलेगी।'

अक्षय कुमार कर रहे हैं कड़ी मेहनत

अक्षय कुमार ने आगे कहा, 'अब ये आपके कंट्रोल में तो है नहीं... आपके बस में तो बस यही है कि आप कड़ी मेहनत करें। खुद को और सुधारें और अगली फिल्म के लिए खुद को झोंक दें। अपना सबकुछ दे दें। मैं ऐसे ही अपनी एनर्जी को इन्वेस्ट करता हूं और अगली फिल्म के लिए आगे बढ़ता हूं। मैं अपनी ताकत सही जगह पर लगाता हूं, जहां इसके सही मायने हैं।'

अक्षय कुमार अब प्रोजेक्ट के कंटेंट पर ध्यान दे रहे

अक्षय कुमार अपनी सक्सेस का क्रेडिट अपने अनुशासन और काम के प्रति लगन को देते हैं। वह एक टाइम टेबल फॉलो करते हैं। और मानसिक-शारीरिक रूप से फिट रहने पर जोर देते हैं। कोविड-19 के बाद आए बदलावों पर एक्टर ने कहा, 'इस महामारी ने जाहिर तौर पर फिल्म इंडस्ट्री की रफ्तार को बदल दिया है। दर्शक अब सब फिल्में नहीं देखते। वह सिनेमा को लेकर और ज्यादा चयनात्मक हो गए हैं। इसलिए अब ऐसे प्रोजेक्ट को हां बोलना जरूरी हो गया है, जो वाकई एंटरटेनिंग हो। अलग हो। अब मैं कंटेंट को लेकर और सतर्क हो गया हूं। अब ये देखना पड़ता है कि अगर ये करूंगा तो क्या दर्शक थिएटर आएंगे या नहीं। वह दर्शकों को सिर्फ एंटरटेन न करे। बल्कि दर्शकों से गहराई से जुड़े भी।'

विराट की बांहों में अनुष्का, चेहरे पर सुकून भरी मुस्कान लंदन शिफ्ट होने की चर्चा के बीच नई तस्वीर वायरल

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा और विराट कोहली अक्सर लाइमलाइट में रहते हैं। उनकी इतनी तगड़ी फैन फॉलोइंग है कि फैंस उनके हर पल पर अपनी नजर गड़ाए रहते हैं। बीते कई दिनों से चर्चा है कि वे अपने बच्चों वामिका और अकाय की प्राइवेसी को ध्यान में रखते हुए लंदन शिफ्ट हो गए हैं और इन चर्चाओं के बीच अब उनकी एक फोटो ने सबका ध्यान खींचा है, जो

सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

इस वायरल फोटो में अनुष्का शर्मा अपने पति विराट कोहली के बगल में खड़ी हैं। भारतीय क्रिकेटर ने अपनी बीवी को बांहों में थामा हुआ है और दोनों के चेहरे पर सुकून भरी मुस्कान है। एकदम सादे लुक में भी ये जोड़ा बेहद प्यारा और खूबसूरत दिख रहा है। हालांकि, ये तस्वीर कहां की है, इसको लेकर अभी कुछ कंफर्म नहीं है।

अनुष्का और विराट पर प्यार बरसाते हुए एक यूजर ने लिखा, 'राजा और रानी।' एक फैन ने अनुष्का की तारीफ करते हुए लिखा कि वो पहले से भी ज्यादा खूबसूरत हो गई हैं। मालूम हो कि टी20 विश्वकप 2024 जीतने के बाद विराट फौरन लंदन रवाना हो गए थे। वहां पर वो परिवार संग क्वालिटी टाइम स्पेंड कर रहे हैं। उनका एक वीडियो भी वायरल हुआ था, जिसमें विराट की गोद में अकाय की झलक दिखी थी और फैंस हैरान थे कि वो इतनी जल्दी इतना बड़ा हो गया है।

अनुष्का की पिछली फिल्म थी 'जीरो'

अनुष्का के वर्कफ्रंट की बात करें वो पिछली बार 'जीरो' फिल्म में शाहरुख खान और कटरीना कैफ के साथ नजर आई थीं। इसके बाद उन्होंने 'चकदा एक्सप्रेस' की शूटिंग की, लेकिन ये फिल्म अभी तक रिलीज नहीं हो पाई है।

रॉकी के केजीएफ में अजित कुमार की एंट्री? प्रशांत नील ला रहे तगड़ा ट्विस्ट!

साउथ के 'रॉकिंग स्टार' यश की केजीएफ 3 का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। डायरेक्टर प्रशांत नील की इस फिल्म से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि इस फ्रेंचाइजी में अब अजित कुमार की एंट्री हो रही है। यानी फिल्म में तगड़ा ट्विस्ट आने वाला है। ये भी कहा जा रहा है कि गरुड़ा और अधीरा के बाद अब अजित विलेन की कमान संभालने आ रहे हैं। दूसरी तरफ यश का नया लुक वायरल हो रहा है, जोकि उनकी 'टॉक्सिक' फिल्म का है।

अजित कुमार ने हाल ही में डायरेक्टर प्रशांत नील से मुलाकात की थी। कहा जा रहा है कि दोनों ने दो फिल्मों पर काम करने की संभावना पर चर्चा की। डीटी नेक्स्ट की रिपोर्ट के अनुसार, पहली फिल्म एक स्टैंड अलोन फिल्म हो सकती है, जबकि दूसरी यश की 'केजीएफ' की दुनिया से जुड़ सकती है। हालांकि, इन प्रोजेक्ट्स को शुरू होने में कम से कम एक साल लगेगा। इन दोनों फिल्मों का निर्माण होम्बले फिल्म्स के विजय किरागंदूर कर सकते हैं।

'वलीमाई' एक्टर इस समय मगिज थिरुमेनी के डायरेक्शन में बन रही फिल्म 'विदा मुयार्ची' की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह फिल्म दिवाली 2024 पर सिनेमाघरों में आ सकती है। 'विदा मुयार्ची' के बाद वो फिल्म निर्माता आदिक रविचंद्रन की 'गुड बैड अग्ली' की शूटिंग शुरू करेंगे। प्रशांत नील से अजित की मुलाकात तब हुई, जब वो 'विदा मुयार्ची' की शूटिंग से ब्रेक पर थे। खबर है कि प्रशांत ने अजित से तीन साल का समय मांगा है।

केजीएफ 3 में अजित का होगा सबसे बड़ा किरदार

रिपोर्ट में कहा गया है, 'वो पहले 'एके 64 के लिए काम कर सकते हैं। ये एक स्टैंडअलोन प्रोजेक्ट होगा। ये 2025 में फ्लोर पर आएगी और 2026 में रिलीज होगी। उनका दूसरा प्रोजेक्ट, जो उनकी 65वीं या 66वीं फिल्म हो सकती है, 'केजीएफ 3' की लीड-अप होगी। दूसरी फिल्म का क्लाइमेक्स 'केजीएफ 3' की ओर ले जाएगा और अजीत का किरदार प्रशांत नील के सिनेमैटिक यूनिवर्स में सबसे बड़ा माना जा रहा है।' मालूम हो कि 'केजीएफ' में यश, श्रीनिधि शेट्टी थे। इस फिल्म के विलेन गरुड़ा थे। पार्ट 2 में रवीना टंडन ने रामिका सेन और संजय दत्त ने अधीरा का किरदार निभाया था। इस सीक्वल में विलेन अधीरा था। अब कहा जा रहा है कि तीसरे पार्ट में अजित कुमार विलेन बन सकते हैं। अगर सबकुछ ठीक रहा तो यश और अजित 'केजीएफ 3' में स्क्रीन शेयर कर सकते हैं, जो अगले साल थिएटर्स में रिलीज हो सकती है। इस समय प्रशांत नील के पास 'सलार 2' और जूनियर एनटीआर के साथ एक फिल्म है, जिसका टाइटल अभी तय नहीं किया गया है।

'रॉकी भाई' के टॉक्सिक लुक ने मचाई तबाही

दूसरी तरफ 'रॉकी भाई' यानी यश के नए लुक ने सोशल मीडिया पर तबाही मचा दी है। बताया जा रहा है कि उनका ये लुक उनकी अगली फिल्म 'टॉक्सिक' के लिए है। इस फिल्म के डायरेक्टर गीतू मोहनदास हैं। फिल्म का निर्माण चल रहा है। इस लुक को लेकर सेलिब्रिटी हेयरस्टाइलिस्ट एलेक्स विजयकांत ने कहा, 'जब मैंने स्क्रिप्ट सुनी तो मुझे लगा कि इस रोल के लिए छोटा हेयरस्टाइल परफेक्ट होगा।'

अगले साल रिलीज होगी एक्शन मूवी 'टॉक्सिक'

ये फिल्म 1950 से 1970 के दशक के बीच की ड्रग माफिया की एक कहानी है। इस एक्शन मूवी का ऐलान पिछले साल किया गया था और ये 10 अप्रैल 2025 को दस्तक देगी।

हिमेश रेशमिया ने किया अपनी नई फिल्म जानम तेरी कसम का एलान

फिल्मी दुनिया के लोकप्रिय सिंगर और कंपोजर हिमेश रेशमिया की आवाज का जादू फैंस के सिर चढ़कर बोलता है। गायकी से अलग हिमेश रेशमिया ने अभिनय की दुनिया में भी किस्मत आजमाई है। वह एक्टर और प्रोड्यूसर हैं। हाल ही में 23 जुलाई को हिमेश ने अपना 51वां जन्मदिन मनाया। इस खास अवसर पर उन्होंने फैंस को तोहफा देते हुए अपनी नई फिल्म का एलान किया।

हिमेश रेशमिया अपनी नई फिल्म लेकर आ रहे हैं। उन्होंने अपने जन्मदिन के मौके पर इसका एलान सोशल मीडिया पर किया। इस फिल्म का नाम है 'जानम तेरी कसम'। इसे हिमेश रेशमिया प्रोड्यूस कर रहे हैं। वे इस फिल्म का निर्माण राधिका राव और विनय सप्रू के साथ मिलकर कर रहे हैं। फिल्म के एलान के साथ-साथ इसका टीजर भी जारी कर दिया गया है।

हिमेश रेशमिया के फिल्मी करियर की यह 10वीं फिल्म है। 'जानम तेरी कसम' एक दर्दभरी लव स्टोरी फिल्म है। इसमें फ्रेश जोड़ी नजर आएगी। इस फिल्म को राधिका राव और विनय सप्रू बनाने जा रहे हैं। हिमेश रेशमिया ने बताया है कि यह फिल्म अगले साल रिलीज होगी।

अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से हिमेश रेशमिया ने टीजर जारी कर लिखा है, 'जन्मदिन की शुभकामनाओं के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद! 'जानम तेरी कसम' एक दुखद प्रेम की कहानी है। राव और सप्रू फिल्म्स के सहयोग से हिमेश रेशमिया मेलोडीज द्वारा निर्मित यह फिल्म दशहरा 2025 पर रिलीज होगी'।

हिमेश रेशमिया ने आज भी एक पोस्ट साझा किया है, जिसमें उन्होंने अपनी फिल्म जानम तेरी कसम का टाइटल ट्रेक शेयर किया है और फैंस से इस पर रील्स बनाने का आग्रह किया है। पोस्ट में उन्होंने लिखा है, 'जिस दर्द में आराम है, इश्क उसी का नाम है'। हिमेश रेशमिया से बर्थडे पर यह रिटर्न गिफ्ट पाकर फैंस भी बेहद उत्साहित हैं।

क्या सलमान खान होस्ट करेंगे 'बिग बॉस 18' शो?

इस वक्त 'बिग बॉस ओटीटी 3' काफी चर्चा में है, हालांकि इस शो के दर्शक सलमान खान को काफी मिस कर रहे हैं, क्योंकि इस बार वह होस्ट नहीं कर रहे, बल्कि अनिल कपूर ने इस शो की कमान संभाली हुई है। जिन लोगों को सलमान खान की कमी खल रही है उनके लिए खुशखबरी है। जी हां! सलमान जल्द वापस लौटने वाले हैं, लेकिन बिग बॉस के ओटीटी वर्जन के लिए नहीं बल्कि 'बिग बॉस सीजन 18' के लिए।

एक रिपोर्ट के मुताबिक ये शो सितंबर के अंत या अक्टूबर की शुरुआत में आने वाला है। वहीं अन्य रिपोर्ट्स में ये भी कहा जा रहा है कि शो 5 अक्टूबर से कलर्स पर शुरू होने वाला है। भले ही इसे लेकर कोई आधिकारिक सूचना सामने नहीं आई है, लेकिन कहा जा रहा है कि इसके लिए बड़े- बड़े सितारों को अप्रोच किया जा रहा है।

पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर तमाम रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि शोएब इब्राहिम इस 'बिग बॉस' के 18वें सीजन में जाने वाले पहले कंफर्म कंटेस्टेंट हैं। अभी कंटेस्टेंट्स के नाम भले ही कंफर्म न हुए हों, लेकिन सबके फेवरेट होस्ट सलमान खान इस सीजन में नजर आने वाले हैं, इसकी पुष्टि तमाम रिपोर्ट्स में की जा रही है।

सलमान खान का बेबाक अंदाज और कंटेस्टेंट्स को समझने और समझाने का तरीका सभी को खूब पसंद आता है। ऐसे में फैंस चाह रहे हैं कि सलमान ही वापस इस शो में लौटें।

अनिल कपूर को भी लोग 'बिग बॉस ओटीटी 3' में पसंद कर रहे हैं, लेकिन फिर भी कई लोगों का कहना है कि सलमान खान की जगह कोई नहीं ले सकता।

'बिग बॉस' का डिजिटल वर्जन 'बिग बॉस ओटीटी' का तीसरा सीजन जल्द खत्म होने वाला है। अनिल कपूर द्वारा होस्ट किए जा रहे इस शो का ग्रैंड फिनाले 4 अगस्त को होगा। इस वक्त शो में अरमान मलिक, रणवीर शौरी, कृतिका मलिक, सना मकबूल, विशाल पांडे, लवकेश कटारिया, नैजी, साईकेतन राव और शिवानी कुमारी बचे हैं, जिनके बीच कड़ा मुकाबला होने वाला है।

ब्रेस्ट कैंसर से लड़ रहीं हिना खान ने बॉयफ्रेंड को बताया ताकत

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' फेम एक्ट्रेस हिना खान इस वक्त मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। वह ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं और इस समय उनके बॉयफ्रेंड रॉकी जायसवाल उनके साथ ताकत बनकर खड़े हैं। हिना ने रॉकी के साथ एक तस्वीर शेयर की है और हमेशा उनका साथ देने के दुआएं दी हैं। हिना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड रॉकी के साथ एक मिरर सेल्फी शेयर की है। दोनों ने ब्लैक कलर की टी-शर्ट पहनी है और वह किसी शॉपिंग स्टोर में खड़े हैं। इस तस्वीर के साथ हिना ने खूबसूरत नोट लिखा है, जो है- "आप बेस्ट हैं, अल्लाह आपको हमेशा खुश रखे। मेरी ताकत।"

बता दें कि हिना खान और रॉकी जायसवाल लंबे समय से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। हिना की कैंसर की खबर के बाद से फैंस रॉकी के रिएक्शन का इंतजार कर रहे थे। हिना ने अपने एक पोस्ट में अपनी मां और रॉकी का उनका साथ देने के लिए धन्यवाद किया था।

वैष्णवी शेखावत के शानदार डांस को देख गीता ने लगाया काला टीका, तो टेरेंस हो गए निशब्द

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का लोकप्रिय डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर' दर्शकों को काफी भाता रहा है। अभी इस डांस रियलिटी शो का चौथा सीजन प्रसारित किया जा रहा है। 'इंडियाज बेस्ट डांसर-सीजन 4' में कई बेहतरीन डांसर्स अपने शानदार डांस से दर्शकों और शो के जजों का दिल जीत रहे हैं। शो में प्रतिभागियों का ना सिर्फ डांस, बल्कि मनोरंजन, नवीनता और तकनीक के आधार पर भी मूल्यांकन किया जा रहा है। डांसर्स शो के तीनों जजों का दिल जीतने की पूरी कोशिश कर रहे हैं, जिनमें करिश्मा कपूर, गीता कपूर और टेरेंस लुईस शामिल हैं। इस सप्ताह के अंत में प्रसारित होने वाले शो में प्रतिभागी सर्वश्रेष्ठ 12 में अपनी जगह पुख्ता करने के लिए मुकाबला करेंगे।

इस वक्त शो में सभी प्रतिभागी एड़ी चोटी का जोर लगा रहे हैं और अपनी छाप छोड़ रहे हैं। ऐसी ही एक प्रतिभागी हैं वैष्णवी शेखावत, जो मूल रूप से राजस्थान की हैं। हालांकि, अब वह बेंगलुरु में रह रही हैं। उन्होंने फिल्म गहराइया के शीर्षक गीत पर अपनी शानदार प्रस्तुति दी। इसमें उन्होंने आधुनिक कंटेमपररी और जैज-फंक डांस जॉनर को मिलाकर मंच पर एक अदभुत शमा बांध दिया, जिससे दर्शक और जज काफी प्रभावित हो गए। उन्होंने अपने जादुई और मंत्रमुग्ध कर देने वाले और आसान से दिखने वाले मूव्स के साथ जज टेरेंस लुईस का दिल जीत लिया। उन्हें वैष्णवी की प्रस्तुति इतनी पसंद आई कि वह शुरू में कुछ बोल भी नहीं पाए।

वैष्णवी के डांस को देखने के बाद जज गीता कपूर काफी हैरान हुईं। उन्होंने वैष्णवी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्हें पता नहीं है कि वह कितनी शानदार डांसर हैं। गीत कपूर ने कहा, "मुझे नहीं लगता कि आप समझती हैं कि आप कितनी अच्छी डांसर हैं। मैं इससे पहले एक बार और बहुत खुश हो गई थी, जब बच्चों के डांस रियलिटी शो में मैंने एक प्रस्तुति देखी थी। आज आपको देखने के बाद, मेरे पास शब्द नहीं हैं। मैं आपके पैरों पर काला टीका लगाकर आशीर्वाद देना चाहती हूं। मैंने लंबे वक्त के बाद किसी को इतना साफ-सुथरा डांस करते देखा है। आप अपने आप में बेहद अलग और खास हैं, आपकी अपनी अलग पहचान है, कृपया इसे बरकरार रखें, आप जीवन में काफी आगे जाएंगी।

गीता के बाद टेरेंस लुईस ने खुद को समेटते हुए कहा कि वैष्णवी के प्रदर्शन ने उन्हें एक ऐसे जोन में पहुंचा दिया था, जहां से वह बाहर नहीं निकलना चाहते थे। उन्होंने कहा कि जहां ध्यान जैसी अवस्था में जाने के लिए किसी को काफी समय लगता है, वहां वैष्णवी के नब्बे सेकेंड के डांस ने उन्हें पहुंचा दिया। उन्होंने आगे कहा,आप एक बेहतरीन क्लासिक डांसर हैं और मैंने इंडियाज बेस्ट डांसर के इन सभी सीजन में आपके जैसा कोई नहीं देखा। मैं इस परफॉरमेंस को कभी नहीं भूलूंगा।

इस बीच करिश्मा कपूर ने भी वैष्णवी के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें अपना सिग्नेचर 'लोलो लव्स' दिया। इनके अलावा कोरियोग्राफर प्रतीक उटेकर को भी वैष्णवी का प्रदर्शन काफी पसंद आया।

उन्होंने 'तेरी दीवानी' गाने पर उनके साथ मुकाबला करने की इच्छा जताई। वैष्णवी के डांस के प्रति अटूट समर्पण को दर्शाते हुए उनके पिता ने भी एक वाकया साझा किया। उन्होंने कहा कि एक बार उन्होंने वैष्णवी को खाने के लिए बाहर चलने को बोला, तो उन्होंने ये कहते हुए इनकार कर दिया कि वह अपने अगले प्रदर्शन के लिए तैयारी करना चाहती हैं।

शाहरुख की बेटी सुहाना खान और अगस्त्य नंदा के अफेयर की खबरों के बीच रूमर्ड कपल के साथ दिखे मामा अभिषेक बच्चन

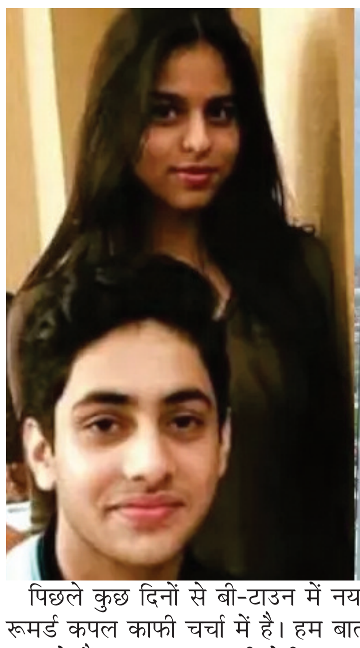

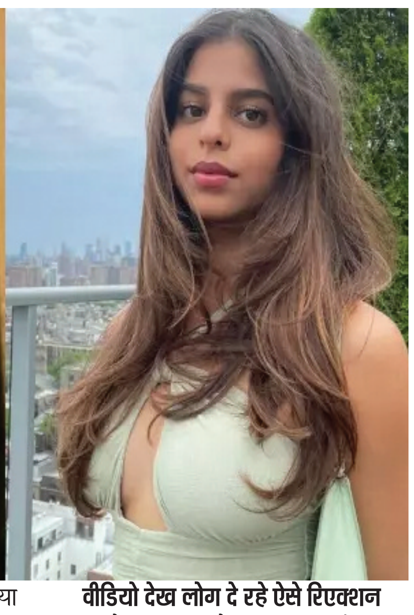

पिछले कुछ दिनों से बी-टाउन में नया रूमर्ड कपल काफी चर्चा में है। हम बात कर रहे हैं शाहरुख खान की बेटी सुहाना और अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा की। चर्चा है कि दोनों एक दूसरे को डेट कर रहे हैं, इसी बीच दोनों मंगलवार की शाम तेज बारिश में एक साथ नजर आए। इसमें खास बात ये है कि अभिषेक बच्चन दोनों को साथ में लेकर कार से निकले थे। इनका वीडियो भी इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसके बाद फैंस का एक्साइटमेंट और भी बढ़ गया है।

वीडियो में अभिषेक बच्चन कैजुअल ब्लैक कलर की हुडी में नजर आ रहे हैं। उनके साथ वाली सीट में अगस्त्य आकर बैठते हैं और सुहाना पीछे वाली सीट पर बैठी नजर आ रही हैं। अगस्त्य पैपराजी को देखकर स्माइल दे रहे हैं, वहीं सुहाना शर्माती हुई नजर आ रही हैं। इसके अलावा एक वीडियो और वायरल हो रहा है, जिसमें दोनों एक बिल्डिंग से बाहर आते दिख रहे हैं। बाद में इनके साथ नव्या नवेली नंदा भी नजर आ रही हैं।

वीडियो देख लोग दे रहे ऐसे रिएक्शन

अभिषेक बच्चन के साथ रूमर्ड कपल को देखकर सोशल मीडिया यूजर्स अलग-अलग प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कुछ का कहना है कि दोनों अगर साथ हैं तो क्या वो कपल हो जाएंगे। हो सकता है कि वह सिर्फ दोस्त हों। वहीं तमाम यूजर्स अभिषेक बच्चन पर भड़कते नजर आ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि अपनी पत्नी को छोड़कर यहां घूम रहे हैं।

साथ काम करने वाले हैं सुहाना-अभिषेक?

रिपोर्ट्स की मानें तो कथित तौर पर अभिषेक बच्चन, सुहाना की आने वाली फिल्म 'किंग' में एक खलनायक की भूमिका में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में सुहाना के पिता, बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान हैं। फैंस अभिषेक और शाहरुख को एक बार फिर साथ में देखने के लिए काफी एक्साइटेड हैं। दोनों ने पहले 'कभी अलविदा ना कहना' और 'हैप्पी न्यू ईयर' जैसी फिल्मों में एक साथ काम किया था। वहीं बात अगस्त्य और सुहाना की करें तो दोनों जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज़' में नजर आए थे।

बरसात में ज़िंक एक ज़रूरी मिनरल है जो हेल्दी इम्यून सिस्टम के लिए ज़रूरी

ज़िंक एक ज़रूरी मिनरल है जो हेल्दी इम्यून सिस्टम के लिए ज़रूरी है। यह इंफेक्शन से लड़ने में अहम रोल निभाता है क्योंकि यह इम्यून सेल्स के विकास और काम में मदद करता है। इस मानसून के मौसम में अपनी डाइट में ज़िंक से भरपूर फ़ूड्स को शामिल करके अपनी इम्यूनिटी को बढ़ावा दे सकते हैं। क्योंकि इस समय कीटाणु और वायरस तेज़ी से बढ़ते हैं।

इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए क्या करें? ये 5 फ़ूड्स ज़िंक से भरपूर होते हैं जो प्रतिदिन ज़िंक की रोज़ाना की ज़रूरतों को पूरा कर सकते हैं। पुरुषों को रोजाना 11 ग्राम और महिलाओं के लिए 8 ग्राम जिंक आवश्यक होता है। यह इंफेक्शन दूर रखने में मदद करता है।

कद्दू के बीज

30 ग्राम कद्दू के बीज में लगभग 2.2 मि.ग्रा. ज़िंक होता है। इन्हें सलाद पर छिड़कें, अपनी सुबह के ओट्स में शामिल करें या नाश्ते के रूप में खा सकते हैं। ये बीज प्रोस्टेट हेल्थ को सपोर्ट कर सकते हैं और यहां तक कि अपने उच्च ज़िंक कंटेंट और अन्य लाभकारी पोषक तत्वों के कारण डायबिटीज को मैनेज करने में भी मदद कर सकते हैं।

ओट्स

ओट्स ज़िंक का एक और बेहतरीन सोर्स हैं, जो पानी में पकाए जाने पर एक कप में लगभग 2.3 मि.ग्रा. प्रदान करते हैं। ये न केवल ज़िंक से भरपूर होते हैं बल्कि फाइबर से भी भरपूर होते हैं, जो पाचन स्वास्थ्य को सपोर्ट करता है और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम कर सकता है।

फलियां

छोले, दाल और बीन्स जैसी फलियां ज़िंक से भरपूर होती हैं। 100 ग्राम पकी हुई दाल में पुरुषों के लिए रोजाना का 12% और महिलाओं के लिए 16% ज़िंक होता है। फलियां फाइबर, प्रोटीन और विभिन्न विटामिन और खनिजों से भी भरपूर होती हैं, जो उन्हें बैलेंस्ड डाइट बनाता है। फलियों के नियमित सेवन से पाचन स्वास्थ्य बेहतर होता है और क्रॉनिक डिजीज का खतरा कम होता है।

डेयरी प्रॉडक्ट

शोध के मुताबिक पनीर और दूध जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स बायोअवेलेबल ज़िंक के जाने-माने स्रोत हैं, जिसका अर्थ है कि हमारा शरीर इन वस्तुओं में मौजूद अधिकांश ज़िंक को अवशोषित कर सकता है। एक कप फुल क्रीम दूध में पुरुषों के लिए दैनिक आवश्यकता का 9% और महिलाओं के लिए 13% जिंक होता है। डेयरी प्रोडक्ट्स कैल्शियम और विटामिन डी भी प्रदान करते हैं, जो हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं।

डार्क चॉकलेट

मीठा पसंद करने वालों के

लिए, डार्क चॉकलेट ज़िंक की मात्रा को बढ़ावा देने का एक स्वादिष्ट तरीका है। 70%-85% डार्क चॉकलेट के 100 ग्राम बार में 3.31 मि.ग्रा. ज़िंक होता है। डार्क चॉकलेट ज़िंक और एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होती है मगर यह कैलोरी और शुगर में भी अधिक होती है, इसलिए इसका सेवन कम मात्रा में करना चाहिए।

पूड़ी कचौरी खाने वालों के लिए रामबाण नुस्खा 1 महीने में निकलेगा लिवर में भरा गंदा तेल

भारत में पूड़ी कचौरी खाने वालों की

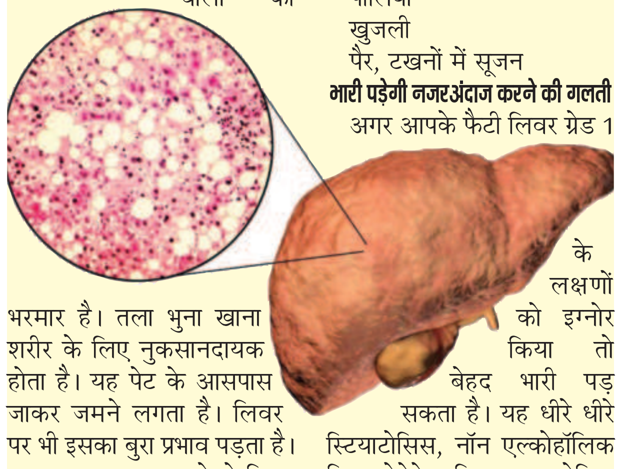

भरमार है। तला भुना खाना शरीर के लिए नुकसानदायक होता है। यह पेट के आसपास जाकर जमने लगता है। लिवर पर भी इसका बुरा प्रभाव पड़ता है। तला खाना ज्यादा खाने से लिवर पर चर्बी जमने लगती है। इस समस्या को फैटी लिवर कहा जाता है। यह लिवर सिरोसिस का कारण भी बन सकता है।

डीप फ्राइड फूड में मौजूद तेल फैट से भरे होते हैं। जब शरीर को इसकी जरूरत नहीं होती तो इसे इकट्ठा कर लिया जाता है। फैटी लिवर को घरेलू उपायों से दूर किया जा सकता है। डॉ. निशांत गुप्ता ने फैटी लिवर का ऐसा रामबाण उपाय बताया है जो 1 महीने में इस अंग को हेल्दी बना देगा। पहले फैटी लिवर के लक्षण जान लेते हैं।

ग्रेड 1 फैटी लिवर के लक्षण

फैटी लिवर की शुरुआत को ग्रेड 1 कहा जाता है। इसमें कुछ समस्याएं होने लगती हैं। जैसे

पेट के दाएं हिस्से में ऊपर की तरफ दर्द

अत्यधिक थकान
बेवजह वजन घटना
कमजोरी
पीलिया
खुजली
पैर, टखनों में सूजन

भारी पड़ेगी नजरअंदाज करने की गलती

अगर आपके फैटी लिवर ग्रेड 1 के लक्षणों को इग्नोर किया तो बेहद भारी पड़ सकता है। यह धीरे धीरे स्टियाटोसिस, नॉन एल्कोहॉलिक स्टियाटोहेपेटाइटिस, फाइब्रोसिस और सिरोसिस तक पहुंच सकता है। सिरोसिस सबसे गंभीर स्टेज है जिसमें लिवर फेलियर व कैंसर हो सकता है।

फैटी लिवर कम करने के लिए क्या करें?

1 महीने में फैटी लिवर का इलाज

गुनगुने पानी से फैटी लिवर का इलाज किया जा सकता है। इसके लिए आपको 1 गिलास गुनगुने पानी में 1-2 ग्राम कॉफी पाउडर, 1-2 ग्राम हल्दी, 1 चम्मच सिरका (जामुन, गन्ने या सेब का सिरका) मिलाएं। इस काढ़े को 1 महीने तक दिन में 3 बार पीजिए।

फैटी लिवर में खाएं ये चीजें

हरी पत्तेदार सब्जियां
बीन्स
साबुत अनाज
नट्स
सूरजमुखी के बीज
लहसुन

टीथ ब्रेसेस लगवाने के बाद भूल से भी न करें ये बड़ी गलतियां, दांतों का शेप छोड़ो चेहरा बिगड़ जाएगा

कई लोगों के दांत टेढ़े-मेढ़े होते हैं, इसलिए ऐसे दांतों को सही करने के लिए टीथ ब्रेसेस ट्रीटमेंट लिया जाता है। टीथ ब्रेसेस दांतों को उनकी सही जगह पर सेट करने में मदद करते हैं और आपके दांतों और जबड़ों को ठीक करते हैं। टेढ़े-मेढ़े दांत होने के कारण कई कई तरह की दिक्कतें होती हैं, उनमें भी सुधार होता है। टीथ ब्रेसेस को दांतों में तार लगवाना भी कहते हैं और इसे लगवाने के बाद इसकी सही ढंग से देखभाल भी बहुत जरूरी है, खासतौर पर खानपान पर ध्यान रखना जरूरी है। अगर सही ढंग से न ध्यान न दिया जाए तो आपको दांतों का सही शेप नहीं आ पाएगा। आइए इस आर्टिकल में जानते हैं कि टीथ ब्रेसेस लगाने के बाद किन बातों का रखें ध्यान।

हार्ड और स्टिकी फूड से बचें

हार्ड और स्टिकी फूड से बचें जैसे कि नट्स, पॉपकॉर्न, और आइस क्यूब्स आदि के सेवन से बचें। स्टिकी खाद्य पदार्थ जैसे कि च्युइंग गम, कारमेल, चॉकलेट

और टॉफी से भी बचें, क्योंकि ये ब्रेसेस को नुकसान पहुंचा सकते हैं और दांतों में बैक्टीरिया का कारण बन सकते हैं।

फल और सब्जियां काटकर खाएं

बड़े फल या सब्जियां जैसे सेब या गाजर को छोटे टुकड़ों में काटकर खाएं ताकि उन्हें चबाने में आसानी हो और ब्रेसेस पर अतिरिक्त दबाव न पड़े।

कठोर वस्तुओं को चबाने से बचें

कुछ लोगों की आदत होती है पेंसिल, पेन मुंह में डालने की या नाखून चबाने की, तो ऐसी आदतों से बचें क्योंकि ये ब्रेसेस को नुकसान पहुंचा सकती हैं और दांतों में इंफेक्शन को बढ़ा सकती हैं।

सोडा ड्रिंक से बचें

दांतों में तार लगवाने के बाद सोडा और शुगर युक्त ड्रिंक का सेवन कम करें, क्योंकि ये दांतों की सड़न और ब्रेसेस के आसपास प्लाक की समस्या को बढ़ा सकते हैं।

साफ-सफाई का ध्यान

दांतों पर ब्रेसेस की देखभाल में लापरवाही न करें। नियमित सफाई और सही देखभाल करें, क्योंकि तार लगने के बाद दांतों में बैक्टीरिया का खतरा और भी अधिक बढ़ जाता है।

बारिश के मौसम में कपड़ों से आ रही बदबू हो जाएगी छूमंतर

बारिश के मौसम में कपड़ों को सुखाने की परेशानी सबसे ज्यादा होती है। कई दफा सूखने के बाद भी कपड़ों में नमी रह जाती है और फिर बदबू आने लगती है। ऐसे में हम आपको कुछ ट्रिक्स बता रहे हैं जिनकी मदद से गीले कपड़ों में न ही बदबू आएगी और यह जल्दी सूख भी जाएंगे।

बारिश के दिनों में घर से बाहर निकलते ही चिंता लगी रहती है कि कहीं बरसात होने से बालकनी या छत पर डले कपड़े भीग ना जाए। अगर, गीले हो गए तो धुले हुए कपड़े खराब हो जाएंगे सबसे बड़ी दिक्कत कि इनमें बदबू भी आने लगेगी। कई बार तो

धूप नहीं निकलने से भी कपड़े ठीक से सूख नहीं पाते हैं।

इस तरह से कई कारणों से मानसून में कपड़ों के गीले होने और उनमें बदबू आने की दिक्कत होती रहती है। इस बदबू की वजह से न सिर्फ शर्मिंदगी का सामना करना पड़ सकता है बल्कि कपड़ों में बैक्टीरिया भी पैदा हो सकते हैं, जिसकी वजह से सेहत और स्किन को नुकसान होता है। ऐसे में आपकी मदद के लिए हम आपको कुछ टिप्स बता रहे हैं।

नींबू का रस

कपड़ों की बदबू दूर करके उन्हें खुशबूदार बनाने के लिए नींबू आपकी मदद कर सकता है। इसके लिए कपड़े धोने के बाद एक बाल्टी पानी में नींबू का रस मिलाकर अच्छे से मिक्स कर लें। अब धुले कपड़ों को एक बार इस पानी में डालकर बाहर निकाल लें। दरअसल नींबू में पाए जाने वाले तत्व कपड़ों की बदबू और बैक्टीरिया का खात्मा कर देते हैं।

बेकिंग सोडा और सिरका

कपड़ों की बदबू से लड़ने के लिए सिरका और बेकिंग सोडा का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए कपड़ों को भिगोने से पहले पानी में आधा कप सफेद सिरका मिला लीजिए, इससे कपड़े नरम होंगे और उनमें मौजूद गंध दूर हो जाएगी। चाहें तो कपड़ों को धोने के बाद एक बाल्टी में बेकिंग सोडा मिलाकर इस पानी में कपड़ों को थोड़ी देर के लिए छोड़ दीजिए। इससे भी कपड़े नरम होंगे और जल्दी फफूंद नहीं लगेगी।

दिल को रखना है स्वस्थ, तो कराएं ये टेस्ट

हृदय रोग विशेषज्ञ के अनुसार, उम्र बढ़ने के साथ हृदय रोगों का खतरा भी बढ़ता चला जाता है। हृदय रोग दुनिया में होने वाली मौतों का मुख्य कारण है। इसलिए हृदय रोग को रोकने और इसका प्रबंधन करने के लिए समय पर इसकी पहचान करना बहुत जरूरी है।

ब्लड प्रेशर की जांच

हाई बीपी की जांच करना बहुत सरल है। इस जांच में डॉक्टर एक ब्लड प्रेशर मशीन की मदद से रक्तचाप की जांच करते हैं। यदि बीपी लगातार उच्च बना रहता हो, तो इससे हृदय रोग, स्ट्रोक और किडनी रोग का जोखिम बढ़ जाता है।

लिपिड प्रोफाइल टेस्ट

इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ईसीजी)

ईसीजी द्वारा हृदय में इलेक्ट्रिकल गतिविधि को मापा

जाता है। इस टेस्ट के लिए छाती, कलाई, और पैरों पर लगाए जाते हैं, जो हृदय की धड़कन के लिए इलेक्ट्रिकल सिग्नल को रिकॉर्ड करते हैं। ईसीजी से हृदय की असामान्य गति, जैसे एट्रियल फिब्रिलेशन की पहचान करने में मदद मिलती है, जो स्ट्रोक और हार्ट फेल्योर का खतरा बढ़ाता है।

ईकोकार्डियोग्राम

ईकोकार्डियोग्राम एक नॉन-इन्वेज़िव टेस्ट है, जिसमें ध्वनि तरंगों द्वारा हृदय का चित्र बनाया जाता है। हार्ट वाल्व के विकारों, हार्ट फेल्योर, एवं हृदय के अन्य संरचनागत विकारों की पहचान के लिए इकोकार्डियोग्राम का उपयोग किया जाता है।

स्ट्रेस टेस्ट

स्ट्रेस टेस्ट को ट्रेडमिल टेस्ट भी कहा जाता है। यह शारीरिक व्यायाम का टेस्ट है, जो तनाव में काम करने की हृदय की क्षमता का आकलन करता है। इस जांच में मरीज को एक ट्रेडमिल पर चलना होता है और इस गतिविधि के दौरान उसके हृदय की गति और रक्तचाप की निगरानी की जाती है। इस जांच द्वारा कोरोनरी आर्टरी डिजीज की पहचान होती है, जिसकी वजह से छाती में दर्द और हार्ट अटैक पड़ सकता है।

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के सुझाव के अनुसार 20 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को ये टेस्ट कराने चाहिए। बीपी की हर साल, लिपिड प्रोफाइल टेस्ट हर 5 साल, ईसीजी हर 5 साल, इकोकार्डियोग्राम हर 5-10 साल और स्ट्रेस टेस्ट हर 5-10 साल कराना चाहिए।

क्यों होती है सिकल सेल बीमारी? इसके लक्षण, बचाव और उपचार

कई बार आपको शरीर के किसी हिस्से में तेज और असहनीय दर्द महसूस होता है। यह सिकल सेल की वजह से भी हो सकता है। क्या आपने सिकल सेल बीमारी के बारे में सुना है? सिकल सेल को 'द्रुमिका

कोशिका' या 'द्रुमिका एनीमिया' भी कहा जाता है। यह एक आनुवंशिक विकार है, जिसमें लाल रक्त कोशिकाएं असामान्य रूप से सिकल के आकार की हो जाती हैं। यह विकार हीमोग्लोबिन नामक प्रोटीन में उत्परिवर्तन के कारण होता है, जो रक्त में ऑक्सीजन के संचार के लिए जिम्मेदार होता है। रक्त कोशिकाओं के सिकल के आकार में बदलने से पीड़ित को असहनीय दर्द महसूस होता है, जिस वजह से वह दैनिक कार्यों को भी नहीं कर पाता है। लेकिन यह क्यों होता है और इसके उपाय क्या हैं, यह जानना आपके लिए बेहद जरूरी है।

क्या है वजह

सिकल सेल रोग एक आनुवंशिक स्थिति है, जो कि मुख्यतः माता-पिता से मिले जीन से आती है और इसके बारे में पता भी तभी चलता है, जब ब्लड टेस्ट कराया जाता है। इस स्थिति में असामान्य आकार की लाल रक्त कोशिकाएं टूट जाती हैं और रक्त वाहिकाओं में फंस सकती हैं, जिससे रक्त प्रवाह अवरुद्ध हो जाता है। यह अवरोध ऑक्सीजन की कमी और प्रभावित अंगों एवं ऊतकों में दर्द का कारण बनता है, जिसे सिकल सेल संकट कहा जाता है।

लक्षणों की पहचान

सामान्य सर्दी-जुकाम, बुखार, पित्ताशय की पथरी, बच्चों का विकास न होना, लीवर में सूजन और बार-बार बीमार होना इस बीमारी के लक्षण हो सकते हैं, जिसका कारण हेल्दी रेड ब्लड सेल्स की तुलना में सिकल कोशिकाओं का आसानी से टूटना है। इससे लाल रक्त कोशिकाओं का स्तर कम हो सकता है, जिसे एनीमिया के रूप में जाना जाता है। इसके अलावा हाथ-पैर में दर्द, सूजन, पीलिया, आंखें सफेद होना इसके शुरुआती लक्षण हो सकते हैं।

इलाज भी जान लें

वर्तमान में सिकल सेल रोग का प्रभावी इलाज स्टेम सेल प्रत्यारोपण है, लेकिन सिकल सेल्स की समस्या में उपचार अलग-अलग तरीके से किए जाते हैं। रोगी की स्थिति के अनुसार चिकित्सक इलाज करते हैं। कई बार ब्लड में ऑक्सीजन बढ़ाने वाली दवाएं भी दी जाती हैं। हालांकि कुछ दवाएं गर्भावस्था के दौरान नहीं ली जा सकतीं, जिनका आपको ध्यान रखना होगा।

सही मात्रा में पानी

हाइड्रेट रहना इस समस्या से दूर रहने का सबसे प्रभावी और आसान तरीका है। सही मात्रा में पानी पीने से रक्त पतला होता है और कोशिकाओं के फंसने का खतरा कम हो जाता है। वहीं, दर्द निवारक दवाएं भी आराम पहुंचाती हैं। फोलिक एसिड सप्लीमेंट लेने से नई लाल रक्त कोशिकाएं बनने लगती हैं और आपको इस बीमारी से उबरने में मदद मिलती है।

जीवन-शैली में बदलाव

सिकल सेल से पीड़ित महिलाओं को अच्छी और सक्रिय जीवन-शैली अपनानी चाहिए। इसके लिए दिनचर्या में रोजाना हल्का व्यायाम शुरू करें। तनाव को कम करने पर ध्यान दें। इसके लिए आप योग, ध्यान और अन्य तकनीक अपना सकती हैं। इसके अलावा संतुलित और पौष्टिक आहार लें, जिसमें अधिक मात्रा में फलों और सब्जियों का समावेश हो।

नजरअंदाज करना खतरनाक

वरिष्ठ हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ. सत्येन्द्र सिंह कहते हैं, सिकल सेल एक आनुवांशिक बीमारी है, जो किसी भी उम्र के

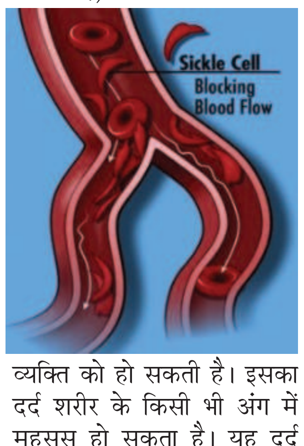

व्यक्ति को हो सकती है। इसका दर्द शरीर के किसी भी अंग में महसूस हो सकता है। यह दर्द आमतौर पर हड्डियों, जोड़ों, छाती और पेट में ज्यादा महसूस होता है, जो कि हल्का, गंभीर या शरीर को कमजोर करने वाला हो सकता है। यह समस्या वयस्कों के साथ बच्चों में भी देखी जाती है। उन में इसके मुख्य लक्षण थकान के रूप में नजर आते हैं, इसलिए उनकी सेहत का विशेष ध्यान रखें। इस बीमारी का असर सही उपचार और देखरेख से कम किया जा सकता है। कोताही बरतने और इलाज में उपेक्षा करने से यह खतरनाक साबित हो सकती है। इसलिए विशेषज्ञ चिकित्सक की सलाह लें और समय पर जांच कराएं, ताकि लक्षणों के आधार पर सही इलाज हो सके।

डायबिटीज के मरीज पी सकते हैं ये जूस, शुगर कंट्रोल रहने के साथ इम्यूनिटी भी अच्छी रहेगी

डायबिटीज के मरीजों को जूस पीने से मना किया जाता है, क्योंकि कई फल और सब्जियों में नेचुरल शुगर होती है और जूस कैलोरी में भी हाई होते हैं। ऐसे में सवाल है कि क्या डायबिटीज के मरीज जूस नहीं पी सकते हैं। शोध बताते हैं कि डायबिटीज के मरीजों के लिए कुछ फल और सब्जियों का जूस एक अच्छा विकल्प हो सकता है, जूस के सेवन से वो फाइबर, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट जैसे पोषक तत्वों को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। बशर्ते इसे सही तरीके से और संयमित मात्रा में सेवन किया जाए। तो आइए जानते हैं कि डायबिटीज के मरीज कौन से जूस पी सकते हैं।

जामुन का जूस

डायबिटीज के मरीजों के लिए जामुन का सेवन काफी फायदेमंद माना जाता है। इसका जूस भी जूस ब्लड शुगर को नियंत्रित करने के लिए बहुत लाभकारी है। इइसमें कई ऐसे गुण होते हैं, जो ब्लड शुगर के लेवल को कंट्रोल रखने में मदद करते हैं। इसके लिए आप एक दिन में एक छोटा कप जूस पिएं।

पालक-ककड़ी जूस

पालक और ककड़ी दोनों का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है और यह ब्लड शुगर को बढ़ाए बिना पोषक तत्वों की कमी को पूरा करता है। इसमें मौजूद

विटामिन इम्यूनिटी को बढ़ाते हैं। पालक और ककड़ी का मिक्स जूस दिन भर में एक छोटा ग्लिस पिएं।

टमाटर का जूस

टमाटर का जूस शरीर को खून की कमी से बचाता है। इसमें लाइकोपीन, विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो इम्यूनिटी को बढ़ाते हैं और ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में मदद करते हैं। टमाटर का जूस में कैलोरी कम होती है। आप दिन भर में एक छोटा ग्लिस टमाटर का जूस सुबह नाश्ते के साथ पिएं।

एलोवेरा का जूस

इसमें मौजूद पॉलीसेकेराइड और ग्लूकोमिन ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में सहायक होते हैं और इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाता है। आप सुबह एक गिलास एलोवेरा जूस पिएं। इससे पेट को भी फायदा होगा।

सेब का जूस

सेब का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है और इसके जूस को सीमित मात्रा में पिया जाए तो डायबिटीज के मरीजों को फायदा मिलता है। सेब में विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट, पोटेशियम और कई अन्य पोषक तत्व होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं और हृदय स्वास्थ्य में सुधार करते हैं। आप एक दिन में एक छोटा कप सेब का जूस पी सकते हैं।

जमीन की खरीद-फरोख्त में अब नहीं होगी नींद हराम

सरकार कर रही पक्का इंतजाम

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया में ज्यादातर झगड़े जमीन को लेकर होते हैं। साथ ही जमीन की खरीद-फरोख्त में भी फर्जीवाड़े की खबरें सामने आती रहती है। कई बार एक ही प्लॉट कई लोगों को बेच दिया जाता है। लेकिन अब सरकार इससे निपटने के लिए पक्का इंतजाम करने जा रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को पेश बजट में ग्रामीण क्षेत्रों में सभी प्लॉट के लिए 'भू-आधार' नंबर देने की घोषणा की है। यह आधार की तरह एक विशिष्ट पहचान संख्या होगी। साथ ही 2027 तक शहरी इलाकों में जमीन के रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण की योजना है। इस रिफॉर्म को रफ्तार देने के लिए केंद्र सरकार राज्यों को वित्तीय सहायता देगी। माना जा रहा है कि इस कदम से ग्रामीण क्षेत्रों में क्रेडिट फ्लो और एग्रीकल्चरल सर्विसेज से जुड़ी दूसरी सुविधाओं

को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही इससे कस्बों और शहरों में जमीन की खरीद-फरोख्त में धोखाधड़ी रोकने और प्रॉपर्टी टैक्स कलेक्शन में सुधार करने में मदद मिलेगी।

सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कहा कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में भूमि से संबंधित सुधार और एक्शन के दायरे में लैंड एडमिनिस्ट्रेशन, प्लानिंग एंड मैनेजमेंट और अर्बन प्लानिंग, यूसेज और बिल्डिंग्स से जुड़े नियम आएंगे। उन्होंने कहा कि उचित वित्तीय सहायता के माध्यम से इन्हें अगले तीन वर्षों के भीतर पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। वित्त मंत्री ने साथ ही कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में जमीन से जुड़े कामों में सभी लैंड पार्सल के लिए यूनीक लैंड पार्सल आइडेंटिफिकेशन नंबर या भू-आधार देना, जमीन से जुड़े मैप्स का डिजिटलीकरण, वर्तमान स्वामित्व के अनुसार मैप सब-डिवीजन्स का सर्वे, लैंड रजिस्ट्री की स्थापना और किसानों की रजिस्ट्री से लिंक करना शामिल होगा।

आईटी-बेस्ड सिस्टम

योजना के मुताबिक शहरी क्षेत्रों में जीआईएस मैपिंग के साथ लैंड रिकॉर्ड्स का डिजिटलीकरण किया जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा कि प्रॉपर्टी रेकॉर्ड एडमिनिस्ट्रेशन, अपडेटिंग और टैक्स एडमिनिस्ट्रेशन के लिए एक आईटी-आधारित प्रणाली स्थापित की जाएगी।

इससे शहरी स्थानीय निकायों की वित्तीय स्थिति में भी सुधार होगा। बजट से एक दिन पहले पेश इकनॉमिक सर्वे में इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास से जुड़े प्रोजेक्ट्स को समय पर पूरा करने के लिए लैंड रिकॉर्ड्स को तेजी के साथ डिजिटल करने का आह्वान किया था।

बीएसएनएल को बजट से मिली छप्परफाड़ रकम

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। देश की सरकारी दूरसंचार कंपनियों बीएसएन और एमटीएनएल के अच्छे दिन शुरू होने वाले हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कल बजट में दूरसंचार मंत्रालय के तहत दूरसंचार परियोजनाओं और सार्वजनिक क्षेत्र की फर्मों के लिए 1.28 लाख करोड़ रुपये के आवंटन का प्रस्ताव किया। इसमें से अधिकांश रकम सरकारी स्वामित्व वाली बीएसएन के लिए निर्धारित की गई है। बजट के इस ऐलान के बाद बुधवार को एमटीएनएल के शेयर में तेजी देखी गई। इस कंपनी के शेयर में 5 फीसदी का अपर सर्किट लग गया। इस तेजी के साथ यह शेयर 88.06 रुपये पर पहुंच गया है। बता दें कि एमटीएनएल शेयर मार्केट में लिस्टेड कंपनी है।

कुल प्रस्तावित आवंटन में से 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक बीएसएन और एमटीएनएल से संबंधित खर्चों के लिए है। सरकार के इस कदम से इन कंपनियों की दूरसंचार सेवाएं और ज्यादा बेहतर होंगी। बजट में जो आवंटन का प्रस्ताव किया है, उसमें बीएसएनएल की टेक्नॉलजी को अपग्रेड करने और बीएसएनएल में पुनर्गठन के लिए 82,916 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है।

ग्रामीण इलाकों में तेजी से फैलेगा इंटरनेट का जाल

बजट डॉक्यूमेंटस में कहा गया है कि बजट अनुमान 2024-25 में इस मांग के लिए कुल शुद्ध आवंटन 1,28,915.43 करोड़ रुपये (1,11,915.43 करोड़ रुपये प्लस 17 हजार करोड़ रुपये) है। 17 हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रावधान यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन फंड के तहत उपलब्ध शेष राशि से पूरा होगा। इसका इस्तेमाल विभिन्न योजनाओं जैसे- दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को मुआवजा देने, भारतनेट और रिसर्च और डिवेलपमेंट जैसी योजनाओं के लिए किया जाएगा। भारतनेट सरकार की वह योजना है जिसके अंतर्गत ग्रामीण इलाकों में इंटरनेट का जाल फैलाया जाएगा।

कर्मचारियों की मिलेगा पेंशन का लाभ

बजट में बीएलएनएल और एमटीएनएल के कर्मचारियों समेत दूरसंचार विभाग के सभी कर्मचारियों का भी ध्यान रखा गया है।

एनपीएस नियमों में बदलाव

सैलेरीड को मिलेगा ज्यादा टैक्स सेविंग का लाभ

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। नेशनल पेंशन स्कीम यानी एनपीएस दिनों-दिन लोकप्रिय होता जा रहा है। पहले इसमें सरकारी क्षेत्र के कर्मचारी जुड़े। अब इससे प्राइवेट सेक्टर के कर्मचारी भी जुड़ रहे हैं। पहले इसमें सरकारी क्षेत्र के कर्मचारियों में नियोक्ता के योगदान की सीमा को 10 फीसदी से बढ़ा कर 14 फीसदी कर दिया था। अब इस सुविधा का लाभ निजी क्षेत्र के कर्मचारियों को भी दे दिया गया है। जानते हैं इस बारे में विस्तार से। सरकार ने एनपीएस में निवेश करने वालों के लिए टैक्स बेनिफिट बढ़ा दिया है। अब प्राइवेट सेक्टर के कर्मचारियों के लिए एनपीएस में नियोक्ता के योगदान की सीमा 10% से बढ़ाकर 14% कर दी गई है। यानी अब आपकी सैलरी का ज्यादा हिस्सा टैक्स फ्री होकर एनपीएस में जाएगा और आपका रिटायरमेंट फंड और भी मजबूत बनेगा।

यहां एक बात ध्यान रखने वाली बात है। यह फायदा सिर्फ नई टैक्स व्यवस्था चुनने वालों को ही मिलेगा। ओल्ड रिजीम चुनने वालों को इसका कोई लाभ नहीं मिलेगा। इस बदलाव से पहले तक यह सुविधा केवल सरकारी कर्मचारियों के लिए ही उपलब्ध थी। इस बार इसमें बच्चों के लिए वात्सल्य अकाउंट की भी सुविधा दी गई है।

इस योजना में नाबालिगों के लिए माता-पिता या कानूनी अभिभावक अशंदान कर सकेंगे। नाबालिग के वयस्क होने पर योजना को सामान्य एनपीएस खाते में परिवर्तित किया जा सकता है। बच्चे के अडल्ट होने पर इस योजना को आसानी से नॉर्मल एनपीएस अकाउंट में बदला जा सकेगा।

एनपीएस यानी नेशनल पेंशन सिस्टम। यह भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक पेंशन योजना है। यह योजना विशेष रूप से असंगठित क्षेत्र के कर्मचारियों और स्व-नियोजित व्यक्तियों के लिए डिज़ाइन की गई है।

सेंसेक्स 280 अंक की गिरावट के साथ 80,148 पर बंद

निफ्टी भी 65 अंक गिरा, बजाज फिनसर्व टॉप लूजर रहा

मुंबई, 24 जुलाई (एजेंसियां)। बजट के अगले दिन आज यानी 24 जुलाई को शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिला। संसेक्स 280 अंक की गिरावट के साथ 80,148 के स्तर पर बंद हुआ।वहीं, निफ्टी में 65 अंक की गिरावट रही है, ये 24,413 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 में गिरावट और 10 में तेजी देखने को मिल रही है। निफ्टी के 50 शेयरों में से 30 में गिरावट और 20 तेजी देखने को मिली। NSE के सेक्टोरल इंडेक्स में बैंकिंग सेक्टर सबसे ज्यादा 0.89% की गिरावट के साथ बंद हुआ। प्राइवेट बैंक में 0.76%, फाइनेंशियल सर्विस में 0.60% और FMCG में 0.53% की गिरावट रही। जबकि, मीडिया सेक्टर में सबसे ज्यादा 2.47 % की तेजी रही। ऑइल एंड गैस में 1.69% और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.08% की तेजी रही। एशियाई बाजार में आज गिरावट रही। जापान के निक्केई में 1.11% और हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग में 0.91% की गिरावट रही।

टैक्स घटने के बाद सोना 4,000 तक सस्ता

69,194 प्रति 10 ग्राम बिक रहा, चांदी 3,600 की गिरावट के साथ 84,897 पर आई

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। बजट में सोना-चांदी की कस्टम ड्यूटी (इम्पोर्ट टैक्स) घटने के बाद से सोना 4000 रुपए और चांदी 3600 रुपए सस्ती हो चुकी है। सरकार ने बजट में सोना-चांदी पर कस्टम ड्यूटी को 15% से घटाकर 6% कर दिया है। इससे भाव में ये गिरावट आई है। बजट के अगले दिन, यानी आज 24 जुलाई को सोना 408 रुपए गिरकर 69,194 रुपए पर आ गया है। कल इसमें 3600 रुपए की गिरावट आई थी। वहीं चांदी आज 22 रुपए गिरकर 84,897 रुपए प्रति किलो पर आ गई है। कल चांदी में 3600 रुपए की गिरावट थी।

दिल्लीः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 65,100 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 71,010 रुपए है।

मुंबईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 64,950 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 70,860 रुपए है।

कोलकाताः 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 64,950 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 70,860 रुपए है।

चेन्नईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 64,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 70,800 रुपए है।

भोपालः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 65,000 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 70,910 रुपए है।

सोने की मांग बढ़ेगी, कीमतें ज्यादा नहीं घटेंगी

इस बार बजट में सोना-चांदी पर लगने वाली कस्टम ड्यूटी 15% से घटाकर 6% कर दी है। इससे इसकी कीमत में गिरावट देखने को मिल रही है। लेकिन कस्टम ड्यूटी घटने के बाद आने वाले दिनों में सोने की मांग और तेजी से बढ़ेगी। अभी सोने और चांदी में गिरावट भले हुई है, लेकिन इसे केवल ड्यूटी एडजस्टमेंट कह सकते हैं। कुछ दिन अगर सोना गिरा भी तो यह फिर कवर कर लेगा। अमेरिका में चुनाव और वैश्विक तनाव को देखते हुए सोने और चांदी के दाम अधिक नहीं गिरेंगे। यह खरीद का अच्छा मौका है।

इस साल अब तक सोने के दाम 5,842 रुपए प्रति 10 ग्राम बढ़ चुके हैं। साल की शुरुआत में ये 63,352 रुपए पर था।

महाराष्ट्र की इकॉनमी पाकिस्तान से बड़ी

दिल्ली की कमाई दक्षिण अफ्रीका

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। देश के विभिन्न राज्यों की इकॉनमी में काफी असमानता देखने को मिलती है। दिल्ली, गोवा और सिक्किम की प्रति व्यक्ति आय जहां दक्षिण अफ्रीका के बराबर है वहीं उत्तर प्रदेश की स्थिति दुनिया के सबसे गरीब देशों में शामिल सोमालिया और रवांडा के समान है। इसी तरह शिशु मृत्यु दर के मामले में मिजोरम और केरल की स्थिति अमेरिका और यूके की तरह है जबकि मध्य प्रदेश की हालत अफगानिस्तान की तरह है। साल 1980 से 1984 के बीच देश के बड़े राज्यों में पंजाब सबसे समृद्ध था। तब हरियाणा की प्रति व्यक्ति आय पंजाब के 86% के बराबर थी। 2020-22 में हरियाणा देश का सबसे समृद्ध राज्य बन गया। पंजाब की प्रति व्यक्ति आय हरियाणा की 63% रह गई है। बिहार की प्रति व्यक्ति आय हरियाणा के मुकाबले 20% है। सिक्किम, गोवा और दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय दक्षिण अफ्रीका के बराबर है। बिहार और यूपी जैसे बड़े राज्यों की प्रति व्यक्ति आय रवांडा और सोमालिया जैसे गरीब देशों के बराबर है। प्रति व्यक्ति आय के मामले में सिक्किम, गोवा, दिल्ली, तेलंगाना और कर्नाटक टॉप पर हैं। वहीं मेघालय, झारखंड, मणिपुर, उत्तर प्रदेश और बिहार सबसे नीचे हैं।

देश के चार राज्यों का ग्रॉस स्टेट डोमेस्टिक प्रॉडक्ट 20 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है। महाराष्ट्र की इकॉनमी पाकिस्तान से बड़ी है। महाराष्ट्र की इकॉनमी का साइज जहां 439 अरब डॉलर है वहीं पाकिस्तान की इकॉनमी 338 अरब डॉलर है। जीडीपी के हिसाब से महाराष्ट्र के बाद तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और गुजरात का नंबर है। वहीं पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम की जीडीपी सबसे कम 0.3 लाख करोड़ रुपये है। देश में सबसे ज्यादा फैक्ट्रीज दक्षिणी राज्य तमिलनाडु में हैं। इस राज्य में 38,837 फैक्ट्रीज हैं। इसके बाद गुजरात (28,479) और महाराष्ट्र (25,610) का नंबर है। सबसे कम फैक्ट्रियां मणिपुर (204), नगालैंड (190) और मेघालय (158) में हैं। इस लिस्ट में सबसे नीचे मौजूद पांच राज्यों में कुल जितनी फैक्ट्रियां हैं, उनसे 51 गुना ज्यादा कारखाने तमिलनाडु में है। देश में कोयले का सबसे बड़ा भंडार है लेकिन बिजली की उपलब्धता के मामले में यह सबसे नीचे स्थित पांच राज्यों में शामिल है।

पूर्वी और पूर्वोत्तर राज्यों में प्रति व्यक्ति बिजली की उपलब्धता 1,221 किलोवाट से कम है। गोवा में 3,197 यूनिट के साथ टॉप पर है। पंजाब (2,497) और हरियाणा (2,404) दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं। वहीं त्रिपुरा (422 यूनिट), मणिपुर (375) और बिहार (373) सबसे नीचे हैं। साक्षरता के मामले में केरल 96.2% नंबर वन बना हुआ है लेकिन हिमाचल और उत्तराखंड भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। लेकिन आंध्र प्रदेश की स्थिति बिहार और राजस्थान से भी बदतर है। दिल्ली और उत्तराखंड में साक्षरता दर 88.7% है। बिहार में यह 70.9%, राजस्थान में 69.7% और आंध्र प्रदेश में 66.4% है।

शिशु मृत्यु दर के मामले में मध्य प्रदेश की स्थिति अफगानिस्तान से भी बदतर है। मध्य प्रदेश में प्रति 1000 बच्चों में यह 43 है जबकि अफगानिस्तान के मामले में यह 45 है। दूसरी ओर मिजोरम, नगालैंड, गोवा, सिक्किम, मणिपुर और केरल में यह 6 या उससे भी कम है। इन राज्यों की स्थिति जर्मनी, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे विकसित देशों की तरह है।

कश्मीर से अरुणाचल तक बढ़ती चुनौतियों के बीच रक्षा बजट में क्या मिला?

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 6,21,940.85 करोड़ रुपये के रक्षा बजट को लेकर प्रसन्नता व्यक्त की है। इसमें पूंजीगत व्यय के लिए 1.72 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान है, लेकिन रक्षा विशेषज्ञ इसे नाकाफी बता रहे हैं। रक्षा मंत्रालय से हाल में रिटायर हुए पूर्व अधिकारी का कहना है कि पिछले साल की तुलना में यह केवल 4.8 प्रतिशत बढ़ा है। पिछले साल से मंहगाई की दर जोड़ लें तो रक्षा बजट खास नहीं बढ़ा है, जबकि कश्मीर से लेकर अरुणाचल तक चुनौतियां काफी बढ़ गई हैं। वायुसेना के पूर्व एयर वाइस मार्शल एनबी सिंह कहते हैं कि रक्षा क्षेत्र में चुनौतियां काफी बढ़ रही हैं। यूक्रेन-रूस के बीच में चल रही जंग ने साबित कर दिया है कि अब पुराने तरीके बदल रहे हैं। ड्रोन से हो रहे हमलों ने टैंक से होने वाले युद्ध की रणनीति को बदल कर रख दिया है। ऐसे में सैन्य बलों के आधुनिकीकरण से कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

जम्मू संभाग में बढ़ रहा है खतरा

पिछले एक महीने में जम्मू-कश्मीर के जम्मू संभाग में आतंकियों ने हमले किए हैं। एक दिन पहले ही आतंकियों ने सेना के शिविर को निशाना बनाने की कोशिश की थी। अब तक हुए आतंकी हमले में करीब 12 जवान शहीद हो चुके हैं। जम्मू का आतंकी हमला नए संकेत दे रहा है और ऐसा लग रहा है कि सीमापार के दहशतगर्द पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के ईशारे पर घाटी के साथ-साथ इस मोर्चे पर आतंकवाद का दबाव बढ़ा रहे हैं। पिछले सप्ताह सुरक्षा मामलों की कैबिनेट बैठक में इस क्षेत्र से न केवल आतंकियों का सफाया मुख्य मुद्दा था, बल्कि जम्मू संभाग को सुरक्षित रखने के उपायों पर भी चर्चा हुई थी।

दूसरे दूसरे हिस्से में भी बढ़ रही है चुनौतियां

2020 में चीन के सैनिकों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा की अवधारणा बदलने की कोशिश की थी। पड़ोसी देश के सैनिकों की इस कोशिश को नाकाम करने के लिए भारत ने लद्दाख क्षेत्र में 50 हजार अधिक सैनिकों, अग्रिम पंक्ति के जवानों, टैंक आदि को तैनात कर रखा है।

आर्थिक विकास में भागीदार होंगी महिलाएं

नारी अदालत, महिला पुलिस स्वयंसेवक-हेल्पलाइन के लिए आवंटन बढ़ा

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। आर्थिक विकास में महिलाओं की भूमिका सुनिश्चित करने के लिए नरेंद्र मोदी सरकार ने 3.10 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। बजट में महिलाओं के संपत्ति खरीदने पर स्टाम्प शुल्क में भी छूट का प्रस्ताव है। महिला और बाल विकास मद में कुल 26,092.19 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास, बच्चों में पोषण को बढ़ावा देने के लिए सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण मद में 21,200 करोड़ का प्रावधान किया गया है। जबकि पिछली बार इस मद में 21,523.13 करोड़ का प्रावधान था। इसके साथ ही राष्ट्रीय बाल आयोग के लिए अलग से धन का आवंटन किया गया है। महिला सशक्तीकरण के मद में सरकार ने 629 करोड़ का प्रावधान किया है। इसमें सबला योजना के तहत बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, वन स्टॉप सेंटर, नारी अदालत, महिला पुलिस स्वयंसेवक और महिला हेल्प लाइन शामिल है। सामर्थ्य योजना के तहत जिसमें, शक्ति सदन, उज्ज्वला, विधवा गृह, सखी निवास (महिला छात्रावास) क्रेच और प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना के लिए 3145.97 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जबकि पिछली बार यह धनराशि 2325.85 करोड़ थी। महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा और कल्याण के लिए 1226.29 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी

देश के कार्यबल में महिलाएं बढ़चढ़ कर शामिल हो रही हैं। इस वर्ष मई तक करीब 2.40 लाख महिलाएं विभिन्न सेक्टरों में कार्यबल के रूप में शामिल हुईं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य- कर्क	मे	कर्क-	05-23 बजे
चंद्र- कुंभ	मे	सिंह-	07-36 बजे
मंगल वृष	मे	कन्या-	09-42 बजे
बुध- सिंह	मे	तुला-	11-48 बजे
गुरु- वृष	मे	वृश्चिक-	13-57 बजे
शुक्र- कर्क	मे	धनु-	16-11 बजे
शनि- कुंभ.	मे	मकर-	18-17 बजे
राहु- मीन	मे	कुंभ-	20-08 बजे
केतु- कन्या	मे	मीन-	21-46 बजे
		मेष---	23-22 बजे
		वृष--	01-07 बजे
		मिथुन-	03-07 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 05-57
सूर्यास्त. -18-48
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- पंचमी 01-58 तक उपरान्त षष्ठी
मास - श्रावण कृष्ण , गुरुवार 25 July
नक्षत्र - पूर्वभाद्रपद 16-16 तक उपरान्त उ.भाद्रपद
योग - शोभन 07-48 तक उप अतिगण्ड
करण- कौलव 15-17 तक उप तैतिल
विशेष:- व्रत -त्योहार - नागपंचमी

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:59 से 15:37 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05:57 - 07:32	शुभ	अमृत	18:48 - 20:14	शुभ
रोग	07:32 - 09:09	अशुभ	चंचल	20:14 - 21:37	शुभ
उत्पात	09:09 - 10:46	अशुभ	रोग	21:37 - 22:59	अशुभ
चंचल.	10:46 - 12:23	शुभ	काल	22:59 - 00:23	अशुभ
लाभ	12:23 - 13:59	शुभ	लाभ	00:23 - 01:46	शुभ
अमृत.	13:59 - 15:37	शुभ	उत्पात	01:46 - 03:09	अशुभ
काल	15:37 - 17:14	अशुभ	शुभ.	03:09 - 04:32	शुभ
शुभ	17:14 - 18:48	शुभ	अमृत	04:32 - 05:57	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आपकी सोच आज अद्भुत रूप से साफ़ और स्पष्ट है और आज आप अपने कार्यों के आने वाले समय में लाभ का बिलकुल ठीक अंदाजा लगा पायेंगे इसीलिए आज का दिन आपके रास्ते में आने वाले अवसरों और निवेश का मुलांकन करके किसी सही निर्णय पर पहुंचने के लिए बिलकुल ठीक है

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज अपना और आपनी सेहत का ध्यान रखना ना भूलें आज स्वास्थ्य सम्बन्धी किसी समस्या की आशंका बन सकती है बहुत ठंडा भोजन खाने से बचें अगर पहले से ही कोई स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे है तो और अधिक ध्यान रखें वित्तीय दृष्टि से ना फायदा ना नुकसान वाली स्थिति रहेगी हालाँकि आज कोई बड़ा निवेश ना करना ही ठीक रहेगा

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आप आज अपने परिवहन के साधन से परेशान हो सकते हैं अगर कहीं किसी महत्वपूरण काम के लिए जाना है तो अपने लिए वैकल्पिक परिवहन की व्यवस्था कर लें और कोई बैकअप योजना तैयार रखें आज आप किसी भीतरी उलझन से परेशान हैं,लेकिन शांति बनाये रखें,यह समय जल्दी ही बीत जायेगा परिवार के साथ समय बिताएं

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
लम्बे समय के बाद आज आपको रहत महसूस होगी किसी महत्वपूर्ण खबर से ख़ुशी मिलेगी यदि माता-पिता हैं तो बेटे/बेटी के लिए सुयोग्य वर मिल सकता है किसी लंबित अदालती मामले का फैसला आपके पक्ष में हो सकता है करियर के मामले में छोटे से प्रयास से बड़ी सफलता मिलनी तय है आज से जिन्दगी वापस पटरी पर आती दिख रही है ,प्रियजनों के साथ खुश रहें

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
यह सोचने और जानने के लिए कि आप अपने जीवन से क्या चाहते हैं,कुछ देर एकांत में बैठें पिछले कई दिन काफी व्यस्त रहे हैं इसीलिए आपको अपने उद्देश्यों का फिर से मूल्यांकन करना है और यह भी देखना है की आपके काम किस प्रकार आपके जीवन और संबंधों को प्रभावित कर रहे हैं

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आपकी प्रवृतियाँ आज काफी सक्रिय रहेंगी और आपको उनकी सुनकर ही आज आगे बढ़ाना चाहिए यहां तक की अगर आपके आसपास हर किसी की राय अलग है तो भी आप उनकी ना सुनकर अपने ही मन की सुनें आपके लिए शायद अभी यह कर पाना काफी मुश्किल होगा लेकिन आपको इसका लाभ मिलेगा आपको अपनी आँखें और कान खुले रखकर अपने रास्ते में आने वाले अवसरों को पकड़ना है

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आप जो भी करेंगे ,उसमे एक नयी उर्जा और नया लक्ष्य दिखाई देगा आपकी बातचीत का स्तर अविश्वसनीय रूप से बेहतर हो गया है और आप ऐसे किसी व्यक्ति से भी मिल सकते हैं जो आपकी जिंदगी को वित्तीय या आध्यात्मिक रूप से काफी प्रभावित करेगा आप खुद को ज्यादा अच्छे से समझ पायेंगे और इससे आपको जीवन की दिशा तय करने में मदद मिलेगी

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपको थोडा सा अधिक लचीला रुख अपनाना चाहिए ,लेकिन आज आप ना तो कोई अच्छी सलाह और ना ही अपने मन की आवाज सुनना चाहते हैं आपका यह अड़ियल रवैया आपके लिये घर और कार्यस्थल दोनों ही जगह पर आपके लिए नुक्सान का कारण बनेगा इसका एक ही समाधान है कि आप अपना दिमाग खुला रखें और दूसरों की भी बातें सुनें

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज का दिन बदलाव के नाम रहेगा आपकी मुलाकात ऐसी किसी आदमी से हो सकती है जो आपके जीवन में महत्वपूर्ण बदलावों का या तो खुद कारण बनेगा या बदलाव लाने वाले लोगों से मुलाकात का माध्यम बनेगा हालाँकि,सभी बदलाव आपके लिए अच्छे नही रहेंगे इससे पहले कि आप बदलाव को स्वीकार कर आगे बढ़े।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप आज आत्मविश्वास से भरे हैं और यह बात आपकी भाव –भंगिमा और नजरिये से साफ़ झलक रही है आज हर कहीं आप लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहेंगे और अपनी छाप छोड़ेंगे महत्वपूर्ण बिज़नेस बैठकों में आपके मुताबिक़ निर्णय होंगे अगर स्थितियां आपके पक्ष में नही भी दिख रही तब भी आप उन्हें अपने पक्ष में कर लेंगे और अपनी बात मनवाने में कामयाब रहेंगे

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपके किसी करीबी के जीवन में कुछ समस्याएँ चल रही हैं और आज आपको उनकी बात सहानुभूति से सुननी पड़ेंगी ऐसा हो सकता है की आप इस आदमी की बातों से निराश और बेचैन सा अनुभव करें ,लेकिन आपको बिना किसी आलोचना के इस आदमी की सहायता करनी चाहिए इससे आपके जीवन की बहुत महत्वपूर्ण दोस्ती या साझेदारी भी प्रभावित होगी

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
अगर आप अपना समय और ऊर्जा गरीब और कम सुविधा प्राप्त बच्चों को शिक्षा देने में लगायेंगे तो आपको बहुत ख़ुशी मिलेगी अपना कुछ सामन किसी जरूरतमंद को दे दें आपकी वित्तीय स्थिति अच्छी है ,आप पैसे से भी किसी की मदद कर सकते हैं आप नए लोगों से जल्दी ही परिचय भी कर लेते हैं और सबकी जरूरतों का ध्यान रखने के कारण आपकी लोकप्रियता भी है

पं।महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

डिफेंस बजट : लगातार तीसरे साल हथियार खरीद की रकम में कटौती

> 67% सैलरी-पेंशन पर खर्च > 14 हजार शब्दों के भाषण में अग्निवीर का जिक्र नहीं

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। डिफेंस बजट 6 महीने पहले पेश हुए अंतरिम बजट का बहुत हद तक कॉपी है। सेना को खर्च के लिए 6,21,940 करोड़ रुपए मिले हैं, जो अंतरिम बजट से महज 400 करोड़ रुपए यानी, 0.064% ज्यादा है। इसमें हथियारों की खरीद और सैलरी-पेंशन को मिलने वाला बजट जस का तस है। 400 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी रक्षा मंत्रालय के हिस्से गई है।

लगातार तीसरे साल कैपिटल बजट यानी, हथियारों की खरीद और सेना के मॉडर्नाइजेशन पर होने वाले खर्च में कटौती की गई है। पिछले साल कैपिटल बजट के लिए जो अमाउंट मिला था, उसमें से भी करीब 5 हजार करोड़ रुपए सरकार खर्च नहीं कर पाई। डिफेंस बजट का 67.7% हिस्सा रेवेन्यू और पेंशन बजट को मिला है, जिसका ज्यादातर हिस्सा सैलरी-पेंशन बांटने में खर्च होता है। पिछले साल के अनुमानित बजट से 27 हजार करोड़ रुपए ज्यादा खर्च सैलरी-पेंशन बांटने में किया गया है। इस बार डिफेंस को कुल बजट का 12.9% हिस्सा मिला है। पिछले साल यह हिस्सा करीब 13% था। 14,717 शब्दों के भाषण में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2 बार डिफेंस का जिक्र किया, लेकिन अग्निवीर का नाम नहीं लिया।

> डिफेंस बजट के 4 पार्ट होते हैं :

1. रेवेन्यू बजट : सैलरी बांटने के लिए बजट का 45%

रेवेन्यू बजट का सबसे बड़ा हिस्सा तीनों सेनाओं में सैलरी बांटने में खर्च होता है। इसमें अग्निवीरों की सैलरी भी शामिल है। इसके अलावा एक्स सर्विसमैन की हेल्थ स्कीम्स, मेंटेनेंस और रिपेयरिंग का खर्च भी रेवेन्यू बजट में शामिल होता है।

इस साल रेवेन्यू बजट 2.82 लाख करोड़ रुपए है, जो कुल डिफेंस बजट का 45% है। पिछले साल के मुकाबले 12652 करोड़ रुपए यानी, महज 4.6% का इजाफा हुआ है। 2023 में रेवेन्यू बजट 2.7 लाख करोड़ था और खर्च 2.98 लाख करोड़ रुपए हुआ। यानी, बजट से करीब 28 हजार करोड़ रुपए ज्यादा। 2023 में 2022 के मुकाबले रेवेन्यू बजट में 38 हजार करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई थी।

2. कैपिटल बजट : हथियार खरीदने के लिए 27.6% बजट

कैपिटल बजट सेना का सबसे अहम पार्ट होता है। इसका ज्यादातर हिस्सा तीनों सेनाओं के मॉडर्नाइजेशन, फाइटर प्लेन, हथियारों की खरीद और सेना को मजबूत बनाने में खर्च होता है।

वित्त मंत्री ने कैपिटल बजट में 1.72 लाख करोड़ रुपए अलॉट किए हैं, जो कुल बजट का 27.6% है। इस बार, पिछले साल के मुकाबले करीब 9400 करोड़ रुपए यानी 5.7% का इजाफा हुआ है। 2023 में सरकार ने कैपिटल बजट में 6.5% की बढ़ोतरी की थी। जबकि, 2022 में कैपिटल बजट में 12% का इजाफा हुआ था। यानी, लगातार तीसरे साल कैपिटल बजट में कटौती की गई है।

3. पेंशन बजट : सिर्फ 3 हजार करोड़ का इजाफा

पेंशन बजट में तीनों सेनाओं के रिटायर्ड सैनिकों की पेंशन और रिटायरमेंट बेनिफिट्स शामिल होता है।

पेंशन के लिए 1.41 लाख करोड़ रुपए मिले हैं, जो कुल डिफेंस बजट का 22.7% है। पिछले साल यह आंकड़ा 1.38 लाख करोड़ रुपए था। यानी, पेंशन बजट में सिर्फ 3 हजार करोड़ रुपए का इजाफा हुआ है। देश में तीनों सेनाओं को मिलाकर रिटायर्ड सैनिकों की संख्या करीब 26 लाख है।

4. रक्षा मंत्रालय (सिविल) बजट : 2951 हजार करोड़ रुपए का इजाफा

सरहदी इलाकों में सड़क बनाना, कोस्ट गार्ड, जम्मू कश्मीर लाइट इन्फैंट्री, सेना की कैंटीन और हाउसिंग एक्सपेंडिचर जैसे खर्च इसमें शामिल होते हैं। यह डिफेंस बजट का सबसे छोटा पार्ट होता है। इस साल रक्षा मंत्रालय को 25563 करोड़ रुपए मिले हैं, जो पिछले साल के मुकाबले 2951 करोड़ रुपए ज्यादा है।

बजट की बड़ी बात : 67.7% हिस्सा सैलरी-पेंशन बांटने पर खर्च

तीनों सेनाओं को सैलरी बांटने के लिए 2.82 लाख करोड़ रुपए मिले हैं, जो कुल बजट का 45% है। पेंशन के लिए 1.41 लाख करोड़ रुपए मिले हैं, जो कुल बजट का 22.7% है। सैलरी और पेंशन के हिस्से को जोड़ दिया जाए, तो कुल डिफेंस बजट का 67.7% है। पिछले साल भी सैलरी-पेंशन बांटने पर 70% खर्च हुआ था। तीनों सेनाओं में सैलरी-पेंशन बांटने के लिए सबसे ज्यादा आर्मी को बजट मिला है। हालांकि, इस बार के बजट में तीनों सेनाओं को हथियार खरीदने के लिए कितना दिया गया है, इसका जिक्र बजट डॉक्यूमेंट में नहीं है।

अग्निपथ स्कीम में सैलरी बांटने के लिए 40% ज्यादा बजट मिला

अग्निपथ स्कीम में इस साल आर्मी को सैलरी बांटने के लिए 5207 करोड़, नेवी को 352 करोड़ और एयरफोर्स को 42 करोड़ रुपए मिले हैं। यानी, कुल 5979 करोड़ रुपए। फरवरी में पेश हुए अंतरिम बजट में भी ये आंकड़ा जस का तस था। 2023 में अग्निपथ स्कीम में आर्मी को सैलरी बांटने के लिए 3800 करोड़, नेवी को 300 करोड़ और एयरफोर्स को 166 करोड़ रुपए मिले थे। यानी, कुल 4266 करोड़ रुपए। इस तरह पिछले एक साल में अग्रिपथ स्कीम में सैलरी बांटने के लिए 5979 करोड़-4266 करोड़ = 1713 करोड़ रुपए। यानी 2023 के मुकाबले 40% ज्यादा बजट मिला है।

यूपीए सरकार में 162% तो एनडीए सरकार में 184% बढ़ा डिफेंस बजट

मनमोहन सिंह ने 2004 में जब पहला बजट पेश किया, तब डिफेंस को 77 हजार करोड़ रुपए मिले थे। 2013 में मनमोहन सिंह ने आखिरी बजट पेश किया, तब डिफेंस बजट 2.03 लाख करोड़ रुपए था। यानी, 10 साल में 163% का इजाफा और एवरेज ग्रोथ रेट 16.3%। नरेंद्र मोदी ने 2014 में जब पहला बजट पेश किया, तब डिफेंस को 2.18 लाख करोड़ रुपए मिले थे। अब डिफेंस बजट 6.21 लाख करोड़ रुपए है। यानी, 11 साल में 184% की बढ़ोतरी और ग्रोथ रेट 16.72%। यानी, यूपीए के मुकाबले 0.4% ज्यादा।

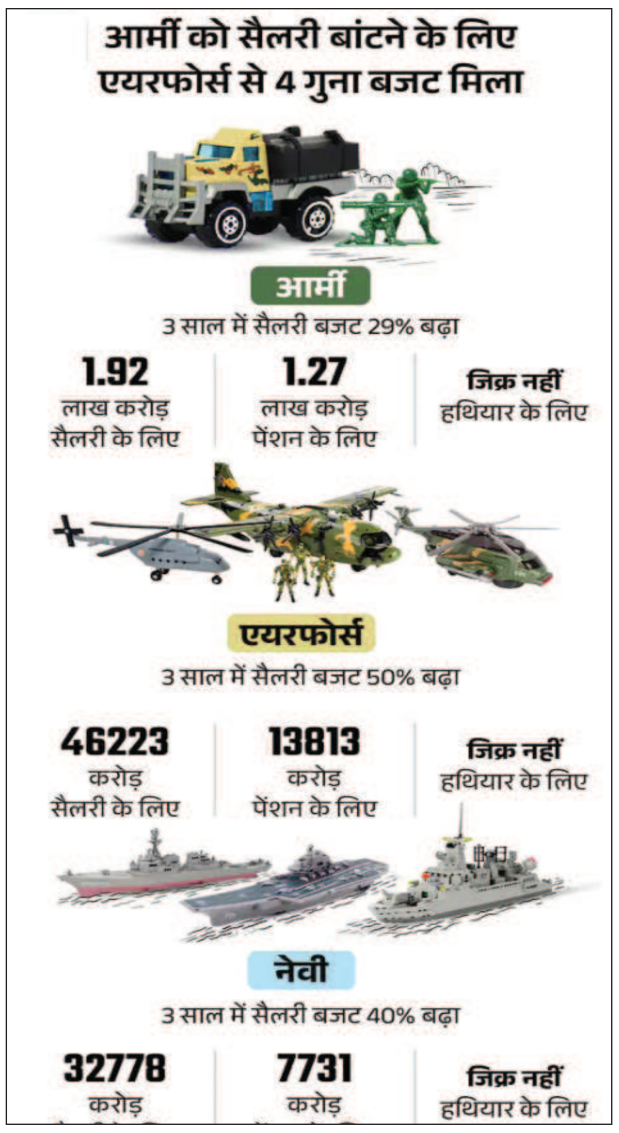

यूपीए के मुकाबले एनडीए सरकार में सेना की मजबूती पर 10% कम खर्च

यूपीए और एनडीए के आखिरी पांच-पांच साल के डिफेंस बजट की तुलना करने पर पता चलता है कि मनमोहन सरकार ने मोदी सरकार के मुकाबले सेना की मजबूती पर ज्यादा फोकस किया। 2010 से 2014 के बीच कुल डिफेंस बजट का औसतन 49.6% सैलरी और पेंशन के लिए अलॉट किया गया था। जबकि हथियारों की खरीद और सेना के मॉडर्नाइजेशन के लिए औसतन 34.4% बजट मिला।

वहीं, मोदी के कार्यकाल में 2018 से 2023 के बीच सैलरी-पेंशन के लिए औसतन 60.2% और सेना के मॉडर्नाइजेशन और हथियारों की खरीद के लिए औसतन 24% बजट मिला। 1999 में पाकिस्तान के साथ कारगिल की जंग के बाद 2000-2001 में अटल बिहार वाजपेयी की सरकार ने डिफेंस को कुल बजट का 16.73% हिस्सा दिया था, जो पिछले 20 साल में सबसे ज्यादा है। वहीं, 2019 में पुलवामा हमला और बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद भी मोदी सरकार ने डिफेंस बजट के लिए कुल बजट का महज 10.96% ही अलॉट किया, जो पिछले दो दशकों में सबसे कम है।

पाकिस्तान के कुल डिफेंस बजट से दोगुना भारत पेंशन बांटने पर खर्च कर देता है

दुनियाभर में डिफेंस पर खर्च करने वाले टॉप-10 देशों में अमेरिका पहले नंबर पर है। भारत चीन और रूस के बाद चौथे नंबर पर है। अमेरिका डिफेंस पर 76.5 लाख करोड़ रुपए खर्च करता है, जो भारत के मुकाबले 12 गुना से ज्यादा है। दुनिया के टॉप-10 देशों के डिफेंस बजट को मिला दें, तो भी अमेरिका का सेना पर खर्च ज्यादा है। हमारा पड़ोसी देश पाकिस्तान डिफेंस पर खर्च करने के मामले में 30वें पायदान पर है। वह डिफेंस पर 71 हजार करोड़ रुपए खर्च करता है, जो भारत के डिफेंस बजट के मुकाबले करीब 10 गुना कम है। पाकिस्तान के कुल डिफेंस बजट से दोगुना भारत पेंशन बांटने पर खर्च कर देता है।

एनआईए ने मारा रेड : मैकलुस्कीगंज और चंदवा पहुंची जांच एजेंसी

टेरर फंडिंग को लेकर छापेमारी की संभावना

रांची, 24 जुलाई (एजेंसियां)। एनआईए ने आज झारखंड दो शहरों में अहले सुबह दस्तक दी है। राज्य के मैकलुस्कीगंज और चंदवा पहुंची जांच एजेंसी सुबह पांच बजे से छापेमारी कर रही है। यह छापेमारी टेरर फंडिंग को लेकर किए जाने की बात सामने आ रही है। बीते पांच घंटे से छापेमारी जारी है। जानकारी के मुताबिक एनआईए सुबह पांच बजे ही इन जगहों पर पहुंची। एनआईए की कई टीम अलग अलग वाहनों से पहुंची है।

ठेकेदार जितेंद्र पांडेय और रोहित यादव के घर धमक

प्रारंभिक सूचना के मुताबिक एनआईए की टीम ने रांची जिला के मैकलुस्कीगंज के ठेकेदार जितेंद्र पांडेय और रोहित यादव के घर सहित दो-तीन जगहों पर छापेमारी कर रही है। वहीं इससे सटे चंदवा थाना के निंद्रा में रोहित यादव के ईंट भट्ठे पर अहले सुबह से छापेमारी जारी है। छापेमारी में मौके पर पुलिसकर्मियों के साथ महिला पुलिस बल भी है। छापामारी के दौरान किसी को भी वहां रुकने नहीं दिया जा रहा है। संभावना जताई जा रही है कि मामला उग्रवादियों व टेरर फंडिंग से जुड़ा हो सकता है। रोहित यादव पूर्व में उग्रवादी टेरर फंडिंग में जेल जा चुका है।

कांकेर में 3 महिला नक्सलियों ने किया सरेंडर

> गढ़चिरौली डिवीजन में डिप्टी कमांडर थी मोती; तीनों पर कुल 7 लाख का इनाम था

कांकेर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में 3 महिला नक्सलियों ने सरेंडर किया है। सरेंडर नक्सलियों पर कुल 7 लाख रुपए का इनाम घोषित था। 1 नक्सली पर 5 लाख और दो नक्सलियों पर 1-1 लाख का इनाम घोषित था। कांकेर पुलिस और सीमा सुरक्षा बल के चलाए जा रहे नक्सली उन्मूलन अभियान और छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर महिला नक्सलियों ने सरेंडर किया है। पुनर्वास नीति के तहत सरेंडर नक्सलियों को 25-25 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी गई।

मोती पोयाम पर 5 लाख का इनाम था

मोती पोयाम (25) गढ़चिरौली डिवीजन के भामरागढ़ एरिया कमेटी के गट्टा एलओएस में एरिया कमेटी सदस्य (डिप्टी कमांडर) थी। मोती बीजापुर जिले की रहने वाली है, जिसपर 5 लाख का इनाम था। लखमी पद्दा (20) मेढ़की एलओएस की सदस्य थी। लखमी नारायणपुर जिले के रहने वाली है, जिसपर 1 लाख रुपए का इनाम था।

टेलर टीम की सदस्य थी संचिला मंडावी

संचिला मंडावी (21) गढ़चिरौली डिवीजन में टेलर टीम की सदस्य थी। संचिला बीजापुर जिले की रहने वाली है, जिसपर 1 लाख रुपए का इनाम घोषित था।

इन वारदातों में शामिल थे नक्सली

नक्सली मोती पोयाम उर्फ यमला को साल 2015 में मटवाड़ा एलओएस के कमांडर रमेश हेमला ने माओवादी संगठन में शामिल कराया था। मोती पोयाम ने 15 दिन का शुरुआती प्रशिक्षण प्राप्त किया। साल 2016-17 और 2018 में एमएएस (मोबाइल अकादमी स्कूल) और मोमिस (मोबाइल मिलिट्री स्कूल) से प्रशिक्षण लेकर 2015 से 2023 तक भामरागढ़ एलओएस में सदस्य के रूप में काम किया।अगस्त 2023 में भामरागढ़ एरिया कमेटी में सदस्य के रूप में पदोन्नति हुई, जिसे नक्सलियों ने डिप्टी कमांडर के पद की जिम्मेदारी दी।

इन घटनाओं में शामिल रही

जून 2016 में मोती पोयाम अल्दंडी (महाराष्ट्र) में सुरक्षा बल के साथ एक एनकाउंटर में शामिल थी, जिसमें 2 नक्सली घायल हुए थे। मई 2017 में दरभा (भामरागढ़ एरिया) फायरिंग घटना में शामिल रही। साथ ही मई 2017 में ही करकावाड़ा में हुए फायरिंग में शामिल रही। इसके अलावा नक्सली संचिला मंडावी साल 2020 में संगठन में शामिल हुई, जो अगस्त 2020 से मार्च 2021 तक कंपनी नंबर -02 के सदस्य के रूप में शामिल रही। इसके बाद मार्च-अप्रैल 2021 में इंद्रावती नेशनल पार्क एरिया में ट्रांसफर हुई। जिसे अक्टूबर 2021 में काकुर जंगल एरिया (बालखेरा) में टेलर टीम सदस्य के तौर पर ट्रांसफर किया गया। आत्मसमर्पण के समय तक टेलर टीम के साथ ही रही थी। साल 2022 में काकुर जंगल एरिया में नक्सलियों के कैंपिंग लोकेशन की जगह से लगभग 1 किमी की दूरी पर हुए सुरक्षाबलों के मुठभेड़ में शामिल रही थी।

करैत सांप के काटने से 2 सगी बहनों की मौत

जांजगीर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा जिले में जहरीले करैत सांप के काटने से 2 सगी बहनों की मौत हो गई। दोनों बहनें ग्राम भैसों की आश्रित गांव डूमरपाली में घर की जमीन पर सो रहे थे। घटना पामगढ़ थाना क्षेत्र की है। आज आपको बताएंगे कि बारिश के मौसम में घर में कहीं सांप दिखे, तब क्या करना चाहिए। अगर गलती से सांप ने काट लिया तो तुरंत हमें क्या उपाय करना चाहिए। जानकारी के अनुसार, डूमरपाली निवासी अनन्य जांगडे (16) और दीप्ति जांगडे (19) दोनों बहन मंगलवार रात 8 बजे खाना खाने के बाद घर में जमीन पर बिस्तर लगाकर सो गई। इस बीच करैत सांप ने दोनों को डस लिया। रात करीब 11 बजे दोनों को उल्टी होने लगी, तब परिजनों को सांप के काटने की जानकारी दी।

इलाज से पहले ही दोनों की मौत

आनन-फानन में रात में इलाज के लिए पामगढ़ सीएचसी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने जांच के बाद छोटी बहन अनन्य जांगडे को मृत घोषित किया। वहीं, बड़ी बहन दीप्ति जांगडे को बिलासपुर रेफर किया गया। लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में उसने दम तोड़ दिया।

आज हुआ दोनों का पोस्टमॉर्टम

इस घटना की सूचना पामगढ़ पुलिस को दी गई। जिसके बाद पुलिस की टीम अस्पताल पहुंची। दोनों लड़कियों के शव का बुधवार को पोस्टमॉर्टम कराया गया। उसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

छत्तीसगढ़ में स्कूल की प्रिंसिपल ने ठगे 6 लाख

भिलाई, 24 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के भिलाई में एक निजी स्कूल की प्राचार्य ने अपने ही मोहल्ले की 3 महिलाओं को ठग लिया।

उसने उनके बच्चों की नौकरी रायपुर कोर्ट में लगाने का झांसा दिया। उनसे 6 लाख 20 रुपए ठगे। पुलिस ने ठगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पूरा मामला खुर्सीपार थाना का है।

छत्तीसगढ़ के 10 जिलों में हैवी रेन का अलर्ट

किरंदुल में मिट्टी बांध टूटने से तबाही; दुर्ग में 12 लोगों का रेस्क्यू,बालोद में बच्चा बहा

रायपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश हो रही है। किरंदुल में बारिश से एनएमडीसी का मिट्टी का बांध टूट गया। जिससे पहाड़ों से लाखों लीटर लाल पानी उतर कर शहर में घुस गया है। बाढ़ के पानी ने जमकर तबाही मचाई। करीब 100 से ज्यादा मकान-दुकान ढह गए। दुर्ग जिले में बाढ़ में फंसे 4 बच्चों समेत 12 लोगों का एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू कर लिया है। चंगोरी गांव में ईंट भट्ठे में काम करने वाला यह परिवार सोमवार से फंसा हुआ था। वहीं, बालोद जिले में मंगलवार को आंगनबाड़ी गया 3 साल का मासूम नाले में बह गया। उसकी लाश आज मिली है। आज मौसम विभाग ने 3 जिलों में ऑरेंज और 7 जिलों में हैवी रेन का यलो अलर्ट जारी किया है। अगले दो दिन तक प्रदेश के ज्यादातर स्थानों पर बारिश का दौर जारी रहेगा।पिछले 24 घंटे के दौरान बालोद में सबसे ज्यादा 160 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई।

कांग्रेस नेता की अर्धनग्न हालत में मिली लाश

सिर और गले पर धारदार हथियार से किए गए वार सड़क किनारे खड़ी मिली बाइक

सारंगढ़, 24 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सारंगढ़ जिले में सड़क किनारे कांग्रेस नेता की खून से लथपथ अर्धनग्न हालत में लाश मिली है। उनके सिर और गले पर धारदार हथियार से वार के निशान मिले हैं। हरिनाथ पटेल ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के कार्यकारिणी सदस्य थे। आसपास के गांव में सक्रिय थे। घटना बरमकेला थाना क्षेत्र की है। सरिया के कमरीद गांव निवासी हरिराम पटेल किसी काम से बरमकेला गए थे। मंगलवार शाम को बाइक से घर के लिए रवाना हुए थे। बुधवार सुबह सिंगारपुर गांव के पास उनकी लाश मिली। कुछ दूरी पर उनकी बाइक भी खड़ी मिली है। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है। इस मामले में सारंगढ़ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश चंदेल ने बताया कि, शुरुआती जांच में मामला ब्लाइंड मर्डर का लग रहा है। पुलिस, डॉग स्क्वायड और फॉरेंसिंग टीम घटना की जांच कर रही है।

दक्षिण अफ्रीका के कैमरून से लौटे झारखंड के मजदूर

27 मजदूरों की हुई वतन वापसी, मुख्यमंत्री खुद कर रहे थे मॉनिटरिंग

गिरिडीह, 24 जुलाई (एजेंसियां)। रोजगार की तलाश में दक्षिण अफ्रिका के कैमरून में फंसे झारखंड के 27 मजदूरों की वापसी हो गई। इसमें गिरिडीह के 4, हजारीबाग के 5 और बोकारो जिला के 18 मजदूर शामिल हैं। सभी 27 मजदूर बॉम्बे मेल ट्रेन से आज अहले सुबह गिरिडीह के पारसनाथ स्टेशन पहुंचे। जहां श्रम सचिव और डीसी ने सभी मजदूरों को फूल माला पहनाकर सकुशल वतन वापसी होने पर स्वागत किया।

मुख्यमंत्री खुद कर रहे थे मॉनिटरिंग

मौके पर श्रम सचिव मुकेश कुमार ने बताया कि जैसे ही मजदूरों का वीडियो श्रम विभाग को मिला तो तुरंत एक्शन लिया गया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद इस पूरे मामले की मॉनिटरिंग करते रहे। वहीं विदेश मंत्रालय, जिन कंपनियों द्वारा श्रमिकों मजदूरों को काम पर रखा गया था, एलएंडटी और विनायका कंस्ट्रक्शन उनके प्रतिनिधियों से भी लगातार बात की गई। सरकार और विभाग के स्तर से लगातार संपर्क किया गया। जिसका परिणाम है कि सभी मजदूरों की सकुशल वापसी हुई है। उन्होंने कहा कि दूसरे देश से वापसी के मामले में बहुत लंबा वक्त लग जाता है लेकिन राज्य सरकार की दृढ़ इच्छा ही रही कि विदेश से ये लोग सकुशल वापस आ सके। बता दें कि सभी कैमरून में फंसे मजदूरों की सकुशल वापसी होने पर श्रम नियोजन मंत्री सत्यानंद भोक्ता, शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम, महिला बाल विकास व सामाजिक सुरक्षा मंत्री बेबी देवी, गिरिडीह सदर विधायक सुदिव्य कुमार सोनू और गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन आदि सभी मजदूरों से मिलेंगे और उनके बीच चेक का वितरण करेंगे। मजदूरों ने बताया कि सभी 27 मजदूर 29 मार्च को कैमरून पहुंचे थे। एलएनटी कंपनी की ओर से उनके आने के लिए टिकट और वीजा दिया गया। यहां आने के बाद पता चला कि हमे ठेकेदार के अंदर लाया गया है। इसके बाद भी हमलोग काम कर रहे हैं। जहां काम कर रहे हैं वहां न ठेकेदार आ रहा है और न ही कंपनी।

छत्तीसगढ़ में सेक्सटॉर्शन से वसूल रहे पैसे, कर रहे डिजिटल अरेस्ट

रायपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। शेयर बाजार में पैसा डबल कराने के नाम पर साइबर ठगों ने रायपुर के पंडरी निवासी डॉक्टर और दो अन्य लोगों से 3 करोड़ रुपए से ज्यादा ठग लिए। ठगों ने वॉट्सऐप चैनल के जरिए संपर्क किया था। पुरानी बस्ती निवासी युवक को अनजान नंबर से वीडियो कॉल आया। रिसीव किया तो एक लड़की नग्न हालत में बात करने लगी। लड़की ने कॉल रिकॉर्ड की और पैसे मांगे। नहीं देने पर वीडियो सोशल मीडिया और युवक से जुड़े लोगों में वायरल कर दिया। महज 2 केस नहीं हैं। इसके अलावा गिफ्ट भेजने और पोर्न साइट का डर दिखाकर साइबर फ्रॉड के मामले बढ़े हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 2022-23 में छत्तीसगढ़ में 18147 लोगों से 87 करोड़ 77 लाख रुपए की ठगी की गई है। यानी कि हर दिन करीब 50 लोग ठगी के शिकार हुए हैं।

फर्जी ऐप डाउनलोड करने से ज्यादा हुई ठगी ऑनलाइन पेमेंट और इंटरनेट का इस्तेमाल तो खूब कर रहे हैं, लेकिन ज्यादातर लोगों को इसका सही इस्तेमाल करना नहीं आता है। यही वजह है कि लालच में आकर लोग ऐसे फर्जी ऐप्स को डाउनलोड कर लेते हैं। इससे ठगी के शिकार हो जाते हैं। बहुत सारे लोग ऐसे भी हैं, जिन्हें यह जानकारी ही नहीं है कि उन्हें शिकायत कहां और किस तरह करनी है।

ठगी का शिकार होने पर कहां करें शिकायत...

साइबर क्राइम के मामले में शिकार होने पर सबसे पहले नजदीकी पुलिस स्टेशन या साइबर सेल से संपर्क करें। वहां अपनी शिकायत दर्ज कराएं। इसके अलावा भी अपनी शिकायत सरकार और पुलिस तक पहुंचा सकते हैं।

पासपोर्ट रैंकिंग : भारत 2 पायदान बढ़कर 82वें स्थान पर

सिंगापुर का पासपोर्ट दुनिया में सबसे ताकतवर; पाक के पास चौथा सबसे कमजोर पासपोर्ट

पहले जनवरी में हुए जारी इंडेक्स में भारत की रैंकिंग में 5 स्थान की गिरावट आई थी। साल 2023 में भारत 80वें स्थान पर था।

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। सिंगापुर का पासपोर्ट दुनिया में सबसे ताकतवर पासपोर्ट है। पासपोर्ट रैंकिंग जारी करने वाले ऑर्गेनाइजेशन हेनली एंड पार्टनर्स ने दुनिया के सबसे पावरफुल पासपोर्ट की रैंकिंग जारी कर दी है। इस लिस्ट में भारत को 82वां स्थान मिला है।

इस साल जनवरी में जारी हुए इंडेक्स के मुकाबले भारत की रैंकिंग में 3 पायदान का इजाफा हुआ है। भारत के पासपोर्ट पर 58 देशों में वीजा फ्री एंट्री है। इससे इस लिस्ट में पहला स्थान सिंगापुर के पासपोर्ट को मिला है, जिस पर 195 देशों में वीजा फ्री एंटी है। दूसरे स्थान पर जापान के साथ फ्रांस, इटली, जर्मनी और स्पेन है जहां के पासपोर्ट से 192 देशों में वीजा फ्री यात्रा की जा सकती है।191 देशों में फ्री वीजा एंट्री के साथ ऑस्ट्रिया, फिनलैंड, आयरलैंड, लक्समबर्ग, नीदरलैंड, साउथ कोरिया और स्वीडन तीसरे स्थान पर रहे। ये रैंकिंग इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के डाटा के आधार पर जारी की गई है।

सिर्फ 33 देशों में वीजा फ्री ट्रैवल कर सकते पाकिस्तानी

भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान के पास दुनिया का चौथा सबसे कमजोर पासपोर्ट है। पाकिस्तान की पासपोर्ट रैंकिंग 100 है। यहां के नागरिक 33 देशों में वीजा फ्री ट्रैवल कर सकते हैं। करीब 2 साल से जारी जंग के बावजूद यूक्रेन का पासपोर्ट न सिर्फ भारत, बल्कि रूस के पासपोर्ट से भी ज्यादा पावरफुल है। हेनली एंड पार्टनर्स की रैंकिंग में यूक्रेन के पासपोर्ट को 30वां स्थान मिला है। यहां के नागरिक 148 देशों में वीजा फ्री ट्रैवल कर सकते हैं। वहीं रूस के पासपोर्ट की रैंकिंग 45 है। 10 महीनों से हमास के साथ युद्ध लड़ रहे इजराइल की पासपोर्ट रैंकिंग 18 है। अफगानिस्तान का पासपोर्ट 103वीं रैंक के साथ दुनिया का सबसे कमजोर पासपोर्ट है। अफगानिस्तान के पासपोर्ट पर सिर्फ 26 देशों में वीजा फ्री यात्रा की जा सकती है।

कैसे तय होती है रैंकिंग

साल में दो बार यह रैंकिंग जारी की जाती है। पहली बार जनवरी और दूसरी बार जुलाई में इंडेक्स जारी किए जाते हैं। हेनली पासपोर्ट वीजा इंडेक्स की वेबसाइट के मुताबिक पूरे साल रियल टाइम डेटा अपडेट किया जाता है। वीजा पॉलिसी में बदलाव भी ध्यान में रखे जाते हैं। रैंकिंग इस आधार पर तय की जाती है कि किसी देश का पासपोर्ट होल्डर कितने दूसरे देशों में बिना पूर्व वीजा हासिल किए यात्रा कर सकता है। इसके लिए उसे पहले से वीजा लेने की जरूरत नहीं होगी। इसके अलावा कई देश वीजा फ्री ट्रैवल का ऑप्शन भी देते हैं। इसका मतलब यह है कि उस देश में कुछ खास देशों के लोग बिना वीजा के भी जा सकते हैं। हालांकि इसकी शर्तें तय रहती हैं।

इमरान के पॉलीग्राफ टेस्ट के लिए अदियाला जेल पहुंची फोरेंसिक टीम

लाहौर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री ने आदियाला जेल फॉरेंसिक को पॉलीग्राफ और वॉयस मैचिंग टेस्ट कराने से मना कर दिया। दरअसल इमरान खान पर पिछले साल हुई हिंसा के सिलसिले में मुकदमा चल रहा है। इस मामले की जांच लाहौर पुलिस द्वारा शुरू की गई है।

फॉरेंसिक टीम के 12 सदस्य इमरान खान के टेस्ट के लिए आदियाला जेल पहुंचे थे। पिछले साल हुई हिंसा के मामले की जांच के लिए फॉरेंसिक टीम जब आदियाला जेल पहुंची, तो इमरान खान ने टेस्ट कराने से इंकार कर दिया। 71 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को 190 मिलियन पाउंड के भ्रष्टाचार के मामले में राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) द्वारा गिरफ्तार किया गया था।

इसके बाद 9 मई 2023 को देशभर में दंगे भड़क गए थे। उन पर 200 से अधिक मामले दर्ज हैं और वे पिछले साल अगस्त से जेल में कैद हैं।

भारत को मिला बांग्लादेश के मोंगला बंदरगाह का टर्मिनल

चीन भी कर रहा था कोशिश; यह इस साल भारत की तीसरी बंदरगाह डील

ढाका, 24 जुलाई (एजेंसियां)। भारत ने हिंद महासागर में चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच एक बड़ी जीत हासिल की है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक भारत ने बांग्लादेश के साथ मोंगला बंदरगाह के टर्मिनल के ऑपरेशन की डील कर ली है। ये डील ऐसे समय में फाइनल हुई है जब पिछले ही महीने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत दौरे पर आई थीं।

भारत की इस डील को हिंद महासागर में चीन को काउंटर करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। चीन भी इस बंदरगाह पर अपनी नजर बनाए हुए था। मोंगला बंदरगाह, चिटगोंग बंदरगाह के बाद बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा बंदरगाह है। ये तीसरा विदेशी बंदरगाह होगा, जिसके ऑपरेशन की जिम्मेदारी भारत के पास होगी। इससे पहले भारत ने इस साल म्यांमार के साथ स्वात्ते बंदरगाह और ईरान के साथ चाबहार बंदरगाह की डील साइन की है। मोंगला बंदरगाह डील से जुड़ी जानकारियां अभी सामने आना बांकी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस टर्मिनल का संचालन इंडिया बंदरगाह ग्लोबल लिमिटेड (आईपीजीएल) के द्वारा किया जाएगा।

क्यों खास है मोंगला बंदरगाह डील

मोंगला बंदरगाह डील भारत के लिए कनेक्टिविटी के लिहाज से अहम है। इस बंदरगाह के जरिए भारत को उत्तर-पूर्व के राज्यों तक कनेक्टिविटी को बढ़ाने में मदद मिलेगी। इससे चिकन नेक या सिलिगुड़ी कॉरीडोर पर दबाव कम होगा। इसके अलावा चीन को काउंटर करने के लिए भी ये बंदरगाह बेहद अहम है। हिंद महासागर में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए चीन जिबूती में 652 करोड़ और पाकिस्तान के ग्वादर में 1.3 लाख करोड़ की मदद से बंदरगाह बना रहा है।

चीन के मुकाबले ग्लोबल कंटेनर ट्रैफिक में पीछे भारत

कंटेनर ट्रैफिक के मामले में टॉप 10 बंदरगाह में भारत का एक भी बंदरगाह शामिल नहीं हैं। जबकि टॉप 10 में चीन के 6 बंदरगाह शामिल हैं। दिल्ली स्थित थिंक टैंक सोसाइटी फॉर पॉलिसी के डायरेक्टर और नौसेना के पूर्व अधिकारी उदय भास्कर के मुताबिक मोंगला बंदरगाह का संचालन, हिंद महासागर में भारत की बंदरगाह संचालन की क्षमताओं को दिखाने का अच्छा मौका है।

वेस्ट बैंक में इजरायली हमले में 7 फिलिस्तीनियों की मौत

रामल्लाह, 24 जुलाई (एजेंसियां)। इजरायली सेना और पुलिस ने वेस्ट बैंक में दो अलग-अलग झड़पों में सात फिलिस्तीनियों को मार गिराया है। फिलिस्तीनी सूत्रों ने ये जानकारी दी है। फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने मंगलवार को सिन्हुआ समाचार एजेंसी को बताया कि उत्तरी वेस्ट बैंक में तुलकरम शिविर में इजरायली ड्रोन हमले में हमास और फतह आंदोलन से जुड़े फिलिस्तीनी आतंकवादियों सहित चार लोग मारे गए। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि इजरायली सेना ने शवों को जब्त कर लिया और फिलिस्तीनी चिकित्सकों को घायलों को अस्पताल ले जाने से रोका।

इस बीच, फिलिस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसाइटी के अनुसार, तुलकरम के एक अस्पताल में इजरायली गोलीबारी में मारे गए एक फिलिस्तीनी व्यक्ति का शव और कम से कम तीन घायल मिले। इजरायल रक्षा बलों ने एक बयान में कहा कि सेना और पुलिस ने आतंकवाद विरोधी अभियान के तहत रात भर तुलकरम क्षेत्र में छापा मारा, जिसमें सशस्त्र फिलिस्तीनी उग्रवादियों के साथ गोलीबारी की गई और सड़कों के नीचे लगाए गए अनेक विस्फोटकों को नष्ट कर दिया गया। बयान में कहा गया कि तुलकरम में हमास शाखा के प्रमुख अशरफ नफा को इस छापे में मार दिया गया। वह वेस्ट बैंक पर इजरायली सैनिकों के खिलाफ कई हमलों की साजिश रच रहा था और उन्हें अंजाम दे रहा था, साथ ही वह गुट में नए कार्यकर्ताओं की भर्ती भी कर रहा था।

इजरायली सरकार के स्वामित्व वाले कान टीवी समाचार ने कहा कि छापे के दौरान, इजरायली सेना ने ड्रोन से सशस्त्र लोगों के एक समूह को निशाना बनाया। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक प्रेस बयान में कहा कि एक अलग झड़प में, दक्षिणी वेस्ट बैंक के शहर सैर में इजरायली सेना की गोलीबारी में दो युवक मारे गए।

नेतन्याहू के यूएस दौरे के बीच बंधकों के परिजनों का प्रदर्शन, समझौते की मांग

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिकी दौरे पर हैं. वो बुधवार को कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करने वाले हैं. गाजा में बंधक बनाए गए लोगों के परिवारों ने तेल अवीव में मार्च निकाला और बंधकों को वापस लाने के लिए तत्काल समझौते की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाए और मार्च किया, जिसमें नेतन्याहू से गुजारिश की गई कि वे अमेरिकी कांग्रेस को अपने संबोधन के दौरान बंधक समझौते का ऐलान करें।

इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने लेबनान को दी चेतावनी

एजेंसी के मुताबिक, 39 वर्षीय इजरायली बंधक कार्मेल गाट के चचेरे भाई शाई डिकमैन ने कहा, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू कांग्रेस के सामने अपनी स्पीच देने जा रहे हैं और हमें पूरी उम्मीद है कि कल वह हम सभी को फिर से अच्छा महसूस करने का मौका देंगे और बताएंगे कि समझौता हो रहा है। यह प्रोटेस्ट उन अन्य विरोध प्रदर्शनों में से एक है, जो इस हफ्ते नेतन्याहू के वाशिंगटन के वक्त आयोजित

किए जा रहे हैं, जहां कांग्रेस को संबोधित करने के बाद उनके अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से मिलने की उम्मीद है।

'हमास के कब्जे में 120 इजरायली नागरिक'

गाजा में इजरायली हमले की शुरुआत 7 अक्टूबर को हमास के नेतृत्व वाले लड़ाकों द्वारा दक्षिणी इजरायल में घुसने के बाद हुई. इजरायली आंकड़ों के मुताबिक, इस दौरान 1,200 लोग मारे गए और 250 लोगों को बंधक बना लिया गया. हमास और अन्य उग्रवादियों ने अभी भी 120 लोगों को बंधक बना रखा है. इजरायल का मानना है कि उनमें से लगभग एक तिहाई लोग मर चुके हैं। बंधक बनाए गए कार्मेल गैट के चचेरे भाई शाई डिकमैन ने कहा कि कल हमें बताया गया कि यागेव (35) और एलेक्स (75) की हत्या हमास के कैद में की गई. अब हम जानते हैं कि उन्हें सुरक्षित वापस लाने के लिए कोई समझौता करने में बहुत देर हो चुकी है.

अभी भी 120 लोग हैं, जिन्हें हमारे पास वापस आना है. मैं व्यक्तिगत रूप से अपनी खूबसूरत चचेरी बहन कार्मेल गैट का इंतजार कर रहा हूं, जिसका 39 साल की उम्र में अपहरण कर लिया गया था और वह अब 40 साल की है और अभी गाजा में उग्रवादियों हाथों में कैद है। एक और बंधक के परिजन ने कहा, हम अपने प्रधानमंत्री से मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन करने आए हैं कि वे बंधकों को जल्द से जल्द घर वापस लाएं और उस समझौते पर हस्ताक्षर करें, जो कई महीनों से विचाराधीन है. हम चाहते हैं कि वे समझौते को टालना बंद करें, उस पर हस्ताक्षर करें और हमारे प्रियजनों को घर वापस लाएं।

इंडोनेशिया के पापुआ में आया 5.3 तीव्रता का भूकंप, कोई हताहत नहीं

जकार्ता, 24 जुलाई (एजेंसियां)। इंडोनेशिया के पूर्वी पहाड़ी क्षेत्र पापुआ प्रांत में बुधवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। बताया जा रहा है कि रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.3 रही है। इंडोनेशिया की मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी ने भूकंप के बारे में जानकारी दी।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप के झटके जकार्ता के समयानुसार सुबह 07:22 बजे महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र मम्बरमो तेंगाह रीजेंसी से 96 किमी उत्तर-पूर्व में रहा। भूकंप का केंद्र जमीन से अंदर 26 किमी की गहराई में बताया जा रहा है। हालांकि, भूकंप के कारण जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। इससे पहले इंडोनेशिया के पश्चिम जावा प्रांत में अप्रैल महीने के दौरान भूकंप आया था।

भूकंप की तीव्रता 6.5 दर्ज की गई थी। बताया गया कि भूकंप के झटके इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता और निकटवर्ती बैंटन प्रांत के साथ-साथ मध्य जावा और पूर्वी जावा प्रांतों में भी महसूस किए गए। बता दें कि इंडोनेशिया एक द्वीपसमूह देश है जो भूकंप के प्रति संवेदनशील है, क्योंकि यह पैसिफिक रिंग ऑफ फायर नामक भूकंप-प्रभावित क्षेत्र में स्थित है। इसके चलते देश में भूकंप आने की संभावना बनी रहती है। ज्ञात हो कि दो दिन पहले जापान के इबाराकी प्रांत में भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर 4.8 तीव्रता दर्ज की गई। हालांकि, भूकंप के कारण जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं थी। लेकिन, झटकों के बाद लोग सहम गए और घरों से निकल कर सड़क पर आ गए थे।

हमास ने दी पेरिस ओलंपिक में खून की नदियां बहाने की धमकी !

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर पेरिस ओलपिंक से जुड़ा एक वीडियो खासा वायरल हो रहा है. इस कथित वीडियो में एक व्यक्ति हमास का लड़ाका होने का दावा करते हुए पेरिस ओलंपिक के लिए धमकी दे रहा है. एनबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक माइक्रोसॉफ्ट के शोधकर्ताओं ने इस वीडियो को फर्जी बताया है. माइक्रोसॉफ्ट शोधकर्ताओं ने वीडियो को रूस से जुड़े एक दुष्प्रचार अभियान का हिस्सा बताया है, जिसका उद्देश्य ओलंपिक को बाधित करना है।

रिपोर्ट के मुताबिक टेलीग्राम पर हमास के अधिकारी इज्जत अल-रिशेक ने इस बात से इनकार किया कि यह वीडियो हमास से आया है और इसे जालसाजी बताया. माइक्रोसॉफ्ट के थ्रेट एनालिसिस सेंटर के शोधकर्ताओं ने, जिन्होंने एनबीसी न्यूज़ के अनुरोध पर वीडियो की समीक्षा की, कहा कि ऐसा लगता है कि यह एक रूसी दुष्प्रचार ग्रुप से आया है. उन्होंने कहा कि यूक्रेन के बारे में पिछले वीडियो के विवरण इससे मेल खाते हैं।

क्या है कथित वीडियो में?

सबसे हालिया वीडियो में, एक शख्स अपने चेहरे पर दुपट्टा लपेटे हुए एक ग्रे दीवार के सामने खड़ा है और फ्रांस के लोगों और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन को संबोधित कर रहा है. वह अरबी में कहता है कि 'पेरिस की सड़कों पर खून की नदियां बहेंगी.' वह कहता है कि कि फ्रांस हमास के साथ युद्ध में इजरायल का समर्थन करता है और ओलंपिक खेलों में इजरायली एथलीटों का स्वागत करता है. वह एक कटे हुए पुतले का सिर पकड़े हुए है जो लाल रंग से ढका हुआ प्रतीत होता है। उद्घाटन समारोह में बस कुछ ही दिन बचे हैं, ऐसे में फ्रांसीसी अधिकारियों ने जनता को आश्वस्त किया है कि उन्होंने हर संभव सुरक्षा एहतियात बरती है, जिसमें हज़ारों सुरक्षाकर्मियों को तैनात करना भी शामिल है। माइक्रोसॉफ्ट ने चेतावनी दी थी कि रूस लोगों को खेलों से दूर करने की कोशिश कर रहा है।

किस ग्रुप का है ये वीडियो?

माइक्रोसॉफ्ट के शोधकर्ताओं ने मंगलवार को कहा कि स्टॉर्म-1516 नामक एक ग्रप, इस वीडियो के पीछे है. यह ग्रुप रूस के कुख्यात इंटरनेट रिसर्च एजेंसी ट्रोल फार्म का एक छोटा लेकिन अहम हिस्सा है, हाल के दिनों में इस वीडियो को कई लोकप्रिय अकाउंट्स द्वारा फैलाया गया है, जो रूसी प्रचार में शामिल हैं, कुछ ने यह भी दावा करने की कोशिश की कि यह इजरायल से आया है. माइक्रोसॉफ्ट समूह ने एक बयान में कहा, 'यह ऑपरेशन पिछले स्टॉर्म-1516 ऑपरेशनों में अपनाई गई रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं से काफी मेल खाता है, जिसमें एक पिछला वीडियो भी शामिल है, जो हमास का होने का दिखावा करता है।' एनबीसी न्यूज के मुताबिक उसने इस वीडियो और यूक्रेन के बारे में पिछले वीडियो के बीच समानताएं पाईं, जिसे अक्टूबर में पोस्ट किया गया था और क्लेम्सन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने इसकी पहचान रूस के स्टॉर्म-1516 से की थी।

यूएस सीक्रेट सर्विस चीफ का इस्तीफा, कहा-ट्रंप की सुरक्षा में चूक की लेती हूं जिम्मेदारी

न्यूयार्क, 24 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या के प्रयास के दौरान सुरक्षा संबंधी चूक के चलते अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की निदेशक किम चीटल ने इस्तीफा दे दिया है. एजेंसी के कर्मचारियों को लिखे त्यागपत्र में उन्होंने ने कहा, 'आपकी निदेशक होने के नाते मैं सुरक्षा चूक की पूरी जिम्मेदारी लेती हूं. इससे पहले सोमवार को गोलीबारी के बारे में कांग्रेस की विवादास्पद सुनवाई के बाद डेमोक्रेट और रिपब्लिकन दोनों ने उनसे पद छोड़ने के लिए कहा था. इस महीने की शुरुआत में पेंसिल्वेनिया के बटलर में ट्रंप की चुनावी रैली में गोलीबारी के बारे में सवालों के जवाब देने से इनकार करने पर सांसदों में नाराजगी बढ़ गई थी।

'भारी मन से फैसला लिया'

मंगलवार को दिए गए त्यागपत्र में चीटल ने कहा कि उन्होंने हमेशा 'एजेंसी की जरूरतों को सबसे पहले रखा है' और उन्होंने 'भारी मन से' यह निर्णय लिया है. उन्होंने आगे कहा, 'मैं नहीं चाहता कि इस्तीफे के लिए मेरा आह्वान आप में से किसी का हमारे महत्वपूर्ण मिशन के लिए किए जा रहे महान काम से ध्यान भटकाए.'

13 जुलाई के हमले के बाद थीं सवालों के घेरे में

ट्रंप की 13 जुलाई की रैली में गोलीबारी के बाद चीटल की एजेंसी की लीडरशिप सवालों के घेरे में आ गई. फायरिंग में एक गोली पूर्व राष्ट्रपति के कान को छूती हुई निकल गई. इस हमले में एक दर्शक की मौत हो गई और दो अन्य बुरी तरह घायल हो गए। चश्मदीदों ने बताया कि गोली चलने से कुछ मिनट पहले रैली में एक संदिग्ध व्यक्ति - थॉमस मैथ्यू क्रूक्स - को छत पर राइफल के साथ देखा गया था. क्रूक्स को कुछ ही देर बाद एक काउंटर-स्नाइपर ने मार गिराया।

सुनवाई के दौरान इस्तीफा देने से किया था इनकार

सांसदों ने छह घंटे तक चली प्रतिनिधि सभा की निगरानी समिति की सुनवाई के दौरान चीटल से अभियान रैली से पहले सुरक्षा तैयारियों के बारे में सवाल पूछे। चीटल ने सुरक्षा चूक की जिम्मेदारी ली, लेकिन इस्तीफा देने की मांग को ठुकरा दिया. उन्होंने गोलीबारी को 'सीक्रेट सर्विस की दशकों में सबसे बड़ी ऑपरेशनल नाकामी' बताया. उन्होंने अपनी गवाही के दौरान, सांसदों को इस बारे में कोई नई जानकारी नहीं दी कि क्रूक्स उस छत तक कैसे पहुंच पाया, जहां वह बैठा था और ट्रंप को मंच पर जाने की अनुमति क्यों दी गई। मंगलवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में ट्रम्प ने कहा, 'बाइडेन/हैरिस प्रशासन ने मेरी उचित सुरक्षा नहीं की, और मुझे लोकतंत्र के लिए गोली खाने के लिए मजबूर होना पड़ा।'

राष्ट्रपति बाइडेन का बयान

राष्ट्रपति जो बाइडेन ने एक बयान में कहा कि वह दशकों तक उनकी सार्वजनिक सेवा के लिए आभारी हैं. उन्होंने कहा, '13 जुलाई को जो कुछ हुआ, उसकी तह तक जाने के लिए स्वतंत्र समीक्षा जारी है, और मैं इसके निष्कर्षों का आकलन करूंगा. हम सभी जानते हैं कि उस दिन जो हुआ, वह फिर कभी नहीं होना चाहिए.' उन्होंने कहा कि वह जल्द ही एक नया निदेशक नियुक्त करेंगे.

प्रचार अभियान के लिए कमला हैरिस ने तीन दिन में करोड़ों जुटाए

ट्रंप की टीम पहुंची चुनाव आयोग

टीम ने संघीय चुनाव आयोग (एफईसी) में एक शिकायत दी है। उनका कहना है अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की प्रचार टीम द्वारा जुटाए गए धन को उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को नहीं सौंपा जा सकता।

वॉशिंगटन, 24 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सियासी गलियारों में लगातार हलचल मची हुई है। यहां आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है।रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेट्स की तरफ से कमला हैरिस मैदान में हैं। दोनों प्रतिद्वंद्वी एक दूसरे को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। इस बीच, ट्रंप की प्रचार

यह है मामला : गौरतलब है, रविवार को जो बाइडन ने एलान किया था कि वह राष्ट्रपति पद के चुनाव की दौड़ से बाहर हो रहे हैं। साथ ही उन्होंने भारतवंशी कमला हैरिस के नाम का समर्थन किया था। हैरिस ने 50 घंटे से भी कम समय में राष्ट्रपति अभियान के लिए 11 लाख से अधिक लोगों से 10 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। इसी को लेकर अब विवाद खड़ा हो गया है।

इस अधिनियम का उल्लंघन

ट्रंप की प्रचार टीम के वकील डेविड वरिंगटन ने मंगलवार को शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने तर्क दिया कि हैरिस की प्रचार टीम को धन सौंपना 1971 के संघीय चुनाव अभियान अधिनियम का खुलेआम उल्लंघन होगा। हालांकि, हैरिस की प्रचार टीम ने इन आरोपों को निराधार बताया।

इतिहास में सबसे बड़ा योगदान

वरिंगटन ने बाइडन द्वारा हैरिस को करीब 10 करोड़ डॉलर का योगदान देने का आरोप लगाया है। उन्होंने शिकायत में कहा कि यह इतिहास में सबसे बड़ा उल्लंघन हैं। आयोग चुप नहीं बैठ सकता, जब एक उम्मीदवार इतना धन ले रहा है। यह पूरी तरह से गलत है। उनका कहना है, 'कमला हैरिस जो बाइडन के प्रचार अभियान द्वारा जुटाए गए 9.15 करोड़ डॉलर को पाने की कोशिश कर रही हैं। यह संघीय चुनाव अभियान अधिनियम 1971 के इतिहास में सबसे अधिक योगदान और उल्लंघन होगा।' उन्होंने आगे कहा कि अगर कमला हैरिस 2024 में किसी पद के लिए उम्मीदवार होतीं, तो संघीय कानून के अनुसार उन्हें उम्मीदवारी का एक बयान दाखिल करना होता और उनका नाम उनकी अधिकृत समिति के नाम पर दिखाई देना चाहिए।

'डेमोक्रेट कार्यकर्ताओं को ऊर्जा से भर दिया'

वॉशिंगटन, 24 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है। ऐसे में, रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेट्स की तरफ से कमला हैरिस मैदान में हैं। हालांकि, यह निश्चित नहीं है, लेकिन बहुत संभावना है कि भारतीय मूल की हैरिस डेमोक्रेटिक उम्मीदवार होंगी। इन सबके बीच, पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप की प्रचार टीम के गुप्त दस्तावेज सामने आए हैं। दस्तावेजों में यह माना गया है कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के राष्ट्रपति अभियान ने डेमोक्रेट्स के कार्यकर्ताओं को ऊर्जा से भर दिया है। पिछले कुछ दिनों में जो कुछ हुआ है, उसे देखते हुए इसमें कोई संदेह नहीं है कि डेमोक्रेट कन्वेंशन से पहले ही उन्हें राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी मिल जाएगी।

कमला हैरिस के लिए तमिलनाडु के गांव में पूजा

सड़कों पर लगे पोस्टर; पुजारी बोले-हमारी प्रार्थना से वह उप-राष्ट्रपति बनीं थीं, अब चुनाव जीतेंगी

चेन्नई, 24 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की रेस से बाइडेन के पीछे हटने के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी से भारतीय मूल की कमला हैरिस का उम्मीदवार बनना तय माना जा रहा है। इस बीच कमला के ननिहाल तमिलनाडु का थुलसेन्द्रपुरम गांव उनके समर्थन में लगे पोस्टरों से पटा हुआ है।

कमला हैरिस के नाना पीवी गोपालन इसी गांव के रहने वाले थे। गांव के दरवाजे पर ही एक मंदिर के बाहर कमला हैरिस की तस्वीर के साथ एक बैनर लगा है। बाइडेन के राष्ट्रपति पद की रेस से पीछे हटते से ही इस मंदिर में पूजा-अर्चना शुरू हो गई थी, जो अमेरिका में वोटिंग के दिन तक जारी रहेगी। मंदिर के मुख्य पुजारी एम. नटराजन ने सूर्योदय के कुछ घंटों बाद, हिंदू देवता धर्मसस्थ को मिठाई और चावल की खीर का प्रसाद चढ़ाकर पूजा की। न्यूज एजेंसी एएफपी से बात करते हुए 61 साल के पुजारी ने कहा, हमने पहले भी उनके लिए पूजा की थी और वह अमेरिका की उप-राष्ट्रपति बन गईं। हमारे भगवान के आशीर्वाद से वे राष्ट्रपति भी बनेंगी।

मंदिर के डोनर्स में कमला हैरिस का नाम

मंदिर की एक दीवार पर दानदाताओं (डोनर्स) की लिस्ट लगी हुई है। इस पर कमला हैरिस का नाम भी लिखा है। हालांकि, वह कभी इस गांव नहीं आईं। पुजारी ने बताया कि पिछली बार जब वह उप-राष्ट्रपति बनी थीं, तब हमने जश्न मनाया था। अब वह राष्ट्रपति बनेंगी तो यह जश्न और भी बड़ा होगा। हमें उम्मीद है कि बतौर राष्ट्रपति वह एक बार गांव जरूर आएंगी। गांव में रहने वाले एक सरकारी कर्मचारी ने एएफपी को बताया कि कमला हैरिस का नाम जुड़ा होने की वजह से उनके गांव को काफी फायदा मिला है। एक लोकल बैंक ने गांव के जलाशय को ठीक करवाने के लिए 1 करोड़ रुपए दान किए थे। ये सिर्फ हैरिस की वजह से ही हो सका।

जैसलमेर जिले को मिलेगी भरपूर बिजली

सीएम भजनलाल ने पावर प्लांट का किया उद्घाटन

जयपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जैसलमेर में 400 मेगावाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन किया। इससे जिले के विकास में पंख लगने जा रहे है। सीएम भजनलाल ने एक्स प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए लिखा कि 'हमारी सरकार राजस्थान को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने तथा पेयजल एवं सिंचाई हेतु अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण के लिए कटिबद्ध है।'

सीएम शर्मा ने इस प्रोजेक्ट को लेकर केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल से नई दिल्ली में मुलाकात की थी। जिसके बाद केन्द्रीय ऊर्जा मंत्रालय ने 24 जून, 2024 को केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण को पत्र लिखकर राजस्थान को दक्षिण एवं पश्चिम रीजन के अनावंटित पूल से

200-200 मेगावाट (कुल 400 मेगावाट) बिजली 24 घंटे उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया था।

पेयजल एवं सिंचाई हेतु कटिबद्ध- सीएम भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पोस्ट करते हुए लिखा कि 'प्रगति की स्वर्णिम गाथा लिख रहा नया रा ज स् था न ... 'आपणो अग्रणी राजस्थान' के विजन के अनुरूप आज जैसलमेर में 400 मेगावाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन किया व आवास और शहरी विकास निगम (हुडको) के साथ महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।'

उन्होंने आगे लिखा कि 'इस समझौते के अंतर्गत जलापूर्ति, सिंचाई एवं विद्युत जैसी आधारभूत अवसंरचना क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति प्रदान की जाएगी। हमारी सरकार राजस्थान को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने तथा पेयजल एवं सिंचाई हेतु अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण के लिए कटिबद्ध है।'

केन्द्रीय ऊर्जा मंत्रालय ने किया आवंटन

जैसलमेर में 400 मेगावाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र के शुरु हो जाने से राजस्थान को कुल 400 मेगावाट अनावंटित बिजली मिलेगी। प्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार प्रयासरत है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आग्रह पर केन्द्रीय ऊर्जा मंत्रालय ने भीषण गर्मी को देखते हुए राजस्थान को 2 रीजनल पूल से अनावंटित बिजली का कोटा देने निर्णय किया था।

राजनीतिक कारणों से केन्द्र ने केवल आंध्र व बिहार को ही पूरे देश का बजट सौंप दिया: अशोक गहलोत

जयपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। मंगलवार को केंद्र सरकार द्वारा जारी किये गए आम बजट पर विपक्ष के नेताओं ने अपनी तीखी प्रतिक्रिया दी है। इसी कड़ी में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस बजट को केवल आंध्र प्रदेश और बिहार का बजट बताया। उन्होंने कहा कि ऐसा लगा कि राजनैतिक कारणों से केन्द्र सरकार ने केवल आंध्र प्रदेश एवं बिहार को ही पूरे देश का बजट सौंप दिया हो।

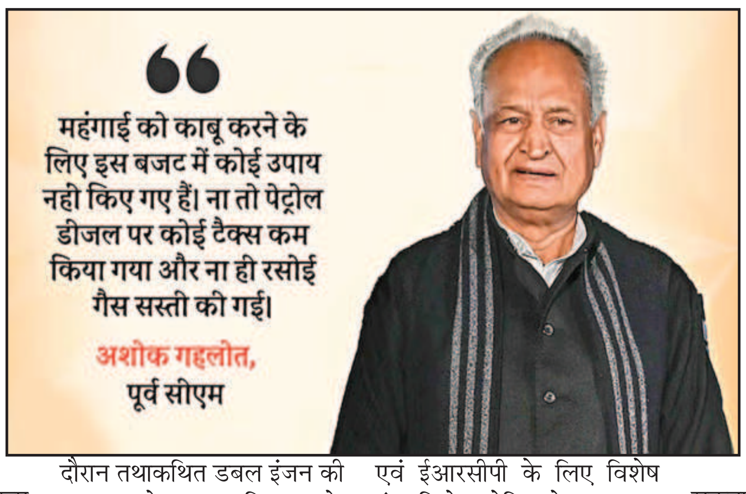

भौगोलिक एवं सामाजिक रूप से हमारे राजस्थान को विशेष पैकेज की आवश्यकता थी परन्तु पूरे बजट भाषण में राजस्थान का नाम तक नहीं आया जबकि पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान तथाकथित डबल इंजन की सरकार से डबल विकास के भ्रामक दावे के बगैर प्रधानमंत्री जी का कोई भाषण समाप्त नहीं होता था। हमें आशा थी कि केन्द्र सरकार इस बजट में ERCP को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देगी एवं ईआरसीपी के लिए विशेष फंड मिलेगा लेकिन केन्द्र सरकार ने ईआरसीपी पर भी कोई घोषणा ना कर राजस्थान के हितों के साथ खिलवाड़ किया है। पहले भाजपा सरकार का वादा 2 करोड़ रोजगार प्रतिवर्ष का था, परन्तु अब 5 साल में 1 करोड़ इंटर्नशिप एवं 5,000 रुपये महीने देने की घोषणा बजट में की गई है।

महंगाई को काबू करने के लिए इस बजट में कोई उपाय नहीं किए गए हैं। ना तो पेट्रोल डीजल पर कोई टैक्स कम किया गया और ना ही रसोई गैस सस्ती की गई। राजस्थान में हमारी सरकार ने 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिया। जब राजस्थान राज्य ऐसा कर सकता है तो केन्द्र सरकार ऐसा क्यों नहीं कर सकती? पूरे बजट भाषण को पढ़ने के बाद जनता निराश है। ऐसा दिशाहीन बजट देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में शायद ही कामयाब हो।

नेता प्रतिपक्ष पर अतिक्रमण के आरोपों पर सदन में जमकर हंगामा

स्पीकर ने बीजेपी विधायक को टोका

जयपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। विधानसभा में बुधवार को प्रश्नकाल के दौरान बीजेपी विधायक शत्रुध्न गौतम की ओर से नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली पर लगाए आरोपों को लेकर हंगामा हो गया। प्रश्नकाल के दौरान गौतम ने जूली का नाम लेते हुए सरिस्का वन क्षेत्र में अतिक्रमण का मुद्दा उठाया। इस पर स्पीकर वासुदेव देवनानी ने उन्हें टोकते हुए कहा कि इस तरह सदन में किसी का नाम नहीं लिया जा सकता। देवनानी ने व्यवस्था देते हुए इसे सदन की कार्यवाही से एक्सपंज करवा दिया। गौतम ने सदन में कागज लहराकर कहा कि मेरे पास आरोपों के पक्ष में सबूत हैं। इसके बाद गौतम ने विधानसभा परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष का नाम अलवर यूटाईअी की लिस्ट में अतिक्रमियों में है।

गौतम बोले- सरिस्का क्षेत्र में जमीन पर कब्जे

गौतम ने कहा कि ऐसी क्या मजबूरी थी कि कांग्रेस राज में सरिस्का क्षेत्र में नदी नालों के आसपास 2000 हेक्टेयर जमीन दी गई। ऐसे लोगों के खिलाफ सरकार कार्रवाई करे। कांग्रेस राज में ऐसे लोगों को भी जमीन मिली जो सदन में मर्यादा अनुशासन की बात करते हैं। यूआईटी अलवर ने भी उन्हें अतिक्रमी माना है। उन्होंने कहा कि या तो सरकार उन अफसरों के खिलाफ कार्रवाई करे जिन्होंने ये नाम लिखा अन्यथा कब्जा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कीजिए। उन्होंने अलवर यूआईटी की तरफ से 2012 में की गई एक सर्वे रिपोर्ट का हवाला दिया।

मंत्री बोले-487 हेक्टेयर जमीन आवंटित

राजस्व मंत्री हेमंत मीणा ने सदन में इसका जवाब देते हुए कहा कि सरिस्का क्षेत्र में पांच साल में 830 प्रकरणों में 487 हेक्टेयर जमीन आवंटित की गई है। इस मामले में 8 अगस्त 2022 को तत्कालीन शिक्षा सचिव की जांच कमेटी बनाई गई। जांच कमेटी 15 मई 2023 को रिपोर्ट दे चुकी है।

कोबरा सांप ने चार माह में दो मासूम भाइयों को काटा

हुई मौत, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

अजमेर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। मांगलियावास ग्राम पंचायत करनोस के राजस्व ग्राम अमरपुरा में सोमवार देर रात सर्प दंश से तीन वर्षीय मासूम की मृत्यु हो गई। जानकारी अनुसार ग्राम अमरपुरा निवासी कैलाश सिंह रावत के पुत्र वीरेंद्र सिंह (3) को सोमवार शाम सर्प ने काट लिया।

सर्पदंश के बाद परिजन वीरेन्द्र को लेकर अजमेर के जेएलएन अस्पताल पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना को लेकर परिवार व क्षेत्र के ग्रामीणों में दहशत व्याप्त हो गई। मासूम के पांच वर्षीय बड़े भाई की चार माह पूर्व हुई मौत का कारण भी सर्पदंश रहा। ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता दिलाने जाने की मांग की है।

अमरपुरा निवासी कैलाशसिंह रावत के पांच वर्षीय पुत्र देवेन्द्र की मृत्यु भी चार माह पूर्व सर्पदंश के चलते हुई थी। अब छोटे पुत्र वीरेन्द्र सिंह की भी सर्प दंश से मृत्यु हो जाने पर बच्चे के माता-पिता एवं दादा दादी बिलख उठे। उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। ग्रामीणों ने परिजन को ढांढस बंधाने का प्रयास किया।

एक ही परिवार के दो चिरागों को बुझाने वाला कोबरा सांप गत चार माह से पुरानी दीवारों में छुपा बैठा था। पूर्व में हुई सर्पदंश की घटना के बाद ग्रामीणों ने सर्प को ढूंढने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। सोमवार शाम एक बार फिर से तीन वर्षीय मासूम के साथ घटना की पुनरावृति होने से ग्रामीणों में दहशत व्याप्त हो गई। ग्रामीणों ने आसपास की दीवारों को तोड़ा लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद सपेरे को बुलाकर सांप को पकड़वा कर दूर जंगल में छुड़वाया।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने लिया यू-टर्न

सोशल मीडिया पर बवाल मचने के बाद आदेश करना पड़ा निरस्त

जयपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर अपने बयानों के बाद अब एक आदेश को लेकर चर्चा में आ गए है। हाल ही में शिक्षा पंचायत राज मंत्री मदन दिलावर ने एक पत्र जारी कर पूर्व में गहरी फाउंडेशन के अध्यक्ष और कांग्रेसी कार्यकर्ता बलदेव गोरा को पर्यावरण ब्रांड एंबेसडर बनाया था। सोशल मीडिया पर बवाल होने के बाद दिलावर ने इस निरस्त का आदेश जारी कर दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमृत पर्यावरण महोत्सव के तहत एक पेड़ देश के नाम और एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम शुरू किया है। जिसके तहत 7 अगस्त को प्रदेश भर में पौधरोपण होगा। राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण के लिए अच्छा काम करने वालों को 3 साल के लिए पर्यावरण ब्रांड एंबेसडर बना रही है। सरकार चाहती है कि अधिक से अधिक लोग सम्मिलित हो।

राजस्थान के शिक्षामंत्री मदन दिलावर ने आदेश जारी करते हुए गहरी फाउंडेशन के पूर्व अध्यक्ष और कांग्रेसी कार्यकर्ता बलदेव गोरा को पर्यावरण ब्रांड एंबेसडर से हटाया दिया है। मंत्री मदन दिलावर के कार्यालय से जारी पत्र में लिखा गया है कि 'आपको संबोधित पत्रांक SPL-226 दिनांक 19.07.2024 जो कि पर्यावरण ब्रांड एंबेसडर से संबंधित है। इसे परिहार्य कार्य से तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाता है।'

मदन दिलावर ने 19 जुलाई को कांग्रेसी कार्यकर्ता बलदेव गोरा को पर्यावरण ब्रांड एंबेसडर बनाया गया था। इसके आदेश जारी होने के बाद ही सोशल मीडिया पर बीजेपी की काफी आलोचना हुई तो 23 जुलाई को शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने अपने पूर्व के आदेश को निरस्त करते हुए ब्रांड एंबेसडर से हटा दिया।

कौन है बलदेव गोरा... ?

कांग्रेस नेता बलदेव गोरा पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व विधायक मलखान सिंह बिश्नोई के काफी करीबी हैं। बलदेव गोरा देहात यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष, देहात जिला कांग्रेस कमेटी में महासचिव सहित कई पदों पर रहे है।

हाल ही संपन्न हुए लोकसभा चुनाव के दौरान जोधपुर से कांग्रेस प्रत्याशी करण सिंह उचियारड़ा के समर्थन में प्रचार करते हुए नजर आए थे। बलदेव गोरा 2008 में यूपीए सरकार में ग्रामीण बैंकों की बनी हुई कमेटी में डायरेक्टर भी रहे हैं।

किरोड़ी लाल मीणा के एक आदेश से हुआ बड़े कांड का खुलासा

धड़ल्ले से चल रहा था ये फर्जी काम

सवाई माधोपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। सवाईमाधोपुर नगरपरिषद में फर्जी पट्टे जारी करने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। नगरपरिषद की पूर्व सभापति राजबाई बैरवा व तत्कालीन आयुक्त होतीलाल मीणा के कार्यकाल में फर्जी पट्टे जारी करने का मामला सामने आया है। स्थिति यह है कि तत्कालीन सरकार के दौरान 3 अक्टूबर 2023 को एक ही दिन में 183 पट्टे जारी कर दिए गए। नगरपरिषद में फर्जी पट्टे जारी करने के मामले का खुलासा गत दिनों विधायक डॉ. किरोड़ीलाल मीणा के आदेश के बाद जांच के दौरान हुआ है। इसके बाद सभापति सुनील तिलकर ने 183 में से 33 पट्टों को निरस्त कर दिया।

कार्रवाई के लिए बनाई कमेटी

नगरपरिषद से मिली जानकारी के अनुसार फर्जी पट्टे जारी करने का मामला उजागर होने के बाद आयुक्त के नेतृत्व में कमेटी बनाई है। इसमें आयुक्त, एटीपी, जेएलओ आदि शामिल है। यह सभी फर्जी पट्टे के दस्तावेज की जांच करने में जुटे हैं। उधर, मामले की गहनता से जांच के बाद और भी कई फर्जी पट्टे जारी करने के मामले सामने आने की संभावना है।

आयुक्त के नेतृत्व में कमेटी गठित कर रही जांच

गत दिनों नगरपरिषद बोर्ड की हुई बैठक में भी नगरपरिषद में फर्जी पट्टे सहित कई मुद्दों को लेकर पार्षदों ने मामले उठाए थे। इस दौरान विधायक डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने नगरपरिषद को भ्रष्टाचार मुक्त करने की बात कही थी। इसके बाद सभापति ने फर्जी पट्टों के लिए जांच कमेटी का गठन किया है। ऐसे में पूर्व में हुए फर्जीवाड़े की जांच की जा रही है।

फर्जी पट्टों से 10 करोड़ तक होता नुकसान

नगरपरिषद की ओर से जारी किए गए 33 फर्जी पट्टों के मामले का खुलासा समय पर नहीं होता तो परिषद को करीब दस करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान उठाना पड़ता। 33 पट्टों को निरस्त करने के साथ ही पट्टाधारकों को 73ख के नोटिस जारी किए थे।

इनका कहना है...

पूर्व में नगरपरिषद के तत्कालीन आयुक्त व सभापति ने यूआईटी, पीडब्ल्यूडी व नगरपरिषद की जमीनों पर 183 पट्टे जारी किए थे। इसकी जांच के दौरान 33 पट्टे फर्जी निकले है। पट्टाधारकों को 73ख के तहत नोटिस जारी कर दिए है। सभी को सात दिन में अपनी आपत्ति दर्ज करवाकर दस्तावेज पेश करने के निर्देश दिए है।

सावधान- अब मानसून दिखाएगा रौद्र रूप

लगातार 5 दिनों तक भारी बारिश की बड़ी चेतावनी, सड़कें बनेंगी दरिया

भरतपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। विभाग ने आज भरतपुर, जयपुर, अजमेर संभाग और शेखावाटी के क्षेत्र में मध्य से तेज बारिश व कहां-कहीं भारी बारिश की संभावना जताई है। इसके साथ ही कोटा, उदयपुर और बीकानेर संभाग के कुछ भागों में भी मेघगर्जन के साथ बारिश होने की संभावना है। पूर्वी राजस्थान के अनेक भागों में, जबकि पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर संभाग के कुछ भागों में आगामी चार पांच दिन बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है। वहीं मौसम विभाग ने भरतपुर जिले में 24 जुलाई से 28 जुलाई तक लगातार पांच दिन भारी बारिश की बड़ी चेतावनी जारी की है।

बीते 24 घंटों की बात करें तो पूर्वी राजस्थान में कहीं कहीं भारी बारिश दर्ज की गई। पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश हुई। पश्चिमी राजस्थान में कहीं कहीं हल्की से मध्यम बारिश हुई। राज्य में सर्वाधिक बारिश धौलपुर के समरथुला में 120 एमएम दर्ज की गई। वहीं बीते 24 घंटों में श्रीगंगानगर सबसे गर्म रहा। यहां अधिकतम तापमान 40.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं राज्य में सर्वाधिक न्यूनतम तापमान बीकानेर में 31.5 डिग्री दर्ज किया गया। राज्य के अधिकांश भागों में हवा में औसत आद्रर्ता की मात्रा 70 से 95 प्रतिशत तक दर्ज की गई।

वहीं मौसम विभाग ने अजमेर, अलवर, बांसवाड़ा, बारां, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, धौलपुर, डुंगरपुर, जयपुर, झालावाड़, करौली, कोटा, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाईमाधोपुर, सीकर, टोंक, उदयपुर, बीकानेर, जोधपुर, नागौर और पाली जिलों में 24, 25, 26, 27 और 28 जुलाई तक लगातार 5 दिनों तक बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान कई जिलों में भारी बारिश की भी चेतावनी दी गई है। बता दें कि पिछले चौबीस घंटे में धौलपुर जिले के सरमथुरा में सर्वाधिक 120 मिमी पानी बरसा। अलवर शहर में 66, बहादुरगढ़ में 96, राजगढ़ में 85, मालाखेड़ा में 56, सिलीसेढ़ में 50, जयसमंद में 43, थानागाजी में 42, बारां जिले के छबड़ा में 78 मिमी बारिश दर्ज की गई।

सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट खारिज

पुलिस पर ही चलेगा केस, आनंदपाल एनकाउंटर में कोर्ट का फैसला

जयपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के चर्चित आनंदपाल हत्याकांड मामले में ओसीजेएम सीबीआई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए पुलिस ही मुकदमा दर्ज करने को कहा है। इसके

ऊपर सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को भी खारिज कर दिया गया है। कई सालों से यह मामला कोर्ट में चल रहा था, इसे लेकर विवाद भी था। अब बड़ी बात यह है कि एक गैंगस्टर के एनकाउंटर को लेकर ही पुलिस बुरा फंस चुकी है। पुलिस के पांच अधिकारियों के खिलाफ अब केस चलने वाला है। इससे पहले आनंदपाल के परिवार का भी आरोप था कि उसे फर्जी एनकाउंटर में मारा गया था। दावा हुआ था कि उसकी तो हत्या की गई थी। अब जानकारी के लिए बता दें कि साल 2017 में पुलिस ने आनंदपाल सिंह का एनकाउंटर कर उसे ढेर कर दिया। उस समय तो इसे पुलिस की एक बड़ी कामयाबी बताया गया था। 200 से ज्यादा लोगों के साथ मिलकर वो अपनी गैंग ऑपरेट करता था। उस एनकाउंटर के बाद सभी पुलिसकर्मियों ने काफी विस्तार से बताया था कि आखिर कैसे उसे मारा गया था।

सफाईकर्मियों ने किया हड़ताल का ऐलान, राजधानी समेत पूरे प्रदेश में नहीं उठेगा कचरा

जयपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। प्रदेश में सफाईकर्मियों की भर्ती में देरी के चलते राजधानी के सफाईकर्मियों ने हड़ताल पर जाने का ऐलान कर दिया है। विज्ञप्ति जारी होने के बाद बार-बार नियमों में बदलाव के कारण अब तक भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकी है।

राज्य में 24 हजार से ज्यादा पदों पर होने वाली सफाईर्मियों की भर्ती में देरी होने से वाल्मिकी समाज और संयुक्त सफाई संघ ने सामूहिक हड़ताल पर जाने का फैसला किया है। प्रतिनिधियों का कहना है कि इसी साल 23 जनवरी को सरकार के साथ हुए समझौते के अनुसार भर्ती की जानी चाहिए, इन्होंने भर्ती नहीं होने तक जयपुर में कचरा नहीं उठाए जाने का ऐलान कर दिया है। कल इस संबंध में वाल्मीकि समाज और सफाईकर्मियों की संयुक्त बैठक हुई थी, जिसमें सामूहिक हड़ताल पर जाने की घोषणा की गई।

गौरतलब है कि राज्य सरकार ने पिछले साल सफाईकर्मियों की भर्ती निकाली थी लेकिन भर्ती की

विज्ञप्ति जारी होने के बाद बार-बार नियमों में परिवर्तन के चलते भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकी। इस संबंध में स्वायत्त शासन विभाग ने भी दो बार संशोधित विज्ञप्ति जारी की थी। वाल्मीकि समाज ने इन परिवर्तित नियमों का विरोध करते हुए हाईकोर्ट में याचिका भी लगाई है, जिसकी वजह से भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं की जा सकी। लॉटरी से भर्ती कराने के निर्णय पर भी समाज के लोगों ने ऐतराज जताया। समाज की मांग है कि सफाईकर्मियों की भर्ती समझौते के तहत मस्टररोल के आधार पर ही कराई जानी चाहिए।

समाज के नेता दीपक डंडोरिया का कहना है कि पूर्व में नगरीय निकायों में सफाईकर्मी के रूप में काम कर चुके अभ्यर्थियों को प्राथमिकता देने का प्रावधान किया गया था। साथ ही जिन अभ्यर्थियों का कोर्ट में केस विचाराधीन है, उन्हें भी इस भर्ती में प्राथमिकता दी जानी थी लेकिन समझौते के इन बिंदुओं को दरकिनार करते हुए लॉटरी के माध्यम से भर्ती किए जाने की तैयारी की जा रही है, जो कि उचित नहीं है। डंडोरिया ने कहा कि जब तक सरकार उनकी मांग नहीं मानती, तब तक जयपुर शहर सहित संपूर्ण राजस्थान में सफाई कर्मचारी सामूहिक अवकाश लेकर हड़ताल पर रहेंगे।

बांसवाड़ा में हर ढाई दिन में लोगों को डस रहे सांप, यहां मिलते हैं खतरनाक प्रजाति के सांप

बांसवाड़ा, 24 जुलाई (एजेंसियां)। भले ही बांसवाड़ा में चार प्रजाति के ही विषधारी सांप पाए जाते हों, लेकिन यहां इनका खौफ कम नहीं है। बीते 19 महीनों में बांसवाड़ा के सांपों ने 206 लोगों को डसा है। यानी यहां सांप औसतन हर ढाई दिन में किसी न किसी को काटता है।

जिले में सर्पदंश के इन असमान्य आंकड़ों के बाद भी यहां पीड़ित और परिजन उपचार के लिए अस्पताल से पहले भोपों की दर पर धोक लगाने से हिचकिचा नहीं रहे हैं। इसके चलते समय पर उपचार न मिलने के कारण सर्पदंश को काल का ग्रास बनना पड़ता है।

जागरुकता के अभाव में ये हाल सिर्फ बांसवाड़ा में ही नहीं है, बल्कि डूंगरपुर में भी सर्पदंश के पीड़ितों को भोपों के पास जाने के कारण जान से हाथ धोना पड़ रहा है। सर्पदंश की गंभीरता का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि बीते 15 महीनों में 3430 एंटी स्नेक वेनम की सप्लाई जिले के सरकारी अस्पतालों में की गई। ताकि सर्पदंश से पीड़ितों को उपचार मिल सके।

22 दिनों में ही 24 लोगों को काटा, एक की मौत

जुलाई माह के इन 22 दिनों में 23 लोग सर्पदंश के शिकार हुए हैं। वहीं, इनसे दीगर एक की मौत की भी बताई जा रही है। इनमें अधिकांश पीड़ित ग्रामीण क्षेत्र के हैं।

रेलवे परियोजनाओं के लिए तेलंगाना को रिकॉर्ड 5,336 करोड़ रुपये का बजट आवंटन

रेल मंत्री ने बजट की मुख्य बातों पर मीडिया को जानकारी दी

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय बजट, 23 जुलाई, 2024 को संसद के पटल पर पेश किया गया, जिसमें रेलवे को आवंटन शामिल है। रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री, अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को नई दिल्ली से तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों से संबंधित आवंटन की मुख्य बातों पर एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस की। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों के साथ रेल निलयम, सिकंदराबाद में प्रेस मीट में शामिल हुए। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि भारतीय रेलवे को वर्ष 2024-25 के लिए 2,62,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि रेलवे को विश्वस्तरीय बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा कि रेलवे में सुरक्षा संबंधी गतिविधियों के लिए 1.09 लाख करोड़ रुपये की महत्वपूर्ण राशि आवंटित की गई है। श्री वैष्णव ने बताया कि तेलंगाना राज्य को वर्ष 2024-25 के लिए 5,336 करोड़ रुपये की भारी राशि मंजूर की गई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2009-14 के दौरान संयुक्त आंध्र प्रदेश राज्य के लिए वार्षिक औसत बजट परिव्यय केवल 886 करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के बजट आवंटन में निरंतर वृद्धि देखी जा रही है और चालू वर्ष का आवंटन संयुक्त राज्य के लिए 2009-14 की अवधि के दौरान किए गए औसत आवंटन से लगभग छह गुना अधिक है। रेल मंत्री ने बताया कि तेलंगाना राज्य में चल रही रेलवे परियोजनाओं (नई पटरियाँ) की कुल लागत 32,946 करोड़ रुपये है। उन्होंने बताया कि तेलंगाना में रेलवे नेटवर्क अब 100% विद्युतीकृत है। उन्होंने बताया कि पिछले दस वर्षों में तेलंगाना राज्य में 65 किलोमीटर (औसतन प्रति वर्ष) नई रेलवे पटरियाँ बिछाई गई हैं, जबकि 2009-2014 के दौरान यह संख्या केवल 17 किलोमीटर थी। उन्होंने कहा कि सुरक्षा को सुविधाजनक बनाने के लिए 437 आरओबी और आरयूबी का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत तेलंगाना राज्य में 40 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। 40 स्टेशनों को अमृत स्टेशन के रूप में विकसित किया जाएगा। इन स्टेशनों में आदिलाबाद, बखसर, बेगमपेट, भद्राचलम रोड, गडवाल, हाफिजपेटा, हाई-टेक सिटी, हुप्पुगुडा, हैदराबाद, जडचेरला, जनगांव, काचीगुडा, कामारेड्डी, करीमनगर, काजीपेट जंक्शन, खम्मम, लिंगमपल्ली, मदिरा, महबूबाबाद, महबूबनगर, मलकपेट, मलकजगिरी जंक्शन, मंचिर्याल, मेडक, मेडचल, मिर्यालगुडा, नलगोंडा, निज़ाम आबाद जंक्शन, पेद्दापल्ली जंक्शन, रामागुंडम, सिकंदराबाद, शादनगर, श्री बाला ब्रह्मेश्वर जोगुलाम्बा, तंदूर, उमदानगर, विकाराबाद, वारंगल, यदाद्री, याकूतपुरा, ज़ाहिराबाद शामिल हैं।

बिजली कंपनियों के निजीकरण की कोई योजना नहीं : भट्टी

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने स्पष्ट किया है कि राज्य सरकार का तेलंगाना में बिजली कंपनियों के निजीकरण का कोई इरादा नहीं है। केंद्रीय बजट में तेलंगाना के साथ हुए अन्याय पर विधानसभा में बहस के दौरान उपमुख्यमंत्री ने बीआरएस विधायक केटी रामा राव की टिप्पणी की निंदा की, जिन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार बिजली कंपनियों के निजीकरण की योजना बना रही है और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से इस विषय पर स्पष्टीकरण देने की मांग की।

केटी रामा राव ने आगे कहा कि पुराने शहर में बिजली बिल वसूलने की जिम्मेदारी अडानी समूह को सौंप दी गई है और ऊर्जा मंत्री भट्टी विक्रमार्क को तथ्यों की जानकारी होनी चाहिए कि डिस्कॉम में क्या हो रहा है और अडानी के लोग लड़ने आए हैं या नहीं। टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए भट्टी ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार ने कहीं भी यह नहीं कहा है कि हैदराबाद में बिजली सर्किल निजी व्यक्तियों को दिए जा रहे हैं और केटीआर से पूछा कि वह सदन में बाहर कही गई बातों को लेकर कैसे बोल सकते हैं।

भट्टी विक्रमार्क ने कहा, "के.टी. रामा राव तेलंगाना के लोगों के साथ-साथ विधानसभा को भी गुमराह कर रहे हैं।

सीएम और केटीआर के बीच जुबानी जंग

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विधानसभा के चल रहे बजट सत्र के दौरान बुधवार को सीएम रेवंत रेड्डी और पूर्व मंत्री केटीआर के बीच जुबानी जंग छिड़ गई। तेलंगाना विधानसभा में केंद्रीय बजट में तेलंगाना के साथ हुए अन्याय के प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हुई। इस अवसर पर सीएम रेवंत रेड्डी ने कई मुद्दों पर जवाब दिया। उन्होंने पूर्व सीएम केसीआर के सदन से अनुपस्थित रहने पर भी प्रतिक्रिया दी। केटीआर ने इसका करारा जवाब दिया।

केटीआर ने कहा कि उनके नेता केसीआर को सदन में सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं द्वारा की गई टिप्पणियों का जवाब देने की कोई आवश्यकता नहीं है और उन्होंने कहा कि उनकी टिप्पणियों का जवाब देने के लिए वह ही पर्याप्त हैं। केटीआर ने कहा, "केसीआर आएं या न आएं, हम जवाब देने में सक्षम हैं।" उन्होंने सरकार से तेलंगाना राज्य के साथ केंद्र सरकार के अन्याय के खिलाफ अपने बजट में प्रस्ताव पेश करने के बारे में पूछा? सीएम ने कहा कि प्रस्ताव पेश किया गया है। आपने कौन सा प्रस्ताव पेश किया है, उन्होंने मंत्री श्रीधर बाबू से पूछा कि बिना प्रस्ताव के चर्चा कैसे होगी? उन्होंने आलोचना की कि सदन को बिना यह जाने कि क्या किया जा रहा है, चलाया जा रहा है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए श्रीधर बाबू ने कहा कि प्रस्ताव पेश करने से पहले सदस्यों के विचारों पर विचार किया जाएगा। बाद में केटीआर ने अपना भाषण जारी रखा और कहा कि उन्होंने 10 साल तक सरकार चलाई है। उन्होंने कहा कि वे इस मुद्दे पर चर्चा में भाग लेंगे। उन्होंने कहा, "लोगों को गलत संकेत नहीं दिए जाने चाहिए। हम सीएम और श्रीधर बाबू द्वारा अपनी पार्टी की ओर से दिए गए बयान का स्वागत करते हैं और हम ईमानदारी से कह रहे हैं कि हम इसका समर्थन करेंगे।" केटीआर ने कहा कि हालांकि वह कह सकते हैं कि रेवंत रेड्डी भुगतान कोटे के तहत सीएम बने, लेकिन वह ऐसा नहीं कहना चाहते।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सीएम ने कहा कि केटीआर के विपरीत, वे जेडपीटीसी, एमएलसी, एमएलए और एमपी के रूप में सेवा करने के बाद सीएम बने, जबकि केटीआर मैनेजमेंट कोटे के तहत मंत्री बने। रेवंत ने कहा, "आज मैं सीएम के रूप में काम कर रहा हूं। मैं सदन में अपने प्रयास, कड़ी मेहनत और जागरूकता के साथ आया हूं।"

श्री अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट की कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। श्री अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट की कार्यकारिणी की बैठक सिकंदराबाद स्थित अग्रसेन भवन में अध्यक्ष गोपाल चंद अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में पिछली मीटिंग के मिनट्स पारित किए गए । रक्षा संपदा कार्यालय की ओर से एक नोटिस ए वी तिरुवंगदा मुदलियार के नाम से प्राप्त हुई जिसमे भवन के सामने की मेन रोड पर रोड को चौड़ा करने तथा उसपर फ्लाई ओवर ब्रिज बनाने हेतु भवन की कुछ ज़मीन का अधिग्रहण करने बाबत नोटिस पर चर्चा की गई। सभी कागज जमा कर किसी सीनियर वकील से बात करके अदालत में जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में चेयरमेन नरेंद्र कुमार अग्रवाल, मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल, सहमंत्री मनोज अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, प्रवीण कुमार अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

बीआईएस ने मनाया राष्ट्रीय ध्वज दिवस उत्सव

हैदराबाद, 24 जुलाई, (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) में राष्ट्रीय ध्वज दिवस मनाया गया। बीआयएस महानिदेशक प्रमोद कुमार तिवारी ने कहा कि, इस राष्ट्रीय ध्वज दिवस पर, हम आयएस: 1-1968 की स्थायी विरासत और हमारे राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा को बनाए रखने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका का उत्सव मनाते हैं। जिसमें 22,000 से अधिक भारतीय मानकों के संरक्षक के रूप में, बीआयएस भारत के नागरिकों के लिए वस्तुओं की सुरक्षा, विश्वसनीयता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। इस राष्ट्रीय ध्वज दिवस उत्सव पर बीआयएस द्वारा आयएस: 1-1968 को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अधिकारी उपस्थित थे।

सीताराम परियोजना का ट्रायल रन जल्द

दूसरे, तीसरे पंप को ट्रायल रन के लिए तैयार कर रही टीम

खम्मम, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सीताराम परियोजना के पंपों के परीक्षण से संबंधित कार्य 30 जुलाई को पुसुगुडेम स्थित दूसरे पंप हाउस और 9 अगस्त को कमलापुरम स्थित तीसरे पंप हाउस में शुरू हुआ।

कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने कहा कि परियोजना की मुख्य नहर का काम 30 जुलाई तक पूरा हो जाएगा और एनकुर नहर (18एल) के माध्यम से सिंचाई के लिए पानी की आपूर्ति के लिए युद्ध स्तर पर काम चल रहा है।

परियोजना निर्माण कार्य करने वाले ठेकेदारों और उप-ठेकेदारों ने चीन की तकनीकी फर्मों के साथ किए गए समझौतों के अनुसार भुगतान नहीं किया है। नतीजतन, फर्मों के इंजीनियरों ने पिछले दो वर्षों में एक बार भी परियोजना का दौरा नहीं किया है।

पिछले दो महीनों से भारतीय और चीनी दूतावास के अधिकारियों के साथ समन्वय करके चीनी तकनीकी टीम के वीज़ा अनुमोदन के लिए प्रयास किए जा रहे थे। मंत्री ने कहा कि एक इंजीनियर जिले में आ चुका है और तीन अन्य इंजीनियर भी कुछ दिनों में यहां पहुंच जाएंगे।

नागेश्वर राव ने कहा कि जीएसपीएल इंडिया ट्रांसको लिमिटेड (जीआईटीएल) की गैस पाइपलाइनें 18एल वितरण नहर से होकर गुजर रही हैं। तेलंगाना के मुख्य सचिव और आंध्र प्रदेश तथा गुजरात के मुख्य सचिवों से जीआईटीएल गैस पाइपलाइनों को जल्द से जल्द पूरा करने का आग्रह किया गया।

मंत्री ने कहा कि योजना के अनुसार वायरा लिंक नहर का काम जल्द से जल्द पूरा कर लिया जाएगा और इस मानसून के दौरान गोदावरी के पानी को वायरा जलाशय तक पहुंचाया जाएगा तथा एनएसपी आयाकट को स्थिर किया जाएगा।

मेडचल में बन रहे दक्षिणेश्वर केदारनाथ मंदिर के सदस्य बाबू गोपाल दास बंसल, श्रीमती सुमित्रा बाई द्वारा चल रहे सवा लाख पार्थिक शिव लिंग पूजन अनुष्ठान के तीसरे दिन केदारनाथ मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष राजर्षी ठाकुर, जयपाल सिंह, नयाल सनातनी, ट्रस्ट के सदस्य चेना राम सीरवी ने पूजा अनुष्ठान में भाग लिया। इस अवसर पर अलावा नरेश, मदन, लक्ष्मी, अलंकृता, भाविक आदि लोग उपस्थित थे।

तेलंगाना में मौजूदा आर्थिक संकट के लिए बीआरएस सरकार जिम्मेदार : रेवंत

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार को आरोप लगाया कि तेलंगाना में मौजूदा आर्थिक संकट के लिए पिछली बीआरएस सरकार जिम्मेदार है। विधानसभा में तेलंगाना के साथ हुए अन्याय पर बहस में हिस्सा लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बीआरएस सरकार ने सभी क्षेत्रों को बर्बाद कर दिया और विधानसभा चुनाव में पार्टी के सत्ता से बाहर होने से पहले हर विभाग में सभी बिलों को लंबित रखा।

उन्होंने कहा, "बीआरएस पार्टी को लोगों ने सबक सिखाया और बीआरएस की विफलताओं को देखने के बाद विधानसभा चुनाव में अपना फैसला सुनाया।"

रेवंत रेड्डी ने याद दिलाया कि पिछले दस सालों के दौरान बीआरएस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र की भाजपा सरकार का हर फैसले में समर्थन किया था, जिसमें ट्रिपल तलाक बिल, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनाव, नोटबंदी और कृषि कानून शामिल हैं। लेकिन, उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार ने केंद्र से तेलंगाना को फंड लाने का कोई प्रयास नहीं किया।

पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के उस बयान को याद करते हुए, जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें केंद्र से किसी फंड की जरूरत नहीं है, लेकिन नरेंद्र मोदी का स्नेह ही काफी है, रेवंत रेड्डी ने कहा कि 2018 में जब विपक्ष ने नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था, तब बीआरएस पार्टी ने लोकसभा में वॉकआउट किया था और बीआरएस के राज्यसभा सदस्य संतोष ने विशेष विमान से उड़ान भरी थी और 2019 में आरटीआई संशोधन अधिनियम के समर्थन में मतदान में भाग लिया था। हमारी सरकार को उद्योगपतियों अडानी और अंबानी के साथ मिलीभगत करने की जरूरत नहीं है और विधानसभा अफवाह फैलाने का मंच नहीं है।

रेवंत रेड्डी ने कहा, "केसीआर आगे आएं और मैं भी तेलंगाना के लिए न्याय की मांग करते हुए नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर आमरण अनशन करने के लिए तैयार हूं। आइए हम आंदोलन शुरू करके तय करें कि तेलंगाना को केंद्रीय फंड मिले या नहीं। बीआरएस पार्टी को जंतर-मंतर पर धरने पर बैठने की तारीख और कार्यक्रम तय करना चाहिए।

पदोन्नति के साथ अधिक जिम्मेदारी भी बढ़ती है : एसपी

आसिफाबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एसपी डीवी श्रीनिवास राव ने आज जिला पुलिस कार्यालय में पदोन्नति पाने वाले कई जिला पुलिस कर्मियों को बधाई दी। एसपी ने कहा कि पदोन्नति के साथ नौकरी की जिम्मेवारी भी बढ़ेगी। एसपी ने कहा कि वे अनुशासन के साथ अपने कर्तव्यों का पालन कर सेवा में और अधिक पदोन्नति प्राप्त कर जिले और व्यक्तिगत तौर पर अच्छा नाम रोशन करें।

पदोन्नती पाने वालों में मोहम्मद बशीरुद्दीन, गुलाम मकसूद अहमद, नागराज, तिरुपति शामिल है। मोहम्मद बशीरुद्दीन और गुलाम मकसूद अहमद को हेड कांस्टेबल से एएसआई और नागराजू, तिरूपति को कांस्टेबल से हेड कांस्टेबल के पद पर पदोन्नत किया गया।

कार्यक्रम में आसिफाबाद टाउन सीआई सतीश, कागजनगर ग्रामीण सीआई रामबाबू, आरआई प्रशासन पेद्दैया, जिला पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष एमवीएस रेड्डी और अन्य पुलिस कर्मियों ने भाग लिया।

बिहार सहयोग समिति नई ट्रेन की घोषणा न होने से निराश

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार सहयोग समिति ने केंद्रीय बजट में बिहार को विशेष पैकेज देने की घोषणा का स्वागत किया है। समिति के पदाधिकारी ने बिहार के लिए स्पेशल पैकेज कि घोषणा करने पर वित्त मंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा है बिहार सहयोग समिति, तेलंगाना कई साल से सिकंदराबाद से पटना के लिए एक नई ट्रेन चलाने की मांग कर रही है। समिति के पदाधिकारियों ने प्रधानमंत्री, रेल मंत्री, रेलवे के बड़े अधिकारियों तक का दरवाजा खटखटाया। हमलोग को उम्मीद था कि बजट में नई ट्रेन कि घोषणा होगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। यह निराशा भरा रहा। मगर एक खुशी हुई बिहार को पैकेज दिया गया। अब बिहार मुख्यमंत्री को चाहिए कि जितना हो सके बिहार का विकास करना चाहिए।

बिहार सहयोग समिति तेलंगाना के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव ने बताया कि हैदराबाद से पटना के लिए एक नई ट्रेन और दरभंगा एक्सप्रेस गाड़ी को डेली चलाने के घोषणा तक हमलोग अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। समिति के सचिव सागर भगत ने बताया कि बिहार के सभी राजनेताओं को इसके लिए मिलकर आवाज उठाना चाहिए। पटना या सिकंदराबाद से ट्रेन चलना बहुत जरूरी है।

बीकानेरवाला ने तेलंगाना में किया 200वें आउटलेट का उद्घाटन

नए आउटलेट्स के उद्घाटन पर भारी खुशी : चेतन अग्रवाल

हैदराबाद, 24 जुलाई(स्वतंत्र वार्ता)। पारंपरिक भारतीय स्वादिष्ट मिठाइयों के लोकप्रिय ब्रांड बीकानेरवाला ने तेलंगाना स्थित आरामगढ़, राजेंद्रनगर, ग्रेटर हैदराबाद में अपने 200वां आउटलेट्स का उद्घाटन किया। निदेशक चेतन अग्रवाल ने कहा कि, "हमें ग्रेटर हैदराबाद के आरामगढ़ में अपने नए आउटलेट्स के उद्घाटन करने पर हर्ष हो रहा है।

चेतन अग्रवाल ने बताया कि, बीकानेरवाला ने अपना विस्तार जारी रखा है। इसकी शुरुआत वर्ष 1905 में हुई तथा इसका संचालन लाल चंद अग्रवाल द्वारा बीकानेर के पुराने शहर के कोटे गेट इलाके में एक छोटी सी मिठाई की दुकान - बीकानेर नमकीन भंडार के रूप में की गयी थी। इस दुकान में शुरुआत में बीकानेरियों के स्वाद के हिसाब से कुछ मिठाइयाँ और नमकीन बेची जाती थीं। वहाँ इसे स्वीकृति मिली और यह दुकान फलने-फूलने लगी। बीकानेर के पुराने शहर और शहर के आस-पास के इलाकों में समृद्ध और नाम कमाने के बाद, परिवार के दो भाइयों ने वर्ष 1950 में बीकानेर नमकीन भंडार की कहानी में एक और अध्याय लिखने की ठानी। दोनों भाइयों ने दिल्ली के चांदनी चौक में दुकान खोली और मिठाई और नमकीन बिक्री शुरू की। दुकान को जल्द ही दिल्ली के लोग बीकानेरवाला के नाम से जानने लगे। इस तरह से बीकानेरवाला नाम की शुरुआत हुई। लोगों द्वारा दिए गए इस नाम की समय के साथ स्वाद और प्रसिद्धि फैलती गई। इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, नई दुकानें और आउटलेट्स खोले गए। इस चरण के दौरान बीकानेरवाला केवल एक मिठाई की दुकान से एक 100% शाकाहारी बहु-व्यंजन रेस्तरां में बदल गया, जो ताज़ा गर्म शाकाहारी भोजन भी प्रदान करता है। वर्तमान में, बीकानेरवाला के पूरे भारत में 200 से अधिक आउटलेट्स हैं और साथ ही विदेशों में जैसे अमेरिका, कनाडा, यूएई, कतर, न्यूजीलैंड, सिंगापुर और नेपाल जैसे देशों में इसका फैलाव है। बिकानो कंपनी का पैकेज्ड उत्पादों का ब्रांड है जो न केवल भारत में लोकप्रिय है बल्कि दुनिया भर में निर्यात भी किया जाता है। आरामगढ़ आउटलेट हमारे सभी लंबे समय तक चलने वाले बिकानो पैकेज्ड उत्पादों का एक सुविधाजनक एकल बिंदु स्रोत भी होगा। हमारे ग्रेटर हैदराबाद में पहले से ही - बंजारा हिल्स, हैदरगुडा, कोंडापुर, खैरताबाद, आरजीआई इंटरनेशनल नामक 6 आउटलेट्स हैं। तेलंगाना ग्रेटर हैदराबाद के आरामगढ़ हैदराबाद में हमारा यह 7वां आउटलेट है - यह शहर अपने इतिहास, संस्कृति और अपनी पाककला विशेषज्ञता के लिए प्रसिद्ध है। यह 100% शाकाहारी रेस्तरां है जो क्यूएसआर प्रारूप में पेय पदार्थों की एक श्रृंखला सहित बहु-व्यंजन प्रदान करता है।

हैदराबाद के बीकानेरवाला के निदेशक नवीन ने बताया कि, निकट भविष्य में विश्व के कई स्थानों पर हम हमारे अनेकानेक आउटलेट्स खोलकर आम जन को स्वादिष्ट मिठाईयों एवं शाकाहारी भोजन प्रदान करने में सफल होंगे।

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा द्वारा स्कूल शूज वितरण

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सिकंदराबाद द्वारा स्कूल के बच्चों में स्कूल शूज वितरण किए गए। शाखा अध्यक्ष रक्षा जैन के नेतृत्व में पिकेट स्थित गवर्नमेंट बॉयज प्राइमरी स्कूल के 87 बच्चों में स्कूल शूज दिए गए। इस कार्यक्रम को में उपाध्यक्ष शशि नाहर, मंत्री शीतल जैन, कला गांधी, पूनम बोहरा, संतोष गुज़रानी, कविता मांडण, सुनीता डूंगरवाल, सोनल जैन, अनीता सुराणा, गायत्री प्रजापत, बबीता घोडेला, ममता घोडेला, रिद्धि, सिद्धि, तनुष्का, काव्यांश, शाखा कोषाध्यक्ष सुमन घोड़ेला उपस्थित थी।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ती गणेश की पूजा करते हुए राजेंद्र कुमार अग्रवाल, विजय कुमार अग्रवाल, अशोक लाखोटिया, गोपाल बलदवा, राम गोयल, लक्ष्मण मूर्ति, विठ्ठलदास अग्रवाल, महेश डकोटिया, मंसाराम अग्रवाल, प्रमोद सरायवाला, सुधाकर पम्पति, विजय तुम्बी, सुरेश कुमार, सीए चोपड़ा आदि अन्य भक्त।

गुंडलामचनूर के पास डंप यार्ड का विरोध

ग्रामीणों ने की नारेबाजी, जताई नाराजगी

संगारेड्डी, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी नगरपालिका के लिए डंप यार्ड स्थापित करने के लिए सही जगह ढूढ़ना अधिकारियों के लिए एक कठिन काम बन गया है। संगारेड्डी शहर के आस-पास के गांवों के निवासियों के वर्षों से कड़े विरोध का सामना करने के बाद अधिकारियों ने डंप यार्ड के लिए शहर से लगभग 15 किलोमीटर दूर हथनूरा मंडल के गुंडलामचनूर में ज़मीन के एक टुकड़े की पहचान की। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा के साथ डंप यार्ड के उद्घाटन का कार्यक्रम भी तय किया। हालांकि, अधिकारियों ने कार्यक्रम रद्द कर दिया है क्योंकि ग्रामीण इस कदम का कड़ा विरोध कर रहे थे।

गांव के पूर्व उप-सरपंच नरसिम्हा रेड्डी ने कहा कि सरकार ने उनके गांव के आसपास कई रासायनिक उद्योगों को अनुमति दी है, जिससे उनका जीवन कठिन हो गया है। उन्होंने कहा कि जहरीली गैसों के निकलने से कई ग्रामीण बीमार पड़ेंगे। रेड्डी ने कहा कि डंप यार्ड से उनका जीवन और भी कठिन हो जाएगा। उन्होंने अधिकारियों से इस कदम को रोकने और डंप यार्ड को दूसरी जगह स्थानांतरित करने की अपील की। उन्होंने पूछा कि नगर निगम के अधिकारी भारी मात्रा में परिवहन पर खर्च करके प्रतिदिन 15 किलोमीटर लंबी दूरी तक कचरा ले जाने की योजना क्यों बना रहे हैं?

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

गौतम गंभीर के लिए बीसीसीआई ने खोला खजाना

सैलरी 12 करोड रुपये सालाना, श्रीलंका में सिर्फ 16 दिन का भत्ता 336000 रुपये

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। टीम इंडिया के नए हेड कोच गौतम गंभीर ने अपनी कमान संभाल ली है. श्रीलंका दौरे से उनका काम चालू हो गया है. उनकी अगुवाई में ये पहला विदेशी दौरा है. अब सवाल है कि गौतम गंभीर इन सबके लिए बीसीसीआई से ले कितने रुपये रहे हैं? हेड कोच के नाते टीम इंडिया से जुड़ने के लिए उन्होंने कितने रकम में करार किया है? ऐसे सवालों के जवाब अब सामने हैं. टीम इंडिया के हेड कोच के तौर पर गौतम गंभीर का पैकेज क्या होगा, उसका पता अब चल चुका है. रिपोर्ट्स की मानें तो गौतम गंभीर पर होने वाला खर्च जानकर आपका माथा ठनक सकता है.

गौतम गंभीर को मिलेगी कितनी सैलरी?

तो माथा ठनकाने वाला वो पैकेज क्या है? आखिर ऐसा भी गौतम गंभीर को बीसीसीआई क्या दे रही है? सबसे पहले तो सैलरी के बारे में जान लीजिए. बीसीसीआई से गौतम गंभीर को मिलने वाली सालाना सैलरी 12 करोड़ रुपये है. अब साल के 12 करोड़ मतलब हर महीने के 1 करोड़ गौतम गंभीर को टीम इंडिया के हेड कोच के तौर पर मिलेंगे. लेकिन, क्या सिर्फ इतना ही है जो गौतम गंभीर को मिला है. अगर आप ऐसा सोच रहे हैं तो बड़ी गलती कर रहे हैं.

16 दिन के श्रीलंका दौरे पर खर्च के लिए मिलेंगे कितने रुपये?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, 12 करोड़ रुपये सालाना सैलरी तो गौतम गंभीर की होगी ही, इसके अलावा उन्हें दूसरी भी सुविधाएं दी जाएंगी. ऐसी सुविधाओं में सबसे अहम है विदेशी दौरों पर मिलने वाला हर रोज का भत्ता. ये रकम 21000 रुपये है. भारतीय टीम के साथ गौतम गंभीर 22 जुलाई को श्रीलंका पहुंचे थे और वो वहां 7 अगस्त तक होंगे. अब इस हिसाब से श्रीलंका दौरे पर गौतम गंभीर को मिलने वाला 16 दिन का टोटल भत्ता 336000 रुपये होता है.

रोहित शर्मा को नहीं खेलना चाहिए वो बेहोश हो जाएंगे

वर्ल्ड चैंपियन भारतीय खिलाड़ी ने साधा कप्तान पर निशाना

मुंबई, 24 जुलाई (एजेंसियां)। टीम इंडिया के नए हेड कोच गौतम गंभीर ने हाल ही में रोहित शर्मा और विराट कोहली पर ऐसी बात कही थी जिसके बाद उनके फैंस काफी खुश हो गए थे. गौतम गंभीर ने कहा था कि विराट कोहली और रोहित शर्मा जबतक चाहे वनडे क्रिकेट खेल सकते हैं. अगर वो फिट रहे तो दोनों खिलाड़ी वनडे वर्ल्ड कप 2027 भी खेलते नजर आएंगे. हालांकि गौतम गंभीर के इस बयान से पूर्व क्रिकेटर कृष्णम्माचारी श्रीकांत बिल्कुल सहमत नहीं हैं. श्रीकांत ने एक यूट्यूब लाइव में रोहित शर्मा की फिटनेस पर ही सवाल खड़े कर दिए. उन्होंने कहा कि रोहित को 2027 वर्ल्ड कप नहीं खेलना चाहिए.

क्या बोले श्रीकांत?

श्रीकांत ने अपने बेटे अनिरुद्ध के साथ बातचीत में रोहित शर्मा पर बड़ा हमला बोला. उन्होंने कहा, 'विराट कोहली एक चैंपियन खिलाड़ी हैं. रोहित शर्मा को 2027 का वर्ल्ड कप नहीं खेलना चाहिए. वो साउथ अफ्रीका में बेहोश हो जाएंगे.' श्रीकांत का ये बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और रोहित के फैंस इस पूर्व खिलाड़ी को ट्रोल कर रहे हैं. वैसे पहला मौका नहीं है जब श्रीकांत ने रोहित शर्मा पर निशाना साधा हो. श्रीकांत ने आईपीएल 2024 के दौरान कहा था कि रोहित शर्मा को अपना नाम बदलकर नौ हिट शर्मा रख लेना चाहिए. दरअसल उस वक्त रोहित शर्मा का बल्ला नहीं चल रहा था और यही वजह है कि श्रीकांत उनपर सवालिया निशान खड़ा कर रहे थे. हालांक रोहित शर्मा ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में कमाल का प्रदर्शन कर सभी आलोचकों का मुंह बंद कर दिया था.

श्रीकांत ने नहीं दी थी रोहित को जगह

साल 2011 में जब टीम इंडिया वर्ल्ड कप जीती थी तो उस टीम के चीफ सेलेक्टर के. श्रीकांत ही थे. श्रीकांत ने बड़ा फैसला लेते हुए रोहित शर्मा को वर्ल्ड कप टीम से ड्रॉप कर दिया था. उनकी जगह यूसुफ पठान को मौका मिला था. श्रीकांत लगातार रोहित शर्मा के खिलाफ बयान देते रहते हैं और बड़ी बात ये है कि हिटमैन अकसर उन्हें गलत साबित करते हैं. रोहित के फैंस को उम्मीद होगी कि ये खिलाड़ी 2027 वर्ल्ड कप में भी टीम इंडिया की कप्तानी करे और फिर भारत वर्ल्ड चैंपियन बने.

क्वालीफिकेशन दौर से अपने अभियान की शुरुआत करेंगे भारतीय तीरंदाज

दीपिका-तरुणदीप पर होंगी नजरें

पेरिस, 24 जुलाई (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक की आधिकारिक तौर पर शुरुआत 26 जुलाई से होगी, लेकिन इससे एक दिन पहले गुरुवार को भारतीय तीरंदाज अपने अभियान का आरंभ करेंगे। तीरंदाजी वो स्पर्धा है जिसमें भारत अब तक कोई ओलंपिक पदक हासिल नहीं कर सका है और अब भारतीय तीरंदाज लेस इनवैलिड्स गार्डन में क्वालीफिकेशन राउंड के साथ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। अनुभवी तरुणदीप राय और दीपिका कुमारी अपने चौथे ओलंपिक में भाग ले रहे हैं। उनकी अगुआई में टीम को पसंदीदा ड्रॉ हासिल करने के लिए क्वालीफिकेशन में कम से कम शीर्ष 10 में जगह बनानी होगी।

तीरंदाजी को ओलंपिक में 1988 में शामिल किया गया था और तब से भारतीय तीरंदाज लगभग हर ओलंपिक खेल में हिस्सा ले रहे हैं लेकिन अभी तक पोडियम तक पहुंचने में नाकाम रहे हैं। लंदन ओलंपिक 2012 के बाद यह पहला अवसर है जब भारतीय टीम में सभी छह खिलाड़ी शामिल हैं। भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने रैंकिंग के आधार पर ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया जिसका मतलब है कि इस बार भारतीय तीरंदाज पांच स्पर्धाओं में भाग लेंगे।

पुरुष
तरुणदीप राय, धीरज बोम्मादेवरा और प्रवीण जाधव

महिला
दीपिका कुमारी, भजन कौर और अंकिता भकत

प्रत्येक तीरंदाज 72 तीर चलाएगा और क्वालीफिकेशन दौर में भाग ले रहे 53 देश के 128 खिलाड़ियों के स्कोर के आधार पर रविवार से शुरू होने वाली मुख्य नॉकआउट प्रतियोगिता के लिए वरीयता तय की जाएगी। भारतीय टीम के लिए क्वालीफिकेशन दौर महत्वपूर्ण होगा जो अक्सर निचली वरीयता हासिल करती रही हैं और ऐसे में नॉकआउट चरण में उन्हें दक्षिण कोरिया जैसी मजबूत टीम का सामना करना पड़ता है।

टोक्यो ओलंपिक में भारत के सभी पुरुष तीरंदाज शीर्ष 30 में जगह नहीं बना पाए थे जिससे भारतीय टीम को नौवीं वरीयता मिली थी। भारत की एकमात्र महिला तीरंदाज दीपिका ने नौवां स्थान हासिल किया था। भारत को तब अपने अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में शीर्ष वरीयता प्राप्त कोरिया से हार का सामना करना पड़ा था। भारत को पुरुष टीम से काफी उम्मीद है जिसने इस साल शंघाई में विश्व कप के फाइनल में कोरिया को हराकर इतिहास रचा था। भारतीय टीम में राय और पिछले ओलंपिक में भाग लेने वाले प्रवीण जाधव के रूप में अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं, जबकि युवा खिलाड़ी धीरज बोम्मादेवरा एक महीने पहले अंताल्या विश्व कप में टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता इटली के मौरो नेस्पोली को हराकर कांस्य पदक जीत कर उत्साह से लबरेज होंगे। महिला वर्ग में सभी की निगाहें दीपिका पर टिकी रहेंगी। उन्होंने मां बनने के 16 महीने के अंदर शंघाई में विश्व कप के पहले चरण में रजत पदक जीत कर शानदार वापसी की थी।

निजी और राष्ट्रीय कोच की भूमिका को लेकर छिड़ी बहस, ओलंपिक पदक विजेता ने भी रखी राय

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक से पहले निजी और राष्ट्रीय कोच की भूमिका को लेकर बहस गर्मा गई है। इस बीच ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज विजय कुमार का मानना है कि खिलाड़ी के विकास के लिए निजी और राष्ट्रीय कोच दोनों की भूमिका अहम होती है। दरअसल, कई भारतीय खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक में निजी कोच लेकर गए हैं और विजय का मानना है कि इसमें कोई बुराई नहीं है।

निशानेबाजी में भारत की पदक उम्मीद पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर ने महान पिस्टल निशानेबाज जसपाल राणा को चुना जबकि राइफल निशानेबाज ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर पूर्व ओलंपियन जॉयदीप करमाकर के साथ अभ्यास करते हैं, हालांकि जॉयदीप उनके साथ पेरिस नहीं गए हैं। दूसरे खेलों में भी कई खिलाड़ियों ने निजी कोचों को तरजीह दी है। लंदन ओलंपिक 2012 में रैपिड फायर पिस्टल में रजत पदक जीतने वाले विजय ने कहा, ₹यह पेचीदा मसला है। निजी कोचों को भी अहमियत मिलनी चाहिए। मानों अगर मैं राष्ट्रीय कोच बन जाता हूं और मेरे पास जो निशानेबाज आते हैं, वे अब तक तो निजी कोच के साथ ही अभ्यास करते आये होंगे इसलिये दोनों कोचों का योगदान अहम है। राष्ट्रीय कोच अतिरिक्त पुश देते हैं और दबाव का सामना करना सिखाते हैं।

विजय ने कहा, ₹महासंघ को भी ऐसे ही कोच नियुक्त करने चाहिये जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीते हों ताकि वे इन हालात में अच्छा खेलने के बारे में सिखा सके।

लवलीना-निकहत की तैयारी के लिए कोच धर्मेंद्र ने किया त्याग

नहीं हुए बेटे की शादी में शामिल

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। 1990 के राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य जीतने वाले धर्मेंद्र ने शादी में नहीं आने का फैसला लिया। वह जर्मनी से टीम के साथ पेरिस के लिए रवाना हो गए। धर्मेंद्र शादी में थे नहीं, लेकिन उनकी पत्नी मीनू ने हर रस्म में वीडियो कॉल के जरिये उनकी मौजूदगी बनाए रखी है।

पेरिस ओलंपिक में देश के मुक्केबाजों को पदक दिलाने के लिए भारतीय मुक्केबाजी टीम के कोच और अपने समय के नामी मुक्केबाज अर्जुन अवॉर्डी धर्मेंद्र यादव ने अपने बेटे की शादी छोड़ दी। बुलंदशहर के धर्मेंद्र के सामने बीते सप्ताह बड़ा धर्मसंकट खड़ा हो गया कि वह बेटे की शादी में शामिल हों या सारब्रुकेन (जर्मनी) में भारतीय मुक्केबाजी टीम की तैयारियां छोड़ दें। यह उलझन सिर्फ शादी तक सीमित नहीं थी। देश के पहले पेशेवर बॉक्सर धर्मेंद्र की मां की तबियत अचानक बिगड़ गई थी। उन्हें आईसीयू में दाखिल कराना पड़ा था। मां के कहने पर ही पोते की शादी आनन-फानन में करनी पड़ रही थी। ओलंपिक से ठीक पहले धर्मेंद्र का तैयारियां छोड़ना ठीक नहीं था। उनकी पत्नी और बेटे ने कहा वह राष्ट्रीय कोच की भूमिका निभाएं, बाकी सब वे संभाल लेंगे।

1990 के राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य जीतने वाले धर्मेंद्र ने शादी में नहीं आने का फैसला लिया। वह जर्मनी से टीम के साथ पेरिस के लिए रवाना हो गए। धर्मेंद्र शादी में थे नहीं, लेकिन उनकी पत्नी मीनू ने हर रस्म में वीडियो कॉल के जरिये उनकी मौजूदगी बनाए रखी है। जयमाल हो या आगवानी या फिर तिलक धर्मेंद्र वीडियो कॉल के जरिये मौजूद रहे।

धर्मेंद्र की पत्नी बताती हैं कि यह बेहद कठिन फैसला था, जो हम सबने मिलकर लिया। हम सब को लगा ओलंपिक से बड़ा कुछ नहीं है। उनकी वजह से टीम की तैयारियां प्रभावित नहीं होनी चाहिए। दरअसल मां की तबियत खराब नहीं होती तो बेटे की शादी अचानक नहीं करनी पड़ती। मां की इच्छा के लिए यह करना पड़ा। अब वह धीरे-धीरे ठीक हो रही हैं। जब वह पेरिस से लौटेंगे तो बेटे की शादी का एक समारोह आयोजित करेंगे। ओलंपिक में लवलीना, निकहत, प्रीति,

इतिहास रचने की दहलीज पर 44 साल के रोहन बोपन्ना

पदक जीते तो बन जाएंगे सबसे उम्रदराज विजेता

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)। रोहन बोपन्ना को अपने करियर की बड़ी सफलताएं 35 की उम्र के बाद मिली हैं। बोपन्ना अब 44 वर्ष के हो चुके हैं। बावजूद इसके वह सफलताओं के नए आयाम गढ़ रहे हैं। वह इस वर्ष ही 43 वर्ष की आयु में मैथ्यु एबडेन के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतकर ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे उम्रदराज टेनिस खिलाड़ी बने हैं। अब बोपन्ना की निगाहें पेरिस ओलंपिक पर हैं। वह यहां नियमित साथी मैथ्यु एबडेन के साथ नहीं बल्कि एन श्रीराम बालाजी के साथ जोड़ी बनाकर उतरने जा रहे हैं, लेकिन पेरिस में उनकी दावेदारी को खारिज नहीं किया जा सकता है। बोपन्ना ने पेरिस में बालाजी के साथ पुरुष युगल में पदक जीता तो वह इतिहास रच देंगे। वह ओलंपिक में पदक जीतने वाले सबसे उम्रदराज भारतीय खिलाड़ी बन सकते हैं।

विश्व नंबर 62 बालाजी बोपन्ना के नियमित जोड़ीदार नहीं हैं। ओलंपिक में तालमेल बिठाने के लिए इस वक्त दोनों साथ खेल रहे हैं। बोपन्ना ने सोचने-समझने के बाद बालाजी को ओलंपिक के लिए अपना जोड़ीदार चुना। दिसंबर, 2023 में बोपन्ना ने कुछ भारतीय खिलाड़ियों को अपने खर्च पर साथ में होटल में रुकवाया था। इस प्रवास के दौरान बोपन्ना ने उनके बारे में सब कुछ जाना। इनमें बालाजी भी शामिल थे। माना जा रहा था कि बोपन्ना के जोड़ीदार को लेकर विवाद होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सूत्र बताते हैं कि इस प्रवास के कुछ दिन बाद ही बोपन्ना ने अखिल भारतीय टेनिस महासंघ (आईटा) को अवगत करा दिया था कि वह बालाजी को जोड़ीदार बनाने जा रहे हैं। हालांकि बालाजी के नाम की घोषणा काफी बाद में हुई। टूर्नामेंट क्ले कोर्ट पर हो रहा है। बोपन्ना का मानना है कि बालाजी क्ले कोर्ट पर अच्छा खेलते हैं।

बोपन्ना का यह तीसरा ओलंपिक है। 2012 और 2016 में वह ओलंपिक से पहले जोड़ी को लेकर काफी विवादों में रहे। उन्होंने लंदन में लिएंडर पेस की जगह महेश भूपति के साथ जोड़ी बनाई, जबकि रियो में सानिया ने पेस के स्थान पर बोपन्ना को मिश्रित युगल में वरीयता दी। दोनों ही मौकों पर वह पदक के दावेदार बने, लेकिन वह पास पहुंच कर भी पदक नहीं जीत पाए।

पेरिस में दम दिखाने के लिए तैयार हैं दुनिया के दिग्गज खिलाड़ी

कई सितारों का दावा बेहद मजबूत

खेल डेस्क, , 24 जुलाई (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक में दुनिया भर के दिग्गज एथलीटों का मेला लगेगा। कई खिलाड़ियों की तो उपलब्धियां और रुतबा इतना बड़ा है कि उनका भाग लेना ही पदक की गारंटी माना जा रहा है। भारत के अलावा अन्य देशों के खिलाड़ियों की बात करें तो इनमें स्वीडन के बांसकूद खिलाड़ी आर्मंड मोंडो डुप्लेंटिस से लेकर अमेरिकी जिमनास्ट सिमोन बाइल्स शामिल हैं। मैराथन धावक केन्या के किपचोगे हैं तो अमेरिकी तैराक कैटी लेडेकी भी हैं। कई दिग्गज एथलीटों का यह अंतिम ओलंपिक माना जा रहा है इनमें बास्केटबाल स्टार अमेरिका के लेब्रोन जेम्स, जमैका की धाविका शैली एन फ्रेजर प्राइज और टेनिस स्टार राफेल नडाल शामिल हैं। ऐसे में युवाओं के साथ उनकी अच्छी होड़ देखने को मिल सकती है। पेरिस में 206 देशों के 10500 से ज्यादा एथलीट हिस्सा ले रहे हैं, पदकों के लिए कड़ी होड़ होंगी लेकिन कुछ खास सितारों का दावा बेहद मजबूत माना जा रहा है।

प्राइज की शैली जुदा

जमैका की तीन बार की ओलंपिक चैंपियन और आठ बार की पदक विजेता शैली एन फ्रेसर प्राइज को 37 साल की होने के बावजूद कम करके नहीं आंका जा सकता। उनके पेरिस में 100 मीटर में हिस्सा लेने की संभावना है। 200 मीटर में उनका भाग लेना निश्चित नहीं है। यह उनका अंतिम ओलंपिक माना जा रहा है और वह कोई कोर-कसर नहीं रखेंगी। बीजिंग से शुरू हुई उनकी ओलंपिक यात्रा में उन्होंने अब तक तीन स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य पदक जीता है।

शकारी को पहले ओलंपिक पदक की तलाश

अमेरिका की 100 और 200 मीटर रेस की 24 साल की धाविका शकारी रिचर्ड्सन पिछली बार टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने में सफल रही थीं, लेकिन डोप टेस्ट में विफल रहने के कारण उन्हें टीम से हटा दिया गया था। पिछले साल बुडापेस्ट में हुई विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वाली एथलीट पेरिस में पदक जीतना चाहेंगी। बुडापेस्ट में उन्होंने फर्राटा रेस के अलावा चार गुणा 100 मीटर रिले में भी स्वर्ण जीता था।

तैराकी में लेडेकी की निगाह 11वें ओलंपिक पदक पर

अमेरिका की 27 साल की तैराक कैटी लेडेकी का यह चौथा ओलंपिक होगा। वह लंदन 2012, रियो डि जेनेरियो 2016 और टोक्यो ओलंपिक 2020 के तीन ओलंपिक में 10 पदक जीत चुकी हैं जिसमें सात स्वर्ण और तीन रजत पदक हैं। उन्होंने फ्री स्टाइल की 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर और 1500 मीटर में क्वालिफाई कर लिया है। उनके पेरिस में अपने ओलंपिक पदकों की फेहरिस्त में और इजाफा करने की पूरी उम्मीद है।

अमेरिकी जिम्नास्ट बाइल्स में बड़ा बल

अपने मानसिक स्वास्थ्य को लेकर अमेरिका की 27 साल की दिग्गज जिम्नास्ट सिमोन बाइल्स ने टोक्यो में सिर्फ बैलेंस बीम स्पर्धा में भाग लिया था जहां उन्हें केवल कांस्य से संतोष करना पड़ा था। उन्होंने टीम स्पर्धा में रजत पदक दिलाने में भूमिका निभाई थी। रियो में उन्होंने चार स्वर्ण सहित पांच पदकों पर कब्जा किया था। पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में चार स्वर्ण पदक के साथ उन्होंने संकेत दिया है कि पेरिस में फिर वह रियो ओलंपिक वाला कमाल दिखा सकती हैं।

नडाल के सामने छाप छोड़ने की चुनौती

पेरिस ओलंपिक की टेनिस स्पर्धाएं रोला गैरों में खेली जाएंगी और इस सतह पर सबसे सफल स्पेन के राफेल नडाल हैं जिन्होंने 14 ग्रैंडस्लैम यहां जीते हैं। हालांकि वह 38 साल की उम्र में चोट और फिटनेस की समस्या से जूझ रहे हैं। लेकिन हाल में ही बस्टाड ओपन के फाइनल में पहुंचे थे। वह ओलंपिक में एकल और युगल दोनों स्पर्धाओं में भाग लेंगे। युगल में वह कार्लोस अल्कारेज के साथ उतरेंगे जो फ्रेंच ओपन विजेता हैं। क्लेकोर्ट के किंग के रूप में विख्यात नडाल का यह तीसरा ओलंपिक है। वह एकल और युगल दोनों में स्वर्ण अपने नाम कर चुके हैं।

छठे गोल्ड की तलाश में टेबल टेनिस स्टार लोंग

चीन के टेबल टेनिस खिलाड़ी मा लोंग अपने आप में बेजोड़ हैं। विश्व स्तर पर उनके पदक उनकी महानता की कहानी बयां कर देते हैं। 35 साल के मा लोंग पहले ही पांच ओलंपिक स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। तीन बार 2015, 2017 और 2019 में विश्व चैंपियन रहे हैं। रियो और टोक्यो ओलंपिक में उन्होंने दो-दो स्वर्ण जीते थे। पेरिस में एकल में नहीं उतरेंगे, लेकिन टीम स्पर्धाओं में वेंग चुकिन और फेन जेंगडोन के साथ उतरेंगे।

बांसकूद के चैंपियन आर्मंड मोंडो डुपलेंटिस

स्वीडन के आर्मंड मोंडो डुपलेंटिस पेरिस में उन एथलीटों में शामिल हैं जिनका पदक पक्का समझा जा रहा है। पिछले कई वर्षों से अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में इस खिलाड़ी का दबदबा चल रहा है। वह सात बार विश्व रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं। इसी साल उन्होंने 6.24 मीटर का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। टोक्यो ओलंपिक में उन्होंने स्वर्ण पदक पर कब्जा किया था। विश्व चैंपियनशिप में उनके नाम दो स्वर्ण और एक रजत पदक है। इनडोर चैंपियनशिप,और यूरोपियन चैंपियनशिप में पांच स्वर्ण पदक हैं और डायमंड लीग में तीन बार पहले स्थान पर रहे हैं।

लेवरोन 400 मीटर बाधा दौड़ की मलिका

महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में अमेरिकी सिडनी मैकलाघलिन लेवरोन खिताब की दावेदार हैं। वह उन दो महिलाओं में शामिल हैं जिन्होंने 400 मीटर की बाधा दौड़ 51 सेकेंड से कम समय में पूरी की है। विश्व रैंकिंग में नंबर-1 लेवरोन ने टोक्यो ओलंपिक में 400 मीटर बाधा दौड़ और चार गुणा 400 मीटर में स्वर्ण पदक जीते थे। विश्व चैंपियनशिप में उनके नाम चार पदक हैं जिनमें तीन स्वर्ण हैं। उन्होंने चार बार विश्व रिकॉर्ड तोड़ा है। पिछले महीने अमेरिकी ट्रायल में उन्होंने 50.65 सेकेंड का विश्व रिकॉर्ड बनाया था।

किपचोगे पदक के प्रबल दावेदार

केन्या के लंबी दूर के धावक इलियूड किपचोगे को सर्वकालिक महान मैराथन धावकों में शामिल किया जाता है। मैराथन के अलावा और पांच हजार मीटर में हिस्सा लेते हैं। मैराथन में पिछले दो बार के ओलंपिक चैंपियन हैं। पांच हजार मीटर में भी एथेंस और बीजिंग में क्रमशः कांस्य और रजत पदक जीत चुके हैं। विश्व रैंकिंग में नंबर एक एथलीट हैं। दुनिया भर की मैराथनों लंदन, शिकागो, टोक्यो और बर्लिन में चैंपियन रह चुके हैं। उन्हें तीन बार के ओलंपिक चैंपियन इथोपिया के बेकले से कड़ी चुनौती मिलेगी।

विश्व चैंपियन नोह स्वर्ण की दावेदारी में

अमेरिका के 100 मीटर के विश्व रिकॉर्डधारी नोह लायल्स पेरिस में पदक के दावेदारों में हैं। उन्होंने लंदन में डायमंड लीग में अपने निजी श्रेष्ठ 9.81 सेकेंड के समय के साथ पेरिस की तैयारियों के संकेत दे दिए हैं। उन्होंने अपना पिछला श्रेष्ठ प्रदर्शन 2023 की बुडापेस्ट में हुई विश्व चैंपियनशिप में किया था जब उन्होंने 9.83 सेकेंड का समय निकाला था। विश्व चैंपियनशिप में उन्होंने 100, 200 और चार गुणा 100 मीटर रिले रेस जीती थी। तीन विश्व चैंपियनशिप में उनके नाम ट्रैक एंड फील्ड की विभिन्न स्पर्धाओं में छह स्वर्ण सहित सात पदक हैं। टोक्यो ओलंपिक में उन्होंने 200 मीटर में कांस्य पदक जीता था।

केंद्रीय करों में तेलुगु राज्यों की हिस्सेदारी बढ़ी

फोटो : 4 telugu state

* तेलंगाना का हिस्सा 26,216.38 करोड़ रुपये तय
* एपी का हिस्सा 13 प्रतिशत बढ़ा
* 50,474.64 करोड़ रुपये मिलेंगे केंद्रीय करों में

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय बजट अनुमान के अनुसार, 2024-25 के लिए केंद्रीय करों और शुल्कों में तेलुगु राज्यों की हिस्सेदारी बढ़ गई है, जबकि आंध्र प्रदेश का हिस्सा काफी हद तक बढ़ गया है, तेलंगाना के मामले में यह वृद्धि मामूली है। आंध्र प्रदेश का हिस्सा पिछले वित्त वर्ष की तुलना में करीब 13 प्रतिशत बढ़ा है। राज्य को केंद्रीय करों में 50,474.64 करोड़ रुपये मिलेंगे, जो 2023-24 में उसके हिस्से से 5,775.65 करोड़ रुपये अधिक है।

पिछले वित्त वर्ष में आंध्र प्रदेश को 44,698.99 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। चालू वित्त वर्ष के दौरान सभी राज्यों के कुल केंद्रीय करों और शुल्कों (12,47,211.28 करोड़ रुपये) में आंध्र प्रदेश की हिस्सेदारी 4.047 प्रतिशत है। केंद्रीय करों और शुल्कों में तेलंगाना का हिस्सा 26,216.38 करोड़ रुपये तय किया गया है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में लगभग 3,000 करोड़ रुपये अधिक है। 2023-24 के बजट में राज्य को 23,216.52 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे।

सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए केंद्रीय करों और शुल्कों के समग्र आवंटन में प्रतिशत के लिहाज से तेलंगाना का हिस्सा 2.102 प्रतिशत है। आंध्र प्रदेश के लिए ब्यौरा यह दर्शाता है कि राज्य को कॉर्पोरेट कर से 15,156.93 करोड़ रुपये, आयकर से 17455.93 करोड़ रुपये, केंद्रीय जीएसटी से 15,079.39 करोड़ रुपये, सीमा शुल्क से 2,228.46 करोड़ रुपये, केंद्रीय उत्पाद शुल्क से 469.73 करोड़ रुपये और अन्य करों और शुल्कों से 82.96 करोड़ रुपये मिलेंगे।

तेलंगाना को कॉर्पोरेट कर से 7,872.25 करोड़ रुपये, आयकर से 9,066.56 करोड़ रुपये, केंद्रीय जीएसटी से 7,832.19 करोड़ रुपये, सीमा शुल्क से 1,157.45 करोड़ रुपये, केंद्रीय उत्पाद शुल्क से 2443.98 करोड़ रुपये और अन्य करों और शुल्कों से 43.09 करोड़ रुपये प्राप्त होंगे। केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की खनन कंपनी सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के लिए 1,600 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इसमें आंतरिक संसाधनों से 1,442.50 करोड़ रुपये शामिल हैं।

एससीसीएल तेलंगाना सरकार और केंद्र का संयुक्त उद्यम है, जिसमें क्रमशः 51 और 49 प्रतिशत की इक्विटी है। विशाखापत्तनम स्टील प्लांट की कॉर्पोरेट इकाई राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) के लिए 620 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई को 2023-24 (संशोधित अनुमान) में 683 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। विशाखापत्तनम पोर्ट ट्रस्ट के लिए आवंटन भी 276 करोड़ रुपये से घटकर 150 करोड़ रुपये हो गया है।

मंदिर में चोरी

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शमीरपेट स्थित एक मंदिर में घुसकर अज्ञात व्यक्तियों ने मंगलवार रात आभूषण लूट ले गए। पुलिस के अनुसार, चोरों ने मंदिर में प्रवेश किया और मुख्य दरवाजा तोड़कर देवता की मूर्ति से आभूषण लूट लिए। सूचना मिलने पर शमीरपेट पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जांचकर्ताओं की मदद के लिए एक ट्रैकर डॉग को मौके पर बुलाया गया। कुत्ता मौके से कुछ मीटर दूर जाकर रुक गया। सुराग टीम ने भी मौके का दौरा किया। पुलिस क्लोज सर्किट कैमरों द्वारा रिकॉर्ड की गई फुटेज की मदद से व्यक्तियों की पहचान करने की कोशिश कर रही है। मामला दर्ज कर लिया गया है।

रिश्वत लेने के आरोप में दो कांस्टेबल निलंबित

मेदक, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक एसपी डी उदय कुमार रेड्डी ने हाल ही में वन-टाउन पुलिस स्टेशन में एक शिकायतकर्ता से रिश्वत लेने के आरोप में दो कांस्टेबलों को बुधवार को निलंबित कर दिया। शिकायतकर्ता की शिकायत के बाद एसपी ने जांच की और आरोप को सही पाया।

उन्होंने कांस्टेबल नेरुदी रामू और एम रवि को हिरासत में लिया, जो दोनों एक-शहर पुलिस स्टेशन में कार्यरत थे।

हैदराबाद में लगातार बूंदाबांदी जारी

25 जुलाई को तेलंगाना के लिए येलो अलर्ट

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में लगातार बूंदाबांदी हो रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने तेलंगाना के कुछ हिस्सों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें 25 जुलाई को भारी बारिश का संकेत दिया गया है। अगले दो दिनों तक अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश: 28 और 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। तेलंगाना के अन्य जिलों, विशेषकर कुमारम भीम आसिफाबाद, आदिलाबाद और नलगोंडा में भारी बारिश हुई, जबकि अन्य जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। विशेष रूप से, कुमारम भीम आसिफाबाद के बेज्जूर और चिनमन्नपल्ली में क्रमशः 96 मिमी और 81 मिमी की पर्याप्त वर्षा दर्ज की गई। आईएमडी ने आदिलाबाद, कुमारम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, जगितल, करीमनगर, पेद्दापल्ली और जयशंकर भूपालपल्ली सहित जिलों के लिए पीला अलर्ट जारी किया है।

पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण, हैदराबाद में जून में मानसून शुरू होने के बाद से 277 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जो सामान्य 242.2 मिमी से थोड़ा ज़्यादा है। उल्लेखनीय रूप से, खैरताबाद में सबसे ज़्यादा 341 मिमी ज़्यादा बारिश हुई है। नामपल्ली (333.2 मिमी), सिकंदराबाद (316.3 मिमी), आसिफनगर (295.3 मिमी) और हिमायतनगर (282.9 मिमी) सहित अन्य क्षेत्रों में भी ज़्यादा बारिश हुई। हालाँकि, तिरुमलागिरी में सिर्फ़ 186 मिमी बारिश हुई है, जो इसके सामान्य 241.1 मिमी से 24 प्रतिशत विचलन दर्शाता है।

राज्य में 397.9 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जो सामान्य 305.8 मिमी और पिछले साल के औसत 366 मिमी से अधिक है, इस प्रकार यह अधिक बारिश की श्रेणी में आता है। जोगुलम्बा गडवाल, वानापर्थी, नारायणपेट और नागरकुरनूल जैसे जिले अधिक बारिश की श्रेणी में हैं।

गरीब रथ एक्सप्रेस बनाया जाएगा आधुनिक

नए डिजाइन वाले होंगे एसी कोच * सुगम होगी सिकंदराबाद-विशाखापट्टनम की यात्रा * नई रेक में 20 एलएचबी कोच

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) कोचों के साथ अपनी अंतिम यात्रा पूरी करने के बाद, सिकंदराबाद-विशाखापत्तनम (12739) गरीब रथ एक्सप्रेस ट्रेन को अगले रन से लिंके हॉफमैन बुश (एलएचबी) कोचों में अपग्रेड किया जाएगा।

भारतीय रेलवे ने पहले घोषणा की थी कि सभी गरीब रथ ट्रेनों में नए डिजाइन के एसी इकॉनमी कोच लगाए जाएंगे, क्योंकि मौजूदा कोच पुराने और पारंपरिक थे। पुराने कोचों को थर्ड एसी इकॉनमी कोच वाले एलएचबी रेक से बदलने का फैसला किया गया। गरीब रथ ट्रेनें अपने किफायती किराया ढांचे के लिए जानी जाती हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के अधिकारियों ने बताया कि इस महीने से कुछ मार्गों पर उन्नत ट्रेनें शुरू होने की उम्मीद है, जिससे आधुनिक सुविधाओं के साथ यात्रियों की सुविधा बढ़ेगी। नई रेक में 20 एलएचबी कोच होंगे, जिनमें 18 थर्ड एसी इकोनॉमी कोच और दो जनरेटर मोटर कार शामिल हैं, जिनमें चेयर कार नहीं होंगी। 81 सीटों वाली नई एसी इकोनॉमी क्लास में बोतल होल्डर, फोल्डेबल स्नैक टेबल, दिव्यांगों के अनुकूल सुविधाएं, आधुनिक शौचालय, मध्य और ऊपरी बर्थ के लिए चढ़ने की सीढ़ियां, व्यक्तिगत एसी वेंट, रीडिंग लाइट और यूएसबी चार्जिंग सॉकेट जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

तेलंगाना के प्रति केंद्र का सौतेला रवैया: श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय बजट में तेलंगाना की प्रमुख परियोजनाओं के लिए बजट आवंटन न होने पर निराशा व्यक्त करते हुए विधायी मामलों के मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने भाजपा नीत एनडीए सरकार पर तेलंगाना के प्रति सौतेला रवैया अपनाने का आरोप लगाया। बुधवार को विधानसभा में केंद्रीय बजट में तेलंगाना के साथ हुए अन्याय पर मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव पर बोलते हुए श्रीधर बाबू ने कहा कि केंद्र ने आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम के अनुसार आंध्र प्रदेश को धन स्वीकृत किया, लेकिन उसने तेलंगाना की उपेक्षा की।

नहीं रुकेगी मधुलता की पढ़ाई

आईआईटी क्रैक करने के बाद बकरियां चरा रही लड़की की सीएम रेवंत रेड्डी ने की मदद

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जेईई की परीक्षा में राष्ट्रीय रैंक और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) पटना में सीट हासिल करने वाली तेलंगाना की एक आदिवासी लड़की परिवार के पास पैसे नहीं होने के कारण बीटेक में एडमिशन लेने की बजाय बकरियां चरा रही थी। अब मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी उसकी मदद के लिए आगे आए हैं। राजन्ना सिरसिला जिले की मधुलता ने इस साल जेईई में अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी में 824वीं रैंक हासिल की थी और आईआईटी पटना में उसे सीट भी मिल गई थी। गरीबी के कारण परिवार फीस और अन्य खर्चों के लिए ढाई लाख रुपये की व्यवस्था नहीं कर सका, जिससे वह इंजीनियरिंग फिजिक्स में बी.टेक में दाखिला नहीं ले सकी।

खेतिहर मजदूर की बेटी मधुलता पिछले महीने अपने एडमिशन के लिए केवल 17,500 रुपये का भुगतान ही कर पाई थी। गरीब परिवार के पास ट्यूशन फीस और अन्य खर्चों के लिए 2.51 लाख रुपये का इंतजाम करने का कोई साधन नहीं था। पिता के बीमार होने के कारण उसे परिवार का भरण-पोषण करने के लिए अपने गांव में बकरियां चराने के लिए मजबूर होना पड़ा। जिस ट्राइबल वेलफेयर जूनियर कॉलेज से उसने 12वीं कक्षा उत्तीर्ण की थी, वहां के शिक्षकों ने अधिकारियों से लड़की की मदद करने की अपील की थी, क्योंकि उसे 27 जुलाई तक फीस का भुगतान करना था।

सीएम ने मधुलता को दी बधाई

राज्य सरकार ने आदिवासी लड़की की परिस्थितियों को देखते हुए उसकी शिक्षा जारी रखने में मदद के लिए वित्तीय सहायता के आदेश दिए। मुख्यमंत्री रेड्डी ने आर्थिक कठिनाइयों का सामना करने के बावजूद प्रतिष्ठित संस्थान में सीट हासिल करने के लिए मधुलता को बधाई दी। उन्होंने बुधवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि आदिवासी कल्याण विभाग ने उसकी शिक्षा जारी रखने के लिए आवश्यक राशि जारी कर दी है। मुख्यमंत्री ने कामना की कि वह अपनी शिक्षा में आगे बढ़ती रहे और तेलंगाना का नाम रौशन करे। आदिवासी कल्याण आयुक्त द्वारा जारी आदेश के अनुसार, छात्रा ने 2,51,831 रुपये की वित्तीय सहायता मांगी। राज्य सरकार ने एक लाख रुपये की ट्यूशन फीस माफ कर दी और शैक्षणिक शुल्क, छात्रावास शुल्क, जिमखाना, परिवहन, मेस शुल्क, लैपटॉप और अन्य शुल्कों के लिए 1,51,831 रुपये जारी किए।

आसिफाबाद में भारी बारिश जारी

सामान्य जनजीवन प्रभावित * 49.5 मिमी मापी गई औसत वर्षा

बेज्जुर मंडल में सबसे अधिक 100 मिमी हुई वर्षा

कुमराम भीम आसिफाबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के कई हिस्सों में बुधवार को पांचवें दिन भी भारी बारिश जारी रही, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। तेलंगाना विकास योजना सोसाइटी की वेबसाइट पर उपलब्ध वर्षा रिपोर्ट के अनुसार जिले की वास्तविक औसत वर्षा 49.5 मिमी मापी गई। बेज्जुर मंडल में सबसे अधिक 100 मिमी वर्षा हुई, उसके बाद कौटाला मंडल में 84.4 मिमी वर्षा हुई जबकि चिंतलामनेपल्ली मंडल में 83.7 मिमी वर्षा हुई, जबकि सिरपुर (टी) मंडल में 76.4 मिमी वर्षा हुई। 1 जून से 24 जुलाई तक जिले में सामान्य बारिश 447 मिमी के मुकाबले 583 मिमी बारिश हुई, जो 31 प्रतिशत अधिक है। तिरयानी, रेबेना और आसिफाबाद मंडल को छोड़कर, जहां सामान्य बारिश दर्ज की गई, बाकी 11 मंडलों में कहीं-कहीं 20 से 48 प्रतिशत तक अधिक बारिश दर्ज की गई। लिंगपुर मंडल में 68 प्रतिशत अधिक बारिश हुई।

बेज्जुर मंडल में लगातार भारी बारिश का सबसे ज्यादा असर देखने को मिला। प्राणहिता के तट पर स्थित तलई, थिक्कापल्ली और भीमाराम नदी में उफान के कारण मुख्यधारा से कट गए हैं और स्थानीय नदियां लगातार 5 दिनों तक उफान पर रहीं। लोगों को सब्ज़ियां और ज़रूरी सामान खरीदने में काफ़ी मशक्कत करनी पड़ी। मंडल मुख्यालय और आस-पास के गांवों में पहुंचने के लिए उन्हें देसी नावों का इस्तेमाल करना पड़ा। इन तीन गांवों और सोमिनी, मोगावेल्ली और नागेपल्ली में खड़ी कपास, धान, ज्वार और दूसरी फ़सलें बारिश के पानी में डूब गईं।

इस बीच, प्राणहिता के तट पर स्थित चिंतलामनेपल्ली मंडल के डिमडा, बुरुगुडा, कोयापल्ली, चिट्टामा, शिवपल्ली गांवों में उगाई गई धान, कपास, सोया आदि फसलें नदी के बैकवाटर से बर्बाद हो गईं।

दहेगांव मंडल के रामपुर, दिगिडा, रावुलापल्ली मोटलागुडम गांवों, पेंचिकलपेट मंडल के कम्मरगांव, एल्लूर, लोदपल्ली, बॉम्बेगुडा और गोंटलापेट गांवों में फसलें भारी बारिश और टैंकों में दरार के कारण प्रभावित हुईं। कलेक्टर दोथरे ने राजस्व, पंचायत, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को बाढ़ के प्रति सतर्क रहने को कहा। उन्होंने कहा कि नदियों और नालों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। उन्होंने लोगों को किसी भी सहायता के लिए 08733-279033 और 63046 86505 पर संपर्क करने की सलाह दी।

2 ट्रकों की टक्कर में चालक की मौत

मंचेरियल, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। थंडूर मंडल के एनएच-363 पर एक फ्लाईओवर ब्रिज पर एक ट्रक के उसी दिशा में जा रहे एक अन्य ट्रक से टकरा जाने पर मंगलवार की रात एक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। थंडूर के उपनिरीक्षक चौधरी किरण कुमार ने बताया कि सिद्दीपेट के अनवर 42 वर्ष के सिर में गंभीर चोटें आईं, जिसके कारण मंगलवार देर रात करीब एक बजे उसकी मौत हो गई। घटना के समय वह ट्रक में महाराष्ट्र के नागपुर से हैदराबाद कुछ सामान लेकर जा रहा था। अनवर की पत्नी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

चंदानगर सड़क हादसे में दो लोगों की मौत

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के उपनगरीय क्षेत्र चंदानगर में मंगलवार रात सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। पीड़ित गोलुसु मनोज 23 वर्ष और चिट्टीमाला राजू 26 वर्ष जो चंदनगर के एक होटल में काम करते थे, घटना के समय मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। चंदनगर के सब इंस्पेक्टर एन रमेश ने बताया कि मनोज बाइक चला रहा था जबकि राजू पीछे बैठा था। जीएसएम मॉल से गलत दिशा में चंदनगर की ओर जाते समय मनोज विपरीत दिशा से आ रही टीएसआरटीसी बस से टकरा गया। दोनों घायल हो गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया। मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

कुलसुमपुरा में आग लगने से बच्चे की मौत, 5 घायल

25 लोगों को सुरक्षित बचाया गया

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के कुलसुमपुरा में मंगलवार रात आग लगने की घटना में एक बच्चे की मौत हो गई और 5 अन्य झुलस गए। पुराने शहर के कुलसुमपुरा में 4 मंजिला इमारत के भूतल पर आग लग गई, जहां तड़के साबुन बनाने का काम होता था। शिव प्रिया (10), श्रीनिवास (37), माधवी, (24), लक्ष्मी बाई (70) और मेघना (18) झुलस गए। शिव प्रिया की उस्मानिया जनरल अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई और बाकी लोग अस्पताल में भर्ती हैं। इनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। अग्निशमन कर्मियों ने इमारत में फंसे लगभग 25 लोगों को बचाया।

आंध्रा में बाढ, केंद्र सरकार का नहीं है ध्यान

बाढ के पानी में खडी हो गई वाईएस शर्मिला

केंद्र सरकार का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास

विजयवाड़ा, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश में बाढ़ की स्थिति की ओर मोदी सरकार का ध्यान आकर्षित करने और कल के बजट में केंद्र की उदासीनता को उजागर करने के लिए, एपीसीसी अध्यक्ष वाईएस शर्मिला रेड्डी आज कमर तक भरे बाढ़ के पानी में चली गईं।

वाईएस शर्मिला रेड्डी ने कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ आज पश्चिम गोदावरी जिले के ताड़ेपल्ली ग्रामीण मंडल के अंतर्गत नंदमुर गांव का दौरा किया और ग्रामीणों से बातचीत की, जिनके घर बाढ़ के पानी में डूब गए थे।

इस अवसर पर वाईएस शर्मिला रेड्डी ने कहा, "ऐसा लगता है कि मोदी सरकार आंध्र प्रदेश को भारत का हिस्सा नहीं मानती है। जबकि बिहार, असम और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों को बाढ़ नियंत्रण और पुनर्वास के लिए अतिरिक्त धनराशि मिली, वहीं एनडीए शासित आंध्र प्रदेश को बाढ़ के कारण लोगों को हो रही परेशानियों के लिए कोई राहत नहीं मिली।"

उन्होंने कहा, "इससे साफ पता चलता है कि मोदी को इस राज्य के लोगों से कोई लगाव नहीं है और शायद उन्हें लगता है कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू एनडीए नहीं छोड़ेंगे, भले ही उन्हें कोई राहत न मिले। कांग्रेस आंध्र प्रदेश की एकमात्र पार्टी है जो हर परिस्थिति में लोगों के साथ खड़ी रहेगी।

राज्यपाल ने किए तिरुमला में दर्शन

तिरुमला, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना, झारखंड के राज्यपाल और पुडुचेरी के उपराज्यपाल सी पी राधाकृष्णन ने आज यहां श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने कहा कि उन्होंने देश के 140 करोड़ लोगों की खुशहाली और समृद्धि के लिए भगवान बालाजी से प्रार्थना की।

विधान परिषद ने दी डी. श्रीनिवास को श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधान परिषद के अध्यक्ष गुट्टा सुखेंदर रेड्डी ने तेलंगाना राज्य विधान परिषद के पूर्व सदस्य डी. श्रीनिवास के निधन पर अपनी संवेदना व्यक्त की और शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

गुट्टा सुखेंदर रेड्डी ने आज विधान परिषद में शोक प्रस्ताव पेश किया। इस अवसर पर बोलते हुए, सुखेंदर रेड्डी ने सदन में कहा कि डी. श्रीनिवास का जन्म 27 सितंबर, 1948 को निजामाबाद जिले के वेलपुर में वेंकटराम और लक्ष्मीबाई के घर हुआ था। श्रीनिवास ने संयुक्त आंध्र प्रदेश विधानसभा में 1989 से 1994 तक, 1999 से 2003 तक और 2004 से 2009 तक निजामाबाद विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 1969 और 1970 के बीच राज्य एनएसयूआई के पहले संयोजक के रूप में कार्य किया।

सांसदों ने केंद्रीय बजट में तेलंगाना के लिए नहीं लाया एक भी पैसा : बीआरएस

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के विधायकों ने आज केंद्र सरकार द्वारा अपने वार्षिक बजट में तेलंगाना राज्य को बजट आवंटित करने में अनिच्छा पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने बुधवार को विधानसभा पर मीडिया से बात की। विधायक केपी विवेकानंद ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और भाजपा के सांसदों ने आठ एमपी सीटें जीतने के बाद भी तेलंगाना राज्य के लिए आठ पैसे भी नहीं लाए।

उन्होंने आरोप लगाया कि जब बीआरएस पार्टी सत्ता में थी, तो केंद्र ने राज्य को धन उपलब्ध नहीं कराकर मुश्किलें खड़ी की थीं और कहा कि पूर्व सीएम केसीआर ने अपनी ताकत से तेलंगाना का विकास किया। 10 साल से एक भी पैसा नहीं दिया गया। सीएम रेवंत रेड्डी ने कई वादे किए थे और अब वे नया नाटक कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने भाजपा के केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की। अब वही सीएम कह रहे हैं कि केंद्र सरकार के रवैये के खिलाफ विधानसभा में प्रस्ताव पारित किया जाएगा। सीएम रेवंत रेड्डी की राजनीतिक साजिशों का मुकाबला करना बीआरएस पार्टी के लिए कोई नई बात नहीं है। दोनों राष्ट्रीय पार्टियों ने तेलंगाना के साथ अन्याय किया है। विवेकानंद ने सवाल किया कि जब पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश के अधिकारों के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई गई थी, तब कांग्रेस पार्टी ने तेलंगाना राज्य के अधिकारों की मांग क्यों नहीं की?

"बजट में तेलंगाना के साथ अन्याय"

बीआरएस विधायक पौडी कौशिक रेड्डी ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पेश किए गए बजट में तेलंगाना के साथ गंभीर अन्याय किया गया है। उन्होंने दुख जताते हुए कहा, यह दुखद है कि पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश को 15,000 करोड़ रुपये दिए गए हैं और तेलंगाना को एक भी रुपया नहीं दिया गया है। उन्होंने मजाक उड़ाया कि तेलंगाना से दोनों राष्ट्रीय पार्टियों के सांसद चुने जाने के बाद भी वे राज्य को एक भी रुपया नहीं दिला पाए। उन्होंने कहा कि वे सीएम रेवंत रेड्डी द्वारा दी गई छह गारंटियों के क्रियान्वयन का मुद्दा उठाने के अलावा विधानसभा में इस मुद्दे को उठाएंगे।

24,000 स्कूल बसों को फिटनेस प्रमाण पत्र जारी : पोन्नम प्रभाकर

हैदराबाद, 24 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने आज कहा कि उन्होंने अब तक 24,000 स्कूल बसों को फिटनेस प्रमाण पत्र दिए हैं। राज्य विधानसभा में विधायकों द्वारा उठाए गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करने का अभियान हर साल 15 मई से शुरू होगा और उन्होंने सभी स्कूलों के लिए फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करना अनिवार्य कर दिया है। मंत्री ने कहा कि बस चालकों और कंडक्टरों के लिए काउंसलिंग आयोजित करने के बाद फिटनेस प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे केंद्र और राज्य सरकारों के नियमों के अनुसार 15 साल से अधिक पुरानी बसों का उपयोग नहीं करने के लिए कदम उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने सभी बसों के लिए अग्निशमन यंत्र, फोन नंबर डिस्प्ले और मेडिकल किट रखना अनिवार्य कर दिया है। उन्होंने कहा कि विधानसभा के सदस्यों की सलाह के अनुसार बसों को समय-सारिणी के अनुसार चलाने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.